भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)

60वीं वार्षिक रिपोर्ट

2023-24

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

कुलाधिपति

श्री सुनील बड़थ्वाल
सचिव
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य भवन
नई दिल्ली–110001.

आईआईएफटी प्रबंधन बोर्ड

अध्यक्षा

प्रोफेसर सतिंदर भाटिया
कुलपति
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21, कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110016.

सदस्य

श्री पीयूष कुमार
अतिरिक्त सचिव
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य भवन
नई दिल्ली–110011
ईमेल: astpd-doc@nic.in

डॉ. एम. बालाजी
संयुक्त सचिव
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य भवन
नई दिल्ली–110011
ईमेल: m.balaji05@ias.gov.in

श्री अभिषेक सिंह
संयुक्त सचिव (इ.डी.)
विदेश मंत्रालय, कमरा नम्बर –1067
ए विंग, पहली मंजिल
जवाहरलाल नेहरू भवन
नई दिल्ली.
ईमेल: jsed@mea.gov.in

आई आई एफ टी संकाय

डॉ. के. रंगाराजन
प्रमुख, कोलकाता परिसर
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
प्लॉट नंबर 1583, मदुरदाहा, वार्ड नंबर 108
ईएम बाईपास, रूबी अस्पताल के निकट
कोलकाता–700107
ईमेलः head_kol@iift.edu

डॉ. संजय रस्तोगी
प्रोफेसर
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21, कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110016
ईमेलः srastogi@iift.edu

डॉ. जैकलीन सिम्स
एसोसिएट प्रोफेसर
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21, कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110016.
ईमेलः jsymss@iift.edu

सचिव

डॉ. पी.के. गुप्ता
कुलसचिव
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21, कुतुब इंस्टिट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110016.
ईमेलः registrar@iift.ac.in

विषय

समीक्षा वर्ष	03
2023–24 में आईआईएफटी की महत्वपूर्ण उपलब्धियां: एक स्नैपशॉट	14
आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा	19
शिक्षा और प्रशिक्षण	34
आईआईएफटी में अनुसंधान	44
अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	47
कार्यकारिणी प्रबंधन कार्यक्रम	58
आईआईएफटी में उत्कृष्टता के केंद्र	60
कॉर्पोरेट संबंध और नौकरी दिलाने वाला प्रभाग	83
छात्र गतिविधियाँ 2023–24	86
उद्योग, व्यापार और वाणिज्य के साथ संवाद	92
विदेश व्यापार पुस्तकालय	95
कंप्यूटर केंद्र और आईटी सहायक सेवाएं	97
पत्रिका प्रभाग	98
राजभाषा हिंदी की गतिविधियां	110
वार्षिक लेखा	113
आईआईएफटी संकाय	134
आईआईएफटी प्रशासन	143
आईआईएफटी सहायक सेवाएं	144
अतिथि संकाय	145
स्थायी सदस्य	147

समीक्षा वर्ष

परिचय

इलेक्ट्रॉनिक उद्योग का प्रभाव विनिर्माण से परे तक फैला हुआ है, यह कृषि और सेवाओं जैसे सभी क्षेत्रों में वैश्विक व्यापार, नवाचार और सामाजिक प्रगति को प्रभावित करता है। 'डेटा' नए प्रकार के तेल की तरह है 'डेटा' के प्रवाह को सुविधाजनक बनाता है, वैश्विक अर्थव्यवस्था में रीढ़ की हड्डी की भूमिका निभाने वाला उद्योग। यह कृषि अनुप्रयोगों, विनिर्माण, सेवाएँ, अनुसंधान और विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पैदा करने में भी मदद करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स अन्य क्षेत्रों (उदाहरण के लिए, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और संचार) में नवाचार को बढ़ावा देता है, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), 5G और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) जैसे क्षेत्रों द्वारा संचालित होता है। फिर ये उन इलेक्ट्रॉनिक घटकों पर निर्भर करते हैं जिनको अर्थव्यवस्थाओं को बदल देने वाली प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है। इन के लिए महत्वपूर्ण निवेश, कुशल श्रम और निजी निवेश के लिए अपेक्षाकृत पूर्वानुमानित व्यवस्था की आवश्यकता होती है। तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण और मांग वाली किसी भी विनिर्माण प्रक्रिया के प्रारंभिक चरण के दौरान, निवेश और अन्य प्रोत्साहनों को लेकर निजी पहल के लिए सरकारी समर्थन महत्वपूर्ण हो जाता है। यह प्रथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अलग नहीं है और आज के कई औद्योगिक देशों में देखी जा सकती है।[1]

इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रः पीएलआई योजना

भारत ने सूचना प्रौद्योगिकी समझौते (कल्लूमल, 2012)[2] पर हस्ताक्षर करके जिसे त्याग दिया था, उस इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को फिर से औद्योगीकृत करने के प्रयास को मजबूत करने के लिए इसने भारत को मजबूर किया। उन्नत सेमीकंडक्टर्स, डिस्प्ले और संचार प्रद्यौगिकी की आवश्यकता उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है. इसलिए, मेक–इन–इंडिया के तहत एक पहल, भारत की संशोधित प्रोत्साहन पैकेज योजना (एमआईपीएस) का उद्देश्य सेमीकंडक्टर्स, डिस्प्ले मैन्यूफैक्चरिंग और डिजाइन इकोसिस्टम में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करके इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण उद्योग को बढ़ावा देना है।[3] विश्वव्यापी महामारी के कारण उत्पादन श्रृंखला टूटने और दुनिया के रुकने पर भारत सरकार ने (जीओआई) भारत के विनिर्माण क्षेत्र को पुर्नजीवित करने के लिए अपनी अबतक की सबसे बड़ी उत्पादन–आधारित योजना शुरू की है। प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) योजना पहली बार 2020 में केवल तीन क्षेत्रों के लिए अधिसूचित की गई थी जिनमें शामिल हैं:[4]

- फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अधीन प्रमुख प्रारंभिक सामग्री (केएसएम), ड्रग इंटरमीडिएट्स (डीआई), और सक्रिय फार्मास्यूटिकल सामग्री (एपीआई)।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण।
- फार्मास्यूटिकल्स विभाग के अंतर्गत चिकित्सा उपकरणों का विनिर्माण।

इस योजना को बाद में 10 और क्षेत्रों तक विस्तारित किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

- इलेक्ट्रॉनिक/प्रौद्योगिकी उत्पादः इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।
- फार्मास्यूटिकल्स दवाएँः फार्मास्यूटिकल्स विभाग।
- दूर संचार और नेटवर्किंग उत्पादः दूरसंचार विभाग।
- खाद्य उत्पादः खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय।
- व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी): उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग।
- उच्च दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूलः नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
- ऑटोमोबाइल और ऑटो घटकः भारी उद्योग विभाग।
- एडवांस केमिस्ट्री सैल (एसीसी) बैटरीः भारी उद्योग विभाग।
- कपड़ा उत्पादः एमएमएफ खंड और तकनीक में इस्तेमाल होने वाला कपड़ाः कपड़ा मंत्रालय।
- विशेष इस्पातः इस्पात मंत्रालय।

इस योजना का मुख्य फोकस राष्ट्रीय विनिर्माण चौंपियन बनने के लिए भारत के विनिर्माण को बढ़ावा देना है और देश के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करके भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में न्यूनतम अपेक्षित उत्पादन को 500 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक करना है। इस योजना के पीछे की रणनीति भारत में निर्मित उत्पादों के लिए आधार वर्ष के बाद पांच वर्षों तक वृद्धिशील बिक्री पर कंपनियों को 4 से 6 % का प्रोत्साहन देना है। उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, सस्ते आयात पर अंकुश लगाने, आयात बिल को कम करने, घरेलू स्तर पर निर्मित वस्तुओं की लागत प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और घरेलू क्षमता और निर्यात को बढ़ाने के लिए ये सब विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इन 13 प्रमुख क्षेत्रों के लिए, वित्त मंत्री ने 2021–22 के केंद्रीय बजट में 1.96 लाख करोड़ रुपये (लगभग 26 बिलियन डॉलर) के परिव्यय की घोषणा की। मोबाइल विनिर्माण और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों (एमईआईटीवाई) के लिए योजना के पहले चरण में ₹35,541 करोड़ के प्रोत्साहन की मंजूरी के लिए 16 आवेदन प्राप्त हुए हैं। महत्वपूर्ण प्रारंभिक सामग्री/दवा मध्यस्थों और सक्रिय फार्मास्यूटिकल्स सामग्री के लिए, फार्मास्युटिकल विभाग को ₹5,400 करोड़ के स्वीकृत निवेश के साथ

1. लुओ, वाई., वान एश, ए. 2023, तकनीकी–भूराजनीतिक अनिश्चितता का उदयः संयुक्त राज्य चिप्स और विज्ञान अधिनियम के निहितार्थ। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस स्टडी 54, 1423-1440- https://doi.org/10.1057/s41267-023-00620-3.
2. कल्लूम्मल मुरली 2012, सूचना प्रौद्योगिकी समझौते (आईटीए) के तहत व्यापार उदारीकरण की प्रक्रियाः भारतीय अनुभव। सीआरआईटी/सीडब्ल्यूएस वर्किंग पेपर 20. https://wtocentre.iift.ac.in/workingpaper/Working%20Paper3.pdf.
3. संदर्भ https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1843057
4. संदर्भ https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1710134

कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए हैं, इसके बाद ₹873.93 करोड़ के स्वीकृत प्रतिबद्ध निवेश के साथ चिकित्सा उपकरणों के निर्माण में अन्य 14 आवेदन प्राप्त हुए हैं। सभी क्षेत्रों में, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र अर्थव्यवस्था के प्रत्येक क्षेत्र में व्याप्त है, और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र अत्यधिक आर्थिक और रणनीतिक महत्व का है। 2015 से लेकर 2019 तक, भारत में, लगभग 25% की सीएजीआर के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में वृद्धि हुई है।[5]

भारत के व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक भूमिका निभाता है। 2012 में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की हिस्सेदारी सिर्फ 1.3% थी जो 2018 में केवल 3% बढ़ी। घरेलू उत्पादन 2014–15 में 29 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2018–19 में 70 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। 2025 तक इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर की घरेलू मांग तेजी से बढ़कर 400 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसलिए, केवल घरेलू मांग के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात के कारण विदेशी मुद्रा व्यय में लगातार वृद्धि को भारत सहन नहीं कर सकता है। ऐसे में दुनिया भर की अन्य विनिर्माण अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में विनिर्माण क्षेत्र की भेद्यता की भरपाई के लिए एक प्रणाली की आवश्यकता है।

भारत को सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण (ईएसडीएम) का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए भारत सरकार ने चार और नई शुरुआत की हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक्स पर उस राष्ट्रीय नीति (एनईपी) 2019 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएंगी, जिंसमें उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई), इलेक्ट्रॉनिक घटकों और सेमीकंडक्टर के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीईसीएस), संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर योजना (ईएमसी 2.0) और आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) शामिल हैं जिन्हें अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक अधिसूचित किया गया था।

पीएलआई योजना का लक्ष्य मोबाइल फोन उद्योग के एक विशिष्ट खंड और अनुबंध 1 में दिए गए निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों को लक्षित करना है। इन क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करके, कार्यक्रम वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की बढ़ती उपस्थिति का मार्ग प्रशस्त करता है। एमआईआई योजना व्यापक पहल का हिस्सा है जिसमें उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्धचालकों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना (एसपीईसीएस), और संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर (ईएमसी 2.0) योजना शामिल है।[6]

पीएलआई योजना की डब्ल्यूटीओ अनुकूलता

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए बनाई गई भारत की उत्पादन–लिंक्ड–प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) नियमों के साथ इसकी स्थिरता के बारे में सवाल उठाए हैं। यह योजना वृद्धिशील बिक्री के आधार पर एक सरल और प्रत्यक्ष प्रोत्साहन प्रदान करती है, जिसे घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और मोबाइल फोन और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटक विनिर्माण इकाइयों में महत्वपूर्ण निवेश आकर्षित करने के लिए बनाया गया है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का पालन करने के लिए इस योजना का सावधानीपूर्वक निर्माण किया गया है। पीएलआई योजना की रूप रेखा ऐसी है कि वो योजना की सब्सिडी की पात्रता या मात्रा को निर्यात और स्थानीय मूल्यवर्धन से नहीं जोड़ती है और इस प्रकार इसे डब्ल्यूटीओ के अनुरूप बनाती है। इसके विवरण (उदाहरण के लिए, ₹15,000 से अधिक कीमत वाले फोन पर सब्सिडी की पेशकश) कंपनियों को निर्यात और स्थानीय मूल्य–संवर्धन लक्ष्यों के लिए अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिबद्ध होने के लिए प्रभावित करते हैं।[7]

सरकार ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि उसका ध्यान ऐसी नई अंतरराष्ट्रीय योजनाओं और नीतियों के पक्ष में गैर–डब्ल्यूटीओ–अनुपालक योजनाओं को चरणबद्ध करना था जो भारत को अन्य वैश्विक बाजारों के बराबर ला सकें। इसके अनुरूप, मौजूदा MEIS (भारत से माल निर्यात योजना)[8] को बदलने के लिए PLI और RoDTEP (निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट) योजनाओं को 2020 और 2021 में अधिसूचित किया गया था। संयुक्त राज्य अमरीका (यूएसए) द्वारा भारत के खिलाफ दर्ज की गई एक विशेष शिकायत में, डब्ल्यूटीओ ने स्पष्ट रूप से फैसला सुनाया था कि एमईआईएस के तहत प्रोत्साहन सीधे तौर पर सब्सिडी और काउंटरवेलिंग उपायों (एससीएम समझौते) पर डब्ल्यूटीओ समझौते में परिभाषित निषिद्ध सब्सिडी की तरह हैं।[9]

यह ध्यान देने योग्य है कि पीएलआई भी, वो नकदी है जिसे आधार वर्ष से तुलना करके वृद्धिशील बिक्री और वृद्धिशील पूंजी निवेश के निर्धारित मानदंडों को पूरा करने पर आवेदक निर्माता के खाते में सीधे जमा किया जाता है। इसके अलावा, एमईआईएस की तरह, पीएलआई योजना के प्रावधान भी विनिर्मित वस्तुओं पर ढांचागत अक्षमताओं की भरपाई करने का उल्लेख करते हैं, जो किसी भी निर्यातित उत्पाद पर लगने वाले अप्रत्यक्ष करों की भरपाई से भिन्न है। तीसरा, एमईआईएस की तरह पीएलआई, भारत में वृद्धिशील पूंजी निवेश और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हैं और पात्र आवेदक द्वारा बेची गई वृद्धिशील वस्तुओं पर पहले से भुगतान किए गए करों की वापसी के साथ किसी भी तरह का सौदा नहीं करते हैं।

हालाँकि, दोनों योजनाओं के बीच मुख्य अंतर यह है कि पीएलआई निर्यात से जुड़ी नहीं हैं। दूसरे शब्दों में, एमईआईएस और पीएलआई के बीच सबसे महत्वपूर्ण अंतर यह है कि पीएलआई भारत से निर्यात को प्रोत्साहित करने का प्रेरक नहीं है। इसके बजाय, भारत में निर्माताओं को अधिक से अधिक पूंजी निवेश करके अधिक सामान बेचने को प्रेरित करने के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन दिए जाते हैं

5. संदर्भ https://static.investindia.gov.in/2020-04/PLI%20Gazette%20Notification%20-%2001.04.20_0.pdf
6. संदर्भ https://telecom.economictimes.indiatimes.com/news/pli-scheme-to-boost-growth-in-mobile-phone-manufacturing-in-india-handset-makers-body/76157452.
7. संदर्भ https://indianembassy-moscow.gov.in/press-releases-18-04-2021-1.php
8. संदर्भ https://www.cii.in/PressreleasesDetail.aspx?enc=RkaP+fQWKft3/ZkPh4hHVQ8YDci/nHEkizitQYqXEOJH2GvKKnihWzxfocnNm2VaI1JYba4I9lOcLy41D9ICPQ==
9. संदर्भ https://idt.taxsutra.com/experts/column?sid=418

और इस तरह उन्हें वृद्धिशील निवेश से जुड़ी बिक्री के लिए पुरस्कृत किया जाता है। विशेष रूप से, इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्माताओं के लिए पीएलआई योजना का उद्देश्य मोबाइल फोन और निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक भागों और घटकों के बड़े निर्माताओं द्वारा पूंजी निवेश को आकर्षित करना है। इस उल्लेख के बाद, कुछ विद्वान डब्ल्यूटीओ अनुकूलता को लेकर संशय में रहे। उनका मानना है कि घरेलू उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए भले ही निर्यात सब्सिडी या तरजीही सब्सिडी निर्मित नहीं होती हों, डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान के कारण अन्य देशों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली ''विशिष्टता'' सब्सिडी को समाप्त करने या हटाने की आवश्यकता हो सकती है।[10]

सब्सिडी और काउंटरवेलिंग उपायों पर समझौते (एएससीएम) के तहत, अनुच्छेद 1 सब्सिडी को इस प्रकार परिभाषित करता है:

(A) (1) किसी सरकार या किसी सार्वजनिक निकाय द्वारा किसी सदस्य के क्षेत्र में वित्तीय योगदान (इस अनुबंध में ''सरकार'' के रूप में संदर्भित)।

(i) एक सरकारी प्रथा में धन का प्रत्यक्ष हस्तांतरण (उदाहरण के लिए, अनुदान, ऋण और इक्विटी निवेश), धन या देनदारियों के संभावित प्रत्यक्ष हस्तांतरण (उदाहरण के लिए, ऋण गारंटी) शामिल है;

(ii) सरकारी राजस्व जो अन्यथा देय है, छोड़ दिया गया है या एकत्र नहीं किया गया है (उदाहरण के लिए, कर क्रेडिट जैसे राजकोषीय प्रोत्साहन);

(iii) एक सरकार सामान्य बुनियादी ढांचे के अलावा अन्य सामान या सेवाएँ प्रदान करती है या सामान खरीदती है;

(iv) एक सरकार एक फंडिंग तंत्र को भुगतान करती है या ऊपर (i) से (iii) में दर्शाए गए एक या अधिक प्रकार के कार्यों को पूरा करने के लिए एक निजी निकाय को सौंपती है या निर्देशित करती है, जो आम तौर पर सरकार में निहित होती है और यह अभ्यास आमतौर पर सरकारों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथाओं से भिन्न है;

या

A. (2) GATT 1994 के अनुच्छेद XVI के अर्थ में आय या मूल्य समर्थन का कोई भी रूप है; और

B. इस प्रकार लाभ प्रदान किया जाता है।

अनुच्छेद 3 के तहत, एएससीएम, सब्सिडी की दो बुनियादी श्रेणियां बनाता है: निषिद्ध और कार्रवाई योग्य। एएससीएम सब्सिडी की दो निम्नलिखित श्रेणियों पर प्रतिबंध लगाता है:

(i) सब्सिडी, कानून या तथ्य के रूप में, पूरी तरह से या कई शर्तों में से एक के रूप में, निर्यात प्रदर्शन पर निर्भर करती है।

(ii) सब्सिडी, पूरी तरह से या कई अन्य शर्तों में से एक के रूप में, आयातित वस्तुओं की तुलना में घरेलू उपयोग पर निर्भर करती है।

पहले की निर्यात प्रोत्साहन योजनाओं के विपरीत, पीएलआई योजनाओं की संरचना निर्यात के लिए प्रोत्साहन की पात्रता या मात्रा को नहीं जोड़ती है और आयातित वस्तुओं से अधिक घरेलू वस्तुओं के उपयोग की कोई आवश्यकता नहीं है। इसलिए, पीएलआई योजनाओं को निषिद्ध सब्सिडी नहीं माना जा सकता है।

भारत का निर्यात

चित्र 1, 2017 से 2023 तक भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के रुझान को प्रदर्शित करता है। यह निर्यात में लगातार वृद्धि को दर्शाता है, जो 2017 में लगभग 9.19 बिलियन डॉलर से शुरू होकर 2023 तक लगभग 31.94 बिलियन डॉलर तक बढ़ा है। विशेष रूप से 2021 के बाद से निर्यात के बढ़ते रुझान का श्रेय पीएलआई को दिया जा सकता है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देना है। कुल मिलाकर इस दौरान निर्यात में 21.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई।

2017 में हुए शीर्ष निर्यात की रैंकिंग के संदर्भ में गति का विश्लेषण और उसकी 2023 की रैंकिंग से तुलना इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में 2020 के एमआईआई द्वारा कब्जा किए गए बाजार पर कुछ प्रकाश डालेगी। भारत द्वारा बाजार पर कब्जा यह दर्शाता है कि संयुक्त राज्य अमरीका और संयुक्त अरब अमीरात ने पिछले वर्षों में सर्वोच्च रैंकिंग बरकरार रखी है। दूसरी ओर, भारत की बाजार में हिस्सेदारी की कमी के कारण जर्मनी, चीन, फ्रांस, सऊदी अरब और सिंगापुर नीचे आए हैं।

चीन, इजराइल और चेक गणराज्य जैसे देशों के लिए विविध आर्थिक प्रदर्शन करते हुए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर (बाजार के आकार का एक प्रॉक्सी) क्रमशः 7.7, 6.1 और 5.2 प्रतिशत की मजबूत विकास दर दर्शा कर महत्वपूर्ण आर्थिक विस्तार का संकेत देती है। दूसरी ओर, तुर्की और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों ने क्रमशः –0.1 और –0.4 प्रतिशत की नकारात्मक विकास दर देखी, जो आर्थिक संकुचन का संकेत है। संयुक्त राज्य अमरीका और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने 4.44 और 3.06 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर का अनुभव लिया।

10. संदर्भ https://idt.taxsutra.com/experts/column?sid=418

चित्र 1

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों में भारत का निर्यात

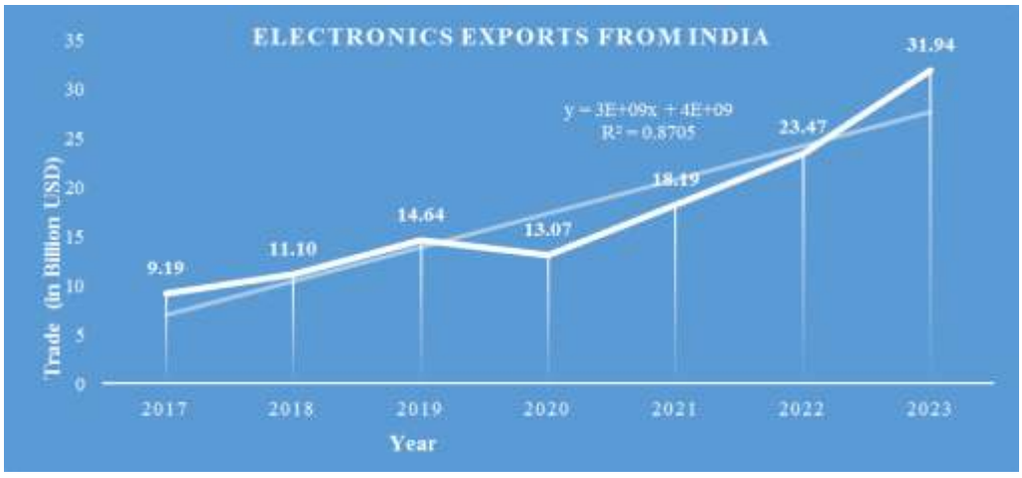

स्रोतः डब्लू. आई. टी. एस.

जिन देशों ने रैंकिंग हासिल की है उनमें यूनाइटेड किंगडम शामिल है, जो 2023 में दो पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गया। दूसरी ओर, इटली, तुर्की और नीदरलैंड ने क्रमशः 13वें, 8वें और 7वें, स्थान पर अपने रिकॉर्ड लाभ के साथ रैंक में सार्थक बढ़ोतरी दिखाई है। शीर्ष 20 बाजारों में, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया, मैक्सिको, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, इजराइल और रूसी संघ जैसे छह नए देश शामिल हैं, तालिका 1 देखें।

तालिका 1

इलेक्ट्रॉनिक निर्यात के लिए शीर्ष बाजार (2017 से 2023)

क्र.सं.	निर्यात बाजार का 70%	80% निर्यात बाजार	जीडीपी जीआर % (2017 से 2022)	प्रति व्यक्ति आय (परिवर्तन) (2022 और 2017)
	2017	2023		
1.	अमरीका	अमरीका	4.44	16421.83
2.	संयुक्त अरब अमीरात	संयुक्त अरब अमीरात	2.19	10644.01
3.	चीन	यूनाइटेड किंगडम	2.39	5553.13
4.	जर्मनी	नीदरलैंड्स	3.17	8349.79
5.	यूनाइटेड किंगडम	इटली	1.30	2369.70
6.	सिंगापुर	जर्मनी	1.86	4065.40
7.	फ्रांस	चीन	7.66	3903.17
8.	बांग्लादेश	चेक रिपब्लिक	5.17	6590.42
9.	मलेशिया	फ्रांस	1.09	2105.20
10.	नीदरलैंड्स	ऑस्ट्रिया	1.61	4655.52
11.	सऊदी अरब	हॉन्ग कॉन्ग, चीन	0.93	2823.19
12.	हॉन्ग कॉन्ग, चीन	सऊदी अरब	5.15	9537.40
13.	वियतनाम	टर्की	-0.06	1171.44
14.	कुवैत	सिंगापुर	5.55	21642.73
15.	इंडोनेशिया	मेक्सिको	2.20	1803.19
16.	जापान	ऑस्ट्रेलिया	3.06	11145.29
17.	इटली	दक्षिण अफ्रीका	-0.36	32.01
18.	ऑस्ट्रेलिया	स्पेन	0.50	1489.22
19.	ओमान	इजराइल	6.11	13816.16
20.	टर्की	रूसी संघ	5.76	4550.37

स्रोत : डब्लू. आई. टी. एस.

भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रीय गतिशीलता

भारत के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की जनहित याचिका ने अच्छा प्रदर्शन किया है और समग्र स्तर पर उम्मीद से परे प्रदर्शन किया हैय हालाँकि, नीतिगत सुधार करने के लिए उप–क्षेत्र स्तर के प्रदर्शन का विश्लेषण करने की आवश्यकता है। एचएस कोड (हार्मोनाइज्ड सिस्टम), उद्योग, या उत्पाद प्रकार जैसी श्रेणियों द्वारा समूह उत्पाद के मूल्यांकन का एक समग्र स्तर है। इसे अध्याय 01 से 97 या अनुभाग 01 से 21 के आधार पर निष्पादित किया जा सकता है। एक हालिया और व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली विधि है डब्ल्यूटीओ का बहुपक्षीय व्यापार वार्ता उत्पाद समूह।[11] पीएलआई योजना से संबंधित 203 उत्पादों (6–अंकीय एचएस कोड) की पूरी सूची चार एमटीएन उत्पाद समूहों में फैली हुई हैः रसायन, विद्युत मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मैकेनिकल, कार्यालय और कंप्यूटिंग मशीनरी, और अन्य निर्माता, तालिका 2 देखिए।

तालिका 2

पीएलआई योजना और एमटीएन उत्पाद समूह कवरेज

क्र.सं.	एमटीएन उत्पाद समूह	6–अंकीय एचएस कोड की संख्या
1.	रसायन	1
1.ए	अन्य रासायनिक उत्पाद	1
2.	विद्युत मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	97
2.ए	श्रव्य–दृश्य उपकरण	2
2.बी	घरेलू उपकरण	9
2.सी	विद्युत मशीनरी	42
2.डी	इलेक्ट्रॉनिक घटक	17
2.इ	सैमीकंडक्टर्स	7
2.एफ	दूरसंचार उपकरण	20
3.	मकैनिकल, कार्यालय और कम्प्यूटिंग मशीनरी	61
3.ए	कंप्यूटर और कार्यालय मशीनरी	9
3.बी	सामान्य औद्योगिक मशीनरी	20
3.सी	विशिष्ट उद्योगों के लिए मशीनरी	32
4.	अन्य निर्माता	44
4.ए	हथियार और गोला बारूद	8
4.बी	मापने के उपकरण	31
4.सी	मनोरंजक और खेल उत्पाद	5
	भारत का कुल पीएलआई कवरेज	203

स्रोतः लेखक

हाल के घटनाक्रम में 22 एमटीएन उत्पाद समूह को आगे 72 उप–एमटीएन उत्पाद समूहों में वर्गीकृत किया गया है। ये और अधिक सेक्टर–विशिष्ट समझ प्रदान करता है। एमटीएन उत्पाद समूह इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि दूरसंचार उपकरण ने 48 प्रतिशत की वृद्धि और सेमीकंडक्टर में 42.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे तीव्र वृद्धि दर का अनुभव किया है। इसके बाद रहे 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि के साथ चार अन्य एमटीएन उत्पाद समूह, जैसे हथियार और गोला–बारूद 26.2 प्रतिशत, मनोरंजक और खेल उत्पाद 15 प्रतिशत, विद्युत मशीनरी 11.2 प्रतिशत और विशेष उद्योगों के लिए मशीनरी 11 प्रतिशत। 17 छह–अंकों वाले कोड में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर और कंप्यूटर और कार्यालय मशीनरी में 3.8 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ इलेक्ट्रॉनिक घटकों में देखी गई कम वृद्धि उल्लेखनीय है। (तालिका 3 देखिए)।

11. डब्ल्यूटीओ की बहुपक्षीय व्यापार वार्ता (एमटीएन) श्रेणियाँ व्यापार सांख्यिकी और नीति विश्लेषण के लिए डब्ल्यूटीओ द्वारा उपयोग की जाने वाली उत्पाद वर्गीकरण प्रणाली है। यह व्यापार प्रवृत्तियों की व्याख्या और टैरिफ जैसे नीतिगत उपायों के विश्लेषण के लिए सामान्य शब्दावली के उपयोग की अनुमति देता है। देखें https://wits.worldbank.org/referencedata.html.

तालिका 3

भारत का निर्यात एमटीएन उपश्रेणी–वार

उप एमटीएन उत्पाद समूह	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	विकास दर (%)
दूरसंचार उपकरण	1.3	2.3	4.5	4.2	6.8	9.9	16.1	47.8
सेमीकंडक्टर	0.2	0.1	0.3	0.2	0.2	0.6	1.9	42.4
हथियार और गोला बारूद	0.1	0.1	0.1	0.2	0.2	0.2	0.3	26.2
मनोरंजक और खेल उत्पाद	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	15.0
विद्युत मशीनरी	3.2	3.6	4.3	3.9	4.9	5.8	6.1	11.2
विशिष्ट उद्योगों के लिए मशीनरी	1.3	1.5	1.6	1.3	2.0	2.3	2.4	11.0
घरेलू उपकरण	0.1	0.1	0.1	0.1	0.2	0.1	0.1	9.5
मापने के उपकरण	0.8	0.9	0.9	0.8	1.1	1.2	1.3	8.9
सामान्य औद्योगिक मशीनरी	1.5	1.7	1.9	1.7	2.0	2.3	2.6	8.4
अन्य रासायनिक उत्पाद	0.1	0.1	0.1	0.1	0.2	0.2	0.1	4.8
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3	0.4	4.1
कंप्यूटर और कार्यालय मशीनरी	0.3	0.3	0.4	0.3	0.3	0.4	0.4	3.8
श्रव्य–दृश्य उपकरण	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	-4.0
कुल जोड़	**9.2**	**11.1**	**14.6**	**13.1**	**18.2**	**23.5**	**31.9**	**21.5**

स्रोतः डब्लू. आई. टी. एस.

यह इन उच्च–तकनीकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति और बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता पर प्रकाश डालता है। एमटीएन उपश्रेणियों में दूरसंचार उपकरण, सेमीकंडक्टर, हथियार और गोला–बारूद शामिल हैं। इसके विपरीत, दृश्य–श्रव्य उपकरणों ने चार प्रतिशत अंक पर नकारात्मक वृद्धि और बाजार में स्थिर सी स्थिति तक पहुंचने का संकेत दिया है (तालिका 3 देखिए)।

भारत का आयात

निर्यात की तुलना में, भारत का आयात संकेंद्रित है, क्योंकि भारत के इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र के कुल आयात में केवल 15 देशों का योगदान 90 प्रतिशत है – निर्यात के मामले में, 20 देशों का योगदान क्रमशः 2017 और 2023 में 70 प्रतिशत और 80 प्रतिशत है। इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के जीवीसी लिंकेज को समझने के लिए हमने 2017 से 2023 तक भारतीय उद्योगों की बदलती प्राथमिकताओं की जांच की है। इसके अलावा, 10 प्रतिशत से ऊपर की वृद्धि 29.1 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में, केवल तीन क्षेत्रों, हथियार और गोला–बारूद में देखी जा सकती है – कम मूल्य के आयात के कारण यह वृद्धि महत्वपूर्ण है।

तालिका 4

भारत का आयात एमटीएन उपश्रेणी–वार

उप एमटीएन उत्पाद समूह	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	विकास दर (%)
हथियार और गोला बारूद	0.0	0.1	0.1	0.0	0.1	0.1	0.2	29.1
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	1.0	1.8	1.6	1.5	2.0	2.4	2.8	15.0
मनोरंजक और खेल उत्पाद	0.0	0.1	0.1	0.0	0.1	0.1	0.1	9.6
कंप्यूटर और कार्यालय मशीनरी	2.5	3.3	2.7	2.2	3.2	4.2	3.9	7.5
विद्युत मशीनरी	5.4	8.0	6.5	5.5	7.5	8.6	9.6	7.5
सामान्य औद्योगिक मशीनरी	1.9	2.8	2.3	2.0	2.6	2.9	3.4	7.3
मापने के उपकरण	2.7	3.9	3.2	3.2	3.4	3.8	4.3	5.1
विशिष्ट उद्योगों के लिए मशीनरी	3.2	5.1	4.1	3.1	4.0	4.0	4.9	2.8

उप एमटीएन उत्पाद समूह	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	विकास दर (%)
सेमीकंडक्टर	5.1	4.6	3.2	2.2	5.0	3.2	6.7	2.1
घरेलू उपकरण	0.2	0.3	0.3	0.3	0.3	0.3	0.2	0.3
दूरसंचार उपकरण	22.8	25.6	16.2	15.5	17.5	18.4	22.5	-2.2
श्रव्य–दृश्य उपकरण	0.1	0.1	0.1	0.0	0.1	0.1	0.0	-2.7
अन्य रासायनिक उत्पाद	0.2	0.2	0.1	0.1	0.1	0.1	0.1	-10.4
कुल जोड़	**45.0**	**55.8**	**40.3**	**35.5**	**45.8**	**48.1**	**58.7**	**2.3**

स्रोतः लेखक

2017 से 2023 की अवधि में, इलेक्ट्रॉनिक्स आयात के मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, हालांकि यह वृद्धि निर्यात में वृद्धि की तुलना में धीमी दर पर रही (तालिका 2 देखिए)। इलेक्ट्रॉनिक्स आयात 2017 में 45.03 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2023 में 58.71 बिलियन डॉलर हो गया, जो आयात में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि और छह वर्षों में 13.68 बिलियन डॉलर की कुल वृद्धि दर्शाता है। आयात में इस लगातार वृद्धि का श्रेय भारत में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और घटकों की बढ़ती मांग को दिया जा सकता है, जो उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के तेजी से विस्तार और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते डिजिटलीकरण से प्रेरित है। आयात में वृद्धि के बावजूद, निर्यात में वृद्धि की तुलना में विकास दर संयमित है।

चित्र 2

भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का आयात

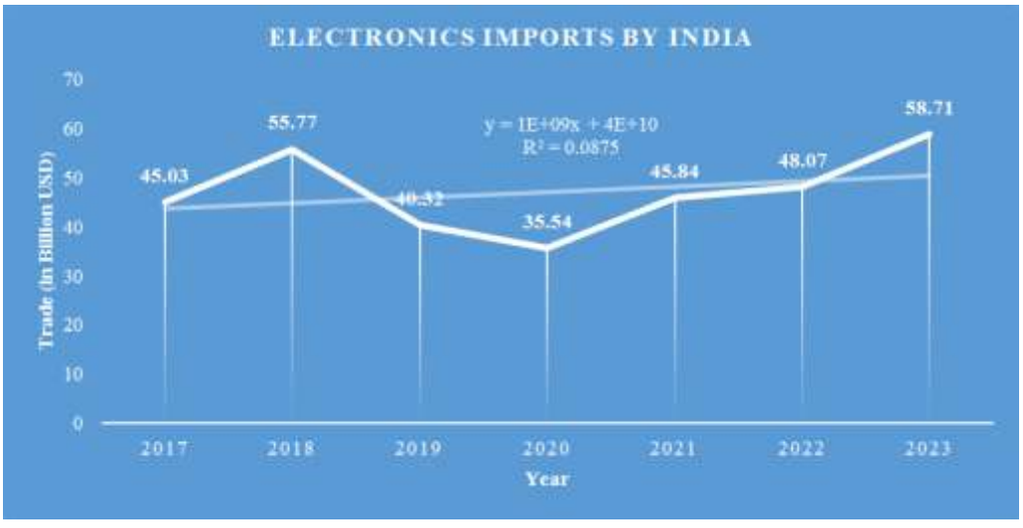

स्रोतः डब्लू. आई. टी. एस.

इस प्रवृत्ति से पता चलता है कि उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना द्वारा समर्थित घरेलू उत्पादन क्षमताओं में धीरे–धीरे होने वाले सुधार से आयातित इलेक्ट्रॉनिक्स पर कुछ निर्भरता कम हो रही है। पीएलआई योजना ने संभवतः स्थानीय विनिर्माण को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो तुलनात्मक रूप से निर्यात की उच्च वृद्धि दर से स्पष्ट है। यह बदलाव घरेलू उत्पादन को मजबूत करने और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए नीतिगत उपायों के सकारात्मक प्रभाव का संकेत देता है।

तालिका 5, 2017 और 2023 के बीच शीर्ष 15 आपूर्तिकर्ताओं पर प्रकाश डाल कर वैश्विक व्यापार गतिशीलता और भारत में प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं के स्थानांतरण परिदृश्य में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। निर्भरता कम करने के प्रयासों के बावजूद, भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है चीन। ये विनिर्माण क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व और गहरे व्यापार संबंधों को दर्शाता है। 2017 और 2023 के बीच, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में 3,903 डॉलर की वृद्धि के साथ चीन ने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में जबरदस्त उछाल देखा, लगभग 7.66 प्रतिशत।

चीन के बाद, जर्मनी ने आयात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी और कोरिया को पछाड़कर दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया। जर्मनी की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2 प्रतिशत रही, साथ ही क्रय शक्ति में वृद्धि हुई, प्रति व्यक्ति आय +4,065.4 बढ़ी। तालिका में हरा रंग साझेदार देशों को दर्शाता है जिन्होंने 2017 के सापेक्ष 2023 में अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

कोरिया, संयुक्त राज्य अमरीका, सिंगापुर और मैक्सिको से होने वाले भारत के आयात में गिरावट आई है। इन देशों में कोरिया की रैंकिंग में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई। जापान में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में लगभग 1.84 प्रतिशत की गिरावट और क्रय शक्ति में कमी देखी गई, प्रति व्यक्ति आय में 4,816.8 डॉलर की कमी आई।

तालिका 5

शीर्ष व्यापारिक भागीदार जहाँ से भारत आयात करता है (2017 से 2023)

क्र.सं.	शीर्ष 15 आपूर्तिकर्ता (90% व्यापार के साथ)		जीडीपी जीआर % (2017 से 2022)	जीडीपी जीआर % (2017 से 2022)	प्रति व्यक्ति आय (परिवर्तन) (2022 और 2017)
	2017	2023			
1.	चीन	चीन	7.66		3903.20
2.	कोरिया	जर्मनी	1.86		4065.40
3.	जर्मनी	वियतनाम	6.18		1171.44
4.	अमरीका	जापान	-1.84		-4816.80
5.	जापान	कोरिया	0.78		821.80
6.	वियतनाम	अमरीका	4.44		16421.80
7.	हॉन्ग कॉन्ग, चीन	मलेशिया	2.44		2013.50
8.	मलेशिया	थाईलैंड	0.69		473.20
9.	सिंगापुर	ताइवान	6.31		7545.00
10.	इटली	इटली	1.30		2369.70
11.	ताइवान	सिंगापुर	5.55		21642.7
12.	मेक्सिको	फ्रांस	1.09		2105.20
13.	थाईलैंड	मेक्सिको	2.20		1803.20
14.	यूनाइटेड किंगडम	यूनाइटेड किंगडम	2.39		5553.10
15.	फ्रांस	इजराइल	6.11		13816.20

स्रोतः डब्लू.आई.टी.एस. पर आधारित लेखक

भारत में पीएलआई योजना का अप्रत्यक्ष प्रभाव

विश्व बैंक की वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट[12] के अनुसार, उत्पादन–लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लंबे समय में अप्रत्यक्ष रूप से भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने के लिए तैयार है। विश्व बैंक का अनुमान है कि भारत 2024 से 2026 तक प्रति वित्तीय वर्ष में 6.7 प्रतिशत की औसत दर से विकास करेगा, जिससे दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बन जाएगा। यह वृद्धि बेहतर निवेश परिदृश्य, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र और बढ़े हुए बुनियादी ढांचे के निवेश से प्रेरित है। पीएलआई योजना विनिर्माण क्षेत्र में निजी निवेश को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है। इसके अलावा, भारत में चल रहे संरचनात्मक सुधारों से इन निवेश लाभों में वृद्धि होने की उम्मीद है. वित्तीय क्षेत्र में उम्मीद से बेहतर सुधार और वित्तीय क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के उपाय भी इस सकारात्मक दृष्टिकोण में योगदान करते हैं।

पीएलआई योजना पिछली प्रतिस्पर्धा और संरचनात्मक चुनौतियों पर काबू पाकर वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की भारत की रणनीति का अभिन्न अंग है। उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा देकर, पीएलआई योजना औद्योगिक विकास और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने में सहायता करेगी। एसबीआई अनुसंधान के अनुसार, वित्त वर्ष 2011 में, भारत ने चीन से 65 बिलियन डॉलर का सामान आयात किया, जिसमें लगभग 39.5 बिलियन डॉलर का सामान पीएलआई योजना के अंतर्गत शामिल था। यदि पीएलआई योजना चीनी आयात पर भारत की निर्भरता को 20 प्रतिशत तक कम कर देती है, तो यह सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 बिलियन डॉलर जोड़ सकती है। समय के साथ,

12. संदर्भ https://www.worldbank.org/en/publication/global-economic-prospects

यदि यह निर्भरता 50 प्रतिशत और कम हो जाती है, तो पीएलआई योजना के तहत इन वस्तुओं के घरेलू विनिर्माण के लिए दिए गए प्रोत्साहन के कारण सकल घरेलू उत्पाद में 20 बिलियन डॉलर की वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, निर्यात–उन्मुख उद्योगों को बढ़ावा देकर, पीएलआई योजना वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने और आयात निर्भरता को कम करने का प्रयास करती है।[13]

नवंबर 2023 तक, पीएलआई योजना ने कुल 1.03 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित किया है और 6 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। इसने इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात निर्भरता को काफी कम कर दिया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022–2023 भी उत्साहजनक रुझान पर प्रकाश डालता है, जो दर्शाता है कि इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में कुल ₹4,784 करोड़ का निवेश हुआ है, जो ₹2.04 लाख करोड़ के उत्पादन मूल्य और ₹80,769 करोड़[14] के निर्यात में योगदान देता है। बड़े पैमाने पर होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण ने अकेले 28,636 नौकरियां पैदा की हैं और स्मार्टफोन निर्यात में 139 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।[15]

उद्योग ने अनुमान लगाया है कि 2027 तक पीएलआई योजनाएं नई बिक्री में +150 बिलियन और घरेलू मूल्य–वर्धन में +70 बिलियन उत्पन्न कर सकती हैं, जो उस वर्ष के सकल घरेलू उत्पाद का 1.7 प्रतिशत होगा। 2023 और 2027 के बीच होने वाली 0.3 प्रतिशत की पर्याप्त वार्षिक जीडीपी वृद्धि भी ये योजनाएं जोड़ सकती हैं. इन योजनाओं का प्रत्यक्ष प्रभाव श्रम पर अधिक प्रमुख होने की संभावना है, अनुमानित 2.8 मिलियन नई नौकरियों के साथ, पूंजीगत व्यय की तुलना में +28 बिलियन का अनुमान लगाया गया है। इस वृद्धि से महत्वपूर्ण अपस्ट्रीम गतिविधि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे रोजगार और खर्च में और बढ़ोतरी होगी।[16]

विशिष्ट क्षेत्रीय विकास उल्लेखनीय रहे हैं, जिसमें ''फॉक्सकॉन,'' ''पेगाट्रॉन,''और ''विस्ट्रॉन'' जैसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी भारत में परिचालन का विस्तार कर रहे हैं। बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की ओर इस बदलाव ने पर्याप्त निवेश आकर्षित किया है और उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा दिया है। इस बदलाव में सेमीकंडक्टर सुविधाओं की स्थापना भी देखी गई है, जिसका उदाहरण गुजरात में वेदांता– फॉक्सकॉन सहयोग है, जिससे बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में भारत की पकड़ मजबूत हुई है।[17,18,19]

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए पीएलआई योजना सबसे सफल रही है, जिससे 28,636 नौकरियां पैदा हुईं और पिछले तीन वर्षों में स्मार्टफोन निर्यात में 139 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह, इस योजना के तहत, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग ने पांच वर्षों में ₹74,850 करोड़ का प्रस्तावित निवेश आकर्षित किया है।[20] इसके अलावा, मोबाइल फोन के लिए घरेलू मूल्यवर्धन के 15–20 प्रतिशत से बढ़कर 35–40 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के 45–50 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है।[21]

अपनी स्थिर अर्थव्यवस्था और आकर्षक निवेश माहौल का लाभ उठाते हुए, चीन द्वारा छोड़े गए बाजार अंतर को भरने के लिए भारत की रणनीतिक स्थिति एक पर्याप्त अवसर प्रस्तुत करती है। भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार और कुशल कार्यबल के साथ–साथ पीएलआई योजना का आकर्षण उन बहुराष्ट्रीय निगमों के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत करता है जो अपने विनिर्माण क्षितिज का विस्तार करना चाहते हैं। कारकों का यह अभिसरण एक वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में भारत के उदय को रेखांकित करता है, जो नवाचार और औद्योगिक उन्नति के एक नए युग की शुरुआत करता है।

पीएलआई योजना की आशाजनक क्षमता के बावजूद, इसके लाभों से पूरा फायदा उठाने के लिए कई चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए. इनमें शामिल हैं गैर–समान मानदंड, इनाम अस्पष्टता, एक केंद्रीकृत डेटाबेस की अनुपस्थिति और उच्च कच्चे माल की लागत। योजना के लाभ को बनाए रखने के लिए निरंतर नीति समर्थन, बुनियादी ढांचे का विकास और नियामक सुधार आवश्यक होंगे।[22]

पीएलआई योजना भारत के विनिर्माण क्षेत्र को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दे सकती है, जीडीपी वृद्धि और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकती है और लाखों नौकरियां पैदा कर सकती है। भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को साकार करने के लिए योजना का सफल कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है। हालाँकि, कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करना और निरंतर नीति समर्थन सुनिश्चित करना इसकी क्षमता को पूरी तरह से साकार करने के लिए महत्वपूर्ण है।

13. संदर्भ https://sbi.co.in/documents/13958/10990811/150222-Ecowrap_20220215.pdf/8768f9b7-1538-8f1c-2c9f-17d2ee6d7a06?t=1644930665630#:~:text=Thus%2C%20PLI%20scheme%20has%20benefited,electronic%20goods%2C%20drugs%20and%20pharma.&text=than%20in%20FY19%20and%20further,steadily%20increased%20to%2016.5%25%20currently.
14. संदर्भ https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/doc/echapter.pdf
15. संदर्भ https://economictimes.indiatimes.com/news/economy/indicators/pli-schemes-report-card-production/sales-touch-rs-8-61-lakh-crore-over-6-78-lakh-jobs-created-so-far/articleshow/106930212.cms?from=mdr
16. संदर्भ https://www.financialexpress.com/policy/economy-modis-pli-scheme-to-help-indian-economy-beat-china-india-to-grow-faster-than-emerging-markets-world-bank-2404707/
17. संदर्भ https://www.orfonline.org/research/transforming-manufacturing-dynamics-a-look-into-indias-pli-scheme
18. संदर्भ https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/doc/echapter.pdf
19. फ्रांसिस स्मिता और मुरली कल्लुमल, 2020, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग मूल्य श्रृंखला में भारत की भागीदारीः एक नया विश्लेषणात्मक ढांचा और एक केस स्टडी विश्लेषण। आईएसआईडी वर्किंग पेपर 233 |https://isid.org.in/wp-content/uploads/2022/07/WP233.pdf.
20. संदर्भ https://www.investindia.gov.in/team-india-blogs/pli-scheme-game-changer-indias-manufacturing-sector
21. संदर्भ https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1662096
22. संदर्भ https://www.orfonline.org/research/transforming-manufacturing-dynamics-a-look-into-indias-pli-scheme

1960 और 1990 के बीच दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे पूर्वी एशियाई देशों के औद्योगीकरण के अनुभवों को देखकर घरेलू औद्योगीकरण को समर्थन देने के लिए एक समर्पित सरकारी नीति के महत्व को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है। इन देशों ने अपने उच्च–विकास चरणों के दौरान अपने घरेलू उद्योगों का समर्थन किया और उनके फलने–फूलने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की।[23]

निष्कर्ष

लाइसेंस राज युग के दौरान, भारत ने एक मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र का निर्माण किया, जिसने घरेलू जरूरतों को पूरा किया और अपने कुछ उत्पादों का निर्यात किया।[24] हालांकि 1997 में 81 डब्ल्यूटीओ सदस्यों के बीच होने वाले सूचना प्रौद्योगिकी समझौते (आईटीए I) ने टैरिफ को शून्य तक सीमित किया – 1999 से 2005 तक होने वाले संबंधित टैरिफ उन्मूलन ने कंप्यूटर, सेमीकंडक्टर, सेमीकंडक्टर विनिर्माण उपकरण, दूरसंचार उपकरण, औजार और उपकरण, डेटा–भंडारण मीडिया और सॉफ्टवेयर, और पार्ट्स और सहायक उपकरण जैसे उत्पाद समूहों से संबंधित 217 टैरिफ लिंक को दायरे में लिया। इससे तैयार इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के आयात में वृद्धि हुई।

महामारी के बाद, जैसे–जैसे दुनिया जोखिम से मुक्त हो रही थी, आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन से बाहर ले जाना महत्वपूर्ण हो गया था, क्योंकि चीन ने खुद को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था। बड़े पैमाने पर विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और देश में नए विनिर्माण समूहों के निर्माण की सुविधा और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए तीन इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण योजनाओं का सावधानीपूर्वक निर्माण किया गया है। इससे भारत को विश्व का विनिर्माण केंद्र बनने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को स्थापित करने और साकार करने में मदद मिलेगी। पुनः औद्योगीकरण के नफा–नुकसान पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद, भारतीय नीति–निर्माताओं ने मेक–इन–इंडिया नीति के व्यापक उद्देश्य के तहत पीएलआई योजना विकसित की, जिसमें आत्मनिर्भर भारत पर जोर दिया गया। प्रचलित रूप से ज्ञात प्रोडक्शन–लिंक्ड–इंसेंटिव (पीएलआई) योजना घरेलू विनिर्माण को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता को कम करने/तर्कसंगत बनाने के लिए भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में। उल्लेखनीय चुनौतियों के बावजूद, इस योजना ने स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस क्षेत्र पर योजना के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हुए 2017 से 2023 तक, भारत ने इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 21.5 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि और आयात में 2.3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखी – जो 19.2 प्रतिशत अंकों के अंतर को दर्शाता है।

योजना में एक संरचित दृष्टिकोण है जिसमें स्पष्ट पात्रता मानदंड, प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रियाएं और आवधिक मूल्यांकन शामिल हैं। यह कंपनियों को अपने उत्पादन लक्ष्यों को पूरा करने और अनुसंधान और विकास में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करता है। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का पालन करने के लिए भी इस योजना का सावधानीपूर्वक निर्माण किया गया है। नई अंतरराष्ट्रीय योजनाओं और नीतियों के पक्ष में गैर–डब्ल्यूटीओ अनुपालन योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने पर सरकार ने अपना ध्यान केंद्रित किया है. ये भारत को अन्य वैश्विक बाजारों के बराबर ला सकते हैं। इसके अनुरूप, मौजूदा MEIS (भारत से माल निर्यात योजना) को बदलने के लिए PLI और RoDTEP (निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट) योजनाओं को 2020 और 2021 में अधिसूचित किया गया था। पीएलआई योजना की संरचना इसे अपनी सब्सिडी की पात्रता या मात्रा को निर्यात और स्थानीय मूल्यवर्धन से नहीं जोड़कर इसे डब्ल्यूटीओ के अनुरूप बनाती है।

आयात में, भारत के लिए चीन का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बनना, चीन के भारत के साथ गहरे व्यापार संबंधों और वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उस के प्रभुत्व को दर्शाता है। जर्मनी दूसरे सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा, जो नए प्रतिमान का तथ्य बन कर भारत की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार गतिशीलता में बदलाव का संकेत देता है। जैसा कि आयात की तुलना में निर्यात की तुलनात्मक रूप से उच्च वृद्धि दर से पता चलता है, पीएलआई योजना स्थानीय विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक रही है। यह प्रवृत्ति बताती है कि भारत के घरेलू उत्पादन में सुधार हो रहा है, जिससे आयातित इलेक्ट्रॉनिक्स पर निर्भरता कुछ कम हो रही है।

उत्पादन, नवाचार और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करके, इस योजना का लक्ष्य सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और भारत को विनिर्माण के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। इसके अलावा, यह योजना भारत के व्यापक आर्थिक लक्ष्यों जैसे कि भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने, रोजगार के अवसर पैदा करने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के अनुरूप है। चल रहे नीति समर्थन, बुनियादी ढांचे के विकास और नियामक सुधारों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पीएलआई योजना के लाभों को बनाए रखने और कार्यान्वयन चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण होगी। विभिन्न शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययनों से पता चला है कि हासिल की गई वृद्धि को बनाए रखने के लिए, भारतीय संस्थाओं को अनुसंधान और विकास के घरेलू विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कुल मिलाकर, भारत की जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और लाखों नौकरियां पैदा करने की क्षमता रखने वाली पीएलआई योजना देश की दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

23. संदर्भ https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/doc/echapter.pdf.
24. संदर्भ https://foundingfuel.com/article/removing-the-impedance-for-a-vibrant-electronics-industry-in-india/.

अनुलग्न

तालिका 4

पीएलआई में आने वाले उत्पादों की सूची

क्र. सं.	माल का विवरण
1.	मोबाइल फोन्स
2.	निर्दिष्ट इलेक्ट्रॉनिक घटक
2.1	एसएमटी घटक
2.2	असतत अर्धचालक उपकरण, जिनमें ट्रांजिस्टर, डायोड, थाइरिस्टर आदि शामिल है।
2.3	इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए प्रतिरोधक, कैपेसिटर आदि सहित निष्क्रिय घटक
2.4	मुद्रित सर्किट बोर्ड (पीसीबी)। पीसीबी लैमिनेट्स, प्रीप्रेग्स, फोटोपॉलिमर ट्रिम्स। पीसीबी मुद्रण स्याही
2.5	इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए सेंसर, ट्रांसड्यूसर, एक्चुएटर और क्रिस्टल
2.6	पैकेज में सिस्टम (SiP)
2.7	माइक्रो/नैनो–इलेक्ट्रॉनिक घटक जैसे माइक्रो इलेक्ट्रोमैकेनिकल सिस्टम (एमईएमएस) और नैनो इलेक्ट्रोमैकेनिकल सिस्टम (एनईएमएस)
2.8	असेंबली, परीक्षण, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) इकाइयां

स्रोतः लेखक

2023–24 में आईआईएफटी की महत्वपूर्ण उपलब्धियां: एक स्नैपशॉट

मई 2023 में, आईआईएफटी ने सीखने के माहौल को बनाने और बढ़ावा देने के अपने मिशन में 60 वर्षों के महत्वपूर्ण योगदान को मील के पत्थर के रूप में हासिल किया, जो प्रतिभागियों को समाज के प्रति संवेदनशील बनाने के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अग्रणी बनने के योग्य बनाता है। निम्नलिखित पृष्ठों में, आईआईएफटी को अपने प्रदर्शन के विभिन्न पहलुओं में अपनी महत्वपूर्ण उपलब्धियों का संक्षिप्त संस्करण रिपोर्ट करते हुए खुशी हो रही है। रिपोर्ट की गई प्रत्येक उपलब्धि पर आईआईएफटी के प्रभागों और विभागों द्वारा साझा जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण का पालन करते हुए लगातार और परिश्रमपूर्वक काम किया गया है।

संस्थान का वार्षिक दीक्षांत समारोह

आईआईएफटी का 56वां दीक्षांत समारोह 2 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह के दौरान विभिन्न प्रबंधन कार्यक्रमों के 708 विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा प्रदान किए गए।

श्री पीयूष गोयल, वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और दीक्षांत–समारोह की अध्यक्षता श्री सुनील बर्थवाल, वित्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गयी। मंत्रीजी और सचिव जी ने विद्यार्थियों को पदक/पुरस्कार और प्रमाण–पत्र वितरित किये।

दीक्षांत किए जाने वालों का बैच के अनुसार विवरण सूची में नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार से सम्मानित होने वालों की कुल संख्या
1.	पीएचडी	16
2.	एमबीए (आईबी) 2021–23 दिल्ली	420
3.	एमबीए (आईबी) 2021–23 कोलकाता	
4.	एमबीए (आईबी) जुलाई 2020–23 दिल्ली	28
5.	एमबीए (आईबी) जुलाई 2019–23 कोलकाता	8
6.	एमए (अर्थशास्त्र) दिल्ली	90
7.	एमए (अर्थशास्त्र) कोलकाता	
8.	इपीजीडीआइबी 2021–22 दिल्ली	67
9.	इपीजीडीआइबी 2021–23 (ऑनलाइन)	36
10.	इपीजीडीआइबी 2021–22 कोलकाता	43
	कुल	**708**

नियुक्ति का अंतिम चरण – एमबीए (आईबी) 2022–24 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने मुख्य (आईबी) कार्यक्रम के 2022–24 बैच के लिए भर्ती का अंतिम चरण समाप्त किया। कार्यचक्र ने विभिन्न उद्योगों और कार्यक्षेत्रों के एक सिरे से लेकर दूसरे सिरे तक के 120 प्रतिष्ठित नियोक्ताओं को देखा। चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों के बावजूद, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने ₹27.3 लाख प्रति वर्ष की औसत सीटीसी के साथ उल्लेखनीय परिणाम हासिल किए और औसत सीटीसी ₹25.0 लाख प्रति वर्ष रही। उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय सीटीसी ऑफर ₹85.40 लाख प्रति वर्ष रही, जबकि उच्चतम घरेलू सीटीसी ₹75.6 लाख प्रति वर्ष रही । बैच के शीर्ष 25 प्रतिशत छात्रों को प्रति वर्ष औसतन ₹40.6 लाख की सीटीसी प्राप्त हुई।

ग्रीष्मकालीन नौकरियां – एमबीए (आईबी) 2023–25 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने प्रमुख एमबीए (आईबी) कार्यक्रम के 2023–25 के बैच के लिए ग्रीष्मकालीन नौकरियां अंतिम रूप से तय कर दी है। नौकरी चक्र ने उद्योगों और विभिन्न क्षेत्रों में एक सिरे से लेकर दूसरे तक 100 प्रतिष्ठित नौकरीदाताओं की ओर से सहभागिता देखी। बाजार की बुरी स्थिति के कारण चल रहे परीक्षा काल के बावजूद, आईआईएफटी 2 महीने में ₹2.67 लाख के एवरेज वजीफे और ₹2.50 लाख के मीडियन वजीफे पाने में विजयी रहा। वजीफे की उच्चतम पेशकश ₹4.50 लाख की थी, जिसमें ₹4.00 लाख से ऊपर के 50 से अधिक ऑफर दिए गए थे।

ग्रीष्मकालीन नौकरियां – एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) 2023–25 बैच

वर्ष 2023 में, आईआईएफटी में दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें 2023 से 2025 तक के पहले बैच में विविध पृष्ठभूमि के छात्र शामिल थे। आज के कॉर्पोरेट परिदृश्य में डेटा की तेजी से वृद्धि से प्रेरित होकर, आईआईएफटी ने बिजनेस एनालिटिक्स के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) कार्यक्रम की शुरुआत की। एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) के उद्घाटन बैच के लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट सफलतापूर्वक पूरा हो गया।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2023–24 के दौरान, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, दिल्ली के एमडीपी विभाग ने विभिन्न स्तर के प्रबंधको और अधिकारियों के लिए 23 कार्यक्रमओं का संचालन किया। इनमें से 3 कार्यक्रम हाइब्रिड/ ऑनलाइन थे और सभी क्षेत्रों के लिए उन्मुक्त थे। 20 प्रयोजित कार्यक्रम थे, पीएसयूज कार्यक्रमो और सरकारी अधिकारियों के लिए (जिनमे काम सीखने के लिए नियुक्त किए गए आईटीएस के लोग और सशस्त्र बल के अधिकारी भी शामिल थे)। इसके अलावा, निर्यात बंधु स्कीम– एमओओसी के अंतर्गत दो लंबी अवधि वाले प्रमाण–पत्र कार्यक्रम और एक कार्यक्रम श्रृंखला चलाई गई। वर्गीकरण के विवरण से पता लगता है कि इन कार्यक्रमो से कुल 651 प्रतिभागियों ने लाभ उठाया।

श्रेणी–वार प्रबंधन विकास कार्यक्रम विवरण

कार्यक्रम	कार्यक्रम संख्या	भाग लेने वालों की संख्या
प्रयोजित	20	551
हाइब्रिड/कैंपस में प्रमाण पत्र कार्यक्रम	03	100
कुल संख्या	**23**	**651**

कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडीआईबी, कैंपस में), विभाग का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसकी अवधि 18 महीने है।

1. **इपीजीडीआइबी की शुरुआत (सप्ताहांत –परिसर में) 2023–25**

   2023–25 सत्र के इपीजीडीआइबी के नए (कैंपस में, सप्ताह अंत) बैच की शुरुआत 101 प्रतिभागियों के साथ दिल्ली परिसर में 24 सितंबर 2023 को उद्घाटन के साथ हुई।

2. **वैश्विक मानव संसाधन प्रबंधन में कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडी–जीएचआरएम) 2023–25 का उद्घाटन और शुरुआत**

   वैश्विक मानव संसाधन प्रबंधन (ईपीजीडी–जीएचआरएम) 2023–25 का उद्घाटन 14 प्रतिभागियों के साथ दिल्ली परिसर में 6 अगस्त 2023 को किया गया.

3. **इपीजीडीआइबी ग्रीष्मकालीन की शुरुआत (सप्ताहांत – परिसर में) 2024–25**

   2024–25 सत्र के इपीजीडीआइबी के नए (कैंपस में सप्ताह अंत) बैच की शुरुआत हुई और ईएमपीडी के नए बैच के लिए कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्घाटन 4 फरवरी 2025 को आईआईएफटी के दिल्ली परिसर में हुआ।

4. **बंदरगाह का दौरा**

   ईपीजीडीआईबी –परिसर में सप्ताहांत 2022–23 के प्रतिभागियों ने 2–5 अक्टूबर 2023 तक एक अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का दुबई में दौरा किया । इस दौरे से मिलने वाले गहन अनुभव का उद्देश्य प्रतिभागियों को सीमा पार की जटिलताओं में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करके वैश्विक उद्योग की गतिशीलता के बारे में उनकी समझ बढ़ाना था।

दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई)

शिक्षा के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में, नवाचार और पहुंच के मामले में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र सबसे आगे बना हुआ है, जो उच्च गुणवत्ता वाले ऑनलाइन शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। पिछले वर्ष के दौरान, केंद्र ने आधुनिक शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विविध प्रकार के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की पेशकश करते हुए अपनी शैक्षिक पहुंच का विस्तार किया है। इंटरैक्टिव लाइव ऑनलाइन व्याख्यानों से लेकर आकर्षक मल्टीमीडिया सामग्री तक, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने छात्रों को लचीले और सुविधाजनक सीखने के अवसर प्रदान किए हैं।

1. **मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी)**
2. **एमबीए (आईबी) ऑन लाइन कार्यक्रम**
   a. एमबीए (आईबी) ऑन लाइन कार्यक्रम 2022–24 – 9 प्रतिभागियों के साथ सेमेस्टर–IV जारी है।
   b. एमबीए (आईबी) ऑन लाइन कार्यक्रम–23–25 – 12 प्रतिभागियों के साथ सेमेस्टर–II जारी है।
3. **ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम**

   प्रभाग ने हर महीने विभिन्न अल्पकालिक ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित किए।

4. **विकसित भारत/2047 वेबिनार**

"2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाएं" पर प्रभाग ने "विकसित भारत/2047" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

एमए (अर्थशास्त्र – व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता)

अर्थशास्त्र में एमए (अर्थशास्त्र – व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता) कार्यक्रम शैक्षिक वर्ष 2018–19 में शुरू हुआ था। कार्यक्रम का दिल्ली और कलकत्ता में एक साथ संचालन किया जाता है। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कार्यक्रम अब यूरोपीय संघ के इरेस्मस मंडलास कार्यक्रम का भाग है। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, सहयोग के लिए पथ प्रशस्त करने वाले ईजीईआई का अब साझेदार है। (https://www.master-egei.eu/egei-associate-partners/). रीपैक/आइडियास वैश्विक श्रेणीकरण के अंतर्गत भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के अर्थशास्त्र विभाग को भारत में सबसे अच्छा विभाग होने के लिए छठा स्थान मिला है। (https://ideas.repec.org/top/top.india.html).

एमए (अर्थशास्त्र)

एमए (अर्थशास्त्र) 2022–24 का पाँचवाँ बैच इस समय अपने चौथे सत्र में है। एमए (अर्थशास्त्र) 2023–25 के छठे बैच का उद्घाटन, सितंबर 2023 को दिल्ली और कोलकाता, दोनों परिसरों में ऑफलाइन तरीके से हुआ। इस समय कार्यक्रम अपने दूसरे सत्र में है। कार्यक्रम से जुड़े 60 विद्यार्थियों की दिल्ली में और 58 की कोलकाता में शिक्षा जारी है।

56वां दीक्षांत–समारोह

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने 56 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 2 नवंबर 2023 को किया।

पूर्ण हो चुके अनुसंधान अध्ययन

भारत में निर्यात का प्रदर्शन बेहतर बनाने के नजरिए से ईसीजीसीज एमएलटी बिजनेस का मूल्यांकन।

अनुसंधान अध्ययन आगे बढ़ रहा है

1. व्यापार करने की आसानी और भारतीय कंपनियों का प्रदर्शनः राज्यों और उद्योगों में कंपनी–स्तर का अध्ययन।
2. भारतीय जूते और चमड़ा विकास कार्यक्रम (आईएफएलडीपी) की उपयोजना जूते और चमड़ा क्षेत्र में ब्रैंड प्रमोशन के अंतर्गत नामित एजेंसियों की नियुक्ति।
3. बदलते वैश्विक परिवेश में, सीमा पार निवेश और भारतीय–यूके व्यापार का भविष्य" पर आईसीएसएसआर–ईएसआरसी–यू केआरआई का सहयोगात्मक अनुसंधान।

आईआईएफटी में शोध

सरकार और अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रायोजित अध्ययनों के अलावा, संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परियोजनाओं के लिए भी सफलतापूर्वक बोली लगा रहा है।

I. 2023–24 में अनुसंधान अध्ययन पूर्ण हुए।

- **सरदार वल्लभ भाई पटेल निर्यात सुविधा केंद्र, चुनार, जिला मिर्जापुर पर अध्ययन**

  प्रायोजक : एपीइडीए

  अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य क्षेत्र की क्षमता को नजर में रख कर मिर्जापुर और आसपास के क्षेत्रों से निर्यात के अवसरों को आंकना था ।
- **सिंगापुर की मुर्गी–पालन और खाद्य आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए अध्ययन**

  प्रायोजकः एपीइडीए

  अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य सिंगापुर के लिए बाजार में मुर्गी–पालन और खाद्य आवश्यकताओं की प्रवेश रणनीतियों की पहचान करना और साथ ही एक विपणन और ब्रांडिंग रणनीति प्रदान करना था।
- **भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) का अंतर्राष्ट्रीयकरणः प्रबंधन संस्थानों के लिए रणनीतिक, संरचनात्मक और नीति आयाम, चुनौतियां और समाधान की पहचान**

  प्रायोजक : आईसीएसएसआर

  भारतीय एचईआई, विशेष रूप से प्रबंधन संस्थानों के प्रभावी अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए रणनीतिक, संरचनात्मक और नीतिगत आयामों/उपायों की पहचान करना अध्ययन का उद्देश्य है।

II. पीएचडी कार्यक्रम

पीएचडी कार्यक्रम (प्रबंधन) 2023 का 31 अक्टूबर 2023 को उद्घाटन हुआ– दिल्ली परिसर में 11 विद्यार्थी (2 पूर्णकालिक और 9 अंश कालिक) कार्यक्रम के साथ जुड़े। पाठ्यक्रम का कार्य प्रगति पर है ।

2 नवंबर 2023 को होने वाले दीक्षांत समारोह में संस्थान ने प्रबंधन अनुशासन में पीएचडी में 14 डिग्रीया प्रदान की है।

पीएचडी प्रबंधन 2024 के लिए भर्ती की प्रक्रिया, प्रक्रियाधीन है।

पत्रिका ''रिसर्च पल्स''

द्वि–वार्षिक पत्रिका ''रिसर्च पल्स'' का पहला अंक अनुसंधान प्रभाग की गतिविधियों जैसे संकाय सदस्यों द्वारा किए गए शोध अध्ययन, पीएचडी द्वारा प्रकाशित लेख/पत्रों को प्रचारित/उजागर करने के लिए प्रकाशित किया गया है। विद्वानों और संकाय सदस्यों, सम्मेलन/सेमिनार/संवाद आयोजित किया गया।

पत्रिका

फोकस डब्ल्यूटीओ पत्रिका

फोकस डब्ल्यूटीओ खंड 25 संख्या 1, 2, 3 और 4 के 4 अंक (जनवरी–मार्च, अप्रैल–जून, जुलाई–सितंबर और अक्टूबर–दिसंबर 2023) प्रकाशित किए गए।

फॉरेन ट्रेड रिव्यू पत्रिका

फॉरेन ट्रेड रिव्यू (एफटीआर) सेज पब्लिकेशंस इंडिया द्वारा प्रकाशित एक सहकर्मी–समीक्षित त्रैमासिक पत्रिका है। यह पत्रिका निम्नलिखित सार और अनुक्रमण डेटाबेस में शामिल है: स्कोपस, चार्टर्ड एसोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूल्स (एबीएस); एबीडीसी–बी, क्लेरिवेट एनालिटिक्सः उभरते स्रोत उद्धरण सूचकांक (ईएससीआई)। आईआईएफटी ने एफटीआर वॉल्यूम 58 नंबर 1, 2, और 3 के 3 अंक प्रकाशित किए हैं, और एक अंक वॉल्यूम 59 नंबर 1 है (मई, अगस्त, नवंबर 2023 और फरवरी 2024)।

कामकाजी कागजात की श्रृंखला को अपलोड करना

आईआईएफटी वेबसाइट पर कुल 68 वर्किंग पेपर अपलोड किए गए हैं।

मान्यता और क्रम सूची

आईआईएफटी ने भाग लिया और निम्नलिखित स्थान प्राप्त किए:

- आईआईएफटी को अनस्टॉप अवार्ड्स 2023 द्वारा भारत के सबसे प्रतिस्पर्धी बी–स्कूल 2022–23 का दर्जा दिया गया है, और डीम्ड यूनिवर्सिटीज (सरकारी निजी और सार्वजनिक – समग्र) श्रेणी के तहत भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) में 7वां और सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूल (सरकारी) श्रेणी के अंतर्गत 9वां रैंक दिया गया है।

सदस्यता

आईआईएफटी द्वारा ली गई सदस्यता की विश्व में बहुत प्रतिष्ठा है।

- अग्रिम व्यवसाय कॉलेजिएट स्कूल समिति (एएसीएसबी)।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी (एआईबी)।
- प्रबंधन विकास के लिए यूरोपीय फाउंडेशन (ईऐफएमडी)।
- विश्वविद्यालय संघ (एआईयू)।
- ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क, भारत (जीसीएन)।
- संघ भारतीय स्कूल प्रबंधन (एआईएमएस)।
- एमबीएज का संघ (एएमबीए)।

क्र. सं.	श्रेणीकरण का नाम	रैंक
1.	टाइम्स बी स्कूल सर्वेक्षण 2023	4th
2.	बारहवाँ अखिल भारतीय बी–स्कूल सर्वेक्षण 2023– श्रेणी के अंतर्गत	5th
3.	राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क 2024 – डीम्ड विश्वविद्यालयों (सरकारी निजी और सार्वजनिक – समग्र) श्रेणी के अंतर्गत	7th
4.	बिजनेस टुडे–एमडीआरए 2023 (विपणन और विकास अनुसंधान सहयोगी)	9th
5.	फॉर्च्यून इंडिया बेस्ट बी–स्कूल सर्वेक्षण 2023	10th
6.	राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क 2023	27th

आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा

भारत के विदेश व्यापार को बढ़ाने के लिए संस्थान बनाने के पंडित जवाहर लाल नेहरू के सपने को साकार करने के लिए 2 मई 1963 को विदेश व्यापार से संबंधित अनुसंधान और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की स्थापना की गई अपनी स्थापना के समय से संस्थान विकसित हुआ और बड़े बदलाव से गुजरा। इसने पिछले कुछ वर्षों में अपनी शैक्षिक गतिविधियों के आयाम और दायरे को बढ़ाया जिसने अब अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की विस्तृत श्रेणी को अपने घेरे में ले रखा है। आज, संस्थान को अपने 61 वें साल में अपने संसाधन आधार, ज्ञान, अपनी गौरवशाली परंपरा एवं पूर्व छात्रों के मजबूत जाल तंत्र के लिए भारत और विदेश दोनों में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान जैसे संगठन की उत्पत्ति भीतर से होती है लेकिन केवल अपने परिवेश से पोषण लेने के बाद आस पास की व्यवस्था जितनी ज्यादा और कठिन चुनौतियां खड़ी करती है, नए एवं विशेष कार्यों को पूरा करने के स्तर तक आने का उतना ही अधिक प्रयास किया जाता है। विदेश व्यापार क्षेत्र की हमेशा विकसित होती रहने वाली गतिशीलता लगातार नए अवसर देती है और नई चुनौतियां खड़ी करती है। संस्थान अपनी गतिविधियों की रूपरेखा का पुनः रेखांकन करके, अपने तरीके से जिनका सामना करने का प्रयास करता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में सहयोग, अनुसंधान और शिक्षा को सुधारने एवं बढ़ावा देने के लिए भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के पास वर्तमान में निम्नलिखित प्रभाग हैं :

(i) कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग
(ii) प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रभाग
(iii) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग क्षमता विकास (आईसीसीडी) प्रभाग
(iv) प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग
(v) अर्थशास्त्र प्रभाग
(vi) अनुसंधान प्रभाग
(vii) पूर्व छात्र मामलों का प्रभाग
(viii) पत्रिका प्रभाग
(ix) दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई)

कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग

कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम प्रभाग के बारे में सोचा गया ताकि सरकारी अधिकारियों, राजनयिकों, उद्यमी, निर्यातकों, व्यवसायिक क्षेत्र और सभ्य समाज के सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यापारनीति पर पड़ने वाले उसके प्रभाव से संबंधित मुद्दों पर ज्ञान बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके। ईएमपीडी ने इस विचार के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत की कि ऐसा दृष्टिकोण, समझ और समकालीन व्यापार एवं आर्थिक मुद्दों पर विश्लेषण उत्पन्न किया जाए जो विभिन्न देशों के लिए रुचिकर हो खास कर विकासशील देशों के लिए।

प्रभाग जो कार्यकारी डिप्लोमा कार्यक्रम चलाता है उसके पाठ्यक्रम के मुख्य भाग इस प्रकार है:

- हर महीने के तीन सप्ताह अंत में क्लासेज, पाठ्यक्रम की अवधि 18 महीने।
- हर सत्र के शुरू में संपर्क सप्ताह।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसे शीघ्र विकसित होने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतरराष्ट्रीय बिक्री, अंतर्राष्ट्रीय वित्त और व्यापार में से विशेषज्ञता प्राप्त करने के अवसर को चुनना।
- संरचित अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनुसंधान क्रियाविधि का खुलासा।
- पठन सामग्री और अनुसंधान डेटाबेस की बड़े पैमाने पर ऑनलाइन उपलब्धता।
- विश्व भर में उच्चपदस्थ पूर्व छात्रों के साथ मेलजोल बनाने का अवसर।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रभाग

संस्थान का प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रभाग, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय विपणन, वित्त, आयात–निर्यात प्रबंधन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कूटनीतिक प्रबंधन, मानव संसाधन, आईटी, एसईजेड के लिए क्षमता निर्माण, डेटा विश्लेषण, व्यापार विश्लेषण इत्यादि जैसे पीएसयूज, कॉर्पोरेट और निजी क्षेत्र के कार्यक्षेत्रों के अधिकारियों/सरकारी कार्यकारियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रस्ताव देता रहता है। आईएएस और अन्य अखिल भारतीय सेवा सहित भारत सरकार के विभिन्न अधिकारियों के लिये प्रभाग विभिन्न सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है।

भारतीय व्यापार सेवा प्रशिक्षुओं के लिए नौ महीने का आधार–प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रधान संस्थान, आईआईएफटी है। इसके अतिरिक्त, संस्थान, भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय आर्थिक सेवा, भारतीय सांख्यिकी सेवा इत्यादि के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाता है।

डीजीएफटी, भारत सरकार की निर्यात बंधु स्कीम के अंतर्गत देश में फैले व्यवसाइयों और निर्यातकों के लिये आयात–निर्यात व्यापार पर संस्थान, ऑनलाइन प्रमाण पत्र कार्यक्रम की श्रृंखला चला रहा है। अब तक, 1350 से अधिक निर्यातकों और व्यवसायियों को इस स्कीम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। हाल ही में डीजीएफटी की शुरुआत पर आईआईएफटी ने एमओओसी (विशाल खुला ऑनलाइन

पाठ्यक्रम) मंच द्वारा निर्यात बंधु कार्यक्रम आरंभ किया है। इस कार्यक्रम में कोई भी व्यक्ति कहीं भी ऑनलाइन माध्यम द्वारा भाग ले सकता है।

आगे, हाइब्रिड/ऑनलाइन/कैंपस में तरीके से, प्रभाग निम्नलिखित लंबी अवधि कार्यक्रम भी चलाता है।

1. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र कार्यक्रम।
2. हाइब्रिड तरीके से आयात और निर्यात प्रबंधन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम।
3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार लिए रणनीतियो पर ईडीपी।
4. वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर ईडीपी।
5. डीजीआर द्वारा सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग क्षमता विकास (आईसीसीडी) प्रभाग

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का अंतर्राष्ट्रीय सहयोग क्षमता विकास (आईसीसीडी) प्रभाग, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षिक संबंध बनाकर संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमओं को शुरू करके संस्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थी और संकाय में होने वाला आदान प्रदान शैक्षिक सहयोग का अभिन्न अंग है। प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में सदस्यता प्राप्त करके, संस्थान, शैक्षिक सहयोग, विद्यार्थियों में आदान प्रदान, अध्ययन के दौरे और संकाय में आदान प्रदान को और ज्यादा मजबूत बनाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सम्मेलनों में, विभाग संकाय की भागीदारी को सुविधाजनक बनाता है।

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग

संस्थान का प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग पूर्ण कालिक/लंबी अवधि कार्यक्रमो का प्रधान प्रभाग है। प्रभाग, प्रशासनिक एवं शैक्षिक सहायता प्रदान करने के अतिरिक्त संस्थान के सप्ताह अंत एमबीए और प्रमाण पत्र कार्यक्रमों मे प्रवेश की प्रक्रिया करता है। सभी हिस्सेदारों अर्थात संकाय, विद्यार्थी और दूसरे संबंधित लोगों के सहयोग से कार्यक्रमों का शांत रूप से संचालन सुनिश्चित करना, प्रभाग की जिम्मेदारी है।

अर्थशास्त्र प्रभाग

एमए (अर्थशास्त्र – व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता)

अर्थशास्त्र में एमए (अर्थशास्त्र– व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता) कार्यक्रम शैक्षिक वर्ष 2018–19 में शुरू हुआ था। कार्यक्रम का दिल्ली और कोलकात्ता में एक साथ संचालन किया जाता है। कार्यक्रम, विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों के अर्थशास्त्र प्रभाग से पाठ्यक्रम और पढ़ाने का शिक्षाशास्त्र सम्मिलित करता है। कार्यक्रम में सैद्धांतिक अर्थशास्त्र और उनके प्रयोगसिद्ध प्रयोग के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर जोर दिया गया है। पारस्परिक विचार विमर्श कक्षा में होने के अतिरिक्त, हर विद्यार्थी पर समूह–कक्षाओं के साथ–साथ अनुशिक्षण कक्षाओं में भी पूरा ध्यान दिया जाता है। उद्देश्य होता है शैक्षिक प्रयास करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उनमे जटिल समस्याओं का समाधान करने की योग्यता विकसित करना, कार्यक्रम में शामिल मॉडल के सूत्रीकरण और साथ ही साथ सैद्धांतिक मॉडल तैयार करने में योगदान देना. कार्यक्रम के दौरान नवीनतम अर्थमिति और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार हो जाए।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कार्यक्रम अब यूरोपीय संघ के इरेस्मस मंडलास कार्यक्रम का भाग है। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, सहयोग के लिए पथ प्रशस्त करने वाले ईजीईआई का अब साझेदार है (https://www.master-egei.eu/egei-associate-partners/).

रीपैक/आइडियास वैश्विक श्रेणीकरण के अंतर्गत भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के अर्थशास्त्र विभाग को भारत में सबसे अच्छा विभाग होने के लिए छठा स्थान मिला है। (https://ideas.repec.org/top/top.india.html). – आठवां स्थान दिखा रहा है।

उद्देश्य

एमए (अर्थशास्त्र– व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता) कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य है :

1. विद्यार्थियों को उत्कृष्ट व्यापार नीति निर्माता और वित्तीय लेनदेन एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल कॉर्पोरेट क्षेत्र से संबंधित व्यापार मुद्दों पर प्रमुख रणनीतिकार बनने के लिए तैयार करना।
2. विद्यार्थियों को उन सब साधनों से लैस करना जो असली दुनिया की समस्याओं को हल करने में उनकी सहायता कर सके।
3. विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और वित्त में विशिष्ट ज्ञान वाले पूर्ण कालिक शिक्षाविद बनने के लिए तैयार करना।

एमए (अर्थशास्त्र)

एमए (अर्थशास्त्र) 2022–24 का पाँचवाँ बैच इस समय अपने चौथे सत्र में है। कार्यक्रम से जुड़ें 51 विद्यार्थियों की दिल्ली में और 40 की कोलकात्ता में शिक्षा जारी है।

एमए (अर्थशास्त्र) 2023–25 के छठे बैच का उद्घाटन, 4 सितंबर 2023 को दिल्ली और कोलकाता, दोनों परिसरों में ऑफलाइन तरीके से हुआ। इस समय कार्यक्रम अपने दूसरे सत्र में है। कार्यक्रम से जुड़े 60 विद्यार्थियों की दिल्ली में और 58 की कोलकाता में शिक्षा जारी है।

56वां दीक्षांत समारोह

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने 56वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 2 नवंबर 2023 को किया। एमए (अर्थशास्त्र) कार्यक्रम के निम्नलिखित बैचों को डिग्रियां प्रदान की गई।

क्र. सं.	बैच	विद्यार्थियों की संख्या
1.	एमए (अर्थशास्त्र) 2021–23 दिल्ली	43
2.	एमए (अर्थशास्त्र) 2021–23 कोलकाता	47

नियोक्ता समिति द्वारा संचालित व्याख्यान

तिथि	विषय	व्यक्ति का नाम	कंपनी	उपस्थित रहे
6 अप्रैल 2023	संक्षिप्त विवरण तैयार करने की कार्यशाला	कुमारी आंचल बिंदल	गूगल	दिल्ली और कोलकाता
10 अप्रैल 2023	अपनी क्षमता का मानचित्रण : सफलता का मार्ग	श्री अचिंत जैन	डब्ल्यूटीडब्ल्यू	दिल्ली और कोलकाता
18 अप्रैल 2023	मार्केटिंग, एनालिटिक्स और मैन्युफैक्चरिंग में डेटा साइंस	श्री सर्व शंकर घोष	कोलगेट–पामोलिव	दिल्ली और कोलकाता
21 अप्रैल 2023	इष्टतम पोर्टफोलियो प्रदर्शन के लिए एकीकृत क्रेडिट जोखिम और बाजार जोखिम प्रबंधन के माध्यम से अनिश्चितता से कैसे निपटें	प्रदीप गोपालकृष्णन	देउत्शे बैंक	दिल्ली और कोलकाता
22 अप्रैल 2023	साक्षात्कार और संक्षिप्त विवरण की तैयारी	भाग्यलक्ष्मी गंगीया आरएम	भारतीय विज्ञान संस्थान	दिल्ली और कोलकाता
25 अप्रैल 2023	प्रौद्योगिकी, नवाचार और आर्थिक अनुसंधान केंद्र (सीटीआईईआर) हैंडबुक पर चर्चा	जनक नाबर	प्रौद्योगिकी, नवाचार और आर्थिक अनुसंधान केंद्र (सीटीआईईआर)	दिल्ली और कोलकाता
29 अप्रैल 2023	व्यवसाय विश्लेषक के रूप में जीवन	मोहिका रस्तोगी	एक्सिस बैंक	दिल्ली और कोलकाता
1 मई 2023	हम जो करते हैं वह क्यों करते हैं: विकल्प हमारे करियर और व्यक्तिगत जीवन को कैसे परिभाषित करते हैं	सोमनाथ मुखर्जी	बंधन बैंक	
25 जुलाई 2023	वित्तीय संस्थानों में जोखिम प्रबंधन	सामर्थ खुराना (पूर्व छात्र)	डिलाइट	दिल्ली और कोलकाता
10 नवंबर 2023	आधुनिक दौर की बैंकिंग	आशीष बंसल	नेटवेस्ट समूह	दिल्ली और कोलकाता

आईआईएफटी अर्थशास्त्र समाज (आईईएस) द्वारा संचालित व्याख्यान

तिथि	विषय	वक्ता	उपस्थित रहे
10–13 अप्रैल 2023	आर प्रोग्रामिंग पर कार्यशाला	डॉ. देवेश बीरवाल, सहायक प्रोफेसर, डीएसई	दिल्ली और कोलकाता
18–20 अप्रैल 2023	आर प्रोग्रामिंग पर कार्यशाला	डॉ. गणेश मांझी, सहायक प्रोफेसर, आईआईटी जोधपुर	दिल्ली और कोलकाता
18 नवंबर 2023	सीटीआईईआर हैंडबुक पर अंतर्दृष्टि: भारत में प्रौद्योगिकी और नवाचार 2023	चौतन्य लेखराजू, सीटीआईईआर में रिसर्च एसोसिएट, सौम्या मिश्रा, सीटीआईईआर	दिल्ली और कोलकाता

तिथि	विषय	वक्ता	उपस्थित रहे
10 अप्रैल 2024	भारत में जीआईजी कार्य में कम कुशल महिला कार्यबल की स्थिति – एक खोजपूर्ण अध्ययन	डॉ. मौसमी दास, सहायक प्रोफेसर, बीजेबी ऑटोनॉमस कॉलेज, भुवनेश्वर	दिल्ली और कोलकाता
18 अप्रैल 2024	पुनर्कल्पना अर्थशास्त्रः पारंपरिक प्रतिमान की एक नारीवादी आलोचना	डॉ. रूपा पटवर्धन, सहायक प्रोफेसर, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलोर	दिल्ली और कोलकाता
24 अप्रैल 2024	डिजिटल भुगतान और रोजगार– संबंधी गतिविधियों पर समय का उपयोगः एक लिंग–आधारित परिप्रेक्ष्य	डॉ. संध्या गर्ग, सहायक प्रोफेसर आईईजी में बैंकिंग और वित्त के एचडीएफसी अध्यक्ष	दिल्ली और कोलकाता
30 अप्रैल 2024	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में नए प्रतिमानः डब्ल्यूटीओ से व्यापक एफटीए तक	डॉ. प्रलोक गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर और सलाहकार, डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र	दिल्ली और कोलकाता

आईआईएफटी बिजनेस एनालिटिक्स क्लब द्वारा आयोजित व्याख्यान

तिथि	विषय	कंपनी	उपस्थित रहे
2 अक्टूबर 2023	डिजिटल युग में एक समृद्ध कैरियर का निर्माण	आदित्य बिड़ला ग्रुप	दिल्ली और कोलकाता
8 नवंबर 2023	डेटा एनालिटिक्स में जेनरेटिव एआई की भूमिका	सिग्निटी टेक्नोलॉजीज	दिल्ली और कोलकाता
17 नवंबर 2023	एआई और एनालिटिक्स लैंडस्केप को नेविगेट करनाः अवसरों का अनावरण	फ्रैक्टल एनालिटिक्स	दिल्ली और कोलकाता
1 दिसंबर 2023	वित्तीय क्षेत्र में जोखिम विश्लेषण का परिचय	पूर्व मुख्य जोखिम अधिकारी अमेरिकन एक्सप्रेस इंडिया और स्टैशफिन	दिल्ली और कोलकाता
2 दिसंबर 2023	विश्लेषक का विकासः ई–कॉमर्स परिप्रेक्ष्य	ऐमजॉन भारत	दिल्ली और कोलकाता
30 दिसंबर 2023	मेटाडेटा प्रबंधनः एक व्यवसायी का परिप्रेक्ष्य	स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	दिल्ली और कोलकाता

पायथन पर एमए (अर्थशास्त्र) प्रशिक्षण सत्र

- जनवरी और फरवरी 2024 में एमए अर्थशास्त्र के दोनों बैचों के लिए ''पायथन'' पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।
- एमए अर्थशास्त्र के दोनों बैचों के लिए 19 मार्च 2024 को ब्लूमबर्ग डेटाबेस पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।

जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ)

- एमए अर्थशास्त्र 2022–24 बैच के कुल 4 छात्रों को दिसंबर 2023 में जूनियर रिसर्च फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

अर्थशास्त्र में पीएचडी कार्यक्रम

संस्थान का पीएचडी (अर्थशास्त्र) कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय व्यापार सहित अर्थशास्त्र अनुशासन के विभिन्न क्षेत्रों में डॉक्टरेट अनुसंधान करने के अवसर प्रदान करता है। यह कार्यक्रम नए स्नातकों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण संकाय के सदस्यों और निजी, सार्वजनिक और सरकारी क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए लक्षित है।

पीएचडी (अर्थशास्त्र) 2022 का शुभारंभ 4 सितंबर 2023 को 4 उम्मीदवारों के कोलकाता परिसर में दाखिले के साथ हुआ। 2022–27 बैच के छात्रों ने अपना पाठ्यक्रम पूरा और अपने पीएचडी पंजीकरण को पक्का कर लिया है।

अर्थशास्त्र में अनुसंधान

अनुसंधान, संस्थान के विकास में बहुत महत्त्व रखता है क्योंकि ये प्रशिक्षण और ज्ञान की उत्पत्ति के दर्मियान मजबूत व्यापक मिलन बिंदु प्रदान करता है। उचित कॉर्पोरेट रणनीतियों को उत्पन्न करने में और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परिदृश्यों का विश्लेषण करने में इसने परामर्श

की मजबूत योग्यता विकसित की है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की परियोजनाओं के लिए संस्थान सफलतापूर्वक बोली भी लगा रहा है। प्रभाग समय समय पर, समकालीन विषयों पर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहता है जो दोनों बहुपक्षीय निकायों से, जैसे कि, प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों एवं सरकारी क्षेत्र से प्रख्यात विशेषज्ञों को एक साथ लाता है।

पूर्ण हो चुके अनुसंधान अध्ययन

भारत में निर्यात का प्रदर्शन बेहतर बनाने के नजरिए से ईसीजीसीज एमएलटी बिजनेस का मूल्यांकन।

अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर हैं

1. व्यापार करने की आसानी और भारतीय कंपनियों का प्रदर्शनः राज्यों और उद्योगों में कंपनी–स्तर का अध्ययन।
2. भारतीय जूते और चमड़ा विकास कार्यक्रम (आईएफएलडीपी) की उपयोजना जूते और चमड़ा क्षेत्र में ब्रैंड प्रमोशन के अंतर्गत नामित एजेंसियों की नियुक्ति।
3. बदलते वैश्विक परिवेश में, ''सीमा पार निवेश और भारतीय–यूके व्यापार का भविष्य'' पर आईसीएसएसआर–ईएसआरसी–यूकेआरआई का सहयोगात्मक अनुसंधान।

सम्मेलन, सेमिनार / कार्यशालाएँ

भारत के G20 अध्यक्षता के मुददे 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के तहत, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), नई दिल्ली ने G20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम में शामिल एक अविश्वसनीय रूप से व्यावहारिक और विचारोत्तेजक सेमिनार का 29 मई 2023 को आयोजन किया। सेमिनार को आईआईएफटी के कुलपति और वित्त प्रो. सतिंदर भाटिया का समर्थन प्राप्त हुआ। प्रो. बिस्वजीत नाग, प्रोफेसर (आईआईएफटी), और डॉ. तुहीना मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर (आईआईएफटी) सेमिनार के संयोजक थे। सेमिनार का आयोजन विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली के सहयोग से किया गया था। 'अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता और वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) के माध्यम से एक अधिक टिकाऊ और समावेशी दुनिया का निर्माण' विषय पर यह कार्यक्रम केंद्रित था। यह भारत द्वारा जी20 में चिन्हित प्राथमिकताओ में से एक "तकनीकी परिवर्तन और सार्वजनिक डिजिटल बुनियादी ढांचे" के अनुरूप था। सेमिनार में दो मुख्य भाषण और दो पैनल चर्चाएँ हुईं। प्रत्येक मुख्य भाषण के बाद एक पैनल चर्चा हुई।

प्रमुख, दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, यूरोपीय निवेश बैंक, यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल डॉ. नीना फेंटन द्वारा दिए गए पहले व्यावहारिक मुख्य भाषण के साथ सेमिनार की शुरुआत हुई। आईआईएफटी दिल्ली में अर्थशास्त्र के प्रो. विश्वजीत नाग ने भाषण की अध्यक्षता की। 'वित्तीय सेवाओं का डिजिटल परिवर्तनः अफ्रीका मामला और यूरोपीय संघ की भूमिका' विषय पर अपनी प्रस्तुति में उन्होंने कहा कि डिजिटल वित्तीय सेवाओं में आर्थिक परिवर्तन को गति देने की भारी क्षमता है। बाद में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिनटेक वंचित लोगों की सेवा करके पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अंतर को भर रहा है। स्थायित्व, निरंतरता और समावेशन पर फिनटेक के निहितार्थ पर वक्ता ने व्यापक चर्चा की। डिजिटल बुनियादी ढांचे के हस्तक्षेप से वित्तीय सेवाओं में आने वाले परिवर्तन के बारे में भी वक्ता ने विचार साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जी20 देश डिजिटल वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। मुख्य भाषण के बाद 'फिनटेक में नवाचार – जी20 राष्ट्रों के लिए आगे की राह' विषय पर एक पैनल चर्चा हुई। आरआईएस के महानिदेशक प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने चर्चा की अध्यक्षता की। भारत में शासन और नियमों के संदर्भ में फिनटेक उद्योग में चुनौतियों के बारे में उन्होंने बात की। चर्चा के पैनलिस्ट थे प्रो. पी.के. दास, आईआईएफटी कोलकाता श्री आलोकदीप सिंह, सह–संस्थापक ब्रिस्कपेय श्री अमित त्यागी, सीईओ, पेवर्ल्ड, और श्री ध्रुव बजाज, सह–संस्थापक और सीईओ, टीएसेट्स। प्रतिष्ठा प्रणाली में लेनदेन स्तर, डिलीवरी समय, विश्वसनीयता और गुणवत्ता प्रभावित करने वाले तत्व पर अपने काम को प्रो. पी.के. दास ने साझा किया। इससे विक्रेताओं को अपनी साख बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने स्थायी और मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने का सुझाव दिया, जिससे खिलाड़ियों को समान अवसर सुनिश्चित हो सके । बाद में, उन्होंने जैम पोर्टल के महत्व पर ध्यान केंद्रित किया और ये विचार रखा कि ओएनडीसी जो प्रारंभिक चरण में है, उसके पास बड़ी संख्या में विक्रेता होंगे।

दूसरे मुख्य भाषण को इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी (आईडीआरबीटी) के निदेशक प्रोफेसर डी. जानकीराम ने संबोधित किया। आईआईएफटी दिल्ली में वित्त की प्रोफेसर नीति नंदिनी चटनानी ने भाषण की अध्यक्षता की। प्रोफेसर डी. जानकीराम ने बताया कि कैसे दुनिया में पूर्ण वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की दो–चरणीय मोर्चे – फिनटेक और टेकफिन के साथ विकसित होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि जी20 देशों के बीच इंडिया स्टैक मॉडल को व्यापक रूप से अपनाए जाने की पूरी उम्मीद है। इसके अलावा, दो नए मॉडल–लोरांड मोबाइल प्राइवेट 5जी क्लाउड के कामकाज के पीछे की प्रक्रिया पर वक्ता ने चर्चा की, जिसे आईडीआरबीटी वंचित आबादी के लिए किफायती और विश्वसनीय नेटवर्क बुनियादी ढांचा प्रदान करके बैंकिंग लेनदेन में लास्ट– माइल कनेक्टिविटी प्राप्त करने के लिए वर्तमान में खोज रहा है। वक्ता ने दोहराया कि इन बड़े डेटासेट के साथ डेटा केंद्रीकरण और प्रशिक्षण साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। उन्होंने पक्ष लेते हुए कहा कि एआई का जिम्मेदारी से उपयोग जी20 देशों का लक्ष्य होना चाहिए। मुख्य भाषण के बाद ''फिनटेक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और रणनीतियाँ'' पर एक पैनल चर्चा हुई। चर्चा की अध्यक्षता प्रोफेसर सतिंदर भाटिया ने की। प्रतिष्ठित पैनलिस्ट थे प्रोफेसर विश्वजीत नाग, प्रोफेसर, आईआईएफटी दिल्लीः श्री संदीप मेहरा, वर्चुअल सीएफओ, कॉर्पोरेट, कानूनी और वित्त, कॉर्पकोडय डॉ. श्रीराम बिरुदावोलू, सीईओ, साइबर

सिक्योरिटी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, डीएससीआई, नैसकॉम इनिशिएटिवय और श्री हरप्रीत सिंह, संस्थापक और सीईओ, F2 फिनटेक। प्रो. बिस्वजीत नाग ने कहा कि उद्योग को विनियमित करने के मामले में एक आकार–सभी के लिए उपयुक्त सिद्धांत लागू नहीं होता है। उन्होंने सुझाव दिया कि बहुपक्षीय साझेदारियों को क्रॉस–बॉर्डर पेमेंट सुविधाजनक बनानी चाहिए। डॉ. श्रीराम बिरुदावोलु और अन्य पैनलिस्टों ने फिन–टेक उद्योग में नियमों के सही अनुपात की आवश्यकता और घरेलू–अनुकूल समाधान विकसित करने की आवश्यकता पर विचार–विमर्श किया।

शोध प्रभाग

अनुसंधान, संस्थान के विकास में बहुत महत्त्व रखता है क्योंकि ये प्रशिक्षण और ज्ञान की उत्पत्ति के दर्मियान मजबूत व्यापक मिलन बिंदु प्रदान करता है। उचित कॉर्पोरेट रणनीतियों को उत्पन्न करने में और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परिदृश्यों का विश्लेषण करने में इसने परामर्श की मजबूत योग्यता विकसित की है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की परियोजनाओं के लिए संस्थान सफलतापूर्वक बोली भी लगा रहा है। प्रभाग समय समय पर, समकालीन विषयों पर महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहता है जो दोनों बहुपक्षीय निकायों से, जैसे कि, प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों एवं सरकारी क्षेत्र से प्रख्यात विशेषज्ञों को एक साथ लाता है। प्रभाग द्वारा प्रस्तुत पीएचडी कार्यक्रम अत्यधिक प्रशंसा प्राप्त करने वाला कार्यक्रम है।

पूर्व छात्रों के मामलों का प्रभाग

दिल्ली और कोलकाता की गतिविधियाँ

1. प्रकोष्ठ बैठक 23 (जून–फरवरी 24)

मुंबई प्रकोष्ठ बैठक (19 मई 2023)

पूर्व छात्र मामलों के प्रभाग ने दुनिया भर में आयोजित होने वाले वार्षिक घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर मीट का 2023 संस्करण लॉन्च किया। 19 मई 2023 को, डीएए ने मुंबई में साल की पहली चैप्टर मीट आयोजित की. इसमें पूर्व छात्र संस्थान और इसकी विरासत के साथ फिर से जुड़े, पुराने दोस्तों ने एक–दूसरे से मुलाकात की और नए संबंध बनाए। पूर्व छात्रों ने शाम को होने वाली मजेदार गतिविधियों में भाग लेते हुए रोमांचक समय बिताया। पूर्व छात्रों ने अपने अल्मा मेटर से जुड़े रहने के लिए इस मंच के मौजूद होने की सराहना की।

हैदराबाद प्रकोष्ठ बैठक (24 जून 2023)

2023 एलुमनी चैप्टर मीट की विरासत को जारी रखते हुए, डीएए और एआरसी ने हैदराबाद में 24 जून 2023 को चौप्टर मीट आयोजित की। विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले पूर्व छात्रों ने यादों के पिटारे से परिसर से जुड़े अपने कुछ किस्सों को निकाला और साझा किया। सागर वेंकटेश्वर (एमबीए–आईबी, 2018–2020) ने हैदराबाद चैप्टर हेड– मनुज वांगिपुरापु और आईआईएफटी फैकल्टी – डॉ. शीबा कपिल की उपस्थिति में अपनी पुस्तक का अनावरण किया। एआरसी और पूर्व छात्रों के बीच फीडबैक सत्र भी हुआ जिसमें पूर्व छात्रों के संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एक से बढ़कर एक विचार रखे गए।

दिल्ली प्रकोष्ठ बैठक (26 अगस्त 2023)

डीएए और एआरसी द्वारा 26 अगस्त 2023 को आयोजित दिल्ली चैप्टर मीट जबरदस्त सफल रही। इसने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे पूर्व छात्रों के आपस में जुड़ने को बढ़ावा दिया। डीएए प्रमुख, प्रो. नीति नंदिनी की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। प्रो. नीति नंदिनी ने अपनी अंतर्दृष्टि और नेतृत्व से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

बैंगलोर प्रकोष्ठ बैठक (23 सितंबर 2023)

डीएए और एआरसी बैठकों की जीवंत परंपरा को जारी रखते हुए, बेंगलुरु एलुमनी चैप्टर की बैठक, 23 सितंबर 2023 को बुलाई गई। अलग–अलग विषयों के पूर्व छात्र एकत्र हुए ताकि अपने व्यवसाय से संबंधित अभी तक की अपनी यात्रा को एक दूसरे से साझा करें।

यूके और यूरोप प्रकोष्ठ बैठक (15 सितंबर 2023)

15 सितंबर 2023 को आयोजित पूर्व छात्र बैठक का यूके और यूरोप चैप्टर, इस क्षेत्र में रहने वाले पूर्व छात्रों के एक विविध समूह को एक साथ लाया। इस बैठक में यूरोपीय बाजार में करियर विकास पर विशेष ध्यान देने के साथ विचारों और अनुभवों का व्यापक आदान–प्रदान हुआ।

चेन्नई प्रकोष्ठ बैठक (23 सितंबर 2023)

बहुप्रतीक्षित चेन्नई चैप्टर मीट 23 सितंबर 2023 को शुरू हुई, जिस में उत्साह से भरे 30 पूर्व छात्र जोश के साथ इकट्ठा हुए। यह कार्यक्रम केवल पुनर्मिलन समारोह नहीं था, बल्कि परिसर में साझा किए गए अनुभवों का उत्सव, यादों के पिटारे को खोलने का मौका और प्यारे अल्मा मेटर को श्रद्धांजलि देने का अवसर था। उपस्थित पूर्व छात्र पुराने परिचितों से एक बार फिर उत्साह से मिले, कॉलेज में एक साथ बिताये दिनों के किस्से–कहानी याद किये और उस सौहार्द का आनंद लिया जो उन्हें आईआईएफटी परिवार के रूप में बांधता है।

सिंगापुर प्रकोष्ठ बैठक (27 सितंबर 2023)

27 सितंबर 2023 को डीएए और एआरसी द्वारा आयोजित सिंगापुर चैप्टर मीट ने वैश्विक पूर्व छात्र नेटवर्क की एक और सफल सभा की छाप छोड़ी।

दुबई पूर्व–छात्र बैठक (7 अक्तूबर 2023)

7 अक्टूबर 2023 को द एच दुबई में, बहुप्रतीक्षित पूर्व छात्र बैठक, दुबई में हमारे सम्मानित पूर्व छात्र समुदाय के लिए सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह आयोजन एक विशेष अवसर साबित हुआ, जिसने पूर्व छात्रों को परिसर में बिताये अपने यादगार दिनों को फिर एक बार जीने का अफसर दिया और दुबई के दिल में याद बनकर धड़कने के लिए मंच प्रदान किया।

कोलकाता प्रकोष्ठ बैठक (4 नवंबर 2023)

बहुप्रतीक्षित कोलकाता चैप्टर मीट बड़ी सफलता रही। 50 पूर्व छात्रों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और इसे एक यादगार पुनर्मिलन में बदल

दिया। 4 नवंबर 2023 को आयोजित यह शानदार शाम साझे अनुभवों को याद करने का उत्सव और नई यादें समेटने का अवसर थी। आईआईएफटी में संजोई गई यादों और आईआईएफटी छोड़ने के बाद जीवन यात्रा के अपने अनुभवों को पुराने दोस्तों के साथ साझा करने ने माहौल को ठहाकों से भर दिया था।

कनाडा पूर्व–छात्र बैठक (24 फरवरी 2024)

कनाडा पूर्व छात्र वार्षिक बैठक ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में 24 फरवरी 2024 को आयोजित की गई थी। इस में, पिछले तीन दशकों के विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों ने भाग लिया। यह एक सुखद अनुभव था, जो मनोरंजक गतिविधियों, स्वादिष्ट भोजन, यादों को साझा करने और कई और आनंदमय क्षणों से भरा था। यह पूर्व छात्रों के फिर से एक दूसरे के संपर्क में आने और नए बंधन बनाने का आयोजन था। यह गर्मजोशी और हंसी से भरा एक अद्भुत दिन था, जो अलग–अलग समय के पूर्व छात्रों के मजबूत संबंधों को दर्शा रहा था।

मुंबई पूर्व छात्रों का दोपहर का भोजन (10 मार्च 2024)

आईआईएफटी के पूर्व छात्र पवई मुंबई के रूड लाउंज में 10 मार्च 2024 को दोपहर के भोजन के लिए एकत्र हुए। यह एक आनंददायक पुनर्मिलन था जहां पुराने दोस्त इकट्ठा हुए, हँसे, और आईआईएफटी में बिताए दिनों के बारे में आदान–प्रदान किया। विभिन्न पृष्ठभूमि से आने वाले पूर्व छात्रों ने एक–दूसरे की उपलब्धियों की सराहना करते हुए, अपने करियर की कहानियाँ साझा कीं। माहौल को खुशनुमा बनाया उनके उन अल्हड़ पलों को याद करने ने जब वो एक साथ पढ़ते थे। आईआईएफटी में बिताए समय के दौरान बननेवाले मजबूत संबंधों की खूबसूरत याद को ताजा करता है ये मिलन समारोह, वो संबद्ध जिनसे उन्हें हमेशा खुशी की प्राप्ति होगी।

2. कोर कन्वर्जेन्स मीट

कोर@दिल्ली

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद में पहले सफल संस्करण के बाद, कोर (संसाधन और पारिस्थितिकी तंत्र का अभिसरण) कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण आईआईएफटी दिल्ली परिसर में 15 सितंबर 2023 की शाम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में प्रत्येक संस्थान के पूर्व छात्रों की ओर से जानकारीपूर्ण प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे प्रतिभागियों के बीच विचार–विमर्श की भावना जागृत हुई।

कोर@कोलकाता

कोर कन्वर्जेंस मीट का तीसरा संस्करण फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स में 24 नवंबर 2023 को संपन्न हुआ। यह कपड़ा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत पांच प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अभिसरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रही पहल में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

कोर@बेंगलुरु

कोर कन्वर्जेंस मीट का चौथा संस्करण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु में 16 फरवरी 2024 को संपन्न हुआ। यह कपड़ा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत पांच प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच अभिसरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चल रही पहल में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ।

3. इनविजन अतिथि व्याख्यान श्रृंखला (जुलाई 23)

परिचय और प्रारंभ के भाग के रूप में: व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम का आयोजन आने वाले बैच के लिए किया गया. अपनी "इन विजन" श्रृंखला के अंतर्गत पूर्व छात्र संबंध समिति ने अतिथि व्याख्यान आयोजित किए। प्रत्येक वक्ता द्वारा बातचीत में लाए गए अलग–अलग दृष्टिकोण ने कनिष्ठ तथा वरीष्ठ दोनों बैचों को एमबीए की इस यात्रा में सहायता देने और मार्गदर्शन करने के लिए गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान की। हम अपने पूर्व छात्रों के बहुत आभारी हैं जिन्होंने अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन यात्रा के बारे में बैच के साथ बातचीत करने के लिए समय निकाला।

व्याख्यान श्रृंखला में निम्नलिखित विभिन्न अतिथि थे:

परिचय

श्री अभिमन्यु जोशी
श्री निलेश सहाय
श्री आतमन पांड्या
श्री नितिन मोहन कपूर
श्री आदित्य गोयल
सुश्री जसलीन दलाल

इनविजन श्रृंखला (आईआईएफटी कोलकाता परिसर)

16 जुलाई: श्री आशीष जैन (2013) और श्री सिद्धार्थ चौधरी (2018)
17 जुलाई: सुश्री सुबर्णा मुखर्जी (2015)
24 अगस्त: श्री गीतांश सरदाना

डीआरआईआईएफटी

5 जुलाई: श्री प्रांजल परिहार (2014–16)
8 जुलाई: श्री सागर वेंकटेश्वर (2018–20)

4. एलयूमेंनाती संस्करण

जीएआर विशेष संस्करण (अक्टूबर–दिसंबर 23)
पूर्व छात्र संबंध समिति ने जीएआर का विशेष संवाद पत्र "अल्युमिनाती" का विमोचन किया जिसमें "अल्यूमिनाई स्पॉटलाइट" जैसे भाग है। यह विशेष स्थान देते हैं गहन साक्षात्कार को, आईआईएफटी के दौरान और उसके बाद पूर्व छात्रों के जीवन के प्रदर्शन को, उनकी सफलताओं को, जो पाठ उन्होंने पढ़ें और जो ज्ञान

उन्होंने प्राप्त किया और जिसे वो देना चाहते हैं। "अल्यूमिनस" का उद्देश्य उन पूर्व छात्रों को उजागर करना है जो अपनी कॉर्पोरेट जिम्मेदारियों के साथ समाज के दूसरे क्षेत्रों में सक्रिय रूप से योगदान प्रदान कर रहे हैं। संवाद पत्र के बहुत से दूसरे भागों में "कैंपस डायरीज" और "फैकल्टी स्पीक्स" जैसे भाग भी है।

संवाद पत्र में विशेष स्थान प्राप्त किया:

फैकल्टी स्पीक्स – इस भाग में, पूर्व छात्र मामलों की प्रभाग प्रमुख, डॉक्टर नीति नंदिनी चटनानी और अन्य प्रोफेसरों द्वारा दिया गया संदेश प्रकाशित होता है।

लीडिंग एज – श्री शोभित माथुर, एमबीए(आईबी) 1998 और श्री अंकित शाह, एमबीए(आईबी) 2013।

अलुमिनि स्पॉटलाइट– श्री आशीष जैन, एमबीए(आईबी) 2013 और श्री प्रांजल परिहार, एमबीए(आईबी) 2016।

इंटरप्रेन्योर स्पीक्स– श्री रणतेज सिंह, एमबीए(आईबी) 2001 और श्री चिन्मय गुप्ता एमबीए(आईबी) 2016।

अलयुमिनस– श्री अर्जुन मिश्रा, पीजीडीएम (वित्त) 2018 और श्री तुषार सूद, एमबीए (आईबी) 2003।

अल्मालिब्रिस– डॉ. प्रतीक माहेश्वरी और श्री सागर वेंकटेश्वर (द मार्केटिंग गीता) और श्री शिवराम ए. (अपना व्यवसाय जी.आर.ओ. डब्ल्यू. करना चाहते हैं)।

नेतृत्व विशेष संस्करण

त्रेमासिक संवाद पत्र एल्यूमिनाती का इस साल का चौथा और अंतिम संस्करण था नेतृत्व विशेष संस्करण।

संवाद पत्र में विशेष स्थान प्राप्त किया:

अलुमिनि स्पॉटलाइट – श्री प्रतीक गौरी, श्री वैभव गर्ग।

लीडिंग एज – श्री विपिन कुमार कटारिया।

अलुमिनि आउटलुक – सुश्री गरिमा जैन, सुश्री प्रगति चक्रवर्ती।

इंटरप्रेन्योर स्पीक्स – श्री मनु चोपड़ा।

5. पूर्व छात्र भव्य पुनर्मिलन 2023

यह साल का वह समय है जब सुबहें गुलाबी होती हैं, हवा में ठंडक होती है और हर जगह जीएआर की चर्चा होती है। पूर्व छात्र संबंध समिति आईआईएफटी दिल्ली परिसर में 9 दिसंबर 2023 को ग्रैंड एलुमनी रीयूनियन (जीएआर) की मेजबानी की। इसमें 2013, 2008 और 1998 के बैचों के लिए 10, 15 और 25–वर्षीय पुनर्मिलन भी शामिल हैं। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं क्योंकि वर्तमान समिति पुनर्मिलन में भाग लेने के लिए देश भर से उड़ान भरने वाले विभिन्न बैचों के करीब 1000 पूर्व छात्रों की मेजबानी करने की तैयारी कर रही है। परिसर में होने वाले सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक, ग्रैंड एलुमनी रीयूनियन 2023 पहले से कहीं अधिक भव्य होगा।

इस वर्ष विशिष्ट उपस्थित लोगों में, भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य सचिव, श्री सुनील बर्थवाल शामिल थे। पूर्व छात्र भव्य पुनर्मिलन आईआईएफटी के पूर्व छात्रों के लिए एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी के साथ जुड़ने और उनसे अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

6. नेतृत्व 2024

पूर्व छात्र संबंध समिति ने 11 फरवरी 2024 को आईआईएफटी दिल्ली परिसर में नेतृत्व की मेजबानी की।

यह ''अनमास्किंग द ह्यूमन लीडर'' पर एक आकर्षक टॉक शो था। इसमें नेतृत्व के मानवीय पक्ष पर छानबीन की गई तीन प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों को साथ लेकर – श्री संजय गोपीनाथ, मार्केटिंग और संचार प्रमुख, मैथवर्क्स इंडियाय श्री अमिताभ शेरगिल, प्रमुख, ऑपरेशंस नॉर्थ, दिल्लीवरी और सुश्री नेहा मार्कंडा, उद्योग प्रमुख, ई–कॉमर्स, गूगल इंडिया। शो की मेजबानी माइकल पेज के एसोसिएट मैनेजर श्री नितिन मोहन कपूर ने की।

बातचीत इस पर केंद्रित थी कि सब कुछ होने से कहीं अधिक है एक मानवीय नेता होना। यह चर्चा अपनी कमजोरियों को अपनाने, गुरुओं से सीखने और लगातार बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने के बारे में थी। हमारे मेहमानों ने बताया कि वे अपने शौक, जुनून और असंख्य कार्य प्रतिबद्धताओं के साथ कैसे अपने निजी जीवन को संतुलित करते हैं ताकि व्यवसाय, काम और सफलता पर उनके विचारों, के परिपेक्ष्य में उनके विश्वदृष्टिकोण के बारे में सूचित किया जा सके।

7. विवान 9.0

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, कोलकाता के तीन दिवसीय प्रमुख बिजनेस कॉन्क्लेव, विवान का नौवां संस्करण सफल रहा। यह कार्यक्रम केंद्रित था ''सतत डिजिटल परिवर्तनों द्वारा अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देना'' विषय पर।

उद्यमिता शिखर सम्मेलन में, शुरुआती चरण के स्टार्टअप पर अंजन गुप्ता (मॉर्गन स्टेनली), सूरज जुनेजा (फ्री फ्लो वेंचर्स), और अंकित बियानी (मनीफ्लो.एआई) के साथ चर्चा की गई।

यह कार्यक्रम ''सतत डिजिटल परिवर्तनों द्वारा अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देना'' विषय पर केंद्रित था। मुख्य वक्ता, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी की प्रबंध निदेशक सुश्री श्रुति गोयल ने कॉर्पोरेट जगत में स्थिरता की क्रमागत उन्नति पर जोर दिया।

विवान 9.0 का समापन प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के साथ हुआ, जिसमें स्विगी, वॉलमार्ट और हेक्सावेयर के विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होंने वैश्विक ऐप विकास में जेनरेटिव एआई की भूमिका पर चर्चा की।

8. ट्रेडविंड्स

इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस कॉन्क्लेव में, एक के बाद एक होने वाले शिखर सम्मेलनों में चर्चाओं को दमदार बनाने के लिए जो विषय चुने गए, वो हाल ही में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन, में शामिल विषय 'एक विश्व, एक अर्थव्यवस्था, एक भविष्य' से प्रेरित है। नेतृत्व के लिए शिखर सम्मेलन के ''सतत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाः चुनौतियों और अवसरों को नेविगेट करना'' के एजेंडे पर चर्चा करना। पैनल चर्चा का विषय और केंद्र बिंदु था ''वैश्विक आर्थिक एकीकरण के लिए बहु–क्षेत्रीय रणनीतियाँ''। डिजिटल के लिए पैनल चर्चा का विषय था ''सभी के लिए वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था का निर्माण''।

9. रोड टू समर्स

पूर्व छात्र संबंध समिति, आईआईएफटी कोलकाता ने 2023–2025 के बैच के लिए "रोड टू समर्स" का संचालन किया। यह मेंटरशिप पहल ग्रीष्मकालीन अनिवार्य निवासी सेवा कार्यक्रम शुरू करने वाले प्रथम वर्ष के छात्रों को अमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है।

हम कई प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की भागीदारी पर गर्व करते हैं जिन्होंने छात्रों को उदारतापूर्वक अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के बारे में बताया। बातचीत में एक–एक करके शामिल होकर, इन पूर्व छात्रों ने विभिन्न व्यावसायिक कार्यों में अंतर्दृष्टि प्रदान की, जिससे छात्रों को कॉर्पोरेट परिदृश्य की अधिक गहन समझ प्राप्त करने में सहायता मिली। ''रोड टू समर्स'' नामक पहल में अपना समय और विशेषज्ञता का योगदान देने वाले कुछ प्रमुख पूर्व छात्रों में अब तक शामिल हैं:

- प्रणव हांडू (डाबर)
- मानव मोदी (डी. ई. शॉ)
- कृतिन कपूर (डेलॉयट)
- अंजेला प्रकाश (मार्सक)
- ईशान जैन (आई सी आई सी आई बैंक)
- सिद्धि विनायक(आईडीएफसी फर्स्ट)
- विधित पटनी (जेपी मॉर्गन चेस – कंपनी)
- ऋतू सिन्हा (विप्रो)
- अंकिता बागरी (विश्व बैंक समूह)
- प्रियंक जैन (सैमसंग)
- शालिनी पाठक (माइक्रोसॉफ्ट)

10. पूर्व छात्र समन्वयक एवं संयुक्त पूर्व छात्र समन्वयक चुनाव

पूर्व छात्र समन्वयक के लिए चुनाव दिल्ली परिसर में 31 अक्टूबर 2023 को आयोजित किया गया था। इस पद के लिए कई उत्साही उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। साक्षात्कार के कई दौर के बाद चुनाव में, 2023–25 के एमबीए (आईबी) बैच से शुभम पाटिल सबकी पसंद की उम्मीदवार बनकर आगे आए। वह अब आगामी शैक्षणिक वर्ष में पूर्व छात्र समन्वयक की भूमिका निभाएंगे। इसी तरह, नवंबर के महीने में संयुक्त पूर्व छात्र समन्वयक के लिए चुनाव कोलकाता परिसर में आयोजित किया गया था। साक्षात्कार के कई दौर के बाद, 2023–25 के एमबीए (आईबी) बैच से नीलेश कुमार कौंडल सबकी पसंद के उम्मीदवार के रूप में उभरे। अब वह आगामी शैक्षणिक वर्ष में संयुक्त पूर्व छात्र समन्वयक की भूमिका निभाएंगे।

11. विदाई एआरसी– 2023–24

15 मार्च 2024 को दिल्ली परिसर में वरिष्ठ पूर्व छात्र संबंध समिति 2023–24 के लिए एक विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व छात्र मामलों के प्रभाग की प्रमुख डॉ. नीति नंदिनी चटनानी और जीएसएम प्रभाग के प्रमुख डॉ. संजय रस्तोगी की उपस्थिति में समिति के वरिष्ठ कार्यकारी सदस्यों को सराहना के प्रतीक दिए गए।

कोलकाता परिसर की गतिविधियाँ

A. अनुसंधान गतिविधियाँ

1. आईआईएफटी कोलकाता के अर्थशास्त्र प्रभाग ने भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रायोजित "उत्पत्ति के नियमों" पर शोध परियोजना आयोजित की है।
2. एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के तहत आने वाले चार अलग–अलग एमएसएमई समूहों के मूल्य श्रृंखला मानचित्रण और विश्लेषण पर चार अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन हुआ। समूहों के नाम इस प्रकार हैं:
   (ए) सिंगूर का नकली आभूषण समूह।
   (बी) मगराहाट का सिल्वर फिलिग्री समूह।
   (सी) जॉयनगर का मोया समूह।
   (डी) चंदननगर का मिष्ठान समूह।
3. डीजी शिपिंग, मुंबई की देखरेख में 3 अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन हुआ।
   (ए) ''भारतीय घरेलू कानून को शामिल करने के लिए "संयुक्त राज्य अमरीका के महासागर नौवहन सुधार अधिनियम 2022" का अध्ययन''।
   (बी) शिपिंग लाइनों द्वारा जहाज साझाकरण समझौते।
   (सी) भारत में शिपिंग कंटेनरों का निर्माण करने के लिए पीएलआई योजना का अध्ययन।
4. ''बांग्ला पान के लिए जीआई टैग प्राप्त करने पर अध्ययन'' पर शेफेक्सिल द्वारा शोध परियोजना का संचालन।
5. प्रबंधन डॉक्टरेट और शोधकर्ता संगोष्ठी का तीसरा संस्करण, आईआईएफटी, कोलकाता ने 7–8 दिसंबर 2023 के दौरान आयोजित किया। इससे अनुसंधान विद्वानों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और ये खूब सफल रहा।

6. 2025 में आयोजित होने वाले विश्वव्यापी प्रतिष्ठित आईएनडीएएम सम्मेलन की मेजबानी आईआईएफटी, कोलकाता को सौंपी गई है।
7. भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा प्रदत्त उत्पत्ति के नियमों पर आईआईएफटी कोलकाता के अर्थशास्त्र प्रभाग ने शोध परियोजना आयोजित की ।

B. अर्थशास्त्र प्रभाग में की गई गतिविधियाँ

अर्थशास्त्र कॉन्क्लेव

वार्षिक आर्थिक कॉन्क्लेव 2024, एक असाधारण कार्यक्रम के रूप में, 6–7 मई 2023 को आईआईएफटी कोलकाता में आयोजित की गई। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में प्रासंगिक मुद्दों पर व्यावहारिक चर्चा में शामिल होने का छात्रों को कॉन्क्लेव ने एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। उभरती प्रौद्योगिकियों, गतिशील भू–अर्थशास्त्र, उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के भविष्य जैसे कई विषय इस कार्यक्रम में शामिल किए गए। "हमारे मॉडल जी20 कार्यक्रम" ने छात्रों को अपना मोल–तोल और कूटनीतिक कौशल दिखाने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान किया। अपने साथियों के साथ नेटवर्क बनाने, उद्योग विशेषज्ञों के साथ जुड़ने और शिक्षा और नीति–निर्धारण के प्रतिष्ठित पैनलिस्टों से सीखने का मौका छात्रों को मिला। ''उभरती प्रौद्योगिकियों के आर्थिक निहितार्थः अवसर और चुनौतियाँ'' पर पैनल चर्चा कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बनी।

आरबीआई, आईजीआईडीआर और यस बैंक के सम्मानित पैनलिस्टों के साथ ''अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक समन्वय'' विषय पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा भी हुई। चर्चा व्यापक अर्थशास्त्र और वैश्विक वित्त का मिश्रण थी।

सेमिनार और वार्ता

1. एक चर्चा सत्र, केंद्रीय बजट 2024 पर आयोजित किया गया। डॉ. मिताली निकोरे और डॉ. किंशुक आचार्य मुख्य वक्ता थे।
2. "एक सैद्धांतिक और अनुभवजन्य विश्लेषण": उत्पाद की गुणवत्ता, घरेलू व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर एक आर्थिक सेमिनार आयोजित किया गया। डॉ. सजल लाहिड़ी, वंदावीर अर्थशास्त्र के चेयर प्रोफेसर मुख्य वक्ता थे।

कार्यकारी और प्रबंधन विकास कार्यक्रम

क्र. सं.	प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) का विवरण	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रायोजक निकाय
1.	"महाप्रबंधकों और उप–महाप्रबंधकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और वैश्विक बाजार पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीपी)।	21–23 अगस्त 2023	39	स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप
2.	''वैश्विक व्यवसायः योजना एवं जोखिम प्रबंधन''	23–25 अगस्त 2023	74	बीसीसीआई
3.	अरुणाचल प्रदेश के भावी निर्यातकों के लिए हैंड होल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम पर 5 दिवसीय एमडीपी	8–12 मई 2023	25	उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार
4.	असम के उभरते उद्यमियों के लिए 5 दिवसीय हैंड होल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम	15–19 मई 2023	25	उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, असम सरकार
5.	सिक्किम के उभरते उद्यमियों के लिए 5 दिवसीय हैंड होल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम	12–16 जून 2023	25	उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, सिक्किम सरकार

क्र. सं.	प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) का विवरण	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रायोजक निकाय
6.	मेघालय के उभरते उद्यमियों के लिए 5 दिवसीय हैंड होल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम	17–21 जुलाई 2023	25	उत्तर पूर्वी परिषद
7.	मिजोरम के उभरते उद्यमियों के लिए 8 दिवसीय हैंड होल्डिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम	24–28 जुलाई 2023	25	उत्तर पूर्वी परिषद
8.	"महाप्रबंधकों और उप– महाप्रबंधकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और वैश्विक बाजार पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसटीपी)।	29–31 जनवरी 2024	30	स्टेट बैंक इंस्टीट्यूट ऑफ लीडरशिप
एक दिवसीय कार्यशाला				
1.	चांगलांग जिले (अरुणाचल प्रदेश) में कृषि–बागवानी उत्पादों के निर्यात प्रक्रियाओं और दस्तावेजीकरण और पैकेजिंग पर कार्यशाला–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम	29 नवंबर 2023	100	उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार

संकाय विकास कार्यक्रम

फ्लोरिडा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र) के नेतृत्व में अमरीकी संकाय प्रतिनिधिमण्डल के साथ संकाय का पारस्परिक विचार विमर्श कार्यक्रम, आईआईएफटी कोलकाता परिसर के अनुसंधान प्रभाग द्वारा 3 दिसंबर 2023 को आयोजित किया गया। ये एक दिवसीय कार्यक्रम था। इसका उद्देश्य था दोनों विश्वविद्यालयों के संकाय को विशिष्ट क्षेत्र में अपने शैक्षिक विचार और योजनाएं साझा करने के लिए पारस्परिक विचार विमर्श का मंच प्रदान करना ताकि संबंध और सहयोग को और ज्यादा बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम के विषय को दो क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था. सबसे पहले जोर दिया गया अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अनुसंधान का ध्यान नए सामान्य पर केंद्रित करवाने के लिए पैनल चर्चा आयोजित करने पर। चर्चा का यह क्षेत्र भारत–अमरीकी शोधकर्ताओं के विभिन्न अनुभवों और कोविड महामारी के बाद विश्व के रुझान को साझा करने का नक्शा तैयार करता है। संकाय पारस्परिक विचार विमर्श कार्यक्रम का दूसरा भाग जेम्स – ज्वेलरी पार्क, अंकुरहाटी, पश्चिम–बंगाल तक एक औद्योगिक दौरा था।

C. निर्यात सुविधा केंद्र

परिचालन ईएफसी

1. पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के अंतर्गत निर्यात सुविधा केंद्र "शिल्पा साथी" सफलतापूर्वक चल रहा है। ईएफसी, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में पश्चिम बंगाल के उद्योग केंद्रों को हाथ पकड़ कर सहायता प्रदान करती है और इस प्रकार कार्य करती है राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने का। इस विषय में, आईआईएफटी ने "शिल्प साथी" नामक निर्यात संवर्धन केंद्र और "पश्चिम बंगाल के लिए निर्यात सुविधा" नामक मोबाइल ऐप्लिकेशन भी विकसित की है। ये वेब साइटों और ऐप्लिकेशन जो उन स्वीकृतियों का विस्तृत वर्णन देती है जिनका सामना पश्चिम बंगाल के निर्यातकों को करना पड़ता है, जैसे कि टैरिफ और गैर टैरिफ बाधाएं। इस पोर्टल और एप्लिकेशन का प्रारंभ बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट, 2022 में किया गया।

2. निर्यात सहायता प्रकोष्ठ, गुवाहाटी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, असम सरकार के अंतर्गत सफल संस्थान है। डीईएपीएस की तैयारी, निर्यात प्रक्रियाए और दस्तावेजीकरण, कार्यशालाएं और उन्नत स्तर का प्रशिक्षण कार्यक्रम, जागरूकता शिविर इत्यादि और सावधानी के साथ मार्गदर्शन करके निर्यात को बढ़ावा देने में असम राज्य की सहायता के लिए ईएसी की स्थापना हुई थी।

3. पश्चिम बंगाल के एमएसएमइ क्षेत्र से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पश्चिम बंगाल सरकार के एमएसएमई – टी प्रभाग में "राज्य निर्यात सुविधा केंद्र" की स्थापना हुई. "उत्पाद बाजार मैट्रिक्स" (प्रॉडक्ट मार्केट मैट्रिक्स) नामक सॉफ्टवेर विकसित हुआ और पश्चिम बंगाल के दो प्रमुख क्षेत्रों – बने बनाए परिधान और रत्न एवं आभूषण के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए

एसईएफसी को सौंपा गया. यह सॉफ्टवेर 6–अंकीय स्तर पर उत्पाद श्रेणी के लिए एचएस कोड, प्रमुख पांच और संभावित बाजार और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतियोगिता से संबंधित गहरी समझ देता है. बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट 2023 के दौरान माननीय मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी द्वारा इस केंद्र का उद्घाटन औपचारिक रूप से किया गया।

निर्यात सुविधा केंद्र जो औपचारिक रूप से स्थापित होंगे

1. एमएसएमई प्रभाग, सिक्किम सरकार में सिक्किम राज्य के लिए निर्यात सुविधा केंद्र।
2. एमएसएमई प्रभाग, अरुणाचल प्रदेश सरकार में अरुणाचल प्रदेश राज्य के लिए निर्यात सुविधा केंद्र. सरकार के लिए जिला निर्यात कार्य योजना, ओडीओपी ब्रोशर और आरएएमपी प्रस्ताव तैयार करने का काम सेल को सौंपा गया है।

निर्यात सुविधा केंद्र जो पाइपलाइन में हैं

1. त्रिपुरा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में त्रिपुरा राज्य में निर्यात सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया गया है।
2. सरकार के उद्योग विभाग में बिहार राज्य में निर्यात सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया गया है।

ईएफसी के तहत की गई गतिविधियाँ

1. ईएसी, असम ने असम के सोनितपुर, मोरीगांव, नागांव, धुबरी, चिरांग और कोकराझार जिलों में छह एक दिवसीय निर्यात जागरूकता कार्यक्रम क्रमशः 30 मई, 1–2 जून, 5 सितंबर और 7–8 सितंबर 2023 को आयोजित किए।
2. शिल्प साथी के लिए स्थापित निर्यात सुविधा केंद्र, डब्ल्यूबीआईडीसी ने शेलैक क्लस्टर, ब्रास मेटल क्लस्टर और अन्य उद्यमियों और डीआईसी, पुरुलिया के अधिकारियों के लिए, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल में तीन निर्यात जागरूकता शिविर 26, 27 और 28 जून 2023 को आयोजित किए गए. इन शिविरों ने उद्यमियों का निर्यात के लिए उत्साह बढ़ाया और निर्यात संबंधी मुद्दों को समझने में उनकी सहायता की।
3. शिल्प साथी, डब्ल्यूबीआईडीसी के लिए स्थापित निर्यात सुविधा केंद्र ने एफओएसएमआई कोलकाता में पंजीकृत उद्यमियों के लिए एक और निर्यात जागरूकता शिविर 8 अगस्त 2023 को आयोजित किया।
4. आईआईएफटी कोलकाता ने ईएसी, असम के माध्यम से बोंगाईगांव जिले, असम के उद्यमियों के लिए निर्यात प्रक्रियाओं और दस्तावेजीकरण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
5. पश्चिम बंगाल सरकार के एमएसएमई विभाग के सहयोग से आईआईएफटी द्वारा स्थापित एसईएफसी (राज्य निर्यात सुविधा केंद्र), पश्चिम बंगाल ने, कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हस्तशिल्प समूह में जूट के विविध उत्पादों और कोलकाता के कृत्रिम आभूषण निर्माताओं के लिए निर्यात जागरूकता शिविर 20 फरवरी और 13 मार्च 2024 को आयोजित किए।
6. पश्चिम बंगाल सरकार के एमएसएमई विभाग के सहयोग से आईआईएफटी द्वारा स्थापित एसईएफसी (राज्य निर्यात सुविधा केंद्र), पश्चिम बंगाल, ने सहकार भारती, अखिल भारतीय सहयोग और सहकारी समितियों के संगठन के तहत पंजीकृत पचास संभावित एमएसएमई के लिए आईआईएफटी कोलकाता में निर्यात जागरूकता और प्रेरणा पर एक बूटस्ट्रैप शिविर का 23 मार्च 2024 को आयोजन किया।

काकीनाड़ा परिसर

आंध्र प्रदेश भारत के मुख्य पांच निर्यातक राज्यों में से एक है। समुद्री उत्पादों, कृषि और वस्त्रों में सबसे आगे है। काकीनाड़ा तटीय शहर है, युक्तिपूर्ण जगह स्थित होने के कारण व्यापार केंद्र के रूप में संभावनाएँ रखता है। तटीय शहर, काकीनाड़ा की अप्रयुक्त प्रतिभा और युक्तिपूर्ण जगह स्थित होने के कारण व्यापार केंद्र बनने की संभावना है। इस वर्ष आन्ध्रप्रदेश औद्योगिक और विदेशी निवेश में अग्रणी पी रहा। विकास के लिए आईआईएफटी जैसे संस्थानों से योगदान मांगते समय सरकार अनुसंधान एवं विकास पर जोर देती है।

₹229.81 की अनुमानित लागत के साथ एसएफसी ने डीपीआर को मंजूरी दे दी है। परियोजना की पूंजी लागत आंध्र प्रदेश सरकार और भारत सरकार में 50:50 के अनुपात में बांटी जाएगी।

एम/एस एनबीसीसी प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेंसी द्वारा काम सौंपे जाने की तारीख से दो वर्षों के समय सीमा में परिसर निर्माण का कार्य पूरा किए जाने की अपेक्षा की जा रही है। एक बार जब परिसर तैयार हो जाएगा तब इसमें शैक्षिक खंड, प्रशासनिक खंड, सभागार, जलपान–गृह, उत्कृष्ट बाजार, खेलकूद संकुल, अखाड़ा, छात्रावास, बैंक और औषधालय इत्यादि जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।

प्रबंधन में एकीकृत कार्यक्रम (व्यापार विश्लेषण विद्या और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) का उद्देश्य है युवा पेशेवर लोगो को प्रबंधकीय और निर्णय लेने का बूता प्रदान करना और नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी और गणित (एसटीईएम) के साथ प्रबंधन शिक्षा को एकीकृत करना। कार्यक्रम में शीघ्र शामिल होकर सख्त मेहनत करवाने वाला संपूर्ण पाठ्यक्रम लेकर छात्र उपयुक्त विश्लेषणात्मक तकनीकों की सहायता से समस्या–समाधान कौशल प्रदर्शित करने में सक्षम होंगे और व्यावसायिक स्थितियों का विश्लेषण करते समय नैतिकता का प्रयोग करेंगे और सामाजिक रूप से जागरूक निर्णय लेंगे।

अपने दिल्ली और कोलकाता परिसरों की तरह आईआईएफटी काकीनाड़ा परिसर भी एक कठिन परिश्रम वाला शैक्षणिक अभ्यास आरंभ करेगा और अर्थशास्त्र एवं व्यापार, ऑफ–कैंपस कार्यक्रम, अनिवार्य कॉर्पोरेट प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक हिताधिकारियों के विभिन्न समूहों की आवश्यकताओं का ध्यान रखने के लिए नए कार्यक्रम लेकर आएगा. निर्यात संवर्धन रणनीतियो, उत्पाद/उद्योग संबंधी निर्यात, बहुपक्षीय एवं द्विपक्षीय व्यापार संधियाँ/समझौते और स्रोत स्थान के रूप में भारत को बढ़ावा देने से संबंधित क्षेत्रों में आईआईएफटी काकीनाड़ा, बौद्धिक सहयोग के रूप में केंद्र सरकार, राज्य सरकार और उद्योग के नीतिगत हस्तक्षेपों की योजना बनाने और प्रभावित करने में भरपूर योगदान देगा।

एकीकृत कार्यक्रम प्रबंधन के दूसरे बैच – 2023–28 का ओरिएंटेशन कार्यक्रम 11 सितंबर 2023 को आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम में उपस्थिति आईआईएफटी के पूर्व छात्र, क्लिनिअन के निदेशक श्री मनुज वांगिपुरपु और प्रबंध निदेशक, मेडकेम इंटरनेशनल लिमिटेड, श्री शेखर ताड़ीकोंडा ने छात्रों को प्रेरक भाषण दिए। इसके बाद, आईपीएम के छात्रों के आने वाले बैच के लिए एक सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों ने अपने माता–पिता के साथ ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया और आईआईएफटी, काकीनाडा के संकाय और स्टाफ सदस्यों की भागीदारी ने कार्यक्रम को शानदार बनाया। छात्रों और उनके अभिभावकों को शिक्षा ऋण से संबंधित सुविधा प्रदान करने के लिए इंडियन बैंक, एसबीआई, आईसीआईसीआई, आईडीबीआई और एचडीएफसी ने, ओरिएंटेशन कार्यक्रम में, बैंक स्टॉल की व्यवस्था की।

आईआईएफटी, काकीनाडा द्वारा हिंदी दिवस का आयोजन 25 से 27 सितंबर 2023 तक किया गया जिसमें पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई थी।

महत्वपूर्ण बैठक

वर्ष के दौरान प्रबंधन बोर्ड की तीन बैठकें 2 अगस्त 2023, 27 सितम्बर 2023 और 21 मार्च 2024 को, वित्त समिति की दो बैठकें 17 मई 2023 और 18 सितम्बर 2023 को आयोजित की गई।

शिक्षा और प्रशिक्षण

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग, संस्थान के प्रमाण–पत्र कार्यक्रमो और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सप्ताह–अंत एमबीए के अतिरिक्त आईआईएफटी का प्रमुख कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एमबीए संचालित करता है। जीएसएम प्रभाग उपरोक्त कार्यक्रमों में शिक्षण का समायोजन करता है। जीएसएम का उद्देश्य है आईआईएफटी के कार्यक्रमओं की शैक्षणिक उत्कृष्टता और समकालीनता सुनिश्चित करते हुए उस के कामकाज की निगरानी करना। कार्यक्रम प्रबंधन, पाठ्यक्रम निर्धारण, सत्र नियोजन, संकाय आवंटन, परीक्षाओं का संचालन, शोध निबंध परियोजनाएं, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों की गैर–शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं मौखिक परीक्षा पर भी जीएसएम प्रभाग काम करता है। छात्र संबंध और अनुशासन सहित विद्यार्थियों के सभी मामले जीएसएम के कार्यक्षेत्र में है। जीएसएम बंदरगाह दौरे, औद्योगिक दौरे अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाएँ, सेमिनार और छात्र विनिमय कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

निम्नलिखित गतिविधियाँ अप्रैल 2023–मार्च 2024 तक आयोजित की गईं:

(i) दो वर्षीय एमबीए (आईबी) 2023–25 कार्यक्रम

दिल्ली और कोलकाता परिसर में दो–वर्षीय पूर्ण–कालिक एमबीए (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) के 58वें बैच 2022–24 का उद्घाटन वास्तविक तरीके से 10 जुलाई 2023 को हुआ. टीएनएस डेल्टा एक्सपोर्ट्स के सीईओ प्रोफेसर संजीव जैन ने एक विशेष भाषण दिया। कोलकाता कैम्पस के प्रमुख डॉ. के. रंगराजन ने एक संबोधन दिया। स्वागत भाषण जीएसएमडी, दिल्ली कैंपस के प्रमुख डॉ. संजय रस्तोगी ने दिया।

आईआईएफटी के कुलपति डॉ. सतिंदर भाटिया ने छात्रों को संबोधित किया। दिल्ली और कोलकाता परिसर के 438 छात्रों, आईआईएफटी संकाय और कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

दिल्ली और कोलकाता परिसर में क्रमशः 227 और 211 छात्र हैं।

(ii) ढ़ाई साल का सप्ताहांत एमबीए (आईबी) 2023–26 कार्यक्रम

कार्यरत अधिकारियों के लिए ढ़ाई साल सप्ताहांत एमबीए (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार) के 24 वें बैच 2023–26 की शुरुआत 5 अगस्त 2023 को वास्तविक तरीके से हुई. फिजिकल मोड में आयोजित निबंध लेखन, एक्सटेम्पोर और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर 55 छात्रों को कार्यक्रम में प्रवेश दिया गया। स्नातक अध्ययन प्रबंधन प्रभाग के प्रमुख डॉ. संजय रस्तोगी द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया और इस कार्यक्रम में आईआईएफटी के संकाय, छात्रों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

(iii) दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (बीए) 2023–25 कार्यक्रम

दिल्ली के लिए के लिए दो वर्षीय एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) 2023–25 के पहले बैच का उद्घाटन 24 जुलाई 2023 को किया गया। वित्तीय क्षेत्र विनियम और पर्यवेक्षण सलाहकार, SARTTAC, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, प्रोफेसर नितिन जैन ने एक विशेष भाषण दिया। स्वागत एवं उद्घाटन भाषण जीएसएमडी, दिल्ली परिसर के प्रमुख डॉ. संजय रस्तोगी ने दिया। कार्यक्रम में 53 छात्र शामिल हुए।

सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम

वर्ष 2005 में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम को स्थापित किया गया। इस कार्यक्रम का इरादा संस्थान के एमबीए (आईबी) पूर्णकालिक कार्यक्रम के विद्यार्थियों को सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों पर दीक्षा देने का था और समाज के वंचित वर्गों के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रति उन्हें संवेदनशील बनाने का। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के विनयाघक प्रावधान के अंतर्गत चूँकि कॉर्पोरेट क्षेत्र का सामाजिक उत्तरदायित्व हैं वे सीएसआर कार्यक्रम के तहत हमारे छात्रों को समाज कल्याण का अनुभव देने को महत्व देते हैं।

पाठ्यक्रम में इस कार्यक्रम के महत्त्व पर जोर देते हुए तीन क्रेडिट्स का वेटेज दिया जाता है। इस कार्यक्रम के तहत वास्तविक जीवन से जुड़ी गैर सरकारी संगठनों/कॉर्पोरेट घरानों द्वारा सौंपी गई परियोजनाओं पर विद्यार्थियों का काम करना आवश्यक है। इस कार्य के लिए, बाद में विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत से अब तक 3,500 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं। विद्यार्थियों को अपने–अपने एनजीओ/संगठन द्वारा सौंपी गई जीवंत परियोजनाओं में कार्य करने का अवसर मिलता है। जल प्रबंधन, कचरे का प्रबंध, पुनर्चक्रण, साक्षरता, स्वच्छता, एचआईवी/एड्स जागरूकता, बच्चों की शिक्षा, वंचित बुजुर्गों का कल्याण, महिला सशक्तिकरण, कन्या भ्रूण–हत्या रोकना, बच्चों को गोद लेना इत्यादि– कुछ प्रमुख सामाजिक क्षेत्र है जिनमें हमारे छात्र हमारे पर्यावरण और समुदाय के विकास में लगे हुए हैं।

इस वर्ष दिल्ली परिसर में भौतिक तरीके से विद्यार्थियों को लगभग 12 गैर सरकारी संगठनों में समाज कल्याण कार्य के लिए भेजा गया है। अपने पाठ्यक्रम के अभिन्न अंग के रूप में आईआईएफटी सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2023–24 के दौरान, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, दिल्ली के एमडीपी विभाग ने विभिन्न स्तर के प्रबंधको और अधिकारियों के लिए 23 कार्यक्रमओं का संचालन किया. इनमें से 3 कार्यक्रम हाइब्रिड/ऑनलाइन थे और सभी क्षेत्रों के लिए उन्मुक्त थे। 20 प्रयोजित कार्यक्रम थे, पीएसयूज कार्यकारियों और सरकारी अधिकारियों के लिए (जिनमे काम सीखने के लिए नियुक्त किए गए आईटीएस के लोग और सशस्त्र बल के अधिकारी भी शामिल थे)। कुल 651 प्रतिभागियों ने इन कार्यक्रमों से लाभ उठाया।

श्रेणी–वार कार्यक्रम विवरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमओं की संख्या	भाग लेने वालों की संख्या
प्रयोजित	20	551
हाइब्रिड/ऑन–कैंपस प्रमाणपत्र कार्यक्रम	03	100
कुल संख्या	**23**	**651**

(i) प्रयोजित कार्यक्रम

पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए छह महीने का पाठ्यक्रम

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय के आदेश पर, संस्थान, देश के सशस्त्र बलों के अधिकारियों को उनके करियर की दूसरी पारी शुरू करने में सहायता करने के लिए विभिन्न व्यावसायिक कोर्सो का संचालन करता रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन में सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए 6 महीने का कोर्स 2023–24 के दौरान, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन में पाठ्यक्रमों के 4 बैच आयोजित किए गए। विवरण निम्नानुसार है:

1. सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए बिजनेस मैनेजमेंट (एचआर और फाइनेंस) में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 11) (30 जनवरी से 21 जुलाई 2023)

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) दिल्ली द्वारा संचालित सशस्त्र बल अधिकारियों (बैच 11) के लिए बिजनेस मैनेजमेंट (एचआर और फाइनेंस) में सर्टिफिकेट कोर्स, पेशेवर विकास में उत्कृष्टता के लिए संस्थान और उसके प्रतिभागियों दोनों की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। कार्यक्रम निदेशक, डॉ. गिन्नी चावला के मार्गदर्शन में कार्यक्रम छह महीनों तक जारी रहा. इस कार्यक्रम में मानव संसाधन और वित्त के क्षेत्र में प्रभावी नेतृत्व के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान पर काम किया गया। मौलिक सिद्धांतों, उन्नत रणनीतियों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को सावधानीपूर्वक तैयार किए गए पाठ्यक्रम में शामिल करते हुए, पाठ्यक्रम ने अधिकारियों को आत्मविश्वास और दक्षता के साथ जटिल संगठनात्मक चुनौतियों से निपटने के लिए सशक्त बनाया। सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि, वास्तविक दुनिया के मामले के अध्ययन और इंटरैक्टिव सत्रों ने न केवल प्रतिभागियों की शैक्षणिक क्षमता को बढ़ाया बल्कि सीखने और सहयोग करने वाले जीवंत समुदाय को भी खड़ा किया । कार्यक्रम ने, समाप्त होते–होते प्रतिभागियों को अपने प्रभाव क्षेत्र में परिवर्तनकारी परिवर्तन लाने के लिए विशेषज्ञता और दृष्टि से लैस करके उन पर एक अमिट छाप छोड़ी ।

2. डीजीआर द्वारा प्रायोजित सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन में छह महीने का पाठ्यक्रम (बैच 12) (27 फरवरी 2023 से 18 अगस्त 2023)

सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया जाने वाला, पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन में 6 महीने का पाठ्यक्रम उनके पेशेवर विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। 27 फरवरी 2023 से 18 अगस्त 2023 तक बैच–12 ने परिवर्तनकारी यात्रा की, जिसका आयोजन भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) दिल्ली और

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागी
1.	बिजनेस मैनेजमेंट (एचआर और फाइनेंस) में 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स – बैच 11	जनवरी 2023 – जुलाई 2023	46
2.	इंटरनेशनल बिजनेस मैनेजमेंट में 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स – बैच 12	फरवरी 2023 – अगस्त 2023	38
3.	ग्लोबल सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट में 6 महीने का कोर्स – बैच 13	मार्च 2023 – सितंबर 2023	39
4.	बिजनेस मैनेजमेंट (एचआर और फाइनेंस) में 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स – बैच 14	सितंबर 2023 – मार्च 2024	51

निर्देशन सहायक प्रोफेसर, प्रतीक माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम में 38 प्रतिभागी उपस्थिति थे। सावधानीपूर्वक किए गए कार्यक्रम में सैन्य अधिकारियों को वैश्विक वाणिज्य में निहित बारीकियों और जटिलताओं की व्यापक समझ दी गई। सैद्धांतिक रूपरेखाओं, केस अध्ययनों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों से तैयार एक मिश्रण के माध्यम से, प्रतिभागियों ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नीतियों, बाजार विश्लेषण और रणनीतिक निर्णय लेने वाले विषयों पर गहराई से विचार किया। डॉ. माहेश्वरी के अनुभवी संरक्षण में, अधिकारी न केवल आवश्यक ज्ञान से लैस हुए बल्कि उन्होंने विविध सांस्कृतिक परिदृश्यों और उभरते बाजार रुझानों को समझने के लिए महत्वपूर्ण वैश्विक मानसिकता भी सीखी। बैच 12 तो समाप्त हुआ पर स्थायी विरासत छोड़ गया – आत्मविश्वास एवं कौशल के साथ तेजी से परस्पर जुड़ रही दुनिया की चुनौतियों से निपटने और उस के अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार नेता।

3. आईटीएस परिवीक्षार्थियों के लिए ''अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय'' पर नौ महीने का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (10 मार्च 2023 – जनवरी 2024)

10 मार्च 2023 से जनवरी 2024 तक चलने वाला आईटीएस परिवीक्षार्थियों के लिए 9 महीने का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ''अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय'' पर प्रतिभागियों की पेशेवर यात्रा का आधार है। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) दिल्ली द्वारा आयोजित और सहायक प्रोफेसर डॉ. चारू ग्रोवर द्वारा निर्देशित इस कार्यक्रम ने सीखने के गहन अनुभव के लिए चार उत्सुक प्रतिभागियों का स्वागत किया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय में भावी नेताओं की शिक्षा पर ध्यान देने के लिए, वैश्विक व्यापार नीतियों और वार्ता से लेकर बाजार विश्लेषण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तक सभी विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को शामिल करके पाठ्यक्रम को सावधानीपूर्वक तैयार किया गया। सैद्धांतिक व्याख्यानों, व्यावहारिक कार्यशालाओं और वास्तविक दुनिया के मामले के अध्ययन के माध्यम से, प्रतिभागियों को वैश्विक बाजार की जटिलताओं से कुशलता से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस किया गया। डॉ. ग्रोवर के मार्गदर्शन में उन्होंने न केवल अपने विश्लेषणात्मक कौशल को निखारा, बल्कि वैश्विक वाणिज्य को आकार देने वाली सामाजिक–आर्थिक गतिशीलता की गहरी समझ भी विकसित की। जैसे–जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ा इसने प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में कुशल और दूरदर्शी नेताओं के रूप में उत्कृष्ट बनाकर सशक्त किया और उन पर अमिट छाप छोड़ी।

4. डीजीआर द्वारा प्रायोजित सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन में छह महीने का पाठ्यक्रम (बैच 13) (20 मार्च 2023 से 8 सितंबर 2023)

सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया जाने वाला, पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन में 6 महीने का पाठ्यक्रम उनके पेशेवर विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन की जटिलताओं से सैन्य अधिकारियों को कुशलता से निपटने के आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने के लिए पाठ्यक्रम को इन्वेंट्री प्रबंधन से लेकर परिवहन रसद और वितरण रणनीतियों तक सभी विषयों पर केंद्रित किया गया। सैद्धांतिक व्याख्यान, व्यावहारिक अभ्यास और उद्योग मामले के अध्ययन से, प्रतिभागियों ने आपूर्ति श्रृंखला दक्षता को अनुकूलित करने, जोखिमों को कम करने और विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की। डॉ. वर्मा के मार्गदर्शन में अधिकारियों ने न केवल अपनी तकनीकी दक्षता बढ़ाई, बल्कि गतिशील वैश्विक बाजार में सफलता के लिए आवश्यक रणनीतिक सोच और नेतृत्व कौशल भी विकसित किया। बैच 13 ने समाप्ति पर एक स्थायी विरासत छोड़ी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन के क्षेत्र में कुशल नेताओं के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तैयार सशस्त्र बल अधिकारियों का एक समूह।

5. बीईएल के अधिकारियों के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम (25 मई 2023)

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के अधिकारियों को रक्षा निर्यात नीतियों की जटिलताओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए 25 मई 2023 को रक्षा निर्यात नीति पर आयोजित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम ने महत्वपूर्ण मंच का कार्य किया। प्रमुख (एमडीपी), डॉ. आशीष पांडे द्वारा निर्देशित इस कार्यक्रम ने रक्षा उद्योग के महत्वपूर्ण पहलू पर अपना ज्ञानवर्धन करने के लिए उत्सुक 24 अधिकारियों को आकर्षित किया। केंद्रित एजेंडे के तहत, प्रतिभागियों ने नियामक ढांचे, अनुपालन आवश्यकताओं और बाजार की गतिशीलता सहित रक्षा निर्यात नीतियों के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. पांडे के मार्गदर्शन ने इंटरैक्टिव चर्चाओं को सुविधाजनक बनाया, जिससे अधिकारियों को नियामक मानकों का पालन करते हुए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कार्य करने की बारीकियों को समझने में मदद मिली। परिणामस्वरूप, रक्षा निर्यात में बीईएल के प्रयासों में प्रभावी ढंग से योगदान करने, कंपनी के वैश्विक पदचिह्न में विकास और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक ज्ञान और रणनीतिक अंतर्दृष्टि से प्रतिभागी सुसज्जित होकर उभरे।

6. ''प्रभावी संचालन और प्रदर्शन माप के लिए सर्वोत्तम अभ्यास और रणनीतियाँ'' पर भूमि बंदरगाह प्रबंधन के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (12–16 जून 2023)

12 जून से 16 जून, 2023 तक आयोजित ''प्रभावी संचालन और प्रदर्शन माप के लिए सर्वोत्तम अभ्यास और रणनीतियाँ'' पर लैंड पोर्ट प्रबंधन के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ने, 24 अधिकारियों का इस महत्वपूर्ण डोमेन में कौशल और ज्ञान बढ़ाने के लिए व्यापक मंच के रूप में कार्य किया। प्रमुख (एमडीपी), डॉ.

आशीष पांडे द्वारा निर्देशित कार्यक्रम ने भूमि बंदरगाहों के संचालन और प्रदर्शन माप को अनुकूलित करने के लिए आवश्यक सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का एक केंद्रित अन्वेषण प्रदान किया। सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि, व्यावहारिक मामले के अध्ययन और इंटरैक्टिव सत्रों के संयोजन से, प्रतिभागियों ने बुनियादी ढांचे प्रबंधन, सीमा सुरक्षा, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और व्यापार सुविधा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्राप्त की। डॉ. पांडे के मार्गदर्शन और विशेषज्ञता ने आकर्षक चर्चाओं को सुविधाजनक बनाया, जिससे अधिकारियों को भूमि बंदरगाह प्रबंधन में निहित चुनौतियों और अवसरों को गहराई से समझने में मदद मिली। नए ज्ञान और दृष्टिकोण से लैस, प्रतिभागी प्रभावी रणनीतियों को लागू करने और बंदरगाहों के निर्बाध संचालन में योगदान करने के लिए तैयार हुए, जिससे व्यापार प्रवाह को सुगम बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ाने में मदद मिली।

7. भारतीय आर्थिक सेवा (2023 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए डब्ल्यूटीओ और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (26 जून – 7 जुलाई 2023)

भारतीय आर्थिक सेवा (2023 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए डब्ल्यूटीओ और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, 26 जून से 7 जुलाई 2023 तक आयोजित किया गया, जिसने 22 प्रतिभागियों के वैश्विक व्यापार विनियम और बौद्धिक संपदा अधिकार की जटिलताओं को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच का कार्य किया। प्रोफेसर विजया कट्टी के निर्देशन में कार्यक्रम ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ढांचे और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए इसके निहितार्थ का एक व्यापक अवलोकन प्रदान किया, साथ ही बौद्धिक संपदा अधिकारों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों और तंत्रों की गहनता से खोज भी की। व्याख्यान, केस अध्ययन और इंटरैक्टिव चर्चाओं के माध्यम से, प्रतिभागियों ने व्यापार नीतियों को आकार देने में डब्ल्यूटीओ समझौतों की भूमिका के साथ–साथ नवाचार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में बौद्धिक संपदा संरक्षण के महत्व के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त की। डॉ. कट्टी के मार्गदर्शन ने सीखने के माहौल को बढ़ावा दिया, जिससे प्रतिभागियों को इन जटिल मुद्दों को गहराई से समझने और वैश्विक व्यापार और बौद्धिक संपदा अधिकारों के उभरते परिदृश्य से निपटने पर ज्ञान और कौशल से लैस करके उन्हें सक्षम बनाया गया।

8. एमएसएमई के अधिकारियों के लिए ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (5–7 जुलाई 2023)

मध्य प्रदेश सरकार के एमएसएमई विभाग के अधिकारियों के लिए ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, 5–7 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया, जिसमें 26 व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।. प्रमुख (एमडीपी), डॉ. आशीष पांडे द्वारा निर्देशित कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की जटिलताओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना। सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि, व्यावहारिक मामले के अध्ययन और इंटरैक्टिव चर्चाओं को शामिल करने वाले एक व्यापक पाठ्यक्रम के माध्यम से, प्रतिभागियों ने एमएसएमई के विशिष्ट संदर्भ के अनुरूप निर्यात–आयात प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं को गहराई से समझा। डॉ. पांडे के मार्गदर्शन ने सीखने के अनुभवों को सुविधाजनक बनाया, जिससे अधिकारियों को बाजार विश्लेषण, निर्यात दस्तावेजीकरण, रसद प्रबंधन और व्यापार वित्त जैसी महत्वपूर्ण अवधारणाओं को समझने में मदद मिली। सहयोगात्मक शिक्षण और व्यावहारिक अनुप्रयोग के माहौल को बढ़ावा देकर, कार्यक्रम ने मध्य प्रदेश में प्रतिभागियों को एमएसएमई के विकास और समृद्धि के लिए निर्यात–आयात के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाया। अधिकारी जब विदा हुए तो अपने साथ न केवल उन्नत कौशल बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के माध्यम से आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक नई प्रतिबद्धता भी लेकर गए।

9. गेल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए निर्यात आयात प्रबंधन पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम (7–9 अगस्त 2023)

गेल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम, 7–9 अगस्त 2023 को आयोजित किया गया, जिसमें 24 व्यक्तियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। सहायक प्रोफेसर, डॉ. चारु ग्रोवर द्वारा निर्देशित कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की जटिलताओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना। तीन दिनों के व्यापक पाठ्यक्रम के माध्यम से, प्रतिभागियों ने बाजार विश्लेषण, व्यापार वित्त, रसद और नियामक अनुपालन सहित निर्यात–आयात प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर गहराई से चर्चा की। डॉ. ग्रोवर के मार्गदर्शन ने सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि को व्यावहारिक केस अध्ययन और इंटरैक्टिव चर्चाओं के साथ जोड़कर सीखने–सिखाने का माहौल सुनिश्चित किया। एक साथ सीखने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के माहौल को बढ़ावा देकर, कार्यक्रम ने अधिकारियों को गेल इंडिया लिमिटेड की वैश्विक व्यापार क्षमताओं को बढ़ाने और कंपनी के रणनीतिक उद्देश्यों में योगदान करने के लिए सशक्त बनाया। एमडीपी से विदा होते समय प्रतिभागी अपने साथ न केवल समृद्ध कौशल ले कर गए बल्कि चुनौतियों से निपटने और वैश्विक बाजार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आत्मविश्वास भी लेकर गए।

10. कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर पहला एमडीपी

8–10 अगस्त 2023 के दौरान बैंगलोर में कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर पहला प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) आयोजित किया गया, जो 37 प्रतिभागियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपनी क्षमताएं बढ़ाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। प्रमुख (एमडीपी), डॉ. आशीष पांडे द्वारा निर्देशित कार्यक्रम का उद्देश्य कॉयर निर्यातकों को वैश्विक बाजार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना था। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने बाजार अनुसंधान, निर्यात दस्तावेजीकरण, रसद और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों के अनुपालन सहित निर्यात प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की। आईआईएफटी संकायों के मार्गदर्शन ने कॉयर निर्यातकों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक केस अध्ययनों और इंटरैक्टिव चर्चाओं के साथ सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि के संयोजन से एक समग्र शिक्षण अनुभव सुनिश्चित किया। सहयोग और ज्ञान साझा करने के माहौल को बढ़ावा देकर, एमडीपी ने प्रतिभागियों को अपनी ताकत का लाभ उठाने और आत्मविश्वास के साथ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की जटिलताओं से निपटने के लिए सशक्त बनाया। कार्यक्रम पूरा करके जाने वाले प्रतिभागी, कॉयर निर्यात उद्योग में विकास और नवाचार को बढ़ावा देखकर अपने और दूरदराज के क्षेत्रों के आर्थिक विकास में योगदान करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं।

11. हैदराबाद में कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर दूसरा एमडीपी

कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर हैदराबाद में आयोजित दूसरे एमडीपी में उल्लेखनीय भागीदारी देखी गई, जिसमें अपनी निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 25 प्रतिभागी शामिल थे। आईआईएफटी संकाय के मार्गदर्शन में, कार्यक्रम ने कॉयर उद्योग के अनुरूप व्यावहारिक रणनीतियाँ और अंतर्दृष्टि प्रधान करके निर्यात प्रबंधन की जटिलताओं को गहराई से समझाया। सैद्धांतिक रूपरेखाओं, केस अध्ययनों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से, प्रतिभागियों को निर्यात गतिशीलता, बाजार विश्लेषण, दस्तावेजीकरण आवश्यकताओं और रणनीतिक योजना की व्यापक समझ प्राप्त हुई। आईआईएफटी संकाय की निपुणता और सरलता से समझाने ने उपस्थित लोगो के लिए समृद्ध अनुभव सुनिश्चित किया और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की जटिलताओं से सफलतापूर्वक निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से सशक्त बनाया। कार्यक्रम समाप्त हुआ और प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास और वैश्विक मंच पर अपने व्यवसाय की उन्नति करने की रणनीतियों के साथ प्रस्थान किया।

12. तंजावुर में कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर तीसरा एमडीपी

तंजावुर में आयोजित कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर तीसरे एमडीपी में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपनी विशेषज्ञता के विस्तार के लिए उत्सुक 25 उद्योग पेशेवरों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। वैश्विक बाजार में फलने–फूलने के लिए कॉयर निर्यातकों को आवश्यक उपकरणों और रणनीतियों से लैस करने के लिए इस कार्यक्रम को तैयार किया गया। सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक मामले के अध्ययन से, प्रतिभागियों ने बाजार विश्लेषण, निर्यात दस्तावेजीकरण, नियामक अनुपालन और रणनीतिक योजना जैसे विषयों पर गहराई से विचार किया। आईआईएफटी संकाय के निर्देशन और इंटरैक्टिव पद्धति ने सीखने और मिलकर काम करने के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर, प्रतिभागी नए ज्ञान और कौशल से सशक्त होकर वैश्विक व्यापार की जटिलताओं से आत्मविश्वास और सक्षमता के साथ निपटने के लिए तैयार थे।

13. सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए बिजनेस मैनेजमेंट (एचआर और फाइनेंस) में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 14) (13 सितंबर 2023 – 4 मार्च 2024)

13 सितंबर 2023 से 4 मार्च 2024 तक आयोजित बिजनेस मैनेजमेंट (एचआर और फाइनेंस) में सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए 6 महीने के सर्टिफिकेट कोर्स ने बैच 14 में उपस्थित 51 प्रतिभागियों में रुचि पैदा की। सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानव संसाधन और वित्त के क्षेत्र में उनके प्रबंधकीय कौशल को बढ़ाना था, जो उनकी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए आवश्यक है। क्षेत्र में अनुभवी विशेषज्ञों के नेतृत्व में, पाठ्यक्रम ने रणनीतिक मानव संसाधन प्रबंधन, वित्तीय विश्लेषण, बजट और संगठनात्मक नेतृत्व सहित कई विषयों पर एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान किया। व्याख्यान, केस अध्ययन और व्यावहारिक अभ्यासों के संयोजन के माध्यम से, प्रतिभागियों ने आधुनिक व्यवसाय प्रबंधन की जटिलताओं को प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अमूल्य अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक कौशल प्राप्त किए। कार्यक्रम ने न केवल उनकी व्यावसायिक दक्षताओं को बढ़ाया बल्कि प्रतिभागियों के बीच ज्ञान के आदान–प्रदान और नेटवर्किंग के लिए अनुकूल सहयोगी शिक्षण वातावरण को भी बढ़ावा दिया। बैच 14 की समाप्ति पर, अधिकारियों की क्षमताएं और निखर गई थी और वो सशस्त्र बलों के भीतर और बाहर महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार थे।

14. भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के लिए अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (25–29 सितंबर 2023)

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के लिए, अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन पर 25 से 29 सितंबर 2023 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ने 25 प्रतिभागियों को आकर्षित किया। वैश्विक विपणन गतिशीलता की उनकी समझ को बढ़ाने के लिए कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय विपणन में नवीनतम रणनीतियों और तकनीकों से लैस करने के लिए विशेष रूप से तैयार व्यापक पाठ्यक्रम पेश किया। अनुभवी उद्योग विशेषज्ञों के नेतृत्व में, सत्रों में अंतरराष्ट्रीय बाजार विश्लेषण, रणनीतिक योजना, ब्रांडिंग और वितरण चौनलों के विविध पहलुओं पर चर्चा हुई। सैद्धांतिक रूपरेखाओं, वास्तविक दुनिया के मामले के अध्ययन और इंटरैक्टिव चर्चाओं के माध्यम से, प्रतिभागियों ने वैश्विक बाजारों की जटिलताओं को समझने में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त की। कार्यक्रम के सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण ने प्रतिभागियों को विचारों और अनुभवों के आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान की और सीखने की उनकी इस यात्रा को समृद्ध बनाया। कार्यक्रम की समाप्ति पर ज्ञान और उन्नत कौशल से सुसज्जित प्रतिभागी अधिक आत्मविश्वास और सक्षमता के साथ भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के वैश्विक विपणन प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए तैयार थे।

15. मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के अधिकारियों के लिए ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर एमडीपी (17–19 अक्टूबर 2023)

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के अधिकारियों के लिए 17 से 19 अक्टूबर 2023 तक आयोजित ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर एमडीपी ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए 12 प्रतिभागियों को आकर्षित किया। जहाज निर्माण उद्योग की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार, कार्यक्रम ने निर्यात–आयात प्रबंधन के आवश्यक पहलुओं को शामिल करते हुए एक व्यापक पाठ्यक्रम की पेशकश की। उद्योग के दिग्गजों और शैक्षणिक विशेषज्ञों के नेतृत्व में, सत्रों में व्यापार नियमों, रसद, दस्तावेजीकरण, जोखिम प्रबंधन और बाजार विश्लेषण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। व्याख्यान, केस स्टडीज और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के संयोजन से, प्रतिभागियों को वैश्विक व्यापार गतिशीलता की जटिलताओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और रणनीतिक दृष्टिकोण प्राप्त हुए। कार्यक्रम के मेलजोल बढ़ाने वाले माहौल में प्रतिभागियों के बीच गहन चर्चा हुई और ज्ञान साझा हुआ, जिससे उनकी जानकारी बढ़ी और मिलजुलकर सीखने के माहौल को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की समाप्ति पर, प्रतिभागी समृद्ध कौशल और उन्नत दृष्टिकोण के साथ मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में प्रभावी ढंग से योगदान करने के लिए तैयार थे।

16. बीईएल के अधिकारियों के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम (27 अक्टूबर 2023)

27 अक्टूबर 2023 को बीईएल के अधिकारियों के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में रक्षा निर्यात नीतियों की जटिलताओं को समझने के इच्छुक 35 अधिकारियों की भागीदारी देखी गई। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार कार्यक्रम ने रक्षा निर्यात के विकसित परिदृश्य और उन्हें नियंत्रित करने वाले नियामक ढांचे का व्यापक अवलोकन प्रदान किया। उद्योग विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के नेतृत्व में, सत्रों में निर्यात लाइसेंसिंग, अनुपालन आवश्यकताओं, बाजार के अवसरों और रणनीतिक विचारों जैसे विभिन्न पहलु शामिल थे। प्रस्तुतियों, चर्चाओं और इंटरैक्टिव सत्रों के संयोजन के माध्यम से, प्रतिभागियों ने रक्षा निर्यात नीतियों की जटिलताओं को समझने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की। कार्यक्रम ने ज्ञान साझा करने और मिलकर काम करने के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देकर अधिकारियों को अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान–प्रदान करने का अवसर दिया। उभरते नियामक परिदृश्य के साथ बीईएल की रणनीतियों को संरेखित करने और वैश्विक बाजार में उभरते अवसरों को भुनाने के लिए सुसज्जित हुए प्रतिभागी, दिन की समाप्ति पर रक्षा निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र की गहरी समझ लेकर गए। ये प्रतिभागी अब समृद्ध कौशल और उन्नत दृष्टिकोण के साथ मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों में प्रभावी ढंग से योगदान करने के लिए तैयार थे।

17. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम (30 नवंबर 2023)

30 नवंबर 2023 को आयोजित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में 40 उत्सुक प्रतिभागियों के अलावा भारी संख्या में लोग शामिल हुए । बीईएल की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए इस कार्यक्रम ने रक्षा निर्यात को नियंत्रित करने वाले विकसित नियामक परिदृश्य का एक व्यापक अवलोकन प्रदान किया। उद्योग विशेषज्ञों और नीति विश्लेषकों के नेतृत्व में, सत्रों में निर्यात नियमों, अनुपालन ढांचे, बाजार की गतिशीलता और रणनीतिक विचारों जैसे विषयों पर चर्चा हुई। प्रस्तुतियों, इंटरैक्टिव चर्चाओं और केस अध्ययनों के माध्यम से, प्रतिभागियों ने रक्षा निर्यात नीतियों की जटिलताओं को समझने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की। कार्यक्रम ने ज्ञान के आदान–प्रदान और सहयोग के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा दिया, जिससे प्रतिभागी अनुभव और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बने। प्रतिभागी, नियामक आवश्यकताओं के साथ बीईएल की रणनीतियों को संरेखित करने और वैश्विक रक्षा बाजार में

अवसरों का लाभ उठाने के लिए सुसज्जित हुए और दिन की समाप्ति पर रक्षा निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र की गहन समझ के साथ रवाना हुए।

18. कैंपस मॉड्यूल पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के लिए विदेश व्यापार पर फाउंडेशन कोर्स (18–20 दिसंबर 2023)

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के लिए विदेश व्यापार पर फाउंडेशन कोर्स ऑन–कैंपस मॉड्यूल में 18–20 दिसंबर 2023 तक चला और प्रतिभागियों के ज्ञान–संपन्न बनने की यात्रा की शुरुआत का प्रतीक बना। 25 अधिकारियों की उपस्थिति के साथ, कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को एचपीसीएल की आवश्यकताओं के अनुरूप अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बुनियादी सिद्धांतों की व्यापक समझ से लैस करना था। अनुभवी विशेषज्ञों के नेतृत्व में, मॉड्यूल ने व्यापार नीतियों, आयात–निर्यात नियमों, वैश्विक बाजार के रुझान और रणनीतिक योजना सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर किया। व्याख्यानों, कार्यशालाओं और व्यावहारिक अभ्यासों के संयोजन के माध्यम से, प्रतिभागियों ने विदेशी व्यापार की जटिलताओं को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और रणनीतिक दृष्टिकोण को समझा। व्याख्यानों, कार्यशालाओं और व्यावहारिक अभ्यासों के संयोजन के माध्यम से, प्रतिभागियों ने विदेशी व्यापार की जटिलताओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और रणनीतिक दृष्टिकोणों पर प्रकाश डाला। सत्रों की इंटरैक्टिव प्रकृति ने साथियों के बीच आकर्षक चर्चा और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा दिया, जिससे सीखने का अनुभव समृद्ध हुआ। जैसे ही ऑन–कैंपस मॉड्यूल समाप्त हुआ, प्रतिभागियों ने नए ज्ञान और कौशल से लैस होकर, आत्मविश्वास और सक्षमता के साथ हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की वैश्विक व्यापार पहल को आगे बढ़ाने के लिए तैयार होकर, अगले चरण की शुरुआत की।

19. डीओपीटी के एएसओ के लिए आठ सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (21 फरवरी – 8 अप्रैल 2024)

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के एएसओ (सहायक अनुभाग अधिकारी) के लिए 8–सप्ताह का, परिवर्तनकारी यात्रा का प्रतीक प्रशिक्षण कार्यक्रम, उपस्थित चार प्रतिभागियों के लिए 21 फरवरी को शुरू हुआ और 8 अप्रैल 2024 को समाप्त हुआ। प्रतिभागियों के प्रशासनिक कौशल को निखारने और सरकारी प्रक्रियाओं की उनकी समझ को बढ़ाने के लिए तैयार किए गए इस कार्यक्रम में सार्वजनिक प्रशासन, नीति विश्लेषण, कानूनी ढांचे और संचार रणनीतियों सहित विविध विषयों को शामिल किया गया। सत्रों ने, सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक अभ्यास, अनुभवी प्रशिक्षकों और विषय विशेषज्ञों के नेतृत्व में एएसओ को प्रदान किया ताकि वो प्रभावी प्रशासन के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस हो सके। इंटरैक्टिव चर्चाओं, केस स्टडीज और सतत तंत्र द्वारा, प्रतिभागी अपनी समझ बढ़ाने के लिए अध्ययन, अनुभवों और दृष्टिकोणों का आदान–प्रदान करने में लगे रहे। कार्यक्रम की समाप्ति पर, एएसओ नए उद्देश्य और निखरी हुई क्षमताओं के साथ उभरे. वो अब कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के शासन में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने के मिशन में प्रभावी ढंग से योगदान देने के लिए तैयार थे।

20. आईआईएफटी परिसर में बीडीएल के लिए ''अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन और व्यापार'' पर पांच दिवसीय आवासीय एमडीपी (4–8 मार्च 2024)

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के लिए ''अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन और व्यापार'' पर 4–8 मार्च 2024 तक आईआईएफटी परिसर में आयोजित पांच दिवसीय आवासीय एमडीपी में 25 उत्साही प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। बीडीएल की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार, कार्यक्रम ने अंतरराष्ट्रीय विपणन और व्यापार के आवश्यक पहलुओं को शामिल करते हुए एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान किया। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों के नेतृत्व में, सत्र में, बाजार प्रवेश रणनीतियों, वैश्विक ब्रांडिंग, निर्यात–आयात नियमों और क्रॉस–सांस्कृतिक बातचीत कौशल जैसे विविध विषयों पर चर्चा हुई। व्याख्यान, केस स्टडीज और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं के संयोजन द्वारा प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों की जटिलताओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और रणनीतिक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के आवासीय प्रारूप ने सीखने को सुविधाजनक अनुभव बनाया और प्रतिभागियों को नेटवर्किंग करने के अवसरों को बढ़ाया। कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रतिभागी उन्नत कौशल और ज्ञान से सुसज्जित होकर आत्मविश्वास और सक्षमता के साथ बीडीएल की वैश्विक विपणन पहल का नेतृत्व करने के लिए तैयार थे।

21. निर्यात और आयात प्रबंधन (हाइब्रिड) में चार महीने का प्रमाणपत्र कार्यक्रमः बैच 20 (फरवरी–जून 2023)

फरवरी से जून 2023 तक आयोजित, निर्यात और आयात प्रबंधन (हाइब्रिड), बैच–20 में, 4 महीने के सर्टिफिकेट प्रोग्राम ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की जटिलताओं को समझने के लिए उत्सुक 36 प्रतिभागियों को आकर्षित किया। ऑनलाइन और व्यक्तिगत दोनों सत्रों को मिलाकर, कार्यक्रम ने निर्यात और आयात प्रबंधन के आवश्यक पहलुओं को शामिल करते हुए एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान किया। व्यापार नियमों, रसद, दस्तावेजीकरण, जोखिम प्रबंधन और बाजार विश्लेषण जैसे विषयों पर उद्योग

विशेषज्ञों और अकादमिक पेशेवरों के नेतृत्व में, सत्र में चर्चा हुई। व्याख्यानों, केस अध्ययनों और व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से, प्रतिभागियों को वैश्विक व्यापार गतिशीलता की जटिलताओं से निपटने के लिए महत्वपूर्ण व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और रणनीतिक दृष्टिकोण प्राप्त हुआ। सहभागिता को बढ़ावा दे रहे प्रतिभागियों के विभिन्न शेड्यूल को कार्यक्रम के लचीले हाइब्रिड प्रारूप ने समायोजित किया। कार्यक्रम की समाप्ति पर प्रतिभागी उन्नत कौशल और ज्ञान से सुसज्जित होकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वृद्धि और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में अपनी विशेषज्ञता से लाभ उठाने के लिए तैयार थे।

22. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बैच 6) 24 जुलाई 2023 – जून 2024)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, बैच 6, ने 24 जुलाई 2023 से जून 2024 तक आयोजित वैश्विक वाणिज्य से संबंधित ज्ञान में वृद्धि करने के लिए तैयार 31 प्रतिभागियों के एक समूह का स्वागत किया। अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त में उन्नत ज्ञान और कौशल से पेशेवरों को लैस करने के लिए तैयार इस कार्यक्रम ने अनुभवी उद्योग चिकित्सकों और अकादमिक विशेषज्ञों के नेतृत्व में एक व्यापक पाठ्यक्रम प्रदान किया। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, वित्तीय बाजार, जोखिम प्रबंधन और रणनीतिक योजना सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला लेकर, कार्यक्रम ने सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि और व्यावहारिक अनुप्रयोगों को एक साथ पेश किया। इंटरैक्टिव व्याख्यान, केस स्टडीज और व्यावहारिक परियोजनाओं के माध्यम से, प्रतिभागियों को वैश्विक बाजार में निहित जटिलताओं और अवसरों की गहरी समझ प्राप्त हुई। प्रतिभागियों की विविध पृष्ठभूमि और अनुभवों ने सहभागिता और चर्चाओं को समृद्ध बना कर सीखने के पूरे अनुभव को बेहतर बनाया । जैसे ही कार्यक्रम समाप्त हुआ, प्रतिभागी अपने–अपने करियर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त के अवसरों का लाभ उठाने के लिए विशेषज्ञता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों से निपटने को तैयार थे।

23. निर्यात और आयात प्रबंधन पर चार महीने का प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बैच 1) (अगस्त – दिसंबर 2023)

अगस्त से दिसंबर 2023 तक आयोजित निर्यात और आयात प्रबंधन (ऑन–कैंपस), बैच 1 पर चार महीने के प्रमाणपत्र कार्यक्रम ने वैश्विक व्यापार की जटिलताओं को समझने के लिए उत्सुक 33 प्रतिभागियों के एक समूह को आकर्षित किया। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए प्रतिभागियों को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि और सैद्धांतिक ज्ञान देकर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने सीखने का एक गहन अनुभव प्रदान किया। अनुभवी उद्योग पेशेवरों और अकादमिक विशेषज्ञों के नेतृत्व में, पाठ्यक्रम में, व्यापार नियमों, बाजार विश्लेषण, रसद और दस्तावेजीकरण सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हुई। व्याख्यान, केस अध्ययन और व्यावहारिक अभ्यास के संयोजन से, वैश्विक बाजार में सफलता के लिए आवश्यक रणनीतिक विचारों के साथ प्रतिभागियों को निर्यात और आयात प्रक्रियाओं की व्यापक समझ भी प्राप्त हुई। कार्यक्रम के मिलकर काम करने के माहौल ने प्रतिभागियों के नेटवर्किंग और ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ाया, जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि हुई। कार्यक्रम की समाप्ति पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के गतिशील क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने के लिए प्रतिभागी अधिक निपुणता और आत्मविश्वास के साथ तैयार थे।

एमडीपी प्रभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम (2023–24)

क्र. सं.	प्रकार/कार्यक्रम शीर्षक	स्थान	प्रायोजक	तिथि	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागी
1.	सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए व्यवसाय प्रबंधन (एचआर और वित्त) में 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 11)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	30 जनवरी – 21 जुलाई 2023	डॉ. गिन्नी चावला	46
2.	डीजीआर द्वारा प्रायोजित सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रबंधन में 6 महीने का पाठ्यक्रम (बैच 12)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	27 फरवरी – 18 अगस्त 2023	डॉ. प्रतीक महेश्वरी	38

क्र. सं.	प्रकार / कार्यक्रम शीर्षक	स्थान	प्रायोजक	तिथि	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागी
3.	भारतीय व्यापार सेवा के परिवीक्षाधीनों के लिए ''अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय'' पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (बैच 2022)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीएफटी, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार।	10 मार्च 2023 – जनवरी 2024	डॉ. चारु ग्रोवर	4
4.	डीजीआर द्वारा प्रायोजित सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और रसद प्रबंधन में 6 महीने का पाठ्यक्रम (बैच 13)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	20 मार्च – 8 सितंबर 2023	डॉ. सोनू वर्मा	39
5.	बीईएल के अधिकारियों के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	बैंगलोर	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	25 मई 2023	डॉ. आशीष पांडे	24
6.	''प्रभावी संचालन और प्रदर्शन माप के लिए सर्वोत्तम अभ्यास और रणनीतियाँ'' पर बंदरगाह प्रबंधन के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	भारतीय बंदरगाह प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार	12–16 जून 2023	डॉ. आशीष पांडे	24
7.	भारतीय आर्थिक सेवा (2023 बैच) के अधिकारी प्रशिक्षुओं के लिए डब्ल्यूटीओ और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	आईईएस, वित्त मंत्रालय (भारत सरकार)	26 जून – 7 जुलाई 2023	डॉ विजया कट्टी	22
8.	एमएसएमई के अधिकारियों के लिए ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	एमएसएमई विभाग (मध्य प्रदेश सरकार)	5–7 जुलाई 2023)	डॉ. आशीष पांडे	26
9.	गेल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के लिए निर्यात–आयात प्रबंधन पर एमडीपी।	गेल नोएडा, एनसीआर	गेल इंडिया लिमिटेड	7–9 अगस्त 2023	डॉ. चारु ग्रोवर	24
10.	कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	बैंगलोर	कॉयर बोर्ड	8–10 अगस्त 2023	डॉ. आशीष पांडे	37
11.	कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	हैदराबाद	कॉयर बोर्ड	23–25 अगस्त 2023	डॉ. आशीष पांडे	25
12.	कॉयर निर्यातकों के लिए निर्यात प्रबंधन कौशल पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	तंजावुर	कॉयर बोर्ड	12–14 सितंबर 2023	डॉ. गौतम दत्ता	25

13.	सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए व्यवसाय प्रबंधन (एचआर और वित्त) में 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (बैच 14)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	13 सितंबर 2023 – 4 मार्च 2024	डॉ. सुगंधा हुरिया	51
14.	भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के लिए अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	हैदराबाद	भारत डायनेमिक्स लिमिटेड	25–29 सितम्बर 2023	डॉ. प्रतीक महेश्वरी	25
15.	मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के अधिकारियों के लिए ''निर्यात आयात प्रबंधन'' पर एमडीपी।	आईआईएफटी, नई दिल्ली	रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का उपक्रम	17–19 अक्टूबर 2023	डॉ विजया कट्टी	12
16.	बीईएल के अधिकारियों के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	गाजियाबाद	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	27 अक्टूबर 2023	डॉ. आशीष पांडे	35
17.	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के लिए रक्षा निर्यात नीति पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम	बैंगलोर	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड	30 नवंबर 2023	डॉ. आशीष पांडे	40
18.	कैंपस मॉड्यूल पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के लिए विदेश व्यापार पर फाउंडेशन कोर्स (18–20 दिसंबर 2023)	हाइब्रिड	एचपीसीएल	18 दिसंबर 2023 – 31 मार्च 2024	डॉ. चारु ग्रोवर	25
19.	डीओपीटी के एएसओ के लिए 8–सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, नई दिल्ली	DoC डीओसी	21 फरवरी – 8 अप्रैल 2024	डॉ विजया कट्टी	04
20.	आईआईएफटी परिसर में बीडीएल के लिए ''अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन और व्यापार'' पर 5 दिवसीय आवासीय एमडीपी	आईआईएफटी, नई दिल्ली	BDL बीडीएल	4–8 मार्च 2024	डॉ अरुणिमा राणा	25

बी. हाइब्रिड लंबी अवधि के कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	तिथि	कार्यक्रम निदेशक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	निर्यात–आयात प्रबंधन में 4 महीने का प्रमाणपत्र कार्यक्रम – (हाइब्रिड): बैच 20 कैम्पस में मॉड्यूल (20–25 फरवरी 2023)	20 फरवरी 2023 – जून 2023	डॉ. आशीष गुप्ता	36
2.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बैच – 6) कैम्पस में मॉड्यूल (24–29 जुलाई 2023)	24 जुलाई 2023 – जून 2024	डॉ अंजू गोस्वामी	31
3.	निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बैच 1) (कैंपस में)	24 जुलाई 2023 – जून 2024	डॉ अंजू गोस्वामी	33

आईआईएफटी में अनुसंधान

अनुसंधान प्रभाग की गतिविधियों का उद्देश्य आईआईएफटी की लक्ष्यता को बढ़ाना है और अनुसंधान में किये गए पुख्ता कार्य को मिलाकर व्यापार नीती विश्लेषण को एक विचार मंच के रूप में उभारना है। अनुसंधान और प्रभाग की अन्य गतिविधियों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में दीर्घकालिक और लघु अवधि शैक्षिक कार्यक्रमओं को समर्थन देना भी है। इस प्रकार, प्रबंधन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में भी अनुसंधान की गतिविधियों का आधार विस्तृत करने के प्रयास किये जा रहे हैं। अनुसंधान गतिविधि, संस्थान के विकास में बहुत महत्त्व रखती है क्योंकि ये प्रशिक्षण और ज्ञान की उत्पत्ति के दर्मियान मजबूत व्यापक मिलन बिंदु प्रदान करती है। सरकार और अन्य राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रयोजित अध्ययनों के अलावा संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय योजनाओं के लिए भी सफलतापूर्वक बोली लगा रहा है।

I. 2023–24 के दरमियान पूरा होने वाला शोध अध्ययन

- **सरदार वल्लभ भाई पटेल निर्यात सुविधा केंद्र, चुनार, जिला मिर्जापुर पर अध्ययन**
  प्रयोजितः एपीईडीए
  अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य क्षेत्र की क्षमता को नजर में रखकर मिर्जापुर और आसपास के क्षेत्रों से निर्यात के अवसर का आकलन करना है।

शोध अध्ययन निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों पर केंद्रित होगा :

1. मिर्जापुर और आसपास के क्षेत्रों के सभी एपीईडीए अनुसूचित उत्पादों की निर्यात क्षमता की पहचान।
2. निर्यात प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रमुख बाधाओं और सुसाध्यों का मानचित्रण।
3. उत्पादन से निर्यात तक मूल्य श्रृंखला का मानचित्रण।
4. वर्तमान और संभावित निर्यातकों के लिए आवश्यक निर्यात सुविधा के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान।

- **सिंगापुर की पोल्ट्री और खाद्य आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए अध्ययन**
  प्रायोजितः एपीडा
  अध्ययन का प्राथमिक उद्देश्य सिंगापुर के बाजार में पोल्ट्री और खाद्य आवश्यकताओं की प्रवेश रणनीतियों की पहचान करना और साथ ही एक विपणन और ब्रांडिंग रणनीति प्रदान करना था।

परियोजना के दायरे में थेः

1. देश की क्षमता।
2. मुर्गीपालन एवं भोजन संबंधी आवश्यकताएँ।
3. भारत की ताकत की तुलना में आयात परिदृश्य।
4. आयात चैनल्स।
5. बाजार पहुंच, एसपीएस – टीबीटी मुद्दे।
6. निर्यात के लिए भारत से लॉजिस्टिक कनेक्टिविटी।

- **भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) का अंतर्राष्ट्रीयकरणः प्रबंधन संस्थानों के लिए रणनीतिक, संरचनात्मक और नीति आयाम, चुनौतियां और समाधान की पहचान**
  प्रायोजकः आईसीएसएसआर
  भारतीय एचईआई का प्रभावी अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के लिए रणनीतिक, संरचनात्मक और नीतिगत आयाम/उपाय की पहचान करना अध्ययन का उद्देश्य है। एनईपी 2020 में अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रथाएँ भारतीय एचईआईस के लिए निर्धारित की गई है उन्हें सूचीबद्ध करना। उपाय, विश्लेषण, सुधार और नियंत्रण (डीएमएआईसी) ढांचे के इस्तेमाल से भारतीय एचईआईस के प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने में आने वाले अवरोध की पहचान करना। उपरोक्त (डीएमएआईसी) ढांचे के इस्तेमाल में पहचानी गई बाधाओं पर काबू पाने के तरीकों का पता लगाना।

II. अनुसंधान अध्ययन जारी है

- **सतत एवं जलवायु अनुकूल कृषि प्राप्त करने के लिए स्मार्ट खेतीः उत्तर भारत में छोटे और मध्यम भूमि–धारक किसानों पर एक अध्ययन**
  प्रयोजिकः आईसीएसएसार
  इस अध्ययन का उद्देश्य है उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में स्मार्ट खेती में इस्तेमाल होने वाली तकनीक की भूमिका को समझना. उत्तर भारत के छोटे और मध्यम भूमि धारक उत्पादकों में उपयुक्त और लचीली कृषि पद्धतियों की सफलता में अवरोध करने वालों का और प्रदर्शकों को खोजना और टिकाऊ खाद्य उत्पादन प्रणाली प्राप्त करने के लिए अपनाई जाने वाली प्रौद्योगिकी की क्षमता को मजबूत करने का सुसंगत हल सुझाना।

- **पुनः प्राधिकरण अधिनियम में चावल का असूचीकरण**
  प्रयोजिकः एपीइडीए
  चावल उत्पादक क्षेत्र की स्थानीय सरकार, एनजीओज, मानव अधिकार समूह, चावल समिति, नागरिक समाज समूह, एफपीओज, निर्यातक समूह इत्यादि, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की भागीदारी के साथ हितधारकों की बैठक आयोजित करने के लिए चावल की मूल्य श्रृंखला में जबरनश्रम और बालश्रम शामिल होने के दावों के मूल्यांकन के प्राथमिक सर्वेक्षण की शुरुआत के लिए चावल की सूचीकरण प्रक्रिया की जांच करना अध्ययन का उद्देश्य

है। इन बैठकों का उद्देश्य है जबरनश्रम और बालश्रम के फैलाव के संबंध में वस्तुनिष्ठ डेटा जमा करना, किए गए नीतिगत उपायों/संवेदीकरण प्रयासों को समझना और प्रत्येक संबंधित हितधारक के साथ कार्य योजना तैयार करना और बालश्रम एवं जबरनश्रम को संबोधित करने के लिए किए गए उपायों के साक्ष्य के साथ विस्तृत निष्कर्ष की फाइल तैयार करना।

III. पीएचडी कार्यक्रम

पीएचडी कार्यक्रम (प्रबंधन) 2023 का 31 अक्टूबर 2023 को उद्घाटन हुआ। दिल्ली परिसर में 11 विद्यार्थी (2 पूर्णकालिक और 9 अंश कालिक) कार्यक्रम के साथ जुड़े। बैच के लिए पाठ्यक्रम का कार्य प्रगति पर है।

2 नवम्बर 2023 को होने वाले दीक्षांत समारोह में संस्थान ने प्रबंधन अनुशासन में पीएचडी में 14 डिग्रीया प्रदान की है।

पीएचडी प्रबंधन 2024 के लिए भर्ती की प्रक्रिया, प्रक्रियाधीन है।

IV. कार्यशालाएं/अनुसंधान वार्ता/पत्रिका

कार्यशाला

अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियों/अनुसंधान उपकरणों से विद्वानों को लैस करने के लिए, निम्नलिखित कार्यशालाएं संचालित की गई

- 28 फरवरी – 3 मार्च 2024 के दौरान आईआईएफटी में ''टाइम सीरीज और पैनल डेटा'' पर पांच दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणात्मक पद्धतियों से लैस करना थाः आर स्टूडियो इस्तेमाल करते हुए पाठ विश्लेषण और सॉफ्टवेयर विश्लेषी को लेकर व्यावहारिक अभ्यास प्रदान करता है।

अनुसंधान वार्ता

- 27 फरवरी 2024 को प्रोफेसर अभिजीत शर्मा, हडर्सफील्ड बिजनेस स्कूल, यूके द्वारा ''डॉक्टरेट स्तर पर शोध में योगदान करनाः एप्लाइड सोशल साइंसेज में क्वांटाइल विधियों के उपयोग से संभावित लाभ''।

- 12 मार्च 2024 को डॉ. अर्पिता जोआर्डर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबंधन और विपणन, चाल्रिटन कॉलेज ऑफ बिजनेस द्वारा ''देयताएं और लाभः उद्यमशील परिप्रेक्ष्य से विदेशी सिक्के के दो पहलुओं की जांच''।

पत्रिका ''रिसर्च पल्स''

आयोजित सम्मेलन/सेमिनार/संवाद और संकाय सदस्यों द्वारा किए गए शोध अध्ययन, संकाय सदस्यों और पीएचडी विद्वानों द्वारा प्रकाशित लेखध्पत्रों जैसी अनुसंधान प्रभाग की गतिविधियों को प्रचारित/उजागर करने के लिए द्वि–वार्षिक पत्रिका ''रिसर्च पल्स''का पहला अंक प्रकाशित किया गया है।

दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सीडीओई)

उच्च गुणवत्ता वाले ऑनलाइन शिक्षण अनुभव प्रदान करने को समर्पित दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र, शिक्षा के लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में नवाचार और पहुंच के मामले में सबसे आगे हैं। पिछले वर्ष, केंद्र ने आधुनिक शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विविध प्रकार के ऑनलाइन पाठ्यक्रम पेश किए और अपनी शैक्षिक पहुंच का विस्तार किया। इंटरैक्टिव लाइव ऑनलाइन व्याख्यानों से लेकर आकर्षक मल्टीमीडिया सामग्री तक, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने छात्रों को सीखने के लचीले और सुविधाजनक अवसर प्रदान किए हैं।

1. मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी)

भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ''निर्यात बंधु योजना'' के तहत सीडीओई डिवीजन ''निर्यात–आयात प्रबंधन की मूल बातें'' पर एमओओसी कार्यक्रम आयोजित करता है। परीक्षा में सफलता से उत्तीर्ण होने के बाद प्रतिभागियों को हर महीने प्रमाणपत्र प्रदान किये जाते हैं। अप्रैल 2023 – मार्च 2024 के दौरान प्रतिभागियों को 209 प्रमाणपत्र जारी किए गए।

2. एमबीए (आईबी) ऑनलाइन कार्यक्रम

(क) एमबीए (आईबी) ऑनलाइन कार्यक्रम 2022–24 – सेमेस्टर–IV 9 प्रतिभागियों के साथ जारी है।

(ख) एमबीए (आईबी) ऑनलाइन कार्यक्रम 2023–25 – सेमेस्टर–2 12 प्रतिभागियों के साथ जारी है।

3. ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम

प्रभाग हर महीने विभिन्न अल्पकालिक ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित करता है। अप्रैल 2023 – मार्च 2024 के दौरान प्रभाग द्वारा निम्नलिखित ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित किए गए :

ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम

अप्रैल 2023–मार्च 2024

ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रम	प्रारंभ तिथि	अवधि (बजे)	प्रतिभागियों की संख्या
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रसद एवं वैश्विक सोर्सिंग (बैच–01)	1 अप्रैल 2023	30	15
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रसद एवं वैश्विक सोर्सिंग (बैच–02)	20 मई 2023	30	15
रसद प्रबंधन में सीमा शुल्क प्रक्रियाएं (बैच–01)	8 जुलाई 2023	30	12
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रसद एवं वैश्विक सोर्सिंग (बैच–03)	12 अगस्त 2023	30	35
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में फिनटेक (बैच–01)	26 अगस्त 2023	6 + 14	7
बंदरगाह संचालन एवं प्रबंधन (बैच–01)	16 सितंबर 2023	30	17
विदेश व्यापार नीति एवं प्रक्रियाएं (बैच–01)	14 अक्टूबर 2023	30	9
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रसद एवं वैश्विक सोर्सिंग (बैच–04)	4 नवंबर 2023	30	18
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अनुबंध प्रबंधन (बैच–01) आईएएफ बैच	25 नवंबर 2023	30	20
विदेशी व्यापार में मुद्रा जोखिम (बैच–01)	2 दिसंबर 2023	30	7
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में फिनटेक (बैच–02)	16 दिसंबर 2023	6 + 14	13
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रसद एवं सीमा शुल्क विनियम (बैच–01)	6 जनवरी 2024	40	25
उत्पाद प्रबंधन (बैच–01)	10 फरवरी 2024	30	12
निर्यात आयात पर अनुभवात्मक कार्यक्रम (बैच–01)	2 मार्च 2024	18 + 6	12
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रसद एवं सीमा शुल्क विनियम (बैच–02)	9 मार्च 2024	40	12

4. विकसित भारत@2047 वेबिनार

भारत सरकार की पहल – ''2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाएं'' ''विकसित भारत@2047'' के तहत जनवरी–मार्च 2024 तक प्रभाग ने निम्नलिखित वेबिनार आयोजित किए हैं:

वेबिनार	दिनांक / समय	वक्ता	विषय
वेबिनार 1	27 जनवरी 2024 शाम 4 से 5	**श्री जतिन महाजन** ***प्रबंध निदेशक*** जे मित्रा एंड कंपनी सदस्य, चिकित्सा उपकरणों के लिए निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसी–एमडी)।	2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने में मेडिकल डायग्नोस्टिक्स उद्योग का योगदान
वेबिनार 2	17 फरवरी 2024 शाम 4 से 5	**श्री आशीष जैन** ***सी.ए.*** वित्त एवं कराधान विशेषज्ञ, सीनियर पोर्टफोलियो मैनेजर, टेक महिंद्रा लिमिटेड।	विकसित भारत के लिए एक जीवंत कराधान और लेखापरीक्षा व्यवस्था
वेबिनार 3	9 मार्च 2024 शाम 4 से 5	**डॉ. राजन सुदेश रत्न** ***उप प्रमुख एवं आर्थिक मामलों के वरिष्ठ अधिकारी,*** दक्षिण और दक्षिण–पश्चिम एशिया का संयुक्त राष्ट्र ईएससीएपी कार्यालय	2047 तक विकसित भारतः भारत के विदेश व्यापार के लिए नई दिशाएँ

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

छात्र/संकाय विनियम समेत संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम जैसी गतिविधियों के लिए आईआईएफटी ने कुछ अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित किए है। पूरे विश्व में आईआईएफटी का 42 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोग है। इन विश्वविद्यालयों/संस्थानों में से 19 यूरोप में है, 11 एशिया में है और 12 विश्व के दूसरे भागों में है।

सहमति के नए मसौदे पर हस्ताक्षर किये गये

- 12 जून 2023 को संस्थान ने तंजुंगपुरा विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया के साथ 5 वर्षों के लिए ऑटो–नवीनीकरण मोड वाले सामान्य शैक्षणिक सहयोग समझौते और छात्र विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 10 जुलाई 2023 को संस्थान ने स्क्रैंटन विश्वविद्यालय के साथ 5 वर्षों के लिए ऑटो–नवीनीकरण मोड वाले सामान्य शैक्षणिक सहयोग समझौते और छात्र विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- 25 अक्टूबर 2023 को संस्थान ने ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस के साथ 5 वर्षों के लिए ऑटो–नवीनीकरण मोड वाले सामान्य शैक्षणिक सहयोग समझौते और छात्र विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। फ्रांस के नॉर्मंडी में स्थित ईएम नॉर्मंडी बिजनेस स्कूल 95वीं क्यूएस रैंकिंग 2023 के साथ ट्रिपल–क्राउन मान्यता प्राप्त (एएसीएसबी, इक्विस, एएमबीए) बिजनेस स्कूल है।

दोहरी डिग्री सहयोग

- ऑटो–नवीनीकरण मोड में 5 वर्षों के लिए दोहरी डिग्री कार्यक्रम के लिए आईआईएफटी, रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस के साथ सहयोग कर रहा है। आरएसबी एएसीएसबी, एएमबीए और इक्विस मान्यता के साथ एक ट्रिपल क्राउन संस्थान है और क्यूएस विश्व रैंकिंग में इसे (141–150) स्थान दिया गया है।

नई सदस्यता

- इंडियन फाइनेंस एसोसिएशन (आईएफए) की प्रतिष्ठित आजीवन सदस्यता अगस्त 2023 में आईआईएफटी ने ली है।

विदेशी प्रतिनिधिमंडल का आईआईएफटी दौरा

विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों/कॉर्पोरेट, इत्यादि से आईसीसीडी पूरे साल नियमित रूप से प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत करता रहता है। ये दौरे, नए सहयोग में प्रवेश के लिए आइआइएफटी की जाल व्यवस्था बनाने को संभव बनाते है।

क्र. सं.	नाम	विश्वविद्यालय	दौरे की तिथि	आईआईएफटी सदस्य	उद्देश्य
1.	डॉ. हेल्मा मालिनी	तंजुंगपुरा विश्वविद्यालय, इंडोनेशिया	13 अप्रैल 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	सामान्य शैक्षणिक सहयोग समझौते और छात्र विनिमय समझौते के माध्यम से शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करना।
2.	प्रो. अलेक्जेंडर तारासियेव, बिजनेस इंफॉर्मेटिक्स के स्नातक कार्यक्रम के प्रमुख, बिजनेस में डिजिटल टेक्नोलॉजी के मास्टर प्रोग्राम के समन्वयक (जीएसईएम उरफू) सुश्री नादेज्दा पोइलोवा, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के कार्यालय (जीएसईएम उरफू) की परियोजना प्रबंधक	जीएसईएम, यूराल फेडरल यूनिवर्सिटी	19 अप्रैल 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	शैक्षणिक गतिशीलता (छात्र, शिक्षक) और संयुक्त परियोजना विकासय शैक्षणिक साझेदारी सिस्टम विश्लेषण और व्यवसाय सूचना विज्ञान पर तृतीय सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण डबल डिग्रीध्संयुक्त कार्यक्रम

3.	प्रो. सर्गेई पोलबिट्सिन, अर्थशास्त्र के डॉक्टर, मास्टर कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और क्षेत्र के लॉजिस्टिक संबंध के प्रमुख – (जीएसईएम उरफू) सुश्री दिनारा, ऑगम्बायेवा– साझेदार संबंध प्रबंधक (जीएसईएम उरफू)	जीएसईएम, यूराल फेडरल यूनिवर्सिटी	19 अप्रैल 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	छात्र और शिक्षक की गतिशीलता, व्याख्यानों का आभासी आदान–प्रदान, अनुसंधान, संयुक्त प्रकाशन, संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रम
4.	प्रो. झन्ना बिल्लायेवा, एसोसिएट प्रोफेसर जीएसईएम, शैक्षिक निदेशक, बीए अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और व्यवसाय के प्रमुख प्रो. एकातेरिना डेमचेंको, प्रमुख, (जीएसईएम उरफू) अंतर्राष्ट्रीय मामला कार्यालय	जीएसईएम, यूराल फेडरल यूनिवर्सिटी	19 अप्रैल 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	अल्पावधि कार्यक्रम
5.	सुश्री नम्रत बचानी और सुश्री श्रुति सेन दीवान	भारतीय विज्ञापन मानक परिषद (एएससीआई)	25 मई 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यमों पर चर्चा करने के लिए
6.	डॉ. केविन मैकगैभन और सुश्री डोरिना बुटुसेल	ईएम स्ट्रासबर्ग बिजनेस स्कूल, फ्रांस	25 मई 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	एमओयू के नवीनीकरण के संबंध में चर्चा की जाएगी
7.	डॉ. राजीव कुमार	भारतीय अध्ययन संस्थान, हनकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, कोरिया	6 जून 2024	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	एमओयू के नवीनीकरण के संबंध में चर्चा की जाएगी
8.	डॉ. तातियाना व्लासोवा	इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस नेटवर्किंग (आईआईबीएन), सेंट पीटर्सबर्ग, रूस	7 जुलाई 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की
9.	श्री अमित प्रधान, वीपी और श्री अक्षय खंडेलवाल, एवीपी– पार्टनरशिप्स एंड अलायंस	लंदन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (LIBF)	31 जुलाई 2023	प्रमुख (आईसीसीडी), अधिकारी (ए एंड आर)	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
10.	सुश्री मौड ले बार्स दक्षिण एशिया क्षेत्र प्रबंधक	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	2 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	इस बात पर चर्चा की गई की दोनों संस्थान छात्र विनियम कार्यक्रम की ओर कैसे बढ़ सकते हैं AY 2023–24
11.	श्री अब्बास सुमर निदेशक	गुडमैन स्कूल ऑफ बिजनेस, ब्रॉक यूनिवर्सिटी, कनाडा	4 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी), अधिकारी (ए एंड आर)	एमओयू के नवीनीकरण के संबंध में चर्चा की जाएगी

12.	श्री मयंक विग, क्षेत्रीय प्रबंधकर्ता	सोलब्रिज इंटरनेशनल स्कूल ऑफ बिजनेस, दक्षिण कोरिया	10 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	इस बात पर चर्चा की गई की दोनों संस्थान छात्र विनियम कार्यक्रम की ओर कैसे बढ़ सकते हैं AY 2023–24
13.	प्रो. मून यंग किम, सहायक प्रोफेसर और श्री मयंक विग, क्षेत्रीय प्रबंध कर्ता	वूसोंग विश्वविद्यालय, दक्षिण कोरिया	16 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	प्रतिनिधिमंडल ने सहयोगी छात्र विनिमय कार्यक्रम, ऑनलाइन कार्यक्रम, दोहरी डिग्री, संकाय विनिमय और पीएचडी छात्र विनिमय के दायरे पर चर्चा की।
14.	सुश्री लतन्या कुर्नी, सुश्री इसाबेल ब्रेउर और सुश्री मारिएला कैडेना	अलामो कॉलेज जिला, सैन एंटोनियो, यूएसए	17 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	सहयोग के बारे में चर्चा की
15.	श्री प्रेम कुमार, देश प्रबंधक	ड्रेसडेन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, जर्मनी	18 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करना
16.	प्रो. बैरी ओश्महोनी, डीन, प्रोफेसर साजू वलियारा जोस, अंतर्राष्ट्रीयकरण और भागीदारी के प्रमुख और श्री जेसलतलाओ, कार्यकारी सहायक	अबू धाबी विश्वविद्यालय, संयुक्त अरब अमीरात	21 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा करना
17.	सुश्री मौड ले बार्स, दक्षिण एशिया क्षेत्र प्रबंधक	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	2 अगस्त 2023	प्रमुख (आईसीसीडी), अधिकारी (ए एंड आर) और आईसीसीडी टीम	डिग्री और छात्र विनिमय कार्यक्रम
18.	प्रो. एकातेरिना डेमचेंको, जीएसएम UrFU इंटरनेशनल अफेयर्स के प्रमुख	जीएसएम यूराल संघीय विश्वविद्यालय	6 सितंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी), अधिकारी (ए एंड आर) और आईसीसीडी टीम	छात्र विनियम कार्यक्रम, संकाय विनिमय कार्यक्रम के बारे में चर्चा की
19.	डॉ. आर.के. मित्रा (पूर्वः आईआईटी जे) और प्रो. शिवराज कानूनगो, वाइस डीन, ग्रेजुएट प्रोग्राम जीडब्ल्यू स्कूल ऑफ बिजनेस	जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय, यूएसए	11 सितंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
20.	प्रो. पिसोनी एलेसिया	इंसुब्रिया विश्वविद्यालय, इटली	12 सितंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी), अधिकारी (ए एंड आर) और आईसीसीडी टीम	छात्र विनियम कार्यक्रम के बारे में चर्चा की

21.	श्री गुयेन थानहाई, वियतनामी राजदूत	वियतनाम दूतावास	29 सितंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	
22.	1. श्री गुयेन थान हा, महानिदेशक, आईसीडी–वीएएसएस 2. डॉ. फाम काओ कुओंग, उप निदेशक, वीएएसएस 3. डॉ. फाम थाई क्वोक, वीएएसएस 4. डॉ. डांग थाई बिन्ह, वीएएसएस 5. डॉ. हो थिथान्गा, वीएएसएस 6. सुश्री फाम थुय गुयेन, वीएएसएस 7. श्री बुई ट्रुंग थुओंग, ट्रेड काउंसलर, वियतनाम दूतावास, नई दिल्ली 8. श्री गुयेन टीएन हियेन, वियतनाम दूतावास, नई दिल्ली	वियतनाम सामाजिक विज्ञान अकादमी (VASS) और वियतनाम इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन एंड साउथवेस्ट एशियन स्टडीज (VIISAS)	13 अक्तूबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी), अधिकारी (ए एंड आर) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
23.	श्री एल्विन क्रेसलर, कार्यकारी निदेशक/सीईओ और श्री जोएल पनीकोट, प्रबंध निदेशक एवं प्रमुख, एशिया–प्रशांत	सीएमटी एसोसिएशन	16 अक्टूबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	सीएमटी एसोसिएशन ने कहा कि इसका उद्देश्य है जनता, निवेश समुदाय और इस के सदस्यों को तकनीकी विश्लेषण के सिद्धांत, व्यावहारिक और अनुप्रयोग में शिक्षित करना
24.	प्रो. मोंटी एडकिंस दृ डीन, ग्रेजुएट स्कूल, हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय, यूके और प्रो अभिजीत शर्मा – प्रोफेसर, अर्थशास्त्र और वित्त, निदेशक, स्नातक शिक्षा	हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय, यूके	6 नवंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम पर चर्चा करने के लिए
25.	प्रो. डॉ. दाओ नगोक टीएन, उपाध्यक्ष, विदेश व्यापार विश्वविद्यालय, हनोई, वियतनाम, सहो. प्रो. हो थ्यू न्गोक– डीन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संकाय डॉ. वु ह्येन फुओंग दृ लेक्चर, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, उप प्रमुख, अनुसंधान प्रबंधन प्रो. वु होआंग नाम – लेक्चर	विदेश व्यापार विश्वविद्यालय, हनोई, वियतनाम	7 नवंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	समझौते को बढ़ाने के बारे में चर्चा करना।

26.	प्रोफेसर क्रिस्टीन कैडूस, एमईआईजी, कार्यक्रम निदेशक, जिनेवा विश्वविद्यालय श्री फिलिप हैन, कार्यक्रम समन्वयक, जिनेवा विश्वविद्यालय	जिनेवा विश्वविद्यालय	12 दिसंबर 2023	डॉ. (श्रीमती) सतिंदर भाटिया, निदेशक–आईआईएफटी, डॉ. जेम्स जे. नेदुम्परा, प्रोफेसर एवं पूर्व निदेशक–सीटीआईएल, डॉ. प्रीतम बनर्जी, प्रमुख–डब्ल्यूटीओ, प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	दोनों संस्थानों ने संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अधिकारियों की शैक्षणिक पहलों और छात्र आदान–प्रदान को शामिल करते हुए एक क्षितिज की कल्पना की, जो हमारे संस्थानों के बीच एक मजबूत और सहजीवी संबंध का मार्ग प्रशस्त करता है।
27.	डॉ. रमन रामचन्द्रन, निदेशक प्रो चंदन सिंघवी– एसोसिएट प्रोफेसर श्री अरविन्द पंडी दोराई और श्री अमित कोटनाला	के जे सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, मुंबई	18 दिसंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम, नौकरी दिलाने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का लाभ उठाने के संदर्भ में बी–स्कूल का अंतर्राष्ट्रीयकरण कैसे किया जाए, इस पर निपुणता के साथ चर्चा करना।
28.	सुश्री प्रिया रावत, मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ)	इन्वेस्ट इंडिया	20 दिसंबर 2023	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के अनुसंधान सहयोग पर चर्चा करने के लिए
29.	डॉ. पेड्रो फ्रांसिस्को रोड्रिग्ज एस्पिनोसा – निदेशक, सीआईआईईएमएडी	आईपीएन मेक्सिको और एमईए	22 जनवरी 2024	प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
30.	प्रो. पैट्रिक टैफिगनॉन प्रो. संजय सहगल प्रो. मुनीष कुमार	दिल्ली विश्वविद्यालय	29 जनवरी 2024	डॉ. सतिंदर भाटिया – निदेशक / वीसी, डॉ शिबा कपिल, प्रमुख (आईसीसीडी) टीम डॉ. ओ.पी. वली प्रमुख, अनुसंधान, डॉ. आशीष पांडे प्रमुख एमडीपी, आईआरसी और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
31.	सुश्री टीना रावल और श्री अनुराग राणा	वित्तीय योजना मानक बोर्ड (एफपीएसबी)	12 फरवरी 2024	डॉ शिबा कपिल, प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
32.	प्रो. जोसफैट डैनियल लोट्टो, रेक्टर, आईएफएम तंजानिया प्रो. तादेओ एंड्रयू सट्टा, एक्सटर्नल लिंकेज पर सलाहकार डॉ. बर्नार्ड एलीएजर मन्जावा, एचओडी एक्सटर्नल लिंकेज	आईएफएम तंजानिया	14 फरवरी 2024	डॉ शिबा कपिल, प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए

33.	प्रो. अभिजीत शर्मा	हडर्सफील्ड विश्वविद्यालय, यूके	26 फरवरी– 2 मार्च 2024	डॉ शिबा कपिल, प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए
34.	डॉ. रश्मि राय–एसोसिएट प्रोफेसर, एचओडी–स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर	क्राइस्ट विश्वविद्यालय, बैंगलोर	4 मार्च 2024	डॉ शिबा कपिल, प्रमुख (आईसीसीडी), डॉ ओ.पी. वाली, प्रमुख अनुसंधान डॉ आशीष गुप्ता डॉ अरुणिमा राणा और आईसीसीडी टीम	भविष्य के उद्यम के बारे में चर्चा करने के लिए

छात्र विनिमय कार्यक्रम

इनबाउंड छात्र

(अंतर्राष्ट्रीय / वैश्विक भागीदार देशों से आईआईएफटी तक)

छात्र विनिमय कार्यक्रम (AY 2023–24) के तहत अक्टूबर–दिसंबर 2023 तिमाही के लिए दो छात्र आईआईएफटी में आए। ।

क्र. सं.	छात्र का नाम	विश्वविद्यालय का नाम
1.	श्री बैपटिस्ट मार्टिनन	ईएम स्ट्रासबर्ग बिजनेस, फ्रांस
2.	श्री गुएरिन पियरे	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस

- स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम (AY 2023–24) के तहत जनवरी–मार्च 2024 की तिमाही के लिए 10 छात्र IIFT आए।

डॉ. शीबा कपिल, प्रमुख (आईसीसीडी) और आईसीसीडी टीम के साथ आने वाले छात्र

छात्र विनिमय कार्यक्रम 2023–25 अंतर्राष्ट्रीय / वैश्विक भागीदार स्कूलों / विश्वविद्यालयों के लिए आईआईएफटी बाध्य छात्र एमबीए (आईबी) 2023–25 बैच और एमबीए(बीए) 2023–25 बैच

क्र. सं.	छात्र का नाम	विश्वविद्यालय का नाम	देश	तिमाही
1.	श्री बैपटिस्ट मार्टिनन	ईएम स्ट्रासबर्ग बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी–मार्च 2024
2.	सुश्री मैरियन चामिनेड बौगे	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी–मार्च 2024
3.	श्री एंटोनी क्रेपिन–डेजिन	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी–मार्च 2024
4.	श्री थियोफेन डे हेर	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी–मार्च 2024
5.	श्री कोरेंटिनएस्नाल्ट	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी– मार्च 2024
6.	सुश्री लाउगन पॉलिकेन	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी– मार्च 2024
7.	श्री मैक्सेंस अलामिशेल	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी– मार्च 2024
8.	सुश्री जीन गैमेलिन	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी– मार्च 2024
9.	सुश्री एस्तेर कोवाक्स	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी– मार्च 2024
10.	सुश्री लोइक मूसिएर	रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	जनवरी– मार्च 2024

आने वाले छात्रों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) और डॉ. शीबा कपिल की अध्यक्षता में उसके प्रभाग, आईसीसीडी को यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि छात्र विनिमय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 58 अनुकरणीय छात्रों ने एक उल्लेखनीय और परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की। इस शैक्षणिक वर्ष में, हमारा प्रतिष्ठित समूह पूरे यूरोप, फ्रांस, जर्मनी, फिनलैंड और विशेष रूप से रूस में प्रतिष्ठित और विश्व स्तर पर प्रशंसित बिजनेस स्कूलों का हिस्सा होगा – यह हमारी संस्था के लिए पहली बार होगा।

निर्धारण वर्ष 2023–24 में, छात्र विनिमय कार्यक्रम के तहत आईआईएफटी से विभिन्न वैश्विक विश्वविद्यालयों में टू–वे स्टूडेंट मोबिलिटी में लगभग 61 छात्र शामिल हुए।

आउटबाउंड छात्र एमबीए (आईबी) और बीए 2023–25 बैच

क्र. सं.	छात्र का नाम	आवंटित विश्वविद्यालय	देश	पाठ्यक्रम	त्रैमासिक
1.	श्रुति मोहन	ईएम स्ट्रासबर्ग, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
2.	राजेशा जी एम	आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
3.	रिंशुल गोयल	आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
4.	सुजीत कुमार	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
5.	राघवेन्द्र सुहास मांडवले	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
6.	अविशी बंसल	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
7.	सिद्धि चोररिया	हैंकेन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, फिनलैंड	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
8.	अविनाश कुमार	सारलैंड विश्वविद्यालय, जर्मनी	जर्मनी	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
9.	बोग्गरापु आदित्य वेंकट शिवा साई राम गुप्ता	हैंकेन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, फिनलैंड	फिनलैंड	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
10.	तन्वी पीयूष चितालिया	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
11.	अजिंक्य अवचार	ग्रेनोबल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
12.	समीक्षा स्वैन	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
13.	प्रशांत यादव	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
14.	आयुष शर्मा	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
15.	अमूल्य अग्रवाल	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
16.	अपूर्व अग्रवाल	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
17.	लक्ष्य डेंग	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
18.	एम.के. मोहम्मद अल्ताफ	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
19.	परमानंद	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
20.	प्रणव हून	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
21.	रेश्वदित्य वी.बी.	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
22.	सोमनाथ	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024

क्र. सं.	छात्र का नाम	आवंटित विश्वविद्यालय	देश	पाठ्यक्रम	त्रैमासिक
23.	सोफिया	ईएम स्ट्रासबर्ग, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
24.	सृजन साहू	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
25.	सुकांता पाल	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
26.	सुयश कुमार साहू	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
27.	तनिष्क रेनवाल	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
28.	सौरभ चौधरी	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
29.	ईशिका अग्रवाल	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
30.	अनमोल मोटसरा	ईएम नॉर्मंडी, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
31.	अभिषेक तिवारी	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
32.	अनिरुद्ध मट्टू	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
33.	आशुतोष कुमार चौरसिया	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
34.	राहुल माने	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
35.	एस. मधुमिता पदमानजली	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
36.	शिखर खत्री	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
37.	शिवम मूंदड़ा	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
38.	श्याम अग्रवाल	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
39.	स्तुति बाजारी	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
40.	साई तेजा	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
41.	केशव दामनी	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
42.	अभिनव कुमार मनहेर	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
43.	कोमल कुमारी	जीएसईएम यूआरएफयू रूस	रूस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
44.	जामपानी केसव संदीप	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
45.	अमन आनंद चंडूका	आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
46.	साईदीक्षा रेड्डीपल्ली	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
47.	अनिकेत नंदलाल कांबले	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024

क्र. सं.	छात्र का नाम	आवंटित विश्वविद्यालय	देश	पाठ्यक्रम	त्रैमासिक
48.	फरजाना रामसन	हैंकेन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, फिनलैंड	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
49.	लोकेश विनोदकुमार अग्रवाल	आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
50.	मोनीदीपा घोष	ईएम स्ट्रासबर्ग बिजनेस स्कूल, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
51.	श्रीविद्या मक्कापति	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
52.	राशि अग्रवाल	हैंकेन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, फिनलैंड	फिनलैंड	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
53.	हरदीप सिंह	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
54.	प्रणित नितिन बेले	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
55.	श्रेयांश अग्रवाल	आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
56.	केशवानंद सोनोवाल	ग्रेनोबल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
57.	दीपांकर पेगू	ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	फ्रांस	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024
58.	अभिषेक कुमार भारती	सारलैंड विश्वविद्यालय, जर्मनी	जर्मनी	एमबीए (आईबी) 2023–25	जनवरी–मार्च 2024

आउटबाउंड छात्रों की सूची (2023–24)

फिनलैंड	हैंकेन–स्वीडिश स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हैंकेन यूनिवर्सिटी, हेलसिंकी, फिनलैंड	हैनकैन – 4
न्यूयॉर्क	स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क, अल्बानी और पाल्ट्ज	न्यूयॉर्क–4

एएसीएसबी सेमिनार के माध्यम से आईआईएफटी की भागीदारी

- डॉ. शीबा कपिल, प्रमुख–आईसीसीडी ने एएसीएसबी एशिया प्रशांत वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया, जो 29 नवंबर से 1 दिसंबर 2023 तक ओसाका, जापान में आयोजित किया गया था, जो एसोसिएशन टू एडवांस कॉलेजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी), एक वैश्विक गैर–लाभकारी संगठन द्वारा आयोजित किया गया था। दुनिया भर में व्यावसायिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए समर्पित।
- डॉ. शीबा कपिल, प्रमुख–आईसीसीडी ने इंडो वियतनाम सीमा पार निवेश और भविष्य के अनुसंधान सहयोग पर चर्चा के लिए 22 दिसंबर 2023 को वियतनाम इंस्टीट्यूट फॉर इंडियन एंड साउथवेस्ट एशियन स्टडीज (वीआईआईएसएएस), वियतनाम एकेडमी ऑफ सोशल साइंसेज (वीएएसएस), हनोई, वियतनाम का दौरा किया।
- डॉ. शीबा कपिल, प्रमुख–आईसीसीडी ने 5 फरवरी 2024 को एएसीएसबी सेमिनार – सीआईआरः में भाग लिया बैंकॉक थाईलैंड में 2020 के अनुसार मानकों में परिवर्तन ।
- डॉ. शीबा कपिल, प्रमुख–आईसीसीडी ने 6 फरवरी 2024 को एएसीएसबी सेमिनार में भाग लिया– बैंकॉक, थाईलैंड में सामाजिक प्रभाव।

प्रत्यायन एवं रैंकिंग सेल गतिविधियाँ (2023–24)

अप्रैल–जून 2023

- आईआईएफटी ने 13वें क्रॉनिकल के अखिल भारतीय बी–स्कूल सर्वेक्षण 2023 में भाग लिया और निम्नलिखित रैंकिंग हासिल कीः

अखिल भारतीय शीर्ष बी–स्कूल श्रेणी	5वीं रैंक
अखिल भारतीय ग्रेड–वार शीर्ष बी–स्कूल	ए+++ ग्रेडिंग
अखिल भारतीय क्षेत्रवार शीर्ष बी–स्कूल, उत्तर प्रभाग	चौथी रैंक

- आईसीसीडी– प्रत्यायन और रैंकिंग सेल ने फॉर्च्यून इंडिया बेस्ट बी–स्कूल रैंकिंग सर्वेक्षण 2023 के लिए डेटा प्रस्तुत किया है।
- आईसीसीडी– प्रत्यायन और रैंकिंग सेल ने एसोसिएशन से एडवांस कॉलेजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस (यूएस) का डेटा जमा

किया है – बीएसक्यू रोजगार मॉड्यूल के तहत – एएसीएसबी सर्वेक्षण।

- अनस्टॉप अवार्ड्स 2023 द्वारा आईआईएफटी को 2022–23 में भारत के सबसे प्रतिस्पर्धी बी–स्कूल के रूप में प्रथम स्थान दिया गया है।
- आईआईएफटी को डीम्ड यूनिवर्सिटीज (सरकारी निजी और सार्वजनिक – समग्र) श्रेणी के तहत भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) में 7वां स्थान और सर्वश्रेष्ठ बी–स्कूल (सरकारी) श्रेणी के तहत 9वां स्थान दिया गया।

जुलाई–सितंबर 2023

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञता वाले, भारत के शीर्ष रैंक बी–स्कूलों में से आईआईएफटी एक है । निम्नलिखित बी–स्कूल रैंकिंग में आईआईएफटी ने भाग लिया और विभिन्न प्लेटफार्मों पर आईआईएफटी की स्थिति इस प्रकार है :

रैंकिंग सर्वेक्षण जिसमें आईआईएफटी ने भाग लिया

क्र. सं.	रैंकिंग का नाम	रैंक
1.	12वाँ क्रॉनिकल्स अखिल भारतीय बी–स्कूल सर्वेक्षण	5वाँ
2.	बिजनेस टुडे – एमडीआरए बी–स्कूल सर्वेक्षण 2023	9वाँ
3.	एमबीएयूनिवर्स.कॉम रैंकिंग 2023	12वाँ
4.	टाइम्स बी–स्कूल रैंकिंग 2023	4था
5.	भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ)	7वाँ

- एएसीएसबी एश्योरेंस ऑफ लर्निंग (एओएल) सेमिनार आईआईएफटी के सभी परिसरों की संकाय और नए शामिल हुए कर्मचारियों के लिए 13–14 जुलाई 2023 को आयोजित किया गया। वरिष्ठ व्याख्याता, विलियम्स सेंटर फॉर लर्निंग एडवांसमेंट, व्यवसाय और अर्थशास्त्र संकाय, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया, एएसीएसबी प्रशिक्षक डॉ. एंजेलिटो कालमा द्वारा प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई। प्रशिक्षण में आईआईएफटी दिल्ली, कोलकाता, काकीनाडा और जीआईएफटी गांधी नगर के नए संकाय और कर्मचारियों सहित 40 से अधिक प्रतिभागी प्रशिक्षण में शामिल हुए।
- 17–18 जुलाई 2023 को ईएफएमडी द्वारा प्रबंधन विकास संस्थान (एमडीआई), गुड़गांव में आयोजित ''भारत में प्रबंधन शिक्षा का लाभ उठाने'' पर सेमिनार में हेड–आईसीसीडी ने भाग लिया।

आईआईएफटी को शीर्ष 100 प्रबंधन संस्थानों– समग्र रैंकिंग के तहत टाइम्स बी–स्कूल सर्वेक्षण 2023 में चौथा स्थान दिया गया है। टाइम्स बी–स्कूल सर्वे 2023 ने i3RC इनसाइट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की और भारत में शीर्ष प्रबंधन संस्थानों का निर्धारण करने के लिए अपना 11वां बी–स्कूल 2023 सर्वेक्षण आयोजित किया।

जनवरी से मार्च 2023

1. आईसीसीडी – प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने पीजी प्रबंधन कार्यक्रम, एमबीए–आईबी (पूर्णकालिक) के लिए एनबीए मान्यता के आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एनबीए, तकनीकी संस्थानों के कार्यक्रमों को उनके 10 मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर मान्यता देता है।
2. आईसीसीडी – प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने प्रबंधन श्रेणी के तहत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) इंडिया रैंकिंग – 2024 में भाग लेने के लिए, ऑनलाइन डेटा कैप्चरिंग सिस्टम (डीसीएस) के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत की।
3. ICCD – प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय (MoE), भारत सरकार द्वारा आयोजित, सर्वेक्षण वर्ष 2022–23 के लिए अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) पोर्टल पर डेटा जमा किया।
4. प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने फॉर्च्यून इंडिया बेस्ट बी–स्कूल रैंकिंग 2023 में भाग लिया और 10वां स्थान हासिल किया।
5. आईआईएफटी, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में विशेषज्ञता के साथ भारत में शीर्ष रैंक वाले बी–स्कूलों में से एक है। आईआईएफटी ने निम्नलिखित बी–स्कूल रैंकिंग में भाग लिया है और विभिन्न प्लेटफार्मों पर आईआईएफटी की स्थिति इस प्रकार रही:

क्र. सं.	रैंकिंग का नाम	आईआईएफटी स्थिति
1.	टाइम्स बी–स्कूल सर्वे 2023	4था
2.	क्रॉनिकल का अखिल भारतीय बी–स्कूल सर्वेक्षण 2023 – अखिल भारतीय शीर्ष बी–स्कूल श्रेणी के अंतर्गत	5वाँ
3.	भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) 2024– डीम्ड विश्वविद्यालयों (सरकारी निजी और सार्वजनिक – समग्र) श्रेणी के अंतर्गत	7वाँ
4.	बिजनेस टुडे – एमडीआरए 2023 (विपणन और विकास अनुसंधान सहयोगी)	9वाँ
5.	फॉर्च्यून इंडिया बेस्ट बी–स्कूल रैंकिंग 2023	10वाँ
6.	राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2023	27वाँ

6. आईसीसीडी – प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने बिजनेस टुडे – एमडीआरए बी–स्कूल सर्वेक्षण 2024 में भाग लेने के लिए डेटा प्रस्तुत किया है।
7. आईसीसीडी – प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने एएसीएसबी कर्मचारी मुआवजा और जनसांख्यिकी सर्वेक्षण (एससीडीएस) सर्वेक्षण के लिए डेटा प्रस्तुत किया है।
8. आईसीसीडी – प्रत्यायन और रैंकिंग (ए एंड आर) सेल ने एएसीएसबी – बीएसक्यू प्रोग्राम मॉड्यूल सर्वेक्षण 2023–24 के लिए डेटा प्रस्तुत किया है।

सदस्यता

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सदस्यता के लिए संपर्क करने का आईसीसीडी प्रमुख केंद्र है। विश्व

के ख्याति प्राप्त किसी भी संगठन की सदस्यता से संबंधित गतिविधियों का आईसीसीडी द्वारा ख्याल रखा जाता है। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने जो सदस्यताएँ ले रखी है और विश्व में जिनकी बहुत ज्यादा प्रतिष्ठा है, निम्नलिखित में उल्लेखित है:

अग्रिम व्यवसाय कॉलेजिएट स्कूल समिति (एएसीएसबी): एएसीएसबी अंतर्राष्ट्रीय (एएसीएसबी), एक वैश्विक गैर–लाभकारी समिति है जो शिक्षकों, विद्यार्थियों और व्यवसायों को "महान मार्गदर्शकों की अगली पीढ़ी तैयार करने का" साझा लक्ष्य प्राप्त करने के लिए जोड़ती है। उत्कृष्टता के उच्चतम मानक का 1916 से पर्यायवाची, एएसीएसबी, दुनिया भर में 1850 से अधिक सदस्य–संगठनों और 950 से अधिक मान्यता प्राप्त व्यावसायिक स्कूलों को गुणवत्ता आश्वासन, व्यावसायिक शिक्षा का बोध और अभ्यास एवं विकास सेवाएं प्रदान कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी (एआईबी): अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अकादमी अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के पंडितों और विशेषज्ञों का अग्रणी संघ है। 1959 में स्थापित हुए इस संघ के लगभग 90 देशों में 3400 से अधिक सदस्य है। सदस्यता, संगठनों के साथ–साथ व्यक्तियों के लिए भी खुली है।

प्रबंधन विकास के लिए यूरोपीय फाउंडेशन (ईएफएमडी): ईएफएमडी प्रबंधन विकास को समर्पित वैश्विक, गैर–लाभकारी, सदस्यता–संचालित संगठन है। व्यावसायिक स्कूल, व्यावसायिक स्कूल कार्यक्रम और कॉर्पोरेट विश्वविद्यालयों के लिए प्रमुख मान्यता प्राप्त संस्था के तौर पर इसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। शैक्षिक समुदाय, व्यवसाय, जनसेवा और परामर्श कार्य के 30,000 प्रबंधन व्यावसायिकों की जाल व्यवस्था के साथ ईएफएमडी प्रबंधन शिक्षा पर विश्व के नजरिये को रूप देने में मुख्य भूमिका निभाता है।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू): एआईयू उच्च शिक्षा की वृद्धि और विकास में व्यस्त है। एआईयू की सदस्यता में हर प्रकार के विश्वविद्यालय शामिल है जैसे कि पारंपरिक विश्वविद्यालय, उन्मुक्त विश्वविद्यालय, मानित विश्वविद्यालय, राज्य विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान। भारतीय विश्वविद्यालयों के अलावा बांग्लादेश, भूटान, मलेशिया, मॉरिशस, नेपाल, थाईलैंड, कजाकिस्तान गणराज्य, संयुक्त अरब अमीरात और यूनाइटेड किंगडम के 13 विश्वविद्यालय/संस्थान इसके संबद्ध सदस्य हैं।

वैश्विक कॉम्पैक्ट नेटवर्क, भारत (जीसीएन): वैश्विक कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (जीसीएनआई), संयुक्त राष्ट्र वैश्विक कॉम्पैक्ट(यूएनजीसी) न्यू यॉर्क का भारतीय स्थानीय नेटवर्क विश्व स्तर पर पहला स्थानीय नेटवर्क है जिसे पूरे तौर पर कानून से मान्यता प्राप्त है।

संघ भारतीय स्कूल प्रबंधन (एआईएमएस): देश के बी–स्कूलों की प्रबंधन शिक्षा के पेशावर विकास और हितों की रक्षा करने के लिए, संघ भारतीय स्कूल प्रबंधन, भारत में बी–स्कूलों की तंत्र व्यवस्था है। यह, भारत में तथा कुछ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय प्रबंधन स्कूलों का आधिकारिक प्रतिनिधित्व है। ये विश्व के बी–स्कूलों की विशालतम तंत्र व्यावस्थाओं में से एक है।

एमबीएज का संघ (एएमबीएएस): वैश्विक स्नातककोत्तर प्रबंधन शिक्षा में मानको को बनाए रखने और नवीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए "एएमबीएएस", एमबीए को आधिकारिक मान्यता दिलाने के लिए वचनबद्ध है। 75 से अधिक देशों के 260 से अधिक व्यावसायिक स्कूलों में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम, डीबीए और एमबीए को "एएमबीए" मान्यता देता है। एमबीए प्रत्यायन का दर्शनशास्त्र, प्रभाव, रोजगार और सीखने के परिणाम पर केंद्रित है।

कार्यकारिणी प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यकारी प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग की स्थापना अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मुद्दों और व्यापार नीति पर उनके निहितार्थ की व्यापक समझ को बढ़ावा देने के लिए की गई है। कॉर्पोरेट क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (पीएसयू), वित्तीय संस्थानों/बैंकों और सरकारी क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना इसका उद्देश्य है।

2018 में अपनी स्थापना के बाद से डिवीजन ने एमबीए (आईबी) तंजानिया, सीएलएमवी और ईपीजीडीआईबी (ओसी एंड एच) कार्यक्रमों से कुल 544 प्रतिभागियों को डिप्लोमा/डिग्री प्रदान की है। मुख्य रूप से भारतीय कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अंतरराष्ट्रीय अध्ययन दौरों पर क्षमता विकास कार्यक्रमों के माध्यम से, ईएमपीडी क्षमता विकसित करने और अफ्रीकी महाद्वीप के साथ सहयोग को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडीआईबी कैंपस में), विभाग का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसकी अवधि 18 महीने है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित सभी पहलुओं पर व्यवस्थित तरीके से ज्ञान प्रदान करके वरिष्ठ और मध्यस्तरीय अधिकारियों की प्रबंधकीय योग्यता को बढ़ाना कार्यक्रम का उद्देश्य है ।

1. 2023–25 के लिए ईपीजीडीआईबी ग्रीष्म ऋतु (सप्ताहांत – ऑन–कैंपस) की शुरुआत

2023–25 के लिए ईपीजीडीआईबी ग्रीष्म ऋतु (सप्ताहांत – ऑन–कैंपस) 24 सितंबर 2023 को दिल्ली कैंपस में कुल 101 प्रतिभागियों के साथ शुरू हुआ था। उद्घाटन भाषण ईएमपीडी की प्रमुख डॉ. पूजा लखनपाल द्वारा दिया गया, उसके बाद संस्थापक एवं प्रधान संपादक/सीईओ, एशियन कम्युनिटी न्यूज (एसीएन) नेटवर्क, श्री संजीव के. आहूजा द्वारा दिया गया।

2. कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा वैश्विक मानव संसाधन प्रबंधन (ईपीजीडी–जीएचआरएम) 2023–25 कार्यक्रम की शुरुआत और उद्घाटन

वैश्विक मानव संसाधन प्रबंधन (ईपीजीडी–जीएचआरएम) 2023–25 का उद्घाटन 6 अगस्त 2023 को 14 प्रतिभागियों के साथ दिल्ली परिसर में किया गया। प्रमुख (ईएमपीडी), डॉ. पूजा लखनपाल, ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद पूर्व निदेशक, आईएसटीडी, प्रोफेसर, और प्रेरणादायक वक्ता, और प्रशिक्षक प्रोफेसर सी.वी. रामानन ने उद्घाटन भाषण दिया। उपाध्यक्ष, जॉब गली, सुश्री शेफोली जैन और मानव संसाधन प्रमुख, सीजेडीएआरसीएल श्री अमित जिंदल ने भी विशेष संबोधन दिए।

3. 2024–25 के लिए ईपीजीडीआईबी ग्रीष्म ऋतु (सप्ताहांत – ऑन–कैंपस) की शुरुआत

2024–25 के लिए ईपीजीडीआईबी ग्रीष्म ऋतु (सप्ताहांत – ऑन–कैंपस) की शुरुआत हुई और 4 फरवरी 2024 को आईआईएफटी दिल्ली परिसर में आयोजित ईएमपीडी के नए बैच के लिए कार्यकारी स्नातकोत्तर डिप्लोमा का उद्घाटन किया गया। प्रमुख ईएमपीडी, डॉ. पूजा लखनपाल द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया। इस के बाद डॉ. हिमानी गुप्ता ने कार्यक्रम पर टिप्पणियां करते हुए जानकारी दी। नए बैच के साथ अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए, सुश्री मधुरा मुखर्जी, श्री पंकज चड्ढा और श्री सैयद सलमान रब्बानी सहित उल्लेखनीय पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

3. बंदरगाह का दौरा

ईपीजीडीआईबी – सप्ताहांत ऑन–कैंपस 2022–23 के प्रतिभागियों के एक समूह ने 2–5 अक्टूबर 2023 तक दुबई में एक अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का दौरा किया। सीमा–पार व्यापार की जटिलताओं में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करके, वैश्विक उद्योग की गतिशीलता के बारे में उनकी समझ बढ़ाना इस गहन अनुभव का उद्देश्य था।

आईआईएफटी में उत्कृष्टता के केंद्र

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र

संस्थान का डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र शोध की इकाई है जिसकी रुचि सामान्यता व्यापार और विशेष रूप से डब्ल्यूटीओ में है, इसके अलावा यह डब्ल्यूटीओ वार्ताओं से संबंधित ज्ञान और प्रलेखन के स्काई भंडार के रूप में भी कार्य करता है। इसे नियमित रूप से भारत सरकार द्वारा शोध कार्य करने और स्वतंत्र विश्लेषण परक इनपुट देने के लिए भी कहा जाता है जो सरकार को डब्ल्यूटीओ और अन्य मंचों यथा मुक्त और बेहतर व्यापार समझौतों (एफटीए/पीटीए) और समेंकित आर्थिक समझौतों (सीईसीए) पर विभिन्न व्यापारिक वार्ताओं में अपनी स्थिति सुधारने में मदद करते है. इसके अलावा यह केंद्र उद्योग और सरकार की यूनिटों और अन्य साझेदारों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए अपने आउटरीच और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से सक्रिय रूप से संवाद करता है। इस प्रकार यह साझेदारों और नीतिनिर्माताओं के बीच सर्वसम्मति बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्यरत है।

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त किए जाने वाले पांच मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं; (i) शोध और विभिन्न समर्थक कार्यकलापों के माध्यम से डब्ल्यूटीओ और नियमित डब्ल्यूटीओ कार्य के कार्यक्रम में बहुपक्षीय व्यापार वार्ताओं में प्रभावी रूप से सहभागिता में भारत की व्यापार वार्ताओं और नीतिनिर्माताओं में भारत की सहायता करना; (ii) एफटीए और अन्य द्विपक्षीय वार्ताओं में प्रभावी ढंग से भाग लेने में भारत के व्यापार वार्ताकारों और नीति निर्माताओं की सहायता करना; (iii) DoC अधिकारियों के बीच उभरते व्यापार मुद्दों की समझ को बढ़ाना; (iv) आउटरीच और प्रसार गतिविधियों के माध्यम से हितधारकों के बीच प्रमुख व्यापार मुद्दों की समझ को बढ़ाना; (v) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से डब्ल्यूटीओ और अन्य व्यापार–संबंधी मुद्दों का विश्लेषण करने के लिए भारत और अन्य विकासशील देशों में क्षमता विकसित करना; और (vi) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के कुछ पहलुओं पर वैश्विक आख्यान को प्रभावित करने की कोशिश करना।

वर्ष 2023–24 के दौरान इस केंद्र ने सरकार के वाणिज्य विभाग और अन्य विभागों/हितधारकों को विश्लेषण और परामर्श दिए। सीडब्ल्यूएस संकाय और स्टाफ ने डब्ल्यूटीओ और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर 100 से अधिक लघु लेख और अन्य तकनीकी प्रकाशन किए हैं। सीडब्ल्यूएस के संकाय और शोधकर्ता वाणिज्य विभाग के अधिकारियों का समर्थन करते हुए 9 एफटीए वार्ताओं में सक्रिय रूप से शामिल थे। कई आंतरिक पृष्ठभूमि नोट्स, नीति संक्षेप और अर्थव्यवस्थाओं और क्षेत्रों का मात्रात्मक विश्लेषण तैयार करना इसमें शामिल था। इस अवधि में सीडब्ल्यूएस ने 10 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बैठकों का आयोजन किया, और ये 25 घरेलू प्रशिक्षण कार्यक्रमों, साझेदारों की बैठको आदि के आयोजन में प्रत्यक्ष/परोक्ष रूप से सम्मिलित रहा। इनमें निम्नलिखित क्रियाकलापों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है:

- विदेश मंत्रालय के आईटीईसी के संरक्षण में 3 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विकासशील देशों के 89 पदाधिकारी और अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।
- भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से सीडब्ल्यूएस ने कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, पुणे और लखनऊ में भारत के मुक्त व्यापार समझौतों पर पांच उद्योग हितधारक परामर्श का आयोजन किया।
- केंद्र ने 22–26 मई 2023 के दौरान नेपाल के मंत्रालय के अधिकारियों के लिए काठमांडू में एक परिचयात्मक स्तर का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नीति कार्यक्रम आयोजित किया। इसके बाद, दिसंबर 2023 में, सप्ताह भर के दो अग्रिम प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।
- विश्व व्यापार संस्थान (बर्न) के साथ साझेदारी में, 5–30 जून 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून और नीति पर डब्ल्यूटीआई–सीडब्ल्यूएस संयुक्त अकादमी का केंद्र ने आयोजन किया।
- 27 अप्रैल 2023 को, व्यापार समझौतों से उभरते अवसर – उद्योग परिप्रेक्ष्य पर सीडब्ल्यूएस ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से एक क्षमता निर्माण सत्र का आयोजन किया।
- सीडब्ल्यूएस ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के सहयोग से 16 जून 2023 को व्यापार सुविधा पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से 200 से अधिक हितधारकों की भागीदारी देखी गई।
- अबू धाबी में आयोजित डब्ल्यूटीओ एमसी13 के बाद की तैयारियों में संयुक्त अरब अमीरात के सरकारी अधिकारियों की मदद करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- डब्ल्यूटीओ परिग्रहण के लिए तैयार करने के लिए भूटान की शाही सरकार के 25 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम थिम्पू, भूटान और नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- जून 2023 में आईएएस प्रोबेशनर्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम, नई दिल्ली।
- मार्च 2023 में डीओसी अधिकारियों के लिए व्यापार वार्ता पाठ्यक्रम, नई दिल्ली।

आईआईएफटी के दो केंद्रों– डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र और व्यापार और निवेश कानून केंद्र के संयुक्त आवेदन के आधार पर भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) चेयर कार्यक्रम (डब्ल्यूसीपी) में भारत की ओर से तीसरे चरण के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। डब्ल्यूटीओ अध्यक्ष कार्यक्रम 2010 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए व्यापार–संबंधी शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित और समर्थन करके विकासशील और कम विकसित देशों में शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं के बीच ज्ञान और समझ को

बढ़ावा देना है। डब्ल्यूसीपी गतिविधियों के हिस्से के रूप में केंद्र ने ''अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून मुद्दों में शिक्षण शिक्षण'' विषय पर भारत के व्यापार और निवेश कानून शिक्षाविदों के लिए एक कार्यशाला की मेजबानी की। इसका उद्घाटन अगस्त 2022 में आईआईएफटी परिसर में किया गया था। पहली कार्यशाला 10 मार्च 2023 को आयोजित की गई थी। "अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून में कार्यप्रणाली संबंधी मुद्दा : दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य को एकीकृत करना" – एक और कार्यशाला, दिसंबर 2022 को केरल में आयोजित की गई थी।

सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी और व्यापार उपायों की तकनीकी बाधाओं पर 1995 से 2021 तक 164 सदस्यों द्वारा डब्ल्यूटीओ को अधिसूचित करने की डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र अद्वितीय ऑनलाइन डेटाबेस रखता है । दोनों डेटाबेस 66 हजार से अधिक सूचनाओं में से सौ प्रतिशत के लिए बहुत जरूरी ट्रेड लिंक (एचएसएन) प्रदान करते हैं। ये किसी भी उपयोगकर्ता के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं और वेब लिंक हैं: एसपीएस ऑनलाइन डेटाबेस: https://cc.iift.ac.in/sps/index.asp; टीबीटी ऑनलाइन डेटाबेस: https://cc.iift.ac.in/tbt/index.asp.

भारत सरकार द्वारा की जा रही द्विपक्षीय वार्ताओं के मद्देनजर, भारत–ब्रिटेन, भारत–ऑस्ट्रेलिया, भारत–ईयू, भारत–पेरू, भारत–ओमान, भारत–ईएईयू, भारत–ईपीटीए सहित कई व्यापार वार्ताओं के लिए, सीडब्ल्यूएस वाणिज्य विभाग (डीओसी) को तकनीकी, आर्थिक और कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है। इनमें से प्रत्येक वार्ता में, केंद्र ने सरकारी खरीद, उत्पत्ति के नियम, एसपीएस और टीबीटी, कृषि, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधाएं, सामान, मत्स्य पालन, डिजिटल व्यापार और सेवाओं जैसे डोमेन में विशेषज्ञता प्रदान की है।

व्यापार और निवेश कानून केंद्र (सीटीआईएल)

व्यापार और निवेश कानून केंद्र (सीटीआईएल) की स्थापना वर्ष 2017 में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के भीतर भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों और अन्य सरकारी एजेंसियों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून से संबंधित कानूनी मुद्दों का ठोस और कठोर विश्लेषण प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ की गई थी। सीटीआईएल अपने निपटान में संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ, व्यापार और निवेश कानून पर जानकारी के भंडार के रूप में कार्य करता है। यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून के मुद्दों पर उभरते विमर्श में शामिल होने और उसे प्रभावित करने के लिए एक अग्रणी भारतीय मंच के रूप में भी कार्य करता है। केंद्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून के मुद्दों पर भारत सरकार को लगातार तकनीकी जानकारी प्रदान करता रहा है। वास्तव में, अपनी स्थापना के बाद से, भारत की विदेश व्यापार नीति के तहत व्यापार संवर्धन योजनाओं की योजना और कार्यान्वयन, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय व्यापार की व्याख्या और विश्लेषण सहित महत्वपूर्ण व्यापार मुद्दों पर केंद्र द्वारा वाणिज्य विभाग को 800 से अधिक सलाहकार राय प्रदान की गई हैं। समझौते, भारत को उसकी चल रही व्यापार वार्ताओं, ई–कॉमर्स नीति, व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कराधान के मामलों, रॉयल्टी लगाने और भारत की व्यापार प्रतिबद्धताओं को प्रभावित करने वाले घरेलू कानूनों के विकास में सहायता करने के लिए अनुसंधान और इनपुट प्रदान करना। हाल ही में, सीटीआईएल वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के लॉजिस्टिक्स डिवीजन के नेतृत्व में एक नए राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कानून के पाठ का मसौदा तैयार करने में शामिल हुआ है। विशेष सचिव (लॉजिस्टिक्स) के निर्देशन में, सीटीआईएल ने विधेयक का मसौदा तैयार किया है, जिसमें भारत में एक नया समान और सामंजस्यपूर्ण लॉजिस्टिक कानूनी ढांचा लाने का प्रस्ताव है। भारत के राष्ट्रीय कानून स्कूलों और अन्य अग्रणी संस्थानों के साथ जुड़ना और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून में शामिल होने की उनकी क्षमता को गहरा करना सीटीआईएल का मिशन है। सीटीआईएल सम्मेलनों, सेमिनारों, चर्चाओं जैसे संयुक्त कार्यक्रमों के संचालन के लिए और छात्रों के अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून के वास्तविक कानूनी ज्ञान को बढ़ाने के लिए सहयोग करने के लिए राष्ट्रीय कानून स्कूलों के साथ लगातार सहयोग कर रहा है। सीटीआईएल में, हम नैदानिक कानूनी शिक्षा के महत्व को पहचानते हैं और इसलिए, केंद्र भारत के विभिन्न राष्ट्रीय कानून स्कूलों और अन्य प्रमुख संस्थानों में ट्रेडलैब (जिनेवा) कानून क्लीनिक का संचालन कर रहा है।

अप्रैल 2023–मार्च 2024 के दौरान किए गए प्रमुख अध्ययन / रिपोर्ट / परियोजनाएँ

1. **यूरोपीय संघ के कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) पर अध्ययन:** अध्ययन का उद्देश्य यह समझना है कि सीबीएएम विभिन्न बारीकियों को कैसे शामिल करता है – यूरोपीय संघ को भारत के लौह, इस्पात और एल्यूमीनियम के निर्यात की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता, व्यापार पैटर्न एवं उत्सर्जन तीव्रता और साथ ही साथ भारतीय निर्यातकों के लिए अनुमान। अध्ययन बहुपक्षीय, द्विपक्षीय और घरेलू स्तर पर सीबीएएम को कम करने के लिए भारत की संभावित रणनीतियों का भी पता लगाता है।

2. **एफटीए में स्थिरता प्रावधान:** भारत की तैयारी का आकलन: ईयू मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में सतत विकास अध्यायों पर सेंटर फॉर ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट लॉ (सीटीआईएल) ने गहन अध्ययन किया, जिसमें यूरोपीय संघ के द्विपक्षीय व्यापार समझौतों में व्यापार की क्रमागत उन्नति और सतत विकास प्रावधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अध्ययन ने विभिन्न ईयू एफटीए का एक व्यापक विश्लेषण प्रदान किया। कोरिया के साथ ईयू के पहले एफटीए से, ये शुरू हुआ, जिसमें एक स्थिरता अध्याय शामिल था, और इसका विस्तार हुआ न्यूजीलैंड के साथ ईयू के हालिया एफटीए तक, जिसमें अत्यधिक महत्वाकांक्षी स्थिरता प्रावधान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, अध्ययन में 2022 के ईयू के व्यापार और सतत विकास (टीएसडी) समीक्षा के निहितार्थ और ईयू–भारत व्यापार संबंधों पर इसके प्रभाव की जांच की गई। इसमें यह भी पता लगाया गया कि भारत व्यापार और स्थिरता के संबंध में महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए किस हद तक तैयार है।

3. **निवेश उदारीकरण पर अध्ययन:** निवेश उदारीकरण पर अध्ययन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में निवेश से संबंधित मुद्दों से निपटने में विभिन्न देशों (विकसित और विकासशील

दोनों) द्वारा अपनाए गए दृष्टिकोण को दर्शाता है। अध्ययन, अमरीका, यूरोपीय संघ और चीन के एफटीए मूल्यांकन के आधार पर, विश्लेषण करता है और भारत के लिए अपने एफटीए में निवेश उदारीकरण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने के लिए आगे का रास्ता प्रस्तुत करता है।

4. **यूरोपीय संघ के वनों की कटाई विनियमन पर अध्ययनः** यूरोपीय संघ के 2023 में अपनाए गए विनियमन के आधार पर सीटीआईएल ने यूरोपीय संघ द्वारा वनों की कटाई पर अध्ययन किया। विनियमन यूरोपीय संघ के बाजार में रखे जाने वाले उत्पादों के लिए तीन प्रमुख आवश्यकताओं को स्थापित करता है – जिस देश में उत्पादन हो रहा है उसके प्रासंगिक कानूनों का अनुपालनय वनों की कटाई से मुक्ति; और साथ एक उचित परिश्रम विवरण का होना। प्रासंगिक वस्तुओं में शामिल हैं पाम तेल, मवेशी, लकड़ी, कॉफी, कोको, रबर और सोया। सभी तीन आवश्यकताओं के साथ अध्ययन में घरेलू अनुकूलता का विश्लेषण किया गया और यह भी बताया गया कि क्या विनियमन डब्ल्यूटीओ संगत है। अध्ययन में विनियमन में दिए गए जोखिम मूल्यांकन मानदंडों की जांच की गई और बताया गया कि भारत के किस श्रेणी में आने की संभावना है।

5. **यूरोपीय कॉर्पोरेट स्थिरता उचित परिश्रम निर्देश पर अध्ययनः** यह अध्ययन कॉर्पोरेट स्थिरता उचित परिश्रम पर यूरोपीय संघ के निर्देश की कानूनी जांच है। अध्ययन में निर्देश के तहत दायित्वों की जांच की जाती है और भारतीय कंपनियों पर संभावित कानूनी प्रभाव और व्यापार कानून व्यवस्था के साथ उनके तालमेल का विश्लेषण किया जाता है। व्यापार कानून व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य से, अध्ययन, डब्ल्यूटीओ–के अधिकार में आने वाले समझौतों के परिप्रेक्ष्य से जो चिंताएं, स्थिरता और कॉर्पोरेट उचित परिश्रम उत्पन्न हो सकता है, उनसे निपटने के भारत और यूरोपीय संघ के एफटीए तौर तरीकों का विश्लेषण करता है । भारतीय उद्योग पर निर्देश के प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, अध्ययन, टिकाऊ कॉर्पोरेट प्रशासन मानदंडों और रिपोर्टिंग आवश्यकताओं पर लागू भारतीय कानूनों और विनियमों की तुलना दो व्यवस्थाओं और संबंधित चिंताओं में अंतराल का विश्लेषण करने के निर्देश से करता है।

6. **डब्ल्यूसीपी के तहत महत्वपूर्ण खनिजों पर भारत की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रणनीति के दृष्टिकोण पर अध्ययनः** अध्ययन का उदेश्य बहुपक्षीय और द्विपक्षीय/एफटीए दोनो नीतियों को संबोधित करते हुए महत्वपूर्ण खनिजों पर भारत की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश नीति के लिए इस अध्ययन द्वारा एक व्यापक, समग्र और दूरदर्शी रणनीति का विकसित किया जाना है।

अप्रैल 2023–मार्च 2024 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा किया गया अनुसंधान

क्र.सं.	असाइनमेंट
1.	ट्रिप्स और भारत–यूरोपीय संघ जीआई समझौते के तहत एमएफएन पर अनुवर्ती राय।
2.	आईपीईएफ पिलर 2 द्विपक्षीय बैठक, एसजी के दस्तावेज की जांच ।
3.	लिथियम पर ऑस्ट्रेलिया के निर्यात प्रतिबंधों पर व्याख्या।
4.	गैर–टैरिफ उपायों को हटाने के लिए मसौदा प्रावधान।
5.	ईयू–भारत एफटीए के अपवाद अध्याय पर दस्तावेज की जांच।
6.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ताः माल के व्यापार पर दूसरा दौर का सारांश।
7.	सीआईआई (पीपीटी) के लिए आपूर्ति श्रृंखला आईपीईएफ पर प्रस्तुति।
8.	अमेरिका द्वारा प्रसारित अद्यतन पाठ में (DoC आंतरिक) पर टिप्पणियाँ।
9.	अमेरिका द्वारा प्रसारित स्तंभ II पाठ पर मसौदा।
10.	स्तंभ 2 के अंशों पर टिप्पणियाँ।
11.	मत्स्य पालन अनुकृति पर समझौते में OCOF के लिए नॉर्वे के प्रस्ताव पर राय।
12.	भारत और अमेरिका के बीच विवादों के समाधान के संबंध में समझौता।
13.	यूके के अनुरोध के अनुसार पीपीआर पर प्रश्नों पर टिप्पणियाँ।
14.	डीएसबी बैठक, जापान (डीएस584) और टीपीकेएम (डीएस588) के लिए भारत के लिए मसौदा वक्तव्य।
15.	भारत और अमरीका के बीच एमएएस पर राय.
16.	ऑफसेन यूके–इंडिया R10_ समेकित ट्रेडमार्क पाठ पर टिप्पणियाँ।

17.	ऑफसेट भारत–यूके एफटीए आईपी अध्याय समेकित डिजाइन पाठ पर टिप्पणियाँ।
18.	आनुवंशिक संसाधन और संबंधित पारंपरिक ज्ञान के पेटेंट पर राय।
19.	आईपीआर अध्याय के सामान्य प्रावधान अनुभाग के लिए आगे की राह पर टिप्पणियाँ।
20.	विशेष आर्थिक क्षेत्रों में शुल्क परित्याग सिद्धांत और इसकी प्रयोज्यता पर टिप्पणी ।
21.	सरकारी खरीद अध्याय, भारत–यूके एफटीए के अनुच्छेद [XX]-4 के तहत यूके के प्रस्ताव के अनुच्छेद 7सी के निहितार्थ पर राय।
22.	राउंड 9 के समापन के बाद जीपी अध्याय में लंबित मुद्दों पर टिप्पणियां।
23.	भारत – यूके एफटीए, भारत के बाजार पहुंच प्रस्ताव का संशोधित मसौदा ।
24.	उद्यम के विकास और सेवा हब विधेयक, 2022 के संशोधित मसौदे पर टिप्पणियाँ।
25.	उद्यम के विकास और सेवा हब विधेयक, 2022 के संशोधित मसौदे पर टिप्पणियाँ।
26.	भारत के बाजार पहुँच (एमए) ऑफर में शामिल सीपीएसई की सूची का विस्तार करने के तरीकों पर टिप्पणियां।
27.	परिधान, मेड–अप और कपड़ा सहायक उपकरण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के लिए ईएफसी नोट के मसौदे की डब्ल्यूटीओ अनुकूलता पर राय।
28.	डब्ल्यूटीओ की निगरानी और विचार–विमर्श कार्य को पुनर्जीवित करने के लिए डब्ल्यूटीओ निकायों के संचालन में सुधार पर यूके के प्रस्ताव पर राय।
29.	भारत–ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के लिए संयुक्त समिति के लिए कार्य प्रक्रिया के नियमों पर टिप्पणी ।
30.	पर्यावरण अपवादों पर वाणिज्य सचिव की व्याख्या।
31.	ब्रिक्स लचीली आपूर्ति श्रृंखला पर टिप्पणियाँ।
32.	स्तंभ II, III और IV के लिए प्रेस विज्ञप्ति के संयुक्त संस्करण पर मसौदा।
33.	आईपीईएफ स्तंभ – II, III और IV में श्रम संबंधी प्रावधानों पर दस्तावेजों की जांच।
34.	भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते में भारत–यूरोपीय संघ सीसीएमएए के गैर–बाध्यकारी संदर्भ के लिए मसौदा प्रावधान पर राय।
35.	बाली समेकित पाठ के बाद आईपीईएफ स्तंभ II के कुछ पहलुओं पर राय।
36.	भारत–यूके एफटीए में जीएटीटी अनुच्छेद) पर यूके के प्रस्तावित स्पष्टीकरण पर एएस (टीएनएम) के विचार जानना।
37.	आईपीईएफ स्तंभ II पाठ के ''अनुच्छेद 18: वेटांगी की संधि'' में अतिरिक्त भाषा पर राय।
38.	भारत में मौजूदा पारदर्शिता तंत्र पर भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर गैर–कागजी बातचीत।
39.	अंतर्राष्ट्रीय कॉफी समझौते, 2022 की परीक्षा।
40.	सीआईएम ब्रीफिंग आईपीईएफ स्तंभ II के लिए संक्षिप्त पॉइंट्स पर दस्तावेज की जांच।
41.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के तहत संभावित ''महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग' के प्रस्तावों पर राय।
42.	टीटीसी के तहत उपसमूह 3 के लिए कृषि–खाद्य क्षेत्र पर यूरोपीय संघ के गैर–पेपर पर भारत का एट्रिब्यूशन/मार्कअप।
43.	ईयू टीटीसी के सिद्धांतों और सहयोग के क्षेत्रों की रूपरेखा के लिए गैर–पेपर।
44.	स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में लचीले मूल्य श्रृंखलाओं पर ईयू टीटीसी के लिए गैर–पेपर।
45.	नॉनटैरिफ उपायों के उन्मूलन पर प्रावधान।
46.	लिथियम से संबंधित नीतियों पर टिप्पणी।
47.	भारतीय निर्यातकों के विरुद्ध प्रतिकारी शुल्क जांच में अग्रिम प्राधिकरण, अग्रिम लाइसेंस और शुल्क–मुक्त आयात प्राधिकरण के उपचार का विश्लेषण।
48.	आईपीईएफ ट्रेड पिलर–1 के लिए प्रश्न।
49.	इंडोनेशिया के साथ चावल समझौता ज्ञापन के लिए भारत का वैकल्पिक प्रस्ताव।
50.	कृषि और पशुपालन टैक IN-AU CECA पर CTIL का अध्याय।
51.	IN-CA EPTA वार्ता के लिए कानूनी और संस्थागत प्रावधानों की स्थिति रिपोर्ट–दौर8 ।

52.	IN-CA EPTA वार्ता के लिए कानूनी और संस्थागत प्रावधानों की प्रगति रिपोर्ट–दौर 8 ।
53.	संबंधित हितधारकों से इनपुट के आधार पर इंडो–पैसिफिक आर्थिक ढांचे के व्यापार स्तंभ–I के विभिन्न पाठों के तहत लाल रेखाओं का मानचित्रण।
54.	एफआईईओ के मौजूदा अध्यक्ष के कार्यकाल की निरंतरता पर सीटीआईएल की राय।
55.	''पुष्टि करें'' पर राय – कार्यकारी सारांश।
56.	ऑस्ट्रेलिया–भारत सीईसीए वार्ता में प्रतिस्पर्धा और उपभोक्ता संरक्षण अध्याय के उदाहरण पाठ पर टिप्पणी।
57.	महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर जापान और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच समझौते जैसे महत्वपूर्ण खनिज साझेदारी समझौते में शामिल होने के कानूनी निहितार्थों का विश्लेषण करना।
58.	डीएस582 के संबंध में ईयू को प्रस्तावित किए जा सकने वाले विकल्पों की डब्ल्यूटीओ अनुकूलता पर कानूनी राय।
59.	ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के प्रतिस्पर्धा अध्यायों में प्रमुख प्रावधानों के मानचित्रण पर टिप्पणी।
60.	प्रतिस्पर्धा नीति और उपभोक्ता संरक्षण के संदर्भ में ऑस्ट्रेलिया की एफटीए प्रथा की जांच करने वाला सीटीआईएल नोट।
61.	एपीइडीए और एसएफडीए के बीच हस्ताक्षरित होने वाले एमओयू पर टिप्पणियाँ।
62.	ईयू वर्किंग ग्रुप व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद गैर–कागज, लचीली मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ावा देने में सिद्धांतों और सहयोग के क्षेत्रों पर, गैर–कागज।
63.	ईयू वर्किंग ग्रुप व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद गैर–कागज, स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में लचीली मूल्य श्रृंखलाओं पर गैर–कागज।
64.	आईपीईएफ स्तंभ II पाठ के अनुच्छेद 2.11 में ''व्यापार प्रशासन दस्तावेज'' शब्द के उपयोग पर राय।
65.	भारत–कनाडा ईपीटीए के लिए प्रस्तावित प्रस्तावना विवरण पर टिप्पणी।
66.	भारत–कनाडा एफटीए के व्यापार और लैंगिक समानता अध्याय में प्रस्तावना भाषा।
67.	भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार की सब्सिडी योजनाएँ।
68.	सफेद चावल की बिक्री के लिए भारत और इंडोनेशिया के बीच ज्ञापन समझौते पर टिप्पणियाँ।
69.	चावल व्यापार इंडोनेशिया–भारत पर काउंटर ड्राफ्ट एमओयू।
70.	जी20 ऑडिट सार–संग्रह का ढांचा।
71.	एफटीए वार्ता के एसओपी पर संशोधित पीपीटी।
72.	डीईए जांचसूची पर इनपुट।
73.	निर्यात नीति संस्थागत व्यवस्था के लिए आयात से संबंधित भारत की व्यवस्था – कोर ट्रैक।
74.	IN-CA EPTA इनपुट के लिए सभी विभागों को ईमेल ड्राफ्ट ।
75.	बाली दौर – स्तंभ II के बाद बैठकों का कालक्रम।
76.	ईयू टीटीसी पहल पर सीआईएम के बोलने के लिए व्यापक पॉइंट्स ।
77.	नोटिंग – पिलर II पोस्ट बाली अपडेट।
78.	ईपीटीए वार्ता के संदर्भ में भारत में गोपनीयता और निजता कानूनों पर कनाडा की प्रश्नावली के जवाब।
79.	मटर और दाल पर भारत की आयात प्रतिबंध नीतियां।
80.	अमेरिका द्वारा प्रस्तुत संशोधित कर पाठ की तुलनात्मक तालिका और आतंकवाद के वित्तपोषण प्रस्ताव का मुकाबला करने पर सूत्रीकरण।
81.	आईपीईएफ स्तंभ II –यूएस के साथ एचसीआईएम की द्विपक्षीय बैठक के लिए पॉइंट्स।
82.	लचीले मूल्य (आपूर्ति) श्रृंखलाओं के लिए उपसमूह (टीटीसी डब्ल्यूजी3 के तहत) पर भारत का गैर–कागज।
83.	आईपीईएफ स्तंभ II – पीएमओ इनपुट के लिए ईमेल ड्राफ्ट ।
84.	आईपीईएफ स्तंभ–II के लिए अमेरिका के साथ सीएन द्विपक्षीय बैठक के लिए सांकेतिक पॉइंट्स I।
85.	आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर आईपीईएफ भागीदारों के संयुक्त वक्तव्य पर टिप्पणियाँ।
86.	लाइन मंत्रालयों के लिए प्रश्नों पर इनपुट।

87.	मंत्रालयों से जनादेश मांगने का मसौदा।
88.	बाली पाठ चर्चा के बाद आईपीईएफ स्तंभ पर टिप्पणी करना।
89.	आईएन–यूके एफटीए के लिए आईएन–यूके नवप्रवर्तन अध्याय पर आधारित पाठध्गैर–कागज।
90.	गैर–कागज/पाठ में आईएन–यूके नवप्रवर्तन अध्याय के तहत पाए गए दायित्व शामिल हैं।
91.	आईपीईएफ स्तंभ IV पाठ में श्रम प्रावधानों पर टिप्पणी।
92.	खनिज संसाधन क्षेत्र में सहभागिता और सहयोग के लिए क्षेत्रों पर गैर–कागज, भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीएः महत्वपूर्ण खनिज ट्रैक।
93.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीएः खनिज प्रौद्योगिकियों में सहभागिता और सहयोग के लिए क्षेत्रों पर क्रिटिकल मिनरल्स गैर–कागज।
94.	खोजपूर्ण चर्चाओं के तीसरे दौर के लिए ऑस्ट्रेलिया द्वारा उदाहरण पाठ के साथ गैर–पेपर साझा किया गया। यह गैर–पेपर नवीनतम दौर में चर्चा का आधार बना। ऑस्ट्रेलिया को अभी प्रतिस्पर्धा नीति के लिए मसौदा पाठ साझा करना है।
95.	प्रतिस्पर्धा नीति एफटीए भागीदारों, भारत की एफटीए प्रथा और चिंताओं आदि की संभावित मांगों को निर्धारित करती है।
96.	जीपी अध्याय में भारत के लिए लाभ और रियायतों पर टिप्पणी।
97.	भारत–कनाडा एफटीए के लिए सीमा कार्बन समायोजन और लैंडिंग जोन पर टिप्पणी।
98.	भारत–कनाडा एफटीए और संभावित लैंडिंग जोन पर ध्यान दें।
99.	अध्याय पाठ में सामाजिक मूल्य मॉडल पर यूके के प्रस्ताव पर टिप्पणी ।
100.	21 अप्रैल 2023 को सरकारी खरीद में बाजार पहुंच प्रस्ताव के लिए भविष्य के आदान–प्रदान के तौर–तरीकों पर ईयू गैर–कागज।
101.	माल के अध्याय में भारत–कनाडा ईपीटीए में व्यापार।
102.	सीमा कार्बन समायोजन (बीसीए) भारत–कनाडा एफटीए।
103.	निवेश उदारीकरण अध्याय (आईएन–एयू एफटीए समझौता)।
104.	अनौपचारिक विवाद निपटान सुधार प्रक्रिया के लिए भारत की टिप्पणियों का बहिष्कार करना।
105.	माल में यूरोपीय संघ–भारत एफटीए व्यापार के चौथे दौर के बाद यूरोपीय संघ के प्रस्तावित पाठ पर मांगे जाने वाले स्पष्टीकरण के लिए मसौदे पर ड्राफ्ट ।
106.	पिलर 2 पाठ (बाली के बाद) पर भारत के टिप्पणियां और अधिकार।
107.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए चर्चा, ऊर्जा और कच्चा माल, बातचीत के पॉइंट्स।
108.	चर्चा स्तंभ II के ऑस्ट्रेलिया सारांश के साथ आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन द्विपक्षीय चर्चा से संबंधित समझौता ।
109.	चर्चा स्तंभ II के यूएसए सारांश के साथ आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन द्विपक्षीय चर्चा से संबंधित समझौता ।
110.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता 17–21 अप्रैल 2023 तक होने वाली है।
111.	ऑस्ट्रेलिया–भारत व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता भारत की घरेलू खेल व्यवस्था और उत्कृष्टता केंद्रों पर ऑस्ट्रेलिया के सवालों पर भारत की प्रतिक्रियाएँ।
112.	भारत–कनाडा प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते (ईपीटीए) वार्ता दौर 7 पर स्थिति रिपोर्ट।
113.	भारत कनाडा ईपीटीए वार्ता कोर और संस्थागत प्रावधान प्रगति रिपोर्ट का 7वाँ दौर।
114.	सातवें दौर के बाद भारत–कनाडा प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते (ईपीटीए) वार्ता में बकाया मुद्दे और लैंडिंग क्षेत्रः मुख्य प्रावधान ट्रैक।
115.	भारत–कनाडा एफटीए पर समेकित संशोधित पाठ–एनटीएमए/वस्तु अध्याय में व्यापार।
116.	भारत पर यूके द्वारा अनुरोधित प्रवर्तन स्पष्टीकरण।
117.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए नवाचार अध्याय पृष्ठभूमि नोटः व्यापार के साथ परस्पर क्रिया।
118.	भारत के अनुरोध पर भारत के पारंपरिक ज्ञान अध्याय के लिए गैर–पेपर पर टिप्पणियाँ – ऑस्ट्रेलिया सीईसीए।

119.	आठवें दौर के बाद भारत से प्रतिक्रिया के लिए यूके एफटीए जीपी यूके प्रश्न।
120.	भारत और यूके के बीच चल रही बातचीत पर व्याख्याकार।
121.	यूके से सामाजिक मूल्य मॉडल पर भारत के अनुरोध पर भारत–यूके एफटीए नोट।
122.	डब्ल्यूटीओ प्रावधानों के साथ भारत–कनाडा एफटीए के माल अध्याय में व्यापार के पाठ की तुलना।
123.	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए के लिए खनन और प्रसंस्करण के क्षेत्र में प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान पृष्ठभूमि।
124.	राउंड 5 के भारत–ईयू एफटीए वार्ता आरओडी के संबंध में विवाद निपटान ट्रैक चर्चा।
125.	आईपीईएफ पिलर II लीगल स्क्रब इंटरसेशन / बैठक के लिए चर्चा का रिकॉर्ड।
126.	अपवाद रिपोर्ट पर यूरोपीय संघ–भारत व्यापार वार्ता सत्र का 5वां दौर।
127.	भारत–कनाडा व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) और प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते पर (ईपीटीए) वार्ता का 8वां दौर।
128.	आपूर्ति श्रृंखला पर आईपीईएफ स्तंभ के लिए सरकार और उद्योग।
129.	सेवाओं में व्यापार पर भारत–यूके एफटीए वार्ता– किसी पार्टी के स्वाभाविक व्यक्ति की परिभाषा–संबंधी।
130.	5वें दौर के दो सत्रों के अंत में भारत–ईयू एफटीए का पारदर्शिता पाठ।
131.	भारत–यूके एफटीए के तहत कराधान लेख अपवाद पर इनपुट मांगा गया।
132.	डेट्रॉइट के लिए आईपीईएफ वक्तव्य पर ड्राफ्ट – स्तंभ II ।
133.	भारत कनाडा ईपीटीए वार्ता पर विवाद निपटान प्रगति रिपोर्ट का 7वाँ दौर।
134.	भारत–कनाडा ईपीटीए वार्ता का 7वाँ दौर।
135.	7वें दौर के बाद भारत–कनाडा प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौते (ईपीटीए) की बातचीत के बकाया मुद्दे : विवाद निपटान ट्रैक।
136.	आईपीईएफ स्तंभ II में कानूनी और संस्थागत प्रावधानों के लिए आयोजित अंतर सत्रों की चर्चा का रिकॉर्ड।
137.	विवाद निपटान पाठ के लिए R9 के पहले दिन की चर्चा का सारांश।
138.	मुख्य प्रावधान पाठ के लिए R9 के पहले दिन की चर्चा का सारांश।
139.	आईपीईएफ स्तंभ II पाठ के कानूनी और संस्थागत प्रावधानों पर टिप्पणियाँ।
140.	भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता विवाद निपटान ट्रैक चर्चा का सारांश।
141.	भारत–ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता विवाद मुख्य प्रावधान चर्चा का ट्रैक।
142.	भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते का मसौदा दिशानिर्देश।
143.	स्तंभ II संशोधित श्रम–संबंधित प्रावधान (सिंगापुर दौर के बाद)।
144.	आईपीईएफ स्तंभ– II, III और IV में श्रम संबंधी प्रावधान।
145.	स्तंभ II के हटा दिए गए पाठ के लिए पीएमओ इनपुट।
146.	सीआईआई के सामने प्रस्तुत करने के लिए पीपीटी – आईपीईएफ स्तंभ II।
147.	आईपीईएफ स्तंभ II पर टिप्पणियाँ – समेकित।
148.	सीएस बैठक आईपीईएफ स्तंभ II पर ड्राफ्ट पीपीटी।
149.	कानूनी एवं संस्थागत प्रावधान, स्तंभ II पाठ, आईपीईएफ पर टिप्पणियाँ।
150.	आईपीईएफ स्तंभ II : ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय चर्चाओं का रिकॉर्ड।
151.	आईपीईएफ स्तंभ II : संयुक्त राज्य अमरीका के साथ द्विपक्षीय चर्चाओं का रिकॉर्ड।
152.	गुड्स चौप्टर–इंडिया–ईयू मार्कअप ऑन एक्सेप्शन में चौथे दौर के बाद ईयू के प्रस्तावित पाठ पर मांगे जाने वाले स्पष्टीकरण के लिए मुददे के ड्राफ्ट।
153.	भारत–ऑस्ट्रेलिया गुड्स ट्रैक के लिए चर्चा का रिकॉर्ड– पहला दिन।
154.	भारत–ऑस्ट्रेलिया गुड्स ट्रैक के लिए चर्चा का रिकॉर्ड– दिन 2।
155.	आईपीईएफ स्तंभ II अंतिम पाठ पर भारत का इनपुट – पोस्ट–डेट्रॉइट कानूनी स्क्रब।
156.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता के खेल सहयोग और माल व्यापार अध्याय के क्रॉस–कटिंग मुद्दों पर टिप्पणी ।

157.	स्तंभ IV के लिए तुलनात्मक तालिका जिसमें मूल पाठ और अद्यतन पाठ शामिल है– आपके संदर्भ के लिए सिंगापुर पाठ ।
158.	सीटीआईएल नोट सभी लाइव एफटीए वार्ताओं के प्रतियोगिता ट्रैक में ट्रैक संरचना और स्थिति को रेखांकित करता है।
159.	भारत–यूके एफटीए में प्रतिस्पर्धा नीति पर अध्याय का समापन। कृपया ध्यान दें कि अध्याय को सुझावों से चिह्नित किया गया है। हमें अभी तक अध्याय का अंतिम, साफ–सुथरा संस्करण प्राप्त नहीं हुआ है।
160.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए में प्रतिस्पर्धा–विरोधी आचरण, विलय नियंत्रण और सब्सिडी पर अध्याय का समापन। कृपया ध्यान दें कि, अपने वर्तमान स्वरूप में, इसे सब्सिडी अनुभाग के साथ जोड़ा गया है।
161.	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ता में प्रतिस्पर्धा ट्रैक पर तीन संयुक्त रिपोर्टें।
162.	प्रतिस्पर्धा नीति पर सीसीआई बेस पेपर।
163.	भारत–श्रीलंका ईटीसीए माल व्यापार के लिए माल व्यापार अध्याय का मॉडल पाठ।
164.	दौरों के दौरान भारत द्वारा प्रस्तावित वैकल्पिक पाठ।
165.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए में 5 वें दौर के लिए लैंडिंग जोनः माल ट्रैक।
166.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के लिए चर्चा का रिकॉर्डः रक्षा व्यापार में सहयोग।
167.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता महत्वपूर्ण खनिज रिपोर्ट का पहला दौर, संयुक्त रिपोर्ट और अनुवर्ती।
168.	डीएस रिफॉर्म पर टिप्पणियाँ – क्लस्टर 2/4 येलो बॉक्सः संक्षिप्त और समेकित।
169.	ईयू–भारत एफटीएः ईआरएम पर एक अध्याय की आवश्यकता।
170.	भारत – ऑस्ट्रेलिया सीईसीए – महत्वपूर्ण खनिज ट्रैक खोजपूर्ण वार्ता/चर्चा का सारांश।
171.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के महत्वपूर्ण खनिज ट्रैक के विभिन्न तत्वों पर हितधारकों की बातचीत।
172.	प्रतिस्पर्धा नीति पर ऑस्ट्रेलिया–यूके एफटीए अध्याय।
173.	आरओपी का दूसरा और तीसरा फुटनोट– भारत यूके एफटीए ।
174.	भारत के एफटीए में सहमति से तय की गई समयसीमा के साथ तुलनात्मक तालिका।
175.	विवाद निपटान पाठ के लिए R9 के तीसरे दिन की चर्चा का सारांश।
176.	मध्यस्थीकरण पर आधारित अद्यतन पाठ (कक्ष दस्तावेज)।
177.	एजेंडा पर की गई टिप्पणियों पर सीटीआईएल की टिप्पणियाँ, अमरीका–भारत व्यापार नीति फोरम (टीपीएफ)।
178.	श्रम प्रावधानों पर तुलनात्मक तालिका स्तंभ IV।
179.	ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रस्तावित भारत – ऑस्ट्रेलिया सीईसीए सरकारी खरीद मानचित्रण का पाठ, भारत – यूके एफटीए पाठ, भारत – ईयू एफटीए पाठ, ऑस्ट्रेलिया – पेरू एफटीए पाठ और डब्ल्यूटीओ जीपीए।
180.	भारत में माल व्यापार (गैर–कृषि उत्पादों में व्यापार और कृषि उत्पादों में व्यापार अध्याय) के अध्याय का हिस्सा बनने वाले व्यापार उपचार उपायों से संबंधित प्रावधानों पर टिप्पणियाँ – यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) एफटीए वार्ता।
181.	भारत में माल व्यापार (गैर–कृषि उत्पादों में व्यापार और कृषि उत्पादों में व्यापार अध्याय) के अध्याय पर टिप्पणियाँ – यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) एफटीए वार्ता।
182.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता के खेल में सहयोग और माल व्यापार अध्याय के क्रॉस–कटिंग मुद्दों पर टिप्पणियां।
183.	द्विपक्षीय माल व्यापार सांख्यिकी पर कनाडा–भारत संयुक्त कार्य समूह की कार्य योजना पर राय।
184.	भारत–कनाडा सहमत पाठ।
185.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए के लिए लैंडिंग जोन।
186.	अनुच्छेद X.9/11 पैराग्राफ (4) पर टिप्पणियाँ/विकल्प – भारत–कनाडा एफटीए के माल व्यापार अध्याय के आयात और निर्यात प्रतिबंध।
187.	भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापार रक्षा सहयोग के लिए चर्चा का रिकॉर्ड।
188.	माननीय प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में भारत–यूके एफटीए।
189.	भारत यूके एफटीएः कोर प्रावधान ट्रैक, 10वें दौर की वार्ता के बाद कोर और संस्थागत समूह की प्रगति।

190.	भारत–ईयू एफटीए के अपवाद अध्याय पर मांगे गए इनपुट ।
191.	भारत–ऑस्ट्रेलिया वार्ता तीसरा दौर : माल ट्रैक (वर्चुअल मोड) चर्चा का रिकॉर्ड – सत्र 2।
192.	भारत–ऑस्ट्रेलिया वार्ता तीसरा दौर : माल ट्रैक (वर्चुअल मोड) चर्चा का रिकॉर्ड – सत्र 1।
193.	भारत–यूके एफटीए के अंतर्गत मुख्य प्रावधानों पर सीएन रिपोर्ट का मसौदा।
194.	भारत–यूके एफटीए के अंतर्गत विवाद निपटान पर सीएन रिपोर्ट का मसौदा।
195.	संयुक्त अनुच्छेद 16–18 के मसौदे पर टिप्पणियां।
196.	भारत–यूके एफटीए – मुख्य प्रावधानों पर मध्यस्थता।
197.	आईएन–सीए ईपीटीए की प्रस्तावना पर संक्षिप्त टिप्पणी।
198.	इन–सीए ईपीटीए के आरंभिक प्रावधानों और सामान्य परिभाषाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी।
199.	आईएन –सीए ईपीटीए के अपवादों पर संक्षिप्त टिप्पणी।
200.	आईएन –सीए ईपीटीए के अंतिम प्रावधानों पर संक्षिप्त टिप्पणी।
201.	भारत–यूके एफटीए विवाद निपटान आरओपी पर टिप्पणियाँ।
202.	आईएन –सीए ईपीटीए के लिए प्रस्तावना पर व्याख्यात्मक नोट।
203.	आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन से संबंधित : इंडो–पैसिफिक आर्थिक ढांचे का स्तंभ II।
204.	कानूनी और संस्थागत प्रावधान (सीएन–स्तरीय चर्चा के मुददे) आईपीईएफ स्तंभ II।
205.	सीएन–स्तरीय द्विपक्षीय डब्ल्यू/वीएन आईपीईएफ स्तंभ II।
206.	कानूनी और संस्थागत प्रावधानों का आरओडी सम्मिलित करता है– आईपीईएफ स्तंभ II।
207.	भारत–ईयू एफटीए वार्ता, प्रक्रियाओं के नियम और चौथे दौर से पहले की आचार संहिता ।
208.	भारत में माल व्यापार (गैर–कृषि उत्पादों में व्यापार और कृषि उत्पादों में व्यापार अध्याय) के अध्याय पर टिप्पणियाँ – यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ की (ईएफटीए) एफटीए वार्ता।
209.	भारत में कृषि उत्पादों के व्यापार अध्याय के अध्याय का हिस्सा बनने वाले द्विपक्षीय कृषि सुरक्षा उपायों पर टिप्पणियाँ – यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) की एफटीए वार्ता।
210.	यूके–भारत सामान्य प्रावधान और 10वें दौर के अपवाद ।
211.	यूके–भारत प्रशासनिक और संस्थागत प्रावधान 10 वां दौर।
212.	सेवाओं में व्यापार के संबंध में पाठ्य मुद्दे: भारत कनाडा ईपीटीए।
213.	कोई नहीं। जहां तक डब्ल्यूटीओ प्रस्तुतियों का सवाल है, आप ''एसपीएस घोषणा पर विषयगत समूहों के लिए भारत की प्रस्तुतियों का मसौदा तैयार करने'' का उल्लेख कर सकते हैं।
214.	एफटीए प्रारूपण भी शामिल है, आप ''यूरोपीय संघ, ईएफटीए, पेरू, श्रीलंका और ओमान के साथ भारत की एफटीए वार्ता के लिए एसपीएस अध्याय के पाठ का मसौदा तैयार करने'' का उल्लेख कर सकते हैं।
215.	यूरोपीय संघ के साथ भारत के एफटीए के लिए एसएफएस अध्याय के पाठ का मसौदा तैयार करना''।
216.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के लिए ''कृषि और पशुपालन प्रौद्योगिकी/कृषि और खाद्य सहयोग'' अध्याय का मसौदा तैयार करना।
217.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए में ऑस्ट्रेलिया की प्रतिस्पर्धा नीति और उपभोक्ता संरक्षण अध्याय पर इनपुट।
218.	टीकेजीआर अध्याय के अंतर्गत भारत के सम्मिलित होने पर टिप्पणियाँ।
219.	ऑस्ट्रेलिया–भारत व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता – पारंपरिक ज्ञान।
220.	भारत– ऑस्ट्रेलिया सीईसीए	नवाचार अध्याय– चौथे दौर के बाद एक्शन पॉइंट्स पर प्रतिक्रिया।
221.	भारत का पहला बाजार पहुंच प्रस्ताव का मसौदा – जीपी अध्याय – भारत – ईयू एफटीए।
222.	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए में सरकारी खरीद अध्याय।
223.	भारत के लिए भारत के बाजार पहुंच प्रस्ताव में संशोधन – ईयू एफटीए।
224.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए जीपी अध्याय पर विदेश मंत्रालय द्वारा उठाए गए प्रश्नों के उत्तरों की जांच।
225.	ऑस्ट्रेलियाई खरीद नीतियों पर नोट।
226.	अनुच्छेद [XX], 'आगे की बातचीत' भारत–यूके एफटीए के उपयोग में लाने पर नोट्स।

227.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के 5 वें दौर के अंतर्गत खेल सहयोग पर अध्याय के लिए पाठ्य प्रस्ताव।
228.	स्तंभ IV में 'घरेलू और विदेशी' रिश्वतखोरी के प्रस्तावना संदर्भ का विश्लेषण।
229.	भारत के विलयित पाठ प्रस्ताव पर ईएफटीए की प्रतिक्रिया पर टिप्पणियाँ।
230.	भारत–यूएई सीईपीए और भारत–ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए में माल व्यापार की तुलना।
231.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के लिए माल व्यापार अध्याय के वास्ते डेटा विनियम का प्रस्ताव।
232.	ऑस्ट्रेलिया–भारत सीईसीए वार्ता के पांचवें दौर के दौरान माल व्यापार पर चर्चा का रिकॉर्ड।
233.	ईएफटीए–भारत एफटीएः माल व्यापार अध्याय के तहत सीमा शुल्क पर लेख में वैकल्पिक भाषा।
234.	दूसरे दौर के लिए माल के व्यापार पर भारत–ईएफटीए टीईपीए वार्ता अध्याय का सारांश।
235.	दूसरे दौर के लिए भारत–ईएफटीए टीआईजी_ट्रैक पर टिप्पणियाँ।
236.	एआई–सीईसीए प्रारूपण दिशानिर्देश – एयू एट्रिब्यूशन पोस्ट राउंड 3 पर टिप्पणियां।
237.	प्रस्तावना गायन पर पर्यावरण ट्रैक की टिप्पणियाँ।
238.	प्रस्तावना गायन पर लेबर ट्रैक की टिप्पणियाँ।
239.	प्रस्तावना गायन पर लिंग ट्रैक द्वारा टिप्पणियाँ।
240.	प्रस्तावना, प्रारंभिक प्रावधानों और सामान्य परिभाषाओं पर आईपीआर ट्रैक द्वारा टिप्पणियाँ।
241.	आरंभिक प्रावधानों और सामान्य परिभाषाओं पर जीपी ट्रैक द्वारा टिप्पणियाँ।
242.	प्रस्तावना, प्रारंभिक प्रावधानों और सामान्य परिभाषाओं पर एसपीएस और टीबीटी ट्रैक की टिप्पणियाँ।
243.	प्रारंभिक प्रावधानों और सामान्य परिभाषाओं पर उत्पत्ति नियमों के ट्रैक द्वारा टिप्पणियाँ.
244.	प्रारंभिक प्रावधानों पर सीमा शुल्क प्रक्रियाओं और व्यापार सुविधा (सीटीएफ) ट्रैक द्वारा टिप्पणियाँ।
245.	प्रारंभिक अध्याय में 'राष्ट्रीय' और 'सरकार के क्षेत्रीय स्तर' की परिभाषा पर टिप्पणियाँ।
246.	आईपीईएफ स्तंभ II कानूनी समीक्षा की चर्चाओं का सारांश।
247.	आईपीईएफ स्तंभ II कानूनी समीक्षा की चर्चाओं का रिकॉर्ड।
248.	डेट्रॉइट के बीच स्तंभ II का तुलनात्मक पाठ।
249.	डब्ल्यूटीओ डीजी के सलाहकार समूहों पर भारत से ड्राफ्ट पेपर।
250.	परिवर्तनों और प्रभाव की प्रकृति को स्पष्ट करते हुए बुसान में स्तंभ II पाठ की कानूनी समीक्षा/स्क्रब के दौरान किए गए परिवर्तनों पर टिप्पणियां।
251.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता के कृषि और पशुपालन अध्याय पर विवाद निपटान तंत्र की प्रयोज्यता पर ड्राफ्ट।
252.	भारत–ऑस्ट्रेलिया वार्ता दौर 4 के लिए चर्चा का रिकॉर्डः माल ट्रैक में व्यापार का सत्र।
253.	भारत–ऑस्ट्रेलिया वार्ता दौर 4 के लिए चर्चा का रिकॉर्डः माल व्यापार और कृषि एवं पशुपालन प्रौद्योगिकी ट्रैक का संयुक्त सत्र।
254.	भारत–कनाडा एफटीए के तहत सीटीएफ अध्याय में बकाया मुद्दों पर इनपुट।
255.	सीए–इन ईपीटीए सीटीएफः माल के सीमा शुल्क का मूल्यांकन – कनाडा के प्रस्ताव का स्पष्टीकरण।
256.	ऑस्ट्रेलिया में प्रतिस्पर्धा संरक्षण अध्याय के लिए भाषा विकल्पों के साथ सीटीआईएल नोट।
257.	कानूनी और संस्थागत प्रावधान ट्रैक की चर्चाओं का रिकॉर्ड (9वां दौर)।
258.	माल व्यापार के लिए लैंडिंग क्षेत्र और विकल्प अध्याय | यूरोपीय संघ–भारत एफटीए।
259.	ईएफटीए के मुक्त व्यापार समझौतों पर माल व्यापार अध्याय के चुनिंदा प्रावधानों की तुलना।
260.	यूरोपीय संघ एफटीए में ऊर्जा और कच्चे माल अध्याय के प्रावधानों का मानचित्रण।
261.	सामंजस्यपूर्ण कमोडिटी विवरण और कोडिंग प्रणाली पर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन के प्रयोजन के लिए 'व्याख्यात्मक नोट्स' और 'कानूनी नोट्स' शब्दों पर टिप्पणियाँ।
262.	भारत–ईयू एफटीए के लिए मूल्यांकन के मुद्दों पर हितधारकों (एफएसएसएआई और भारतीय मेट्रोलॉजी विभाग) के साथ परामर्श करने के लिए ड्राफ्ट की तैयारी।

263.	औपचारिकताओं और शुल्क औपचारिकताओं, मरम्मत किए गए सामान, सीमा शुल्क मूल्यांकन और आयात–निर्यात प्रतिबंधों में पीएसआई के भारत–ईयू एफटीए में हितधारकों (सीबीआईसी) के साथ परामर्श करने के लिए लिए ड्राफ्ट की तैयारी।
264.	आईपीईएफ पिलर II के सारणीबद्ध प्रारूप वाले पाठ के पूर्व–स्क्रब संस्करण में किए गए परिवर्तनों पर टिप्पणी करें, साथ ही यह भी बताएं कि क्या परिवर्तनों से प्रभाव पड़ेगा।
265.	आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन समझौते के पाठ की लीगल स्क्रब से पहले और उसके बाद में तुलना और लीगल स्क्रब के दौरान किए गए परिवर्तनों का विश्लेषण।
266.	आईएन–यूके एफटीए में स्थिरता उपसमिति में पर्यावरण और श्रम अध्याय से कुछ तत्वों को शामिल करने के संबंध में सुझाव।
267.	नोट जिसमें पादपस्वच्छता उपायों पर एक लेख और सहकारी तकनीकी परामर्श पर एक अन्य लेख शामिल है।
268.	भारतीय एसपीएस निर्यातों के अन्य देशों में सामने आने वाली गैर–टैरिफ बाधाओं पर नोट।
269.	टीबीटी के तहत उत्पादों में भारतीय निर्यातकों द्वारा सामना किए जाने वाले एनटीबी पर नोट।
270.	भारत के व्यापार समझौतों के अंतर्गत टैरिफ रियायतों का मानचित्रण।
271.	चल रहे एफटीए के अनुच्छेद 1 के अंतर्गत ''लागू कानूनी बचाव'' का अर्थ।
272.	सीएन के लिए प्रस्तावित द्विपक्षीय वार्ता बिंदु और स्तंभ IV के लिए द्विपक्षीय मुद्दे।
273.	लैंडिंग जोन के लिए इनपुट और आईएनडी–ईयू जीआई समझौते के लिए कार्य दस्तावेज का विश्लेषण।
274.	यूरोपीय संघ – भारत – यूरोपीय संघ एफटीए के लिए भारत के एमए प्रस्ताव पर नोट।
275.	भारत–ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए और भारत–यूएई सीईसीए के साथ माल व्यापार में व्यापार की तुलना।
276.	ईयू–वनों की कटाई कानून पर टिप्पणी ।
277.	भारत के एफटीए के लिए संदर्भ की शर्तों में प्रस्तावित संशोधन।
278.	भारत–ऑस्ट्रेलिया माल ट्रैक – चर्चा के रिकॉर्ड की तैयारी ।
279.	भारत व्यापार ट्रैक – ईएफटीए के लिए चर्चा के रिकॉर्ड की तैयारी।
280.	प्रदर्शन आवश्यकताओं पर अध्ययन – क्षैतिज अनुभाग।
281.	प्रदर्शन आवश्यकताओं पर अध्ययन – क्षैतिज खंड–भाग 2।
282.	टैरिफ रियायत का मानचित्रण।
283.	भारत–यूरोपीय संघ वार्ता, के लिए लैंडिंग जोन– माल ट्रैक।
284.	ईएफटीए के लिए माल में व्यापार पर टिप्पणियाँ।
285.	भारत में सीमा शुल्क के लिए वैकल्पिक भाषा–ईएफटीए एफटीए।
286.	ईएफटीए दौर के लिए चर्चा का रिकॉर्ड – माल व्यापार।
287.	चल रही भारत–यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता के तहत ईआरएम अध्याय पर सीटीआईएल की पावरपॉइंट प्रस्तुति।
288.	नवीनतम डिजिटल अर्थव्यवस्था अध्याय पर आईपीईएफ व्यापार स्तंभ विशेषताएँ अनुरोध पर एमईआईटीवाई टिप्पणियों का विश्लेषण।
289.	सीटीएफ टेक्स्ट पोस्ट चर्चा को सीबीआईसी के साथ साझा किया जाएगा।
290.	इंडो–पैसिफिक आर्थिक ढाँचा (आईपीईएफ) व्यापार स्तंभ वार्ता, अच्छे नियामक व्यवहारों पर बातचीत।
291.	पर्यावरण और श्रम अध्यायों में भारत की रुचि से संबंधित भारत –यूके एफटीए।
292.	भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की आचार संहिता और प्रक्रिया के नियमों में 'इच्छा' और 'करेगा' के उपयोग के कानूनी निहितार्थ पर टिप्पणियाँ।
293.	विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत अनुमत निर्यात प्रतिबंधों और निषेधों पर नोट।
294.	भारत–यूके एफटीए अध्यायों के कानूनी स्क्रब की स्थिति के संबंध में यूके पक्ष के साथ कानूनी स्क्रब बैठक का आरओडी।
295.	भारत–ईयू एफटीए में सेवा ट्रैक द्वारा पूछे गए प्रश्नों पर इनपुट।
296.	सेवा डेस्क यूरोपीय संघ की सब्सिडी पर इनपुट ।

297.	डीएसएम सुधार तालिका पर इनपुट।
298.	येलो टेबल और डीएसएम सुधार पर काम किया।
299.	डब्ल्यूटीओ में भारतीय विवादों पर डीएसएम सुधार तालिका।
300.	एमपीआईए पर संकल्पना नोट।
301.	विवाद निपटान तंत्र और एमएएस।
302.	विवाद प्रक्रिया में अफ्रीकी देशों के हितों पर नोट।
303.	डब्ल्यूजीटीआई की 22वीं आईओआरए बैठक पर नोट।
304.	पीपीआर– निवेश उदारीकरण – सेवा व्यापार से संबंधित उपायों का मूल्यांकन।
305.	"स्थायी विकास और आर्थिक विविधीकरण को बढ़ावा देने वाले विकास के लिए सेवा व्यापार'' पर डब्ल्यूटीओ रिपोर्ट पर तैयार नोट।
306.	आरसीईपी में बांग्लादेश के शामिल होने पर नोट।
307.	प्रदर्शन आवश्यकताओं पर अध्ययन – पर्यटन और यात्रा संबंधी, मनोरंजक, सांस्कृतिक और खेल सेवाएँ एवं परिवहन सेवाएँ।
308.	प्रदर्शन आवश्यकताओं – व्यवसाय, संचार, निर्माण और संबंधित इंजीनियरिंग और वितरण सेवाओं पर अध्ययन ।
309.	भारत, कनाडा और अन्य हालिया एफटीए के अंतर्गत निगमन प्रावधान।
310.	आईपीईएफ ट्रेड पिलर टेक्स्ट पर एट्रिब्यूशनः कृषि अध्याय।
311.	समेकित शून्य ड्राफ्ट पर टिप्पणियाँ – डीएस सुधार।
312.	प्रदर्शन आवश्यकताओं – शैक्षिक सेवाओं, पर्यावरण सेवाओं, वित्तीय सेवाओं और स्वास्थ्य और संबंधित सेवाओं पर अध्ययन ।
313.	अमेरिका में जीपी शासन पर एक संक्षिप्त नोट।
314.	चर्चा का सारांश – आईपीईएफ स्तंभ II कानूनी स्क्रब अंतर्सत्रीय बैठक।
315.	भारत–यूके एफटीए में जीपी अध्याय के लिए कार्यान्वयन योजना पर नोट।
316.	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए में सरकारी खरीद अध्याय के लिए बाजार पहुंच प्रस्ताव का पहला ड्राफ्ट।
317.	ऑस्ट्रेलिया में सरकारी खरीद नीतियों पर नोट।
318.	संयुक्त राज्य अमरीका में सरकारी खरीद की कानूनी व्यवस्था पर पीपीटी।
319.	अमरीकी सरकारी खरीद व्यवस्था पर हितधारकों के लिए पीपीटी।
320.	डब्ल्यू–120 के अंतर्गत पहले चार सेवा क्षेत्रों को पीपीआर अध्ययन में शामिल किया गया।
321.	ड्राफ्ट महत्वपूर्ण खनीज अध्याय पर पावरपॉइंट प्रस्तुति।
322.	भारत–यूके जीपी पर आगे की बातचीत के लिए ड्राफ्ट काउंटर प्रस्ताव की तैयारी।
323.	भारत–पेरू व्यापार समझौते के नामकरण पर ड्राफ्ट नोट।
324.	राज्य स्तरीय कार्वआउट पर गैर–कागजऋभारत गैर–कागज।
325.	आरवीसी क्लीन टेक पर ईयू भारत टीटीसी गैर कागज _ यूरोपीय संघ के लिए भारत का प्रस्ताव।
326.	ईयू–भारत ड्राफ्ट एसपीएस अध्याय पर सीटीआईएल का अतिरिक्त और वैकल्पिक पाठ प्रस्ताव।
327.	कृषि और खाद्य मूल्य श्रृंखला पर कार्य समूह के 3–गैर–कागज।
328.	टीटीसी के अंतर्गत भारत के लिए लचीली मूल्य श्रृंखलाओं के गैर–कागज मसौदे पर टिप्पणियाँ।
329.	एयरग्राम डब्ल्यूटीओ/एआईआर/जीसी/50 में निहित एजेंडा आइटम पर इनपुट।
330.	प्रदर्शन आवश्यकताओं – व्यवसाय, संचार, निर्माण और संबंधित इंजीनियरिंग और वितरण सेवाओं पर अध्ययन।
331.	जीपी अध्याय भारत–यूके एफटीए के लिए कार्यान्वयन योजना पर नोट।
332.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए, महत्वपूर्ण खनिजों के लिए खोजपूर्ण चर्चा।

333.	भारत – ऑस्ट्रेलिया सीईसीए – महत्वपूर्ण खनिज ट्रैक खोजपूर्ण वार्ताः चर्चा का सारांश।
334.	आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर कानूनी समीक्षा पाठ पर सीटीआईएल टिप्पणी।
335.	अनुच्छेद [XX] पर भारत के प्रति–प्रस्ताव का सीटीआईएल के ड्राफ्ट को तैयार करना।
336.	निवेश उदारीकरण अनुभाग में प्रदर्शन आवश्यकताओं पर स्पष्टीकरण।
337.	भारत के एमए शेड्यूल पर यूके के तकनीकी प्रश्नों की तैयारी।
338.	भारत–कनाडा सीईपीए के अंतर्गत संस्थागत प्रावधानों और संबंधित अध्यायों में सेवा व्यापार से संबंधित पहलुओं पर अध्याय का विश्लेषण।
339.	तैयार अनुबंध – एएलटी व्यावसायिक मानक प्रस्ताव।
340.	प्रदान की गई "व्यक्ति" की परिभाषा – ''स्थायी निवासी'' का समावेश।
341.	परिवर्तित आईएईसीटीए और संशोधित अनुसूचियां तैयार की गई।
342.	विमानन पर साइड लेटर तैयार।
343.	मोस्ट–फेवर्ड–नेशन ट्रीटमेंट सेक्टोरल कवरेज की तैयारी (भारत द्वारा यूके को पेश की जाएगी)।
344.	भारत–यूके एफटीए– गतिशीलता – दूसरा संशोधित प्रस्ताव।
345.	टीआईएस अध्याय का भारत–यूके एफटीए अनुबंध।
346.	भारत के एफएस हेडनोट्स के लिए यूके के संशोधित प्रस्तावों पर टिप्पणी ।
347.	यूके के लिए सेवाओं में भारत की संशोधित पेशकश पर संशोधन।
348.	भारत–यूके एफटीए टेलीकॉम अध्याय के संदर्भ में परीक्षण की आवश्यकता पर नोट।
349.	यूके के मोड 4 प्रतिबद्धताओं की एफटीए में तुलना।
350.	यूके मोड 4 क्षैतिज सीमा।
351.	2020 के डीपीआईआईटी प्रेस नोट 3 की रौशनी में एफडीआई नीति में हुए संशोधन पर टिप्पणियाँ।
352.	भारत के मार्केट एक्सेस ऑफर (वितरण सेवाओं) में मोड 3 की सीमाओं पर नोट।
353.	समुद्री तोड़फोड़ पर नोट।
354.	भारत–ईयू एफटीए के विभिन्न अध्यायों के तहत भुगतान और हस्तांतरण के तहत प्रावधानों की संभावित नियुक्ति पर टिप्पणियाँ।
355.	आईपीईएफ स्तंभ IV के अनुच्छेद 14 के लिए वैकल्पिक भाषा प्रस्ताव।
356.	संकट और महामारी के दौर में रणनीतिक वस्तुओं की आपूर्ति पर समझौता।
357.	आईपीईएफ स्तंभ III के पीपी1 से श्दीर्घकालिक लक्ष्यों सहितश को हटाने पर राय।
358.	फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड एंड) इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (FAME 2.0) योजना की डब्ल्यूटीओ अनुकूलता पर राय।
359.	यूरोपीय संघ–भारत एफटीए के अंतर्गत अपवाद अध्याय के छठे दौर के लिए टिप्पणी।
360.	भारत–यूके एफटीए में सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र उपचार खंड का विश्लेषण।
361.	इनपुट के लिए सेवा ट्रैक का ईमेल ड्राफ्ट।
362.	आईपीईएफ स्तंभ IV पोस्ट–बैंकॉक समेकित पाठ पर टिप्पणियाँ।
363.	इंटरसेशनल पोस्ट–बैंकॉक पर नोट।
364.	इनपुट के लिए आईपीआर ट्रैक पर ईमेल ड्राफ्ट।
365.	इंडो–पैसिफिक आर्थिक ढांचे के लिए आईपीईएफ आर्किट्रेव वार्ता (व्यापक संरचना) टेक्स्ट पर सीटीआईएल के इनपुट।
366.	आपके अवलोकन के लिए एक स्वच्छ संस्करण और ट्रैक परिवर्तन में श्रीलंका एफटीए के लिए आरओओ का मसौदा पाठ।
367.	अपवाद अध्याय के परिप्रेक्ष्य से भारत–ईयू एफटीए के विभिन्न अध्यायों के तहत पूंजी भुगतान से संबंधित प्रावधानों पर टिप्पणियाँ।
368.	भारत के लिए पूर्ण रेडलाइन पर नोट | माल व्यापार अध्याय – ईयू–भारत एफटीए।

369.	स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र / नेट जीरो उद्योगों में लचीली मूल्य श्रृंखला पर भारत के ड्राफ्ट नॉन–पेपर पर टिप्पणियाँ।
370.	चर्चा के आधार पर अंतिम प्रावधान अध्याय में संशोधन।
371.	कुआलालंपुर में समन्वय समिति समझौते पर चर्चा के लिए कार्य पाठ।
372.	भारत–पेरू व्यापार समझौते के लिए एनटीएमए पाठ पर इनपुट।
373.	भारत–यूके एफटीए पाठ के मसौदे के तहत ''आर्थिक प्रतिबंधों'' से संबंधित प्रावधानों पर टिप्पणियाँ।
374.	भारत–श्रीलंका आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते की प्रस्तावना और सामान्य प्रावधानों पर टिप्पणियाँ।
375.	भारत–ओमान एफटीए के तहत अनुच्छेद [आईपीजीडी]-6 (पारदर्शिता) के पैराग्राफ 1 के लिए संशोधित फॉर्मूलेशन पर टिप्पणियाँ।
376.	भारत–ब्रिटेन व्यापार वार्ता के संदर्भ में कार्बन मूल्य निर्धारण संबंधी उपायों के बहिष्कार पर भाषा के संबंध में राय।
377.	भारत–ओमान एफटीए विवाद निपटान अध्याय पाठ पर इनपुट।
378.	मूल / कानूनी प्रावधान अध्यायों पर इनपुट (प्रस्तावना, प्रारंभिक प्रावधान और सामान्य परिभाषाएँ, अपवाद, समझौते का प्रशासन और अंतिम प्रावधान)।
379.	भारत–पेरू एफटीए के लिए मुख्य और संस्थागत प्रावधानों पर प्रारंभिक टिप्पणियाँ।
380.	विवाद निपटान_5वें दौर के पाठ के मुद्दों से संबंधित डीएस अध्याय पर टिप्पणियाँ।
381.	भारत–यूके एफटीए – नवाचार अध्याय– भारत कानूनी स्क्रब पर टिप्पणियाँ।
382.	सीएस के लिए महत्वपूर्ण रूप से संपन्न आईपीईएफ आर्किट्रैव समझौते पर ड्राफ्ट पीपीटी।
383.	रूसी राष्ट्रपति पद के दौरान ब्रिक्स सीजीईटीआई के प्रस्तावित एजेंडे पर टिप्पणियाँ।
384.	एचसीआईएम और पीएमओ के लिए महत्वपूर्ण रूप से संपन्न आईपीईएफ आर्किट्रैव समझौते पर ड्राफ्ट इनपुट।
385.	चिली के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर बातचीत के लिए गैर–कागज ड्राफ्ट पर इनपुट।
386.	जी–77 परिणाम दस्तावेज तीसरे दक्षिण शिखर सम्मेलन पर टिप्पणियाँ।
387.	अनुच्छेद X-11–आयात और निर्यात प्रतिबंध पर यूरोपीय संघ के प्रस्ताव के संबंध में भारत की चिंताओं पर नोट।
388.	बजट, वित्त और प्रशासन समिति में चर्चा किए गए मुद्दों पर भारत के लिए आगे बढ़ने के निर्देश।
389.	बजट, वित्त और प्रशासन समिति में चर्चा किए जा रहे मुद्दों पर राय।
390.	मत्स्य पालन सब्सिडी समझौता – ओसीओएफ पर विषयों का कानूनी रूप।
391.	इसमें पाठ्य विशेषताएँ शामिल हैं।
392.	इसमें सारांश और अन्य संबंधित जानकारी शामिल है।
393.	भारत–ओमान एफटीए का विवाद निपटान अध्याय।
394.	भारत के घरेलू कानून के विरुद्ध अनिवार्य दायित्वों का मानचित्रण।
395.	मुकदमेबाजी की लागत पर पृष्ठभूमि नोट पर इनपुट।
396.	मुकदमेबाजी की लागत पर मसौदा अवधारणा पत्र।
397.	समेकित इनपुट एमओपीएनजी।
398.	ईआरएम पर ईयू से प्रश्नों के उत्तर।
399.	भारत–ईयू एफटीएरू संयुक्त रिपोर्ट और ट्रैक लीड्स रिपोर्ट–ईआरएम –आर1।
400.	ऊर्जा और कच्चे माल आर–6 पर भारत–यूरोपीय संघ एफटीए चर्चा ट्रैक।
401.	संयुक्त रिपोर्ट और अनुवर्ती –ईयू–भारत एफटीए छठा दौर।
402.	भारत और चिली के बीच एक व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते की बातचीत के लिए संदर्भ की शर्तों पर ड्राफ्ट।
403.	भारत और श्रीलंका में आयात के दौरान लगाए जाने वाले शुल्क।

404.	भारत–पेरू माल पाठ पर टिप्पणियाँ।
405.	एफटीए वार्ता के लिए महत्वपूर्ण खनिजों पर भारत के मॉडल अध्याय पाठ के लिए भाषा विकल्पों पर राय।
406.	महत्वपूर्ण कच्चे माल क्लब पर संयुक्त वक्तव्य के ड्राफ्ट पर इनपुट।
407.	अनुक्रमण प्रस्तावों के सारांश पर राय।
408.	महत्वपूर्ण कच्चा माल क्लब के संबंध में यूरोपीय संघ की प्रस्तावित कार्य योजना और संयुक्त वक्तव्य पर प्रारंभिक इनपुट।
409.	भारत के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत के लिए चिली द्वारा साझा की गई संदर्भ शर्तों के ड्राफ्ट पर इनपुट।
410.	ड्राफ्ट डिजिटल प्रतिस्पर्धा विधेयक की डब्ल्यूटीओ स्थिरता पर प्रारंभिक इनपुट।
411.	एसएएसईसी ढांचे के तहत आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर नोट और एसएएसईसी क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत के परिप्रेक्ष्य पर अवधारणा के ड्राफ्ट पर नोट।
412.	एसओई ट्रैक यूके और ईयू के मतभेदों और मुद्दों पर नोट।
413.	आईएन एसओई पाठ के प्रस्तावों की यूके से तुलना।
414.	एर्म अध्याय में प्रस्तावित तत्वों और एफटीए में अन्य डब्ल्यूजी / अध्यायों के बीच ओवरलैप पर एक गैर–पेपर का ड्राफ्ट तैयार करना।
415.	पैनल संरचना पर यूरोपीय संघ के प्रस्ताव पर इनपुट।
416.	भारत–पेरू सामान पाठ और पेरू के एफटीए की तुलना तालिका पर टिप्पणी।
417.	पेरू के विभिन्न एफटीए में माल व्यापार अध्याय के लिए तुलना तालिका।
418.	आईएन–एसएल अंतिम प्रावधान अध्याय पर टिप्पणियाँ और सुझाए गए गुण।
419.	आईएन–ईयू डीएस अध्याय के लिए चर्चा का रिकॉर्ड।
420.	आईएन–ईयू डीएस आरओडी अंतरसत्रीय दौर–6 ।
421.	पारदर्शिता अध्याय–दौर–6 पर भारत–यूरोपीय संघ एफटीए वार्ता की चर्चा का रिकॉर्ड।
422.	मत्स्य पालन सब्सिडी अनुच्छेद ए (सदस्यों की स्थिति)।
423.	भारत–ईयू एफटीए के विवाद निपटान अध्याय में पैनल संरचना पर नोट।
424.	आईसीटी मामले में संभावित द्विपक्षीय समाधान की डब्ल्यूटीओ संगति (डीएस582) पर टिप्पणियाँ।
425.	एएफएस_पाठ_277_दस्तावेज पर टिप्पणियाँ।
426.	डीएस 430 एमएएस के लिए डक स्टैंडर्ड के कार्यान्वयन पर राय।
427.	डिजिटल कॉरिडोर के विकास के संबंध में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच समझौता ज्ञापन के मसौदे पर टिप्पणियाँ।
428.	डीएस430 के लिए भारत–यूएस एमएएस लागू करने के लिए की गई सिफारिशों पर राय।
429.	2020 के डीपीआईआईटी प्रेस नोट 3 की रौशनी में एफडीआई नीति में संशोधन पर टिप्पणियाँ।
430.	भारत–ईयू एफटीए के विभिन्न अध्यायों के तहत भुगतान और हस्तांतरण के अंतर्गत प्रावधानों की संभावित नियुक्ति पर टिप्पणियाँ।
431.	भारत–यूके एफटीए के तहत सेवा व्यापार अध्याय के एमएफएन प्रावधान के लिए अलग–अलग खंड रखने पर टिप्पणियाँ।
432.	यूरोपीय संघ की नकारात्मक सूची एफटीए का विश्लेषण।
433.	एक ही टैरिफ लाइन के तहत अलग–अलग टैरिफ लगाने पर राय और टीबीटी समझौते के 2.10 के तहत अधिसूचना w.r.t. डीएस430 एमएएस.
434.	एफटीए में ईआरएम अध्याय और अन्य डब्ल्यूजी / अध्यायों में प्रस्तावित तत्वों के बीच ओवरलैप पर एक गैर–पेपर का मसौदा तैयार करें।
435.	ईआरएम अध्याय में प्रस्तावित तत्वों और भारत–ईयू एफटीए में पारदर्शिता अध्याय के बीच ओवरलैप पर गैर–पेपर पर टिप्पणियाँ।
436.	किस डवस्म पर श्रम प्रावधानों पर अमरीकी प्रस्ताव पर टिप्पणियाँ ।

437.	श्रम अधिकार सलाहकार बोर्ड पर अमरीका के संशोधित प्रस्ताव में एम्बर चिंताओं सहित स्पष्टीकरण के क्षेत्र और सारांश।
438.	आईपीईएफ पिलर II एल और आई टेक्स्ट पर अमरीका के साथ द्विपक्षीय।
439.	भारत–ओमान सीईपीएः पैनल संरचना और लागत पर विश्लेषण।
440.	भारत–ओमान एफटीए विवाद निपटान अध्याय के लिए आरओडी।
441.	ओसीओएफ स्तंभ पर एलडीसी समूह के ब्रिजिंग प्रस्ताव का विश्लेषण।
442.	स्तंभ IV में अनिवार्य दायित्वों पर नोट।
443.	एलडीसी, विकासशील देशों पर विचार करने के लिए संयुक्त स्थिति पत्र।
444.	भारत–ईयू एफटीए के विभिन्न अध्यायों के तहत भुगतान और हस्तांतरण के तहत प्रावधानों की संभावित नियुक्ति पर टिप्पणियाँ।
445.	न्यूजीलैंड के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
446.	संयुक्त राज्य अमरीका के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
447.	नॉर्वे के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
448.	यूके के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
449.	ऑस्ट्रेलिया के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
450.	यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
451.	आइसलैंड के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
452.	इंडोनेशिया के साथ द्विपक्षीय संबंध के लिए प्रश्न।
453.	दिसंबर मछली सप्ताह के समापन सत्र के लिए चर्चा का रिकॉर्ड।
454.	दिसंबर मछली सप्ताह के दौरान आयोजित द्विपक्षीय चर्चा का रिकॉर्ड।
455.	सीबीडीआर और पीपीपी लिंक बी/डब्ल्यू ओसीओएफ और मत्स्य पालन माली मदद समझौते पर नोट।
456.	मत्स्य पालन सब्सिडी समझौता – ओसीओएफ पर विषयों का कानूनी रूप।
457.	डिजिटल कॉरिडोर के विकास के संबंध में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच समझौता ज्ञापन के मसौदे पर टिप्पणियाँ।
458.	यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन और रूस के साथ सेवाओं में व्यापार पर राय।
459.	ओमान भारत में सरकारी खरीद व्यवस्था पर संक्षिप्त नोट – ओमान एफटीए सरकारी खरीद।
460.	डीएस582ः कुछ प्रश्नों का उत्तर दें।
461.	12 दिसंबर 2023 को दोपहर 3 बजे से शाम 5.00 बजे तक श्री मार्कस वैगनर द्वारा ''हथियारयुक्त व्यापारः बढ़ती जटिल दुनिया के लिए एक नई अवधारणा'' पर व्यापार वार्ता।
462.	सरकारी खरीद अनुशासन में ऑस्ट्रेलिया के एफटीए अभ्यास में चुनिंदा प्रावधानों के लिए भाषा विकल्पों पर नोट।
463.	एफटीए वार्ता के लिए महत्वपूर्ण खनिजों पर भारत के मॉडल अध्याय पाठ के लिए भाषा विकल्प।
464.	संयुक्त राज्य अमरीका में व्यापार समाधान अपील के लिए भारत सरकार के कार्य पत्र पर इनपुट।
465.	नवीकरणीय तरल और गैसीय परिवहन ईंधन के उत्पादन के लिए यूरोपीय संघ के प्रत्यायोजित विनियमन के कानूनी निहितार्थ पर संशोधित राय।
466.	विशिष्ट व्यापार चिंताओं पर संशोधित प्रतिक्रियाएँ।
467.	टिप्पणियाँ–तालिका – (एसटीसी बैठक 09.11.2023)।
468.	DS579 में पारस्परिक रूप से सहमत समाधान के लिए ब्राजील के प्रस्ताव पर रायः भारत–चीनी और गन्ना।
469.	कृषि समिति को निर्यात प्रतिबंध अधिसूचना दाखिल करने पर राय।
470.	सार्वजनिक खरीद पर प्रतिस्पर्धी तटस्थता पर राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों के प्रभाव पर विश्व बैंक रिपोर्ट में भारत पर अध्याय के कानूनी पहलुओं का विश्लेषण।
471.	जीपी के लिए ओमान कानूनी व्यवस्था पर नोट – कार्यकारी सारांश के साथ अंत।
472.	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ता के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया को प्रस्तावित महत्वपूर्ण खनिज अध्याय के मसौदे में सुधार का प्रस्ताव नोट।

473.	आईपीईएफ पर्यावरण व्यापार विपक्ष पर टिप्पणियाँ।
474.	लचीलापन निर्माण में प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर अफ्रीका समूह के प्रस्तावों पर टिप्पणियाँ।
475.	भारत के लिए टीटीसी आरवीसी क्लीन टेक_ईयू प्रस्ताव पर 230724 ईयू नॉन–पेपर पर इनपुट।
476.	यूके–भारत पर्यावरण अध्याय सीएलए पर टिप्पणियाँ।
477.	यूके के मुक्त बंदरगाहों और निवेश क्षेत्र व्यवस्था और संबंधित प्रोत्साहनों पर नोट।
478.	अंतरिक्ष क्षेत्र से संबंधित एफडीआई नीति में प्रस्तावित संशोधनों का विश्लेषण।
479.	प्रेस नोट 3 के अनुसार भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से एफडीआई प्रस्तावों पर कार्रवाई के लिए प्रस्तावित दिशानिर्देशों का विश्लेषण।
480.	परिणाम दस्तावेज एमएसएमई सीजीईटीआई पर टिप्पणियाँ।
481.	भारत–ब्रिटेन स्थिरता उप–समिति का संशोधित सूत्रीकरण।
482.	डीआर पर जेएसआई में उनके पदों के अनुसार एस/सी 80 अधिसूचनाओं के तहत ऑस्ट्रेलिया और कनाडा द्वारा हित के दावे की जांच।
483.	ईएफटीए सदस्य देशों के सेवा अधिकारियों की कानूनी जांच।
484.	भारत–यूके एफटीए के हिस्से के रूप में भारत की सेवाओं की पेशकश पर मोड 3 सीमा।
485.	भारत–ओमान सेवा वार्ता के मूल पाठ की सामग्री है भारत–यूएई में परिवर्तन ।
486.	भारत पर एफटीए पर कानूनी राय– यूएई सीईपीए ड्राफ्ट तथ्यात्मक प्रस्तुति, विवाद निपटान सुधार – अनुपालन, निर्णायकों के लिए दिशानिर्देश, समीक्षा कानूनी व्याख्याओं पर चर्चा करने की प्रक्रियाएं, पारदर्शिता और एडीआर अध्यायों पर चर्चा।
487.	व्यापार के 4 तरीकों में, गेट्स के 16 क्षेत्रों में एसटीआर–ओईसीडी डेटाबेस पर टिप्पणियाँ।
488.	भारतीय टायर उद्योग पर ईयूडीआर विनियमन का प्रभाव।
489.	डब्ल्यूटीओ एसओएम के लिए ईयू वनों की कटाई विनियमन की डब्ल्यूटीओ असंगतता से संबंधित स्लाइड।
490.	भारत–ईएफटीए टीएसडी अध्याय के विभिन्न प्रावधानों पर वैकल्पिक सूत्रीकरण।
491.	भारत–यूरोपीय संघ व्यापार वार्ता के हिस्से के रूप में व्यापार और सतत विकास पर भारत के गैर–पेपर का ड्राफ्ट तैयार किया और उसकी जांच की।
492.	राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड पर नोट।
493.	भारत–ईयू टीएसडी अध्याय के विभिन्न प्रावधानों पर वैकल्पिक सूत्रीकरण।
494.	ईयू–टीटीसी के हिस्से के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन, अपतटीय पवन और बैटरी भंडारण पर गैर–कागज।
495.	भारत–ईएफटीए वार्ता के भाग के रूप में महत्वपूर्ण सार्वजनिक अवसंरचना अपवाद के लिए आगे की राह और वैकल्पिक भाषा निर्माण।
496.	एसएएसईसी ढांचे के तहत आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर नोट और एसएएसईसी क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत के परिप्रेक्ष्य से मसौदा अवधारणा नोट।
497.	अधिक क्षमता और अत्यधिक मछली पकड़ने के स्तंभ से संबंधित विषयों पर नए अध्यक्ष के पाठ (दस्तावेज आरडी/टीएन/आरएल/277) पर टिप्पणी।
498.	जी–77 तृतीय दक्षिण शिखर सम्मेलन के परिणाम दस्तावेज के ड्राफ्ट पर इनपुट।
499.	चिली के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर बातचीत के लिए गैर–कागज ड्राफ्ट पर इनपुट।
500.	भारत और चिली के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते पर बातचीत के लिए संदर्भ की शर्तों का ड्राफ्ट।
501.	भारत–श्रीलंका माल पाठ के अगले दौर के लिए लैंडिंग क्षेत्र और नए लेखों का प्रस्ताव।
502.	माल के व्यापार में भारत के नए प्रस्ताव भारत–श्रीलंका ईटीसीए का पाठ और उससे संबंधित भारत के घरेलू कानून।
503.	एनएएम शिखर सम्मेलन के मसौदा परिणाम दस्तावेज पर टिप्पणियों/लाल रेखाओं के लिए अनुरोध।
504.	डीएस430 के लिए भारत–यूएस एमएएस को लागू करने के लिए सिफारिशें।

505.	डब्ल्यूटीओ के सब्सिडी और काउंटरवेलिंग उपायों (एससीएम समझौते) पर समझौते के तहत अंतरराष्ट्रीय सब्सिडी के मुद्दे पर राय और भारत में व्यापार उपचार – ओमान सीईपीए पर अध्याय में प्रस्तावित अनुच्छेद 2(2)।
506.	2020 के डीपीआईआईटी प्रेस नोट 3 की रौशनी में एफडीआई नीति में संशोधन पर टिप्पणियाँ।
507.	भारत–यूके मुक्त व्यापार समझौते के माल व्यापार अध्याय में बकाया मुद्दों पर टिप्पणियाँ।
508.	भारत–श्रीलंका आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते के प्रस्तावना और सामान्य प्रावधान अध्याय में बकाया मुद्दों पर टिप्पणियाँ।
509.	मूल पाठ के सैम–यूके टीएल को ड्राफ्ट ईमेल।
510.	मत्स्य पालन सब्सिडी पर समझौते के तहत समीक्षा के लिए अधिसूचना टेम्पलेट्स और प्रक्रिया पर टिप्पणी।
511.	एयू और ईयू एफटीए वार्ता जीपी में लंबित प्रावधान पर नोट।
512.	प्रेस नोट 3 (2020) के अनुसार भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से एफडीआई प्रस्तावों को संसाधित करने के लिए प्रस्तावित दिशानिर्देशों का विश्लेषण।
513.	चिली के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करने वाला गैर–कागज।
514.	पैनल संरचना पर समेकित शून्य ड्राफ्ट के संस्करण 4 पर इनपुट।
515.	14वें दौर की वार्ता के दौरान हुए व्यापार–विवादों की व्याख्या करते भारत–ब्रिटेन व्यापार वार्ता पर नोट, जिससे पाठ का निष्कर्ष निकला।
516.	एलडीसी श्रेणी से स्नातक देशों के पक्ष में सुचारू संक्रमण समर्थन उपायों पर सामान्य परिषद के निर्णय पर राय।
517.	इनगोट्स और वेफर्स के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के प्रस्ताव की डब्ल्यूटीओ अनुकूलता पर राय।
518.	ईएफटीए–भारत व्यापार वार्ता के ट्रेड इन गुड अध्याय पर नोट।
519.	डीएस सुधार चर्चाओं को औपचारिक बनाने के संबंध में पीएमआई द्वारा स्थिति पर साझा किया गया ड्राफ्ट नोट।
520.	आईपीईएफ स्तंभ प्ट समझौते के फुटनोट 6 पर नोट।
521.	सामाजिक सुरक्षा के प्रति यूके और भारत के दृष्टिकोण पर नोट।
522.	भारत–ओमान एफटीए वार्ता के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सब्सिडी पर नोट।
523.	हितधारक इनपुट और महत्वपूर्ण खनिज अध्याय के लिए नए या वैकल्पिक भाषा विकल्प के प्रस्ताव पर विश्लेषण नोट।
524.	ट्रैक मोड में प्रस्तावित परिवर्तनों के साथ अध्याय का मसौदा पाठ।
525.	आईएफडी समझौते का सारांश।
526.	जीपी अध्याय पाठ के संदर्भ में ईयू के जीआरपी पाठ पर टिप्पणियाँ।
527.	समझौते के अनुबंध के रूप में आरओओ पाठ का आईएन– ईएफटीए टीईपीए प्लेसमेंट।
528.	डब्ल्यूटीओ अपीलीय समीक्षा पर यूके के गैर–पेपर पर टिप्पणियाँ।
529.	यूएस के पेपर पर इनपुटः व्यापार और निवेश नीति में समावेशिता का व्यावहारिक एकीकरणः एपीईसी और सैन फ्रांसिस्को सिद्धांतों से मिले अनुभव साझा करना।
530.	यूरोपीय संघ और इंडोनेशिया के पाठ्य गुणों/प्रस्तावों पर प्रारंभिक इनपुट।
531.	भारत और चिली के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते और गैर–कागज की तैयारी पर बातचीत के संदर्भ में शर्तें।
532.	भारत–आसियान एफटीए प्रारंभिक वार्ता के लिए संक्षिप्त बिंदु।
533.	ईयू–भारत एफटीए के माल व्यापार अध्याय के प्रावधानों के नोट्स।
534.	माल व्यापार अध्याय ईयू–भारत एफटीए के लिए सारणीबद्ध नोट्स।
535.	ईएफटीए द्वारा प्रस्तावित समीक्षा खंड पर नोट।
536.	भारत–ईयू एफटीए के पारदर्शिता अध्याय पर इनपुट मांगने वाले सभी ट्रैक लीड के लिए एक ईमेल ड्राफ्ट करें।

537.	और अधिक सीटीआईएल इनपुट के साथ भारत–पेरू सामान पाठ पर टिप्पणियाँ।
538.	ईएफटीए के प्रति भारत की टैरिफ प्रतिबद्धता के लिए नोट्स।
539.	25/01/2024 को आयोजित स्तंभ IV कानूनी स्क्रब बैठक पर नोट।
540.	जेएसआई ई–कॉमर्स कुर्सियों के पाठ पर टिप्पणियाँ।
541.	डब्ल्यूपीईसी परामर्शों के आधार पर गैर–कागज पर इनपुट
542.	अच्छी नियामक प्रथाओं (जीआरपी) और नियामक सहयोग अध्याय के तहत दायित्वों पर इनपुट।
543.	पारदर्शिता भारत – ईयू एफटीए राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम अध्याय पर टिप्पणियाँ।
544.	ईयू पारदर्शिता अध्याय पर टिप्पणियाँ।
545.	भारत–ईयू टीटीसी के तहत एपीआई पर गैर–पेपर के संबंध में प्राप्त इनपुट पर टिप्पणियाँ।
546.	भारत के अंतर्गत देश के नामों पर अनुच्छेद 8 और परिशिष्ट पर टिप्पणियाँ – ईएफटीए टीईपीए।
547.	राज्य के स्वामित्व वाले उद्यम ट्रैक, भारत–यूरोपीय संघ एफटीए वार्ताओं में खेल की स्थिति और बकाया मुद्दों पर नोट।
548.	गैर–भेदभाव और वाणिज्यिक विचार–विमर्श के दायित्व पर ईयू एफटीए अभ्यास पर नोट।
549.	टेलीकॉम चौप्टर के अनुच्छेद X-2 में यूके–भारत के प्रस्तावित परिवर्तनों पर नोट।
550.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीएः एसओई ट्रैक – एसओई अध्याय में भिन्न मुद्दों पर तालिका।
551.	एसपीएस पर स्क्रब टेक्स्ट–सीकिंग टीएल इनपुट पर टिप्पणियाँ।
552.	एमसी13 परिणाम दस्तावेज में डीएस सुधारों पर मसौदा पैराग्राफ पर टिप्पणियाँ।
553.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए अन्य टीएलएस टिप्पणियों के संदर्भ में पारदर्शिता ट्रैक पर इनपुट।
554.	भारत – कुछ कृषि उत्पादों के आयात से संबंधित उपाय (डीएस430)ः पारस्परिक रूप से सहमत समाधान की अधिसूचना।
555.	प्रशांत समूह की ओर से फिजी द्वारा प्रस्ताव पर इनपुट।
556.	सारणीबद्ध तुलनाः भारत–यूएई सीईपीए और भारत–ओमान सीईपीए।
557.	ब्रिक्स में व्यापार और निवेश के लिए एआई के उपयोग पर टिप्पणियाँ।
558.	ई–कॉमर्स में उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने पर टिप्पणियाँ।
559.	डीएस 430 प्रीमियम डक उत्पाद विवरण पर टिप्पणियाँ – अमरीकी टिप्पणियाँ।
560.	ब्रिक्स में सूक्ष्म, लघु और मध्यम आकार के उद्यमों (एमएसएमई) के सहयोग के विस्तार के लिए स्थितियां बनाने पर टिप्पणियाँ।
561.	प्रक्रियाओं की पुस्तिका में मक्का (मकई) के लिए टीआरक्यू योजना में संशोधन पर राय।
562.	डीएस ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर संयुक्त प्रस्तुतिकरण के मसौदे में सुधार किया।
563.	क्षेत्र परिभाषा पर विदेश मंत्रालय को ईमेल ड्राफ्ट करें।
564.	ओमान के साथ एसपीएस अध्याय के अंतर्गत निर्यात निरीक्षण परिषद प्रमाणन (ईआईसी अनुबंध) पर अनुबंध के तहत भारत के लिए लाभ पर नोट।
565.	विश्व बैंक की व्यवसाय के लिए तैयार परियोजनाः प्रश्नावली।
566.	आदर्श आचार संहिता लागू करने पर राय।
567.	जनरल काउंसिल में भारत के बयान पर कोरिया की प्रतिक्रिया के जवाब में कानूनी दलीलें।
568.	सीमा शुल्क की परिभाषा, सामंजस्यपूर्ण प्रणाली, आयात लाइसेंसिंग प्रक्रिया और प्रदर्शन की आवश्यकता के संबंध में भारत–यूके एफटीए के माल व्यापार अध्याय पर नोट।
569.	क्या भारत डब्ल्यूटीओ में पाकिस्तान की पंजीकृत पूसा बासमती की किस्मों का मामला उठा सकता है।
570.	एफटीए के भाषा/संस्करण पर टिप्पणियाँ।
571.	प्रस्तावना प्रावधान मसौदा पाठ – भारत पेरू एफटीए।
572.	समीक्षा के बाद भारत–आसियान माल व्यापार समझौते की संभावित कानूनी संरचना पर इनपुट।

573.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए के तहत माल व्यापार अध्याय में निर्यात एकाधिकार, आयात पर लेख पर नोट ।
574.	भारत–यूरोपीय संघ एफटीए के ऊर्जा और कच्चे माल अध्याय में तत्वों के लिए वैकल्पिक भाषा पर नोट।
575.	शिपिंग कंटेनरों के निर्माण के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना पर नोट।
576.	17.01.24 को चर्चा विषयगत सत्र का अंतिम रिकॉर्ड।
577.	द्विपक्षीय वार्ता के लिए सीटीआईएल पैसिफिक समूह संभावित प्रश्न।
578.	अनुच्छेद1.1(सी) में पारदर्शिता प्रावधानों पर आरओडी एनजीआर विषयगत सत्र।
579.	यूके एफएस समझौता प्रस्ताव पर टिप्पणियाँ।
580.	ईयू एसएफएस अध्याय XX पर टिप्पणियाँ।
581.	भारत–ओमान एफटीए के एसपीएस अध्याय के अंतर्गत भारत को होने वाले लाभ पर नोट।
582.	सेवा पाठ में ईयू–भारत समेकित व्यापार पर टिप्पणियाँ।
583.	भारत–यूएई सीईपीए माल अध्याय में किए गए परिवर्तनों की व्याख्या।
584.	स्क्रब टेक्स्ट पर कैबिनेट नोट और टिप्पणियाँ।
585.	कैबिनेट नोट भारत–ईएफटीए टीईपीए अध्यायः स्वच्छता और पादपस्वच्छता उपाय।
586.	एमसी13_सीआईएम ड्राफ्ट हस्तक्षेप _डीएस सुधार।
587.	यूरोपीय संघ के पेपर का शीर्षक 'वैश्विक व्यापार नीति की चुनौतियों पर प्रतिक्रिया दिखाने के लिए डब्ल्यूटीओ के विचार–विमर्श कार्य को सुदृढ़ करना' (डब्ल्यूटी/जीसी/डब्ल्यू/864) है।
588.	ईयू–भारत एफटीए के सातवें दौर के दौरान कानूनी पाठ में प्रगति पर नोट।
589.	डिजिटल व्यापार पर विश्व बैंक की व्यवसाय के लिए तैयार प्रश्नावली।
590.	डीएस सुधार– नवीनतम समेकित पाठ पर टिप्पणियाँ।
591.	7वें दौर के बाद खेल की स्थिति और उत्कृष्ट मुद्दों को कवर करने वाला नोट।
592.	19 मार्च 2024 को आयोजित आंतरिक बैठक के दौरान पहले साझा की गई भारत की एसओई वार्ताओं का अवलोकन प्रदान करने वाला नोट।
593.	यूरोपीय संघ–भारत एफटीए के माल व्यापार अध्याय की 7वें दौर की संयुक्त रिपोर्ट में सहमत तीन अनुवर्ती कार्रवाइयों पर नोट।
594.	भारत–यूके एफटीए के तहत जीआई सूची के आदान–प्रदान से उत्पन्न होने वाले मुद्दों पर नोट।
595.	भारत के अंतर्गत देश के नामों पर परिशिष्ट और अनुच्छेद 8 पर टिप्पणियाँ –ईएफटीए टीईपीए ।
596.	एसएएसईसी क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भारत के परिप्रेक्ष्य से मसौदा अवधारणा नोट और एसएएसईसी ढांचे के तहत आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन पर नोट।

आयोजनों और कार्यक्रमों की मेजबानी और सह–मेजबानी की सूची

अप्रैल 2023–मार्च 2024 के दौरान व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा आयोजित/प्रायोजित/भागीदारी वाले कार्यक्रम

क्र.सं	तिथि	कार्यक्रम का नाम
1.	10 अप्रैल 2023	"व्यापार और निवेश के विलय के पक्ष और विपक्ष – कनाडा, वियतनाम, सिंगापुर के साथ हाल की यूरोपीय संघ वार्ता से अनुभव" पर विशेष संबोधन।
2.	13 मई 2023	क्षमता निर्माण कार्यक्रम– एफटीए से उत्पन्न निर्यात अवसरों पर क्षमता निर्माण सत्र – उद्योग परिप्रेक्ष्य।
3.	2 मई 2023	क्षमता निर्माण सत्र– एफटीए से उत्पन्न निर्यात अवसरों पर क्षमता निर्माण सत्र – उद्योग परिप्रेक्ष्य।
4.	26 मई 2023	सम्मेलन–एफआईसीएल दिल्ली प्रवचन 2023।
5.	4 अगस्त 2023	वर्षगांठ समारोह– व्यापार और निवेश कानून केंद्र का छठा वर्षगांठ समारोह।
6.	31 अगस्त 2023	पैनल चर्चा– ''मुक्त व्यापार समझौतेः भारत और विश्व'' पर बुक टॉक और पैनल चर्चा।
7.	18 सितंबर 2023	व्यापार वार्ता – ''कार्बन तटस्थता की ओरः हाल की संधियों में निवेशक आचरण के विनियमन के रूप'' पर कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, विधि संकाय, प्रोफेसर जोआना लैम द्वारा व्यापार वार्ता।
8.	12 अक्टूबर 2023	बुक टॉक– 'अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून– पाठ, मामले और सामग्री' पर बुक टॉक।
9.	26–29 अक्टूबर 2023	डब्ल्यूटीओ अध्यक्ष कार्यक्रम– अंतर्राष्ट्रीय निवेश कानून पर डबल क्रेडिट कोर्स।
10.	30 नवंबर 2023	सम्मेलन– 'व्यापार और निवेश कानूनः उभरते कानूनी और आर्थिक परिप्रेक्ष्य' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
11.	9 दिसंबर 2023	पैनल चर्चा– डब्ल्यूटीओ अध्यक्ष कार्यक्रम के तहत ''व्यापार और स्थिरता'' पर गोलमेज।
12.	11 दिसंबर 2023	व्यापार वार्ता– व्यापार कानून का भविष्य क्या हैः बुनियादी बातों पर वापस जाना या मौन विस्तार जारी रखना?
13.	12 दिसंबर 2023	व्यापार वार्ता– हथियारयुक्त व्यापारः बढ़ती जटिल दुनिया के लिए एक नई अवधारणा।
14.	12 दिसंबर 2023	ट्रेड टॉक– ''वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में निर्यात नियंत्रणः जोखिमों का प्रबंधन और सीमाओं के पार अनुपालन सुनिश्चित करना'' पर ट्रेड टॉक।
15.	25 जनवरी 2024	व्यापार वार्ता – सेवा व्यापार को बढ़ावा देने में सेवा व्यापार प्रतिबंधात्मक सूचकांक (एसटीआरआई) की भूमिका पर व्यापार वार्ता।
16.	2–4 मार्च 2024	आयोजन – सीटीआईएल–एनएलआईयू सर्टिफिकेट कोर्स।
17.	4–7 मार्च 2024	आयोजन – जॉन एच. जैक्सन मूट कोर्ट प्रतियोगिता, एनयूजेएस।
18.	8–10 मार्च 2024	आयोजन – सीटीआईएल–एनएलयूजे सर्टिफिकेट कोर्स।
19.	21–22 मार्च 2024	आयोजन – राजनीतिक परिदृश्य में स्वास्थ्य प्रशासन पर सीटीआईएल–जेजीएलएस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः स्वास्थ्य कानून, समाज और राजनीतिक अर्थव्यवस्था की परस्पर क्रिया।
20.	21–22 मार्च 2024	सम्मेलन – भारत और कनाडा में समुद्री जीवन संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में ब्लू इकोनॉमी पर संस्थागत जिम्मेदारियों खास संचालन करना।

अप्रैल 2023–मार्च 2024 के दौरान हितधारक परामर्श किया गया

क्र. सं.	आयोजन
1.	''एसपीएस घोषणा'' पर भारत के प्रस्तुतीकरण के लिए नियामकों के साथ परामर्श।
2.	यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए में एसपीएस प्रस्तावों पर भारत की स्थिति पर अंतर–मंत्रालयी परामर्श।
3.	एमए अनुप्रयोगों के प्रयोजनों के लिए यूरोपीय संघ को एकल इकाई मानने पर भारत की स्थिति पर कृषि विभाग के साथ परामर्श।
4.	कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग सिस्टम सहित सीबीएएम पर भारत की स्थिति पर हितधारक परामर्श।
5.	भारत–यूके एफटीए के तहत भारत एमए ऑफर में सीपीएसई को शामिल करना।
6.	आईएन–श्रीलंका एफटीए के अच्छे पाठ में व्यापार ड्राफ्ट।
7.	एसपीएस–ईयू हितधारक परामर्श।
8.	एसपीएस–कनाडा हितधारक परामर्श।
9.	डब्ल्यूटीओ एसपीएस घोषणा पर।
10.	डब्ल्यूटीओ एसपीएस समझौते की छठी त्रैवार्षिक समीक्षा पर।
11.	भारत–ईयू एफटीए के एसपीएस चैप्टर पर।
12.	टीएसडी चैप्टर– भारत–ईयू एफटीए पर।
13.	टीएसडी चैप्टर– भारत–ईएफटीए एफटीए पर।
14.	टीएसडी चैप्टर – भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए पर ।
15.	व्यापार समझौते–उद्योग परिप्रेक्ष्य से उभरते अवसरों पर क्षमता निर्माण सत्र।
16.	कार्बो सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम)।

व्यापार और निवेश कानून केंद्र द्वारा प्रकाशन

क्र. सं.	प्रकाशन का वर्ष और महीना	प्रकाशन शीर्षक/प्रकाशक	लेखक
पुस्तक एवं पुस्तक अध्याय			
1.		व्यापार संरक्षणवाद में उभरते रुझानः व्यापार उपचार के लेंस के माध्यम से'', डब्ल्यूटीओ व्यवस्था के तहत व्यापार उपचार में हालिया मुद्दे (व्यापार उपचार महानिदेशालय, मंत्रालय के सहयोग से सेंटर फॉर स्टडीज इन इंटरनेशनल ट्रेड एंड इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट लॉज (सीटीआईएल) द्वारा प्रकाशित किया जाएगा) वाणिज्य विभाग, भारत सरकार (डीजीटीआर)।	कश्यप आशुतोष, भट्टाचार्य कृष्ण।
शोध पत्र			
1.	जुलाई–सितंबर 2023	''प्रतिमानों का टकरावः सतत खाद्य प्रणालियाँ और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून', एक्सटर्नाडो डी कोलंबिया विश्वविद्यालय और डेल रोसारियो विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में सोसायटी ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक लॉ (एसआईईएल) द्वारा आयोजित''।	कश्यप ए., श्रीवास्तव वी., वैगनर एम.
2.	नवंबर 2023	व्यापार और लिंग पर व्यापार और निवेश कानून के अध्ययन केंद्र और ब्ल्यूटीओ अध्यक्षों के कार्यक्रम पृष्ठभूमि पेपर के हिस्से के रूप में "तरजीही व्यापार समझौतों में लिंग मुख्यधाराः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में लिंग गतिशीलता के विकास की एक परीक्षा"।	ऋषभ मीना

3.	नवंबर 2023	खाद्य सुरक्षा और व्यापारः अर्थव्यवस्थाओं और कानून के लेंस के माध्यम से सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड लॉ एंड पॉलिसी।	कृष्णा भट्टाचार्य, महिमा आहूजा
4.	नवंबर 2023	एकतरफा आर्थिक प्रतिबंध और खाद्य सुरक्षा, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड लॉ एंड पॉलिसी।	रोंजिनी रे और जमशेद अहमद सिद्दीकी
पेपर प्रस्तुति			
1.	मार्च 2024	"सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं की फ्रेंडशोरिंग और रीशोरिंग करनाः यूएस चिप्स अधिनियम और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली", ग्लोबल ट्रेड एंड कस्टम्स जर्नल, वॉल्यूम 19, अंक 3 ।	अर्णव शर्मा और मान्या गुप्ता
2.	मार्च 2024	जीएटीटी अनुच्छेद III(8)(a) के तहत सरकारी खरीद में कमीः डब्ल्यूटीओ की सुसंगत औद्योगिक नीतियों और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून की यूरोपीय इयरबुक (2023) को डिजाइन करने के लिए न्यायशास्त्र और सिफारिशों का विश्लेषण, अर्नव शर्मा द्वारा।	रोंजिनी रे
3.	मार्च 2024	मित्रता और मुक्त व्यापारः हिंद–प्रशांत देश फ्रेंडशोरिंग में क्यूऐड और 12यू2 का लाभ कैसे उठा सकते हैं।	कृष्णा भट्टाचार्य और अद्वैत राव
4.	मार्च 2024	भारत और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को नया आकार देनाः फ्रेंड–शोरिंग और ऑन–शोरिंग की खोज।	जमशेद अहमद सिद्दीकी
5.	मार्च 2024	खनिज व्यापार में महत्वपूर्ण सहयोगी और मुख्य भू–राजनीतिः भारत के लिए एक रणनीति तैयार करना।	स्पर्श जनार्दन और अपर्णा भट्टाचार्य
6.	मार्च 2024	डेटा विवरण में हैः डिजिटल व्यापार नियमों की भूमिका, फ्रेंडशोरिंग और डेटा प्रवाह।	डेवोन व्हिटल
7.	मार्च 2024	''सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं की फ्रेंडशोरिंग और रीशोरिंग करनाः यूएस चिप्स अधिनियम और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली।	मनया गुप्ता और अर्णव शर्मा
8.	मार्च 2024	मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम का एक मित्रतापूर्ण परिप्रेक्ष्य।	अपूर्व सिंह विश्नोई और ऋषभ मीना
9.	मार्च 2024	समृद्धि के लिए इंडो–पैसिफिक आर्थिक ढांचे में मित्रता को उजागर करना और मानक सेटिंग का एक नया रूप तैयार करना।	पुष्कर रेड्डी और रिधिश राजवंशी
10.	मार्च 2024	समृद्ध भविष्य का निर्माणः आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला समझौते (स्तंभ II) के लाभों का अनावरण।	आशुतोष कश्यप
11.	मार्च 2024	फ्रेंडशोरिंग और नियरशोरिंग के युग में सामुदायिक सहमति मानक का विखंडन।	प्रणव नारंग
12.	मार्च 2024	वैश्वीकरण के वर्तमान युग में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की रूपरेखाः पार्ट्नर, वीवीजीबी एडवोकेटन डॉ. एडविन वर्मुल्स्ट के साथ एक साक्षात्कार।	सुश्री महिमा आहूजा और श्री ऋषभ मीना

कॉर्पोरेट संबंध और नौकरी दिलाने वाला प्रभाग

नियुक्ति का अंतिम चरण – एमबीए(आईबी) 2022–24 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने मुख्य एमबीए(आईबी) कार्यक्रम के 2022–24 बैच के लिए भर्ती का अंतिम चरण समाप्त किया। कार्यचक्र ने विभिन्न उद्योगों और कार्यक्षेत्रों के एक सिरे से लेकर दूसरे सिरे तक के 120 प्रतिष्ठित नियोक्ताओं को देखा। इसकी औसत सीटीसी ₹27.3 लाख प्रति वर्ष रही और मध्य मूल्य सीटीसी ₹25.0 लाख प्रति वर्ष थी। उच्चतम अंतर्राष्ट्रीय सीटीसी ₹85.40 लाख प्रति वर्ष देने का प्रस्ताव था, जबकि उच्चतम घरेलू सीटीसी ₹75.6 लाख रुपये प्रतिवर्ष रही। बैच के उत्तम विद्यार्थियों के 25% ने प्रति वर्ष ₹40.6 लाख की औसत सीटीसी प्राप्त हुई।

आईआईएफटी अपने मजबूत शैक्षणिक पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला और कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में विशिष्ट ट्रैक रिकॉर्ड के कारण शीर्ष भर्तीकर्ताओं के लिए एक प्रमुख संस्थान बना हुआ है। व्यापार जगत के भावी नेताओं को आकार देने में आईआईएफटी, 60 वर्षों से अधिक की विरासत लिए, एक स्तंभ के रूप में खड़ा है। एबीएफआरएल, एक्सेंचर ऑपरेशंस, अदानीविल्मर, एग्रोकॉर्प, एयर इंडिया, बीरा 91, ब्लिंकिट, डीटीडीसी, गैलडर्मा, ग्रांट थॉर्नटन, हैवेल्स, एचसीसीबी, हीरो फिनकॉर्प, हीरो मोटोकॉर्प, जिंदल पॉली फिल्म्स, जॉनसन एंड जॉनसन सहित प्रतिष्ठित ब्रांडों के साथ आईआईएफटी ने नए सहयोग बनाए। जुबिलेंट फूड वर्क्स, मैरिको, माइकल पेज, पी एंड जी, फोनपे, प्यूमा, स्विगी, टाटा कम्युनिकेशंस, टाइटन, ट्रांसयूनियन सिबिल और वरुण बेवरेजेज लिमिटेड। एवलॉन कंसल्टिंग, सेंचुरी रियल एस्टेट, सीकाइनेटिक्स, कॉस्मो फर्स्ट, डालमिया भारत सीमेंट, एरगोड, फिनोलेक्स, एचसीएल टेक, कुणालहाउसवेयर, लोकोफास्ट, ल्यूमिनस, मार्वल विनाइल्स, एमईसी, मीडिया.नेट, नेक्स्ट प्ले रिटेल, पाइन लैब्स, सीशेल लॉजिस्टिक्स, श्याममेटलिक्स, एसएमटी, टैफे, शोभा रियल्टी, टीएम इंटरनेशनल, ट्रांसलुमिना, वी मॉक और जेटवर्क सहित अन्य कंपनियों के साथ अंतिम प्लेसमेंट के लिए हमने साझेदारी भी बनाई है।

प्रो. (डॉ.) सतिंदर भाटिया, वीसी, आईआईएफटी ने जोर देकर कहा कि इस साल हुई प्रभावोत्पादक नियुक्तियां आईआईएफटी के प्रतिभा पूल में कॉर्पोरेट क्षेत्र के अटूट विश्वास को मजबूत करती हैं। यह संस्थान द्वारा प्रदान की गई असाधारण शिक्षा और प्रशिक्षण के सत्यापन के रूप में भी कार्य करता है।

लुभाने वाले बिक्री और विपणन क्षेत्र ने, नियुक्ति प्रस्ताव की सबसे अधिक संख्या प्राप्त की है, भारीभरकम 22%। ध्यान देने योग्य एसोसिएशन्स में से कुछ हैं –एशियन पेंट्स, सिप्ला, डाबर, डियाजियो, डॉ. रेड्डीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईटीसी, एलएंडटी, लोरियल, फिलिप्स, पिडिलाइट, सैमसंग, सिग्निफाई, टीएएफई, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, टाटा स्टील, टाइटन, ट्रांसन ग्रुप, टीवीएस मोटर्स, यूनाइटेड ब्रुअरीज सहित कई अन्य शामिल हैं। एबीएफआरएल, अदानी विल्मर, बीरा 91, डालमिया भारत सीमेंट, डीटीडीसी, फिनोलेक्स, गैलडर्मा, हैवेल्स, एचसीसीबी, हीरो मोटोकॉर्प, जॉनसन एंड जॉनसन, ल्यूमिनस, मैरिको, पी एंड जी, फोनपे, प्यूमा, एसएमटी, स्विगी, ट्रांसलुमिना, वरुण बेवरेजेज लिमिटेड जैसे और कई अन्य भर्तीकर्ताओं के साथ डोमेन में नए संघ भी बनाए गए।

कॉर्पोरेट वित्त विभाग, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, धन प्रबंधन, इक्विटी अनुसंधान और वित्तीय प्रौद्योगिकी जैसे कार्यों का कुल मिलाकर जितना भी मोल है, उस के 21% का योगदान बैच को देते हुए, वित्त विभाग उस मूल्य में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना हुआ है। इस डोमेन में प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं में आदित्य बिड़ला कैपिटल, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, बजाज फिनसर्व, सिटी बैंक, क्रिसिल, डीई शॉ, डेलॉइट यूएसआई, गोदरेज कैपिटल, गोल्डमैन सैसे, एचडीएफसी, हीरो फिनकॉर्प, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, इंडस वैली पार्टनर्स, जिंदल, पॉली फिल्म्स, जेपी मॉर्गन एंड चेज, कोटक और श्याममेटलिक्स, ट्रेस्विस्टा आदि कुछ नाम शामिल हैं।

परामर्श क्षेत्र, जिसमें कार्य करने की अभिलाषा की जाती है, उसमें नौकरी प्रदान करने के मौसम ने उल्लेखनीय संख्या में नौकरी के प्रस्ताव का उत्साहपूर्ण स्वागत होते भी देखा। प्रमुख परामर्श फर्मों में एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, एवलॉन कंसल्टिंग, कैपजेमिनी, कॉग्निजेंट, डेलॉइट, ईवाई, ग्रांट थॉर्टन, इंफोसिस कंसल्टिंग, मैकिन्से एंड कंपनी, माइकल पेज और विप्रो शामिल हैं, जिन्होंने कुल ऑफर का 18% आकर्षित किया।

सामान्य प्रबंधन और कार्यनीति के प्रतिष्ठित क्षेत्र में अडानी, एयर इंडिया, अमेजॅन, एक्सिस बैंक, ब्लिंकिट, कॉस्मो फर्स्ट, एचटी मीडिया, जेएसडब्ल्यू, एलएंडटी, लोरियल, फोन पे, आरपीजी ग्रुप, शोभा रियल्टी, टीएएस, टाटा कम्युनिकेशंस, ट्रांसयूनियन सिबिल, ट्राइडेंट ग्रुप सहित अन्य कंपनियों से 15% ऑफर के साथ उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। प्लेसमेंट सीजन के दौरान, कंपनियों को अपनी प्रतिष्ठित नेतृत्व भूमिकाओं के लिए भर्ती करते देखा गया, जैसे कि अदानी ग्रुप में अदानी नेतृत्व कार्यक्रम, टाटा ग्रुप में टीएएस– नेतृत्व कार्यक्रम, जिंदल ग्रुप में जेएसडब्ल्यू– नेतृत्व कार्यक्रम और आरपीजी ग्रुप में आरपीजी – नेतृत्व कार्यक्रम।

प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए किए गए प्रस्तावों के साथ, व्यापार और संचालन में 14% की वृद्धि देखी गई। अदानी विल्मर, एग्रोकॉर्प, अमेजॅन, कारगिल, ईटीजी, फ्लिपकार्ट, गेल, एचसीसीबी, जुबिलेंट फूडवर्क्स, एलएंडटी, लोकोफास्ट, ओलम, रेनुका शुगर्स, सीशेल लॉजिस्टिक्स, श्याममेटलिक्स, स्विगी, टाटा स्टील, टीएम इंटरनेशनल और विक्रम सोलर जैसे प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं ने अपनी कंपनियों में अनेक भूमिकाओं के लिए दौरा किया।

एग्रोकॉर्प, ईटीजी, शोभा रियल्टी और टीएम इंटरनेशनल जैसे उल्लेखनीय भर्तीकर्ताओं ने छात्रों को आकर्षक अंतरराष्ट्रीय अवसर दिए, जिससे आईआईएफटी के लिए इस तरह का एक्सपोजर बढ़ा।

सूचना प्रौद्योगिकी/विश्लेषण विद्या और उत्पाद प्रबंधन में कुल नियुक्ति प्रस्ताव के 10% के साथ यह क्षेत्र बहुत ज़्यादा मनमोहक बन गया है। मिलेजुले परंपरागत नियुक्ति करता और पहली बार भर्ती करने वाले, सूचना प्रद्यौगिकी/विश्लेषण विद्या और उत्पाद प्रबंधन में संयुक्त रूप से भाग लेते दिखे। आईआईएफटी को अमेजॅन, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, बोस्टन साइंटिफिक, एर्गोड, कैपजेमिनी, गेम्स 24X7, एचसीएल टेक, हीरो फिनकॉर्प, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, इंडस वैली पार्टनर्स, लोव्स, एमईसी़, मीडिया।नेट, मेरिलिटिक्स, माइक्रोसॉफ्ट, एमजंक्शन, नेक्स्ट प्ले रिटेल, न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर, पाइन लैब्स, पोलस्टार, विप्रो, जेटवर्क और कई अन्य कंपनियों की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला।

एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, अदानी, अमेजॅन, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, कैपजेमिनी, कारगिल, सिप्ला, क्रिसिल, डाबर, डी शॉ, डेलॉइट, ईटीजी, ईवाई, फ्लिपकार्ट, गेल, गेम्स 24X7, गोदरेज, गोल्डमैन सैसे जैसे पुराने भर्तीकर्ताओं को देखा। एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, इंफोसिस कंसल्टिंग, आईटीसी, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, जेएसडब्ल्यू, एलएंडटी, लोरियल, मैकिन्से एंड कंपनी, माइक्रोसॉफ्ट, ओलम, फिलिप्स, पिडिलाइट, आरपीजी ग्रुप, सैमसंग, टाटा स्टील, ट्राइडेंट ग्रुप, यूनाइटेड ब्रूअरीज, विप्रो जैसे भर्तीकर्ताओं का बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का चयन करना प्रमाण है कि आईआईएफटी गुणी छात्र प्रदान करती है।

इस वर्ष के प्लेसमेंट सीजन की उपलब्धियाँ हमारे सम्मानित पूर्व छात्रों के अटूट समर्थन और मार्गदर्शन का परिणाम हैं। हम उनकी सहायता और अमूल्य सलाह के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

प्रो. (डॉ.) रोहित मेहतानी, प्रमुख, कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट प्रभाग ने उन कंपनियों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने भर्ती करने के लिए आईआईएफटी को चुना। उन्होंने इस बात को जोर देकर बताया कि व्यापार और उद्योग के साथ मजबूत संबंधों को बनाने और बढ़ाने पर आईआईएफटी महत्व देता है। सफल प्लेसमेंट इस समर्पित दृष्टिकोण का एक ठोस परिणाम है। उन्होंने छात्रों को अपनी कॉर्पोरेट यात्रा शुरू करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

ग्रीष्मकालीन नौकरियां – एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) 2023–25 बैच

आईआईएफटी ने अपने फ्लैगशिप एमबीए (आईबी) प्रोग्राम के 2023–25 बैच के लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट का समापन किया। प्लेसमेंट चक्र में विभिन्न डोमेन और उद्योगों से 102 प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं की भागीदारी देखी गई। प्रतिकूल बाजार स्थितियों के कारण परीक्षण के समय के बावजूद, आईआईएफटी दो महीने के लिए ₹2.67 लाख के औसत वजीफे और ₹2.50 लाख के औसत वजीफे के साथ विजयी हुआ। उच्चतम स्टाइपेंड की पेशकश ₹4.50 लाख की थी, जिसमें ₹4.00 लाख से ऊपर के 50 से अधिक ऑफर दिए गए थे। आईआईएफटी अपनी समृद्ध शिक्षाशास्त्र, व्यापक पाठ्यक्रम पेशकश और कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में सफलता के प्रभावशाली इतिहास के कारण विशिष्ट भर्तीकर्ताओं के लिए एक अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखता है। 60 वर्षों से अधिक की विरासत के साथ, आईआईएफटी व्यापार जगत के भावी नेताओं को आकार देने में एक स्तंभ के रूप में खड़ा है। आईआईएफटी ने बैंक ऑफ अमेरिका, ब्लूमबर्ग, बॉम्बे शेविंग कंपनी, क्रोडा, एली लिली, गैलडर्मा, एचसीसीबी, एचडीएफसी क्रेडिला, हीरो मोटोकॉर्प, हिमालय वेलनेस, मारुति सुजुकी, मर्क, नेशन विद नमो, फोनपे, प्लाडिस ग्लोबल सहित प्रतिष्ठित ब्रांडों के साथ नए गठबंधन बनाए। ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट के लिए रेकिट, कामा आयुर्वेद, एसएमबीसी, टीयू सिबिल, टीवीएस मोटर्स, वी–गार्ड और प्रतिष्ठित रिलायंस लीडरशिप कार्यक्रम शामिल हैं।

प्रो. (डॉ.) सतिंदर भाटिया, कुलपति, आईआईएफटी ने कहा कि इस वर्ष सराहनीय ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप चयन, आईआईएफटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रतिभा पूल में कॉर्पोरेट क्षेत्र के निरंतर विश्वास का प्रमाण है और यह संस्थान में प्रदान की जाने वाली शिक्षा और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का भी समर्थन है।

सबसे अधिक मांग वाले सेल्स और मार्केटिंग डोमेन को सबसे अधिक संख्या में ऑफर प्राप्त हुए जो कि 35% तक पहुंच गए। उल्लेखनीय संगठनों में आदित्य बिड़ला फैशन रिटेल, एमवे, अपोलो टायर्स, एशियन पेंट्स, बीएमडब्ल्यू, सिप्ला, डाबर, डियाजियो, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, हेलोन, आईटीसी, एलएंडटी, लोरियल, लुब्रिज़ोल, मैरिको, मार्स, मेडट्रॉनिक, मोंडेलेज, फिलिप्स, पिडिलाइट, प्यूमा, सैमसंग, टाटा स्टील, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड, टाइटन, यूनाइटेड ब्रुअरीज सहित कई अन्य शामिल हैं।

बेयर, ब्लूमबर्ग, बॉम्बे शेविंग कंपनी, एली लिली, एक्सपीरियन, गैलडर्मा, हीरो मोटोकॉर्प, हिमालय वेलनेस, कामा आयुर्वेद, मारुति सुजुकी, मर्क, फोन पे, प्लाडिस ग्लोबल, रेकिट, सुटा, टीयू सिबिल, और वी–गार्ड जैसे भर्तीकर्ताओं के साथ इस क्षेत्र में नए संघ भी बनाए गए। छात्रों ने कॉरपोरेट ट्रेजरी, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, रिस्क मैनेजमेंट, वेल्थ मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च और फिनटेक जैसी प्रतिष्ठित भूमिकाओं के लिए ऑफर हासिल करके वित्त क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित की, जिससे बैच को मिलने वाले ऑफर में 21% का योगदान रहा। इस डोमेन में प्रतिष्ठित भर्तीकर्ताओं में आदित्य बिड़ला कैपिटल, बैंक ऑफ अमेरिका, सिटी बैंक, क्रिसिल, डीई शॉ, डेलॉइट, गैलडर्मा, गोदरेज हाउसिंग फाइनेंस, गोल्डमैन सैक्स, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी, जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी, कोटक, एलएंडटी एसएमबीसी, सिनर्जी कंसल्टिंग और यस बैंक इनमें से कुछ शामिल हैं।

इस प्लेसमेंट सीज़न में आकांक्षी रणनीति और परामर्श क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में ऑफर सामने आए। रणनीति और परामर्श भूमिकाओं की पेशकश करने वाली कंपनियों में एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, अमेज़ॅन, कैपजेमिनी, डेलॉइट, ईवाई, जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी, नेशन विद

नमो, टीयू सिबिल और विप्रो ने कुल ऑफर का 10% आकर्षित किया। प्रतिष्ठित जनरल मैनेजमेंट डोमेन में एक्सिस बैंक, हीरो मोटोकॉर्प, एचटी मीडिया, जेएसडब्ल्यू, लोरियल, मारुति सुजुकी, फोन पे, रिलायंस, आरपीजी, शेल, टीएएस और ट्राइडेंट ग्रुप अन्य जैसी कंपनियों से 14% ऑफर के साथ उल्लेखनीय हिस्सेदारी देखी गई। प्लेसमेंट सीज़न में कंपनियों ने अपनी प्रतिष्ठित नेतृत्व भूमिकाओं के लिए भर्ती देखी, जैसे टाटा समूह में टीएएस– लीडरशिप प्रोग्राम, जिंदल ग्रुप में जेएसडब्ल्यू–लीडरशिप प्रोग्राम, रिलायंस ग्रुप में रिलायंस–लीडरशिप प्रोग्राम और आरपीजी ग्रुप में आरपीजी – लीडरशिप प्रोग्राम।

मैनेजमेंट इंटर्न के लिए किए गए ऑफर के साथ, ट्रेड और ऑपरेशंस में समग्र प्लेसमेंट में 11% हिस्सेदारी देखी गई। अमेज़ॅन, अपोलो टायर्स, बायर, बीडी, कारगिल, डीसीएम श्रीराम, फ्लिपकार्ट, एचसीसीबी, एलएंडटी, एलडीसी, मेर्सक, मेडट्रॉनिक, ओलम, एसएबीआईसी, शेल, टाटा स्टील, टीवीएस मोटर्स और विक्रम सोलर जैसे प्रतिष्ठित इन डोमेन में भर्तीकर्ताओं ने कई भूमिकाओं के लिए दौरा किया।

कुल प्रस्तावों में से 9% के साथ आईटी/एनालिटिक्स और उत्पाद प्रबंधन डोमेन आकर्षक बने रहे। उन्होंने पुराने भर्तीकर्ताओं और पहली बार के संघों के मिश्रण से भागीदारी देखी। आईआईएफटी को अमेज़ॅन, ब्लूमबर्ग, कैपजेमिनी, सिप्ला, एक्सपीरियन, फ्लिपकार्ट, एचडीएफसी क्रेडिला, हिमालय वेलनेस, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, विप्रो और कई अन्य कंपनियों की मेजबानी करने का सौभाग्य मिला।

हमने अमेज़ॅन, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, अपोलो टायर्स, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, बीएमडब्ल्यू, कैपजेमिनी, सिप्ला, सिटी बैंक, डेलॉइट, ईवाई, फ्लिपकार्ट, गोदरेज, गोल्डमैन सैसे, आईटीसी, जेएसडब्ल्यू ग्रुप, जेपी मॉर्गन चेज़ एंड कंपनी, लोरियल, मार्सक, मार्स, माइक्रोसॉफ्ट, मोंडेलेज़, फिलिप्स, प्यूमा, आरपीजी ग्रुप, टाटा ग्रुप, टाइटन, ट्राइडेंट और विप्रो जैसे पुराने भर्तीकर्ता देखे जिन्होंने आशाजनक संख्या में उम्मीदवारों का चयन किया है जो आईआईएफटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले छात्रों की गुणवत्ता का प्रमाण है।

प्रोफेसर (डॉ.) रोहित मेहतानी, प्रमुख, कॉरपोरेट रिलेशंस और प्लेसमेंट डिवीजन ने उन कंपनियों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने आईआईएफटी से भर्ती करने का विकल्प चुना। उन्होंने आगे कहा कि आईआईएफटी व्यापार और उद्योग के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने और बनाए रखने के महत्व को महत्व देता है और अच्छे प्लेसमेंट केवल उस मानसिकता और प्रयास की अभिव्यक्ति हैं। वह छात्रों को उनके कॉर्पोरेट प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

ग्रीष्मकालीन नौकरियां – एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) 2023–25 बैच

आईआईएफटी ने एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) कार्यक्रम का अपना ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट का उद्घाटन बैच पूरा किया। वर्ष 2023 में दो वर्षीय पूर्णकालिक एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें 2023 से 2025 तक के पहले समूह के विविध पृष्ठभूमि से आये छात्र शामिल थे।

आज के कॉर्पोरेट परिदृश्य में डेटा की तेजी से वृद्धि से प्रेरित, बिजनेस एनालिटिक्स के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में शिक्षा में उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, आईआईएफटी ने उपस्थिति दर्ज करने के लिए एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) कार्यक्रम की शुरुआत की। पाठ्यक्रम में मार्केटिंग, संचालन, रणनीति और वित्त जैसे मौलिक प्रबंधन विषयों को विशेष एनालिटिक्स पाठ्यक्रमों के साथ एकीकृत किया गया है, जिसमें बिग डेटा एनालिटिक्स, मार्केटिंग एनालिटिक्स, सप्लाई चेन एनालिटिक्स, जियोस्पेशियल एनालिटिक्स, वित्तीय और जोखिम एनालिटिक्स और ट्रेड एनालिटिक्स शामिल हैं।

मौजूदा बाजार चुनौतियों के बावजूद, 2023–25 के एमबीए (बीए) बैच ने प्रसिद्ध संगठनों के साथ ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप हासिल की, जिसमें कार्यक्रम की मजबूत शैक्षणिक नींव और कॉर्पोरेट केस प्रतियोगिताओं में छात्र के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर जोर दिया गया। अदानी विल्मर, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, एडीएम, अमूल, बजाज कैपिटल, केपजेमिनी, कार्स24, सीआईएफसीएल, डीपी वर्ल्ड, एप्सिलॉन मनी मार्ट, ईवाई, फ्लिपकार्ट, हापाग–लॉयड, इंडस वैली कॉस्मेटिक्स, इन्वेस्ट इंडिया, जेसीबी, जिंदल स्टील, लुईस ड्रेफस कंपनी, मैकडॉनल्ड्स इंडिया, मोग्लिक्स, मदरसन ग्रुप, एनटीपीसी, ओएनडीसी, क्वालकॉम, रैंचो लैब्स, टाटा पावर – डीडीएल, अल्ट्राटेक, वेकमोकॉन, वोल्टास, वोल्वो, और अन्य उल्लेखनीय कंपनियां प्लेसमेंट साझेदारों में शामिल हैं।

प्रो. (डॉ.) सतिंदर भाटिया, संस्थान के कुलपति ने कहा कि एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) के उद्घाटन बैच के लिए सराहनीय ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप चयन, आईआईएफटी द्वारा पेश किए जाने वाले उत्कृष्ट शिक्षाशास्त्र और प्रतिभा पूल में कॉर्पोरेट क्षेत्र के निरंतर विश्वास का प्रमाण है। यह मान्यता शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने में संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

प्रो. (डॉ.) रोहित मेहतानी, प्रमुख, कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट प्रभाग ने आईआईएफटी में एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स) के उद्घाटन समूह से उम्मीदवारों का चयन करने वाली कंपनियों की सराहना की। उन्होंने उद्योग हितधारकों के साथ स्थायी संबंधों को बढ़ावा देने के लिए एलआईएफटी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, और संस्थान के एनालिटिक्स में विस्तार को एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने स्वीकार किया कि ये प्रतिबद्धता और प्रयास अच्छी प्लेसमेंट द्वारा दर्शाया जाता है। छात्रों को कॉर्पोरेट यात्रा में सफलता से आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दी।

छात्र गतिविधियाँ 2023–24

दिल्ली परिसर

शैक्षणिक वर्ष 2023–24 फिर से आईआईएफटी दिल्ली के छात्रों के लिए सबसे अधिक फलदायी वर्षों में से एक रहा है। 2 साल से अधिक समय तक ऑनलाइन आयोजित होने के बाद सभी कार्यक्रम बहुत शोर–शराबे के साथ ऑफलाइन आयोजित किए गए। घटनाओं का विवरण इस प्रकार है:

1. TEDx
2. प्रोदसाहन
3. क्वो वादिस
4. राष्ट्रीय विज्ञापन सम्मेलन
5. आखरी दंगल
6. नेत्रत्व
7. गरबा उत्सव

ट्रेड विंड– 13–15 अक्टूबर 2023

आईआईएफटी दिल्ली द्वारा हर साल आयोजित किया जाने वाला प्रमुख बिजनेस कॉन्क्लेव बड़ी सफलता रही जिसमें 8 अलग–अलग शिखर सम्मेलन 3 दिनों में आयोजित किए गए। आईआईएफटी के क्लब या सेल द्वारा प्रत्येक शिखर सम्मेलन का नेतृत्व किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस आयोजन में छात्रों और उद्योग जगत की एक जैसे उत्साह के साथ भागीदारी देखी गई।

गरबा उत्सव – 20 अक्टूबर 2023

सांस्कृतिक समिति, मेलांज ने परिसर में गरबा रात मनाई। इसकी शुरुआत हुई मां दुर्गा की पूजा आरती और प्रसाद वितरण से। परिसर की सजावट चटकीली थी और पारंपरिक गरबा संगीत पारंपरिक पोशाक पहने छात्रों को डांस फ्लोर पर खींचे ले रहा था। हंसी, संगीत और स्वादिष्ट गुजराती व्यंजनों की खुशबू हवा में घुल रही थी और छात्र यादें समेटने और नई दोस्त बनाने में मगन थे। यह संस्कृति और समुदाय से जुड़ा एक जोशीला उत्सव है, जो इस रंगा–रंग पर्व में भाग लेने वाले सभी लोगों पर एक अमित छाप छोड़ता है।

मैराथन – 19 नवंबर 2023

आईआईएफटी की सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित आईआईएफटी मैराथन दिल्ली एनसीआर के यूजी और पीजी कॉलेजों के 1000 से अधिक छात्रों की भागीदारी के साथ एक बड़ी सफलता रही।

मैराथन की थीमः ''रन फॉर प्राइड'' के माध्यम से, इस वर्ष हमारा लक्ष्य था समावेशिता के बारे में जागरूकता, बातचीत और कार्रवाई को बढ़ाना। 19 नवंबर 2023 को आयोजित मैराथन में शामिल होंगी 4 दौड़ें – 5.5 किमी (पुरुष और महिला) और 11.5 किमी (पुरुष और महिला)।

रक्तदान– 28 नवंबर 2023

सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित, रक्तदान अभियान सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सशक्त भागीदारी का साक्षी यह प्रभावशाली आयोजन कक्षा से बाहर ले जा कर छात्रों पर सकारात्मक प्रभाव डालने का हमारा समर्पित प्रयास है।

बिग फाइट – 9–12 जनवरी 2024

जनवरी में, आईआईएफटी दिल्ली के सभी वर्गों का प्रतिस्पर्धी माहौल में एक मनोरंजक मुकाबला देखने को मिला। मेलेंज द्वारा संचालित और आयोजित – आईआईएफटी, दिल्ली की सांस्कृतिक समिति, बिग फाइट, विभिन्न आयोजनों के प्रबंधन से लेकर टीम निर्माण और संचार तक एमबीए के सभी पहलुओं को शामिल करती है।

विभिन्न आयोजनों, खेलों और गतिविधियों में, सेक्शन ए शीर्ष पर रहा और उसे सेक्शन वॉर्स 2024 के विजेता का ताज पहनाया गया।

फोटोग्राफी कार्यशाला – 27 जनवरी 2024

पिक्ससेल, आईआईएफटी ने फोटोग्राफी 101 की मेजबानी की पिक्ससेल संस्थान के सभी फोटोग्राफी प्रेमियों के लिए तैयार की गई कार्यशाला है। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्तकर्ता, शूटगुरु के श्री क्षितिज शीतक के नेतृत्व में इसका प्रारम्भ फोटोग्राफी में रचना और संयम की बुनियादी बातों की व्यावहारिक खोज के साथ उगा फिर एक आकर्षक व्यावहारिक आउटडोर सत्र चला।

कला के प्रति उनका जुनून को बढ़ाते हुए, कार्यशाला ने उपस्थित लोगों को सीखने के अवसर और याद रखने के योग्य अनुभव प्रदान किए।

एड्रेनालाईन – 2–4 फरवरी 2024

खेल समिति द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला आईआईएफटी का प्रमुख खेल टूर्नामेंट, इस साल एक बड़ी सफलता रही, जिसमें रिकॉर्ड संख्या में टीमों और कॉलेजों ने भाग लिया। इस महान आयोजन में विभिन्न खेलों और आयोजनों में, खिलाड़ी और टीमें चौंपियन बनने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं।

नेतृत्व – 11 फरवरी 2024

पूर्व छात्र मामलों के प्रभाग और पूर्व छात्र संबंध समिति ने वार्षिक प्रमुख सम्मेलन, नेतृत्व की सफलतापूर्वक मेजबानी की। नेतृत्व 2024 का विषय था ''मानव नेता को उजागर करना''। चर्चा के पैनलिस्ट थेः

1. श्री संजय गोपीनाथः मार्केटिंग प्रमुख, मैथवर्क्स इंडिया।
2. सुश्री नेहा मारकंडाः ई–कॉमर्स प्रमुख, गूगल।
3. श्री अमिताभ शेरगिलः वरिष्ठ निदेशक–संचालन, दिल्लीवेरी।

नेतृत्व 2024 ने प्रौद्योगिकी और तेजी से बदलाव के प्रभुत्व वाली दुनिया में नेतृत्व के प्रामाणिक, मानवीय पहलुओं की पड़ताल की ।

क्वो वादिस – 16–18 फरवरी 2024

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) का वार्षिक उत्सव, "क्वो वादिस" संस्कृति, प्रतिभा और बुद्धि का एक जीवंत और गतिशील उत्सव है। भारत के प्रमुख बिजनेस स्कूलों में से एक, आईआईएफटी, क्वो वादिस की मेजबानी करता है ताकि देश भर के छात्रों को अपना कौशल दिखाने, प्रतिस्पर्धा करने, सहयोग करने और नेटवर्क बनाने के लिए एक मंच मिल सके। लैटिन वाक्यांश ''क्वो वादीस'' का अनुवाद है ''आप कहाँ जा रहे हैं?'' और ये अन्वेषण और दूरदर्शिता के सार को प्रतिबिंबित करने वाले इस आयोजन को परिभाषित करता है।

ब्रैंडवैगन द्वारा अंतरांग – 24 फरवरी 2024

आईआईएफटी दिल्ली का राष्ट्रीय विज्ञापन कॉन्क्लेव 24 फरवरी 2024 को आयोजित किया गया था। कॉन्क्लेव का उद्देश्य आईआईएफटी दिल्ली के छात्रों को विज्ञापन की दुनिया से परिचित कराना और उन्हें प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि और अनुभव से सीखने में मदद करना था। इस कार्यक्रम में ऐड–डिकोड, ऐड–मैड्स, ऐड–फिएस्टा और मेगा ऐड

क्विज बैटल से लेकर कई कार्यक्रम और कॉन्क्लेव शामिल थे।

प्रोत्साहन – 25 फरवरी 2024

आईटी कंसल्टिंग, एनालिटिक्स, प्रोडमैन और ई–कॉमर्स क्लब का वर्ष का प्रमुख कार्यक्रम "सिस्टमिक्स" था जिसमें छात्र न केवल अपने उत्पाद प्रबंधन कौशल दिखाने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, बल्कि प्रोडमैन और ईकॉमर्स में नवीनतम रुझानों के नए कौशल और ज्ञान को सीखते, अनसीखते और फिर से सीखते हैं। इस वर्ष, प्रोडसाहन का आयोजन 25 फरवरी को कॉलेज परिसर में किया गया था और इसमें पीएम बोर्डरूम चौलेंज, पीएम वर्कशॉप और पीएम प्रोडक्ट पिच रिले चौलेंज शामिल थे। आईआईएफटी और अन्य संस्थानों के छात्रों के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करने के साथ–साथ शीर्ष कॉर्पोरेट नेताओं और प्रबंधको ने संस्थान का हिस्सा बनकर तीनों कार्यक्रमों को जज किया।

आखिरी दंगल – 2–5 मार्च 2024

खेल समिति द्वारा आयोजित, आखिरी दंगल आईआईएफटी के पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रमों के वरिष्ठ और कनिष्ठ बैचों को एक–दूसरे के आमने–सामने खड़ा करता है। प्रतिस्पर्धा की अनूठी मुठभेड़ में, दोनों बैच खुद को सभी खेलों में माहिर साबित करने का प्रयास करते हैं। परंपरा के अनुसार, इस वर्ष भी वरिष्ठ बैच ने दर्जनों स्पर्धाओं में प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ जीत हासिल की।

विदाई: 14 मार्च 2024

मार्च में, आईएमएफ ने भावभीनी विदाई दी, जिसमें सभी पीओआर धारकों और ओसी सदस्यों को सम्मानित किया गया। जीएसएम प्रमुख ने निवर्तमान बैच को अपने आगामी कॉर्पोरेट करियर में शानदार सफलता हासिल करने के लिए प्रेरित करते हुए उत्साहपूर्ण भाषण दिया। मेलेंज ने वरिष्ठ बैच के लिए यादगार विदाई पार्टी का भी आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज में पढ़ाई पूरी करने के बाद अब विदा होने वाले छात्रों के लिए सम्मान था।

कोलकाता परिसर

क्लब और सेल गतिविधियाँ

क्लब / सेल	दिनांक	गतिविधि	विवरण
क्विजाड्डी	2 फरवरी	''क्विज क्विज होता है''	2023 और 2024 के बैच के लिए मजेदार मूवी क्विज की मेजबानी की।
	20 फरवरी	''ब्रांडवाइजर''	अंतर्राष्ट्रीय बाजार में विपणन चमत्कारों पर विपणन प्रश्नोत्तरी।
	2 मार्च	पॉप–ए–रैजी	अद्वैत '23 के दौरान पॉप कल्चर क्विज आयोजित किया गया।
कोशिश	23–27 फरवरी	कपड़ा दान अभियान	कपड़ा दान अभियान, ट्विल्स के सहयोग से चलाया गया और लगभग 40 बक्से एकत्र किए गए।
ईआरसी	23 फरवरी	''भविष्य और विकल्प'' पर सत्र	ईआरसी द्वारा एमबीए (आईबी) और एमए (इको) बैचों के लिए इक्विटी बाजार, संकेत, विकल्प और भविष्य के विषय पर एक ज्ञान हस्तांतरण सत्र आयोजित किया गया था।

खेलकूद गतिविधियां

दिनांक	गतिविधि	विवरण
17 जनवरी	''देसी खेल''	पोंगल, संक्रांति और लोहड़ी के उत्सवों के साथ–साथ मजेदार खेल और गतिविधियाँ। खो–खो, पिठू (सितोलिया), मटका फोड़ जैसे खेल।
5 फरवरी	''ऑनलाइन फीफा टूर्नामेंट''	मशहूर फुटबॉल गेम फीफा 22 का ऑनलाइन टूर्नामेंट
13–19 फरवरी	अनुभाग युद्ध	आईआईएफटी कोलकाता की वार्षिक फ्लैगशिप इंट्रा–कॉलेज खेल प्रतियोगिता 5 खेलों और 4 प्रतिस्पर्धी वर्गों के साथ 7 दिनों तक आयोजित हुई ।
7 मार्च	महिला दिवस	महिला दिवस के अवसर पर प्रतियोगितात्मक थ्रोबॉल खेल का आयोजन किया गया।

टोस्टमास्टर्स इवेंट

74वीं टोस्टमास्टर्स क्लब बैठक की मेजबानी 9 मार्च 2024 को की गई जिसमे विभिन्न विषयों पर भाषण दिए गए। सभी भाषण तात्कालिक थे और 1995–97 बैच के पूर्व छात्र श्री सौम्यो उपाध्याय ने इसमें भाग लिया था।

विवान 9.0

10–12 अक्टूबर 2023 के दौरान ''स्थायी डिजिटल परिवर्तनों द्वारा अर्थव्यवस्थाओं को फिर से आकार देना'' विषय पर होने वाला वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शिखर सम्मेलन था विवान 9.0 ।

यह ऐसे समय में आया जब दुनिया अभूतपूर्व बदलाव देख रही है। उद्योगों में डिजिटल प्रौद्योगिकी के अपनाए जाने में COVID-19 महामारी तेजी ले के आई है, जिससे व्यवसाय अपनी रणनीतियों और संचालन का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित हुए । सामूहिक रूप से हम जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करने और अधिक न्यायसंगत भविष्य बनाने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में स्थिरता चिंता का विषय है।

अद्वैत

1. कोलकाता परिसर के छात्रों ने 2–3 मार्च 2024 को वार्षिक कॉलेज उत्सव, अद्वैत 2024 आयोजित किया।
2. आईआईएफटी, कोलकाता के छात्रों ने स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 5 किमी की मैराथन 1.0 दौड़ का भी आयोजन किया। विभिन्न श्रेणियों में वितरित पुरस्कार पूल के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, 220 से अधिक व्यक्तियों ने पंजीकरण कराया। इस कार्यक्रम को प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से भी लाभ हुआ और इसके आउटरीच प्रयास काफी सफल हुए। स्थानीय पुलिस प्राधिकरण के साथ साझेदारी ने आयोजन के सुचारू संचालन और अंतिम सफलता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ मिलकर, दोनों ने जागरूकता और सामुदायिक समर्थन को बढ़ाने के मिशन को आगे बढ़ाया।

काकीनाड़ा परिसर

क्र. सं	गतिविधि	दिनांक	गतिविधि का विवरण
1.	दिवाली दीया पेंटिंग गतिविधि	12 नवंबर 2023	एक रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां छात्रों ने पारंपरिक दिवाली दीयों को चित्रित करके अपने कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया।
2.	दैनिक एरोबिक्स	सितंबर 2023 – दिसंबर. 2023	छात्रों के बीच शारीरिक फिटनेस और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस प्रशिक्षकों के नेतृत्व में दैनिक एरोबिक्स सत्र आयोजित किए गए।
3.	गणतंत्र दिवस की गतिविधियाँ	26 जनवरी 2024	भारत के गणतंत्र दिवस को मनाने के लिए प्रदर्शनों और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया।
4.	''कॉर्पोरेट जगत के लिए तैयारी'' पर ऑनलाइन वक्ता सत्र	29 जनवरी 2024	मानव संसाधन प्रबंधक, माइक्रोसॉफ्ट, श्री मनोज गुप्ता कादिरासेट्टी ने खुद को कॉर्पोरेट जगत के लिए तैयार करने में उपयोग की जाने वाली रणनीतियों और तकनीकों पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।
5.	एरिस ओरिजिनल	फरवरी 2024	एक वार्षिक चर्चा की मेजबानी की जिसमे बहस करने में अपनी रुचि के पीछे की व्यक्तिगत कहानियाँ और प्रेरणाएँ छात्रों ने साझा कीं

क्र. सं	गतिविधि	दिनांक	गतिविधि का विवरण
6.	गर्ल अप आईआईएफटी	1 फरवरी 2024	1. पैड दान और मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान। 2. एक एनजीओ द्वारा संचालित स्कूल, उमा मनोविकास केंद्र में सैनिटरी पैड इकट्ठा करने और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक दान अभियान चलाया।
7.	''इजरायल–हमास युद्ध में महिलाओं की भूमिका'' पर गोलमेज चर्चा जीएई आईआईएफटी	3 नवंबर 2023	गोलमेज चर्चा युद्ध पर नारीवादी दृष्टिकोण पर केंद्रित थी और दो युद्ध ग्रस्त क्षेत्रों की महिलाओं और युद्ध में उनकी भूमिका को युद्ध ने कैसे प्रभावित किया है।
8.	जीएई आईआईएफटी	जून–अगस्त 2023, जनवरी–मार्च 2024	अनुसंधान, विपणन और वित्त पर 4 लाइव परियोजनाएं वित्त, विपणन और अनुसंधान क्षेत्र में इकोनिफाइड, हॉटनॉट, मेटियोर वेंचर और जीलयुग के साथ लाइव परियोजनाओं का संचालन किया।
9.	मार्केटिंग मास्टरक्लास	20 नवंबर 2023	प्रिंसिपल, आदित्य ग्लोबल बिजनेस स्कूल और पूर्व शिक्षण सहयोगी आईएसबी हैदराबाद, डॉ. संजय कुमार द्वारा ली गई 3 घंटे की मार्केटिंग मास्टरक्लास का आयोजन किया गया। यह सत्र आईपीएम के प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के सभी छात्रों के लिए आयोजित किया गया था।
10.	आदित्य बिजनेस स्कूल में वित्त पर व्याख्यान	20 अक्टूबर 2023	प्रथम वर्ष बीबीए और बी.कॉम छात्रों के लिए आदित्य ग्लोबल बिजनेस स्कूल में व्यक्तिगत वित्त पर व्याख्यान।
11.	केस प्रतियोगिता (क्रिप्टिक बांड)	18–26 नवंबर 2023	पूरे भारत के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से भाग लेने वाले छात्रों के साथ 1 सप्ताह तक चलने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की केस प्रतियोगिता। इसमें 150 से अधिक छात्र उपस्थित थे।
12.	साझा करें/अच्छा करें, अच्छा करें	मार्च 2023 to दिसंबर 2024	स्टार्टअप मॉड्यूल आरंभः छात्रों के बीच उद्यमशीलता और टिकाऊ व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक स्टार्टअप मॉड्यूल शुरू करने की योजना बनाई गई है।
13.	कैरियर मेला	19 जनवरी 2024	छात्रों को उद्योग विशेषज्ञों और आईआईएफटी के पूर्व छात्रों से जोड़ने के लिए एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव करियर मेले का आयोजन किया गया।
14.	पूरे वर्ष गणेश चतुर्थी, दिवाली, नवरात्रि, गणतंत्र दिवस, लोहड़ी आदि जैसे विभिन्न त्योहार भी मनाए गए।		

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में आईआईएफटी के छात्रों द्वारा जीते गए पुरस्कार

क्र. सं.	केस कॉम्प नाम	कंपनी	रैंक
1.	एबीइनबेव 100 चुनौती	एबीइनबेव	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
2.	एक्सेंचर बी–स्कूल रणनीति चुनौती	एक्सेंचर	कैम्पस विजेता
3.	एशियन पेंट्स कैनवास	एशियन पेंट्स	कैम्पस विजेता
4.	मारुति सुजुकी एक्ससीलेरेट	मारुति सुजुकी	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
5.	टैली बिजविज 2023	टैली	प्रथम रनर अप
6.	फिन वैली 7.0	इंडस वैली पार्टनर्स	राष्ट्रीय विजेता
7.	बेक द केस	प्लैडिस ग्लोबल	प्रथम रनर अप
8.	आईटीसी इंटररोबैंग 13	आईटीसी	कैम्पस विजेता
9.	कोका–कोला डिसरप्ट सीजन 3	कोका–कोला एचसीसीबी	राष्ट्रीय सेमी फाइनलिस्ट
10.	एयर इंडिया एस.ओ.ए.आर.	एयर इंडिया	राष्ट्रीय द्वितीय उपविजेता
11.	एक्सेंचर इनोवेशन चौलेंज 2023	एक्सेंचर	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
12.	2023 वी गार्ड बिग आइडिया बी प्लान प्रतियोगिता 2023	वी गार्ड	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
13.	टीवीएस क्रेडिट ई.पी.आई.सी 5.0– रणनीति चुनौती	टीवीएस क्रेडिट	विशेष जूरी पुरस्कार विजेता– नवप्रवर्तन
14.	एशियन पेंट्स कॉग्नोसेंटी	एशियन पेंट्स	कैम्पस विजेता
15.	रेकिट कैरियर कम्पास	रेकिट	कैम्पस विजेता (बिक्री एवं विपणन ट्रैक)
16.	गवर्नेंस चौलेंज टीजीसी– 2023	समग्र	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
17.	टाटा इमेजिनेशन चौलेंज 2023		राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
19.	मोंडेलेज मेस्ट्रोस 2023	मोंडेलेज	कैम्पस विजेता
20.	टीसीपीएल ग्रो बियॉन्ड बेटर	टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
21.	अल्टीमेट पिच 9	रिलायंस	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
22.	एमआई शिखर सम्मेलन	एमआई	कैम्पस विजेता
23.	अनस्टॉप क्रिएटिव हैकथॉन	जियो क्रिएटिव लैब्स	राष्ट्रीय विजेता
24.	नेशन बिल्डिंग केस स्टडी प्रतियोगिता	नेशन विद नमो	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
25.	नेशन बिल्डिंग केस स्टडी प्रतियोगिता	नेशन विद नमो	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
26.	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फेम 3.0: सेफ हाइवेज चुनौती	आईडीएफसी फर्स्ट बैंक	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
27.	सीएफए आर.सी.	सीएफए संस्थान	राष्ट्रीय विजेता

उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य के साथ संवाद

कॉर्पोरेट संबंध और नियोजन प्रभाग, उद्योग जगत के नेताओं और विशेषज्ञों का ज्ञान और बहुमूल्य अनुभव छात्रों के साथ साझा करने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। उद्योग जगत की बेहतर समझ हासिल करने के लिए और अपने अधिगम वक्र को सुधारने के लिए ये मंच उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत करने में छात्रों की सहायता करता है। वर्ष के दौरान आईआईएफटी परिसर में आने वाले प्रख्यात वक्ता थेः

वक्ता का नाम	पदनाम	कंपनी का नाम
श्री आतिश यादव	वरिष्ठ प्रबंधक– अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विकास	
श्री अभिनव सिन्हा	वैश्विक सीओओ एवं मुख्य उत्पाद अधिकारी	ओयो
श्री आदित्य नंदा	क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डीएनबी और मिड मार्केट	मैंगो डी बी
श्री आकाश राजपूत	मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, सह–संस्थापक	
श्री अमित चोखानी	कार्यकारी निदेशक	जेपी मॉर्गन चेज एंड कंपनी
श्री आनंद सिंह	शाखा विक्रय प्रबंधक	मोंडेलेज
सुश्री आंचल अग्रवाल	निवेश, एडलवाइस अल्टरनेट एसेट एडवाइजर्स	एडलवाइज
श्री अनीश चड्ढा	राष्ट्रीय बिक्री विकास प्रबंधक	
सुश्री अंजू वर्मा	मानव संसाधन प्रमुख	प्लाडिस ग्लोबल
श्री आशीष कश्यप	वरिष्ठ क्षेत्रीय व्यवसाय प्रबंधक	टाइटन
श्री आशीष खन्ना	चीफ ऑफ स्टाफ और वैश्विक विपणन प्रमुख	न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर
श्री आशीष मिश्रा	प्रमुख, जनरल मिल्स डिजिटल एंड टेक्नोलॉजी इंडिया	जनरल मिल्स
डॉ. अतुल मेहता	वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बिक्री	रेजरपे
सुश्री अवनि दुबे	एचआरबीपी लीड	फोनपे
श्री आयुष चतुर्वेदी	क्षेत्र प्रबंधक	
श्री भावेश कुमार	वरिष्ठ महाप्रबंधक – प्रमुखः आपूर्ति श्रृंखला योजना (यूएस और भारत)	ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स
श्री धर्मवीर सिंह	क्षेत्रीय शाखा प्रबंधक–उत्तर भारत	
सुश्री दिव्या कुमार	मुख्य वित्तीय अधिकारी – डिजिटल	आईकिया
श्री गोविंद चंद्रन	डी–कॉमर्स के लिए राष्ट्रीय कुंजी खाता प्रबंधक	
श्री. के. वी. राओ	रेजिडेंट डायरेक्टर–आसियान, टाटा संस लिमिटेड, अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य, टाटा समूह क्षेत्रीय सहायक कंपनियां–आसियान	टीएएस

सुश्री कनिष्का जैन	मानव संसाधन प्रोग्राम और कैंपस लीड	
श्री कपिल राठी	सह–संस्थापक और अध्यक्ष	जंगली गेम्ज
श्री करण भाया	उपाध्यक्ष	स्टेटस्ट्रीट
श्री कौशल कापड़िया	प्राचार्य एवं प्रमुख – निधि प्रशासन	मल्टीपल्स ऑल्टरनेट ऐसेट मैनेजमेंट
श्री किंजल चौधरी	वैश्विक अध्यक्ष, मानव संसाधन	कैडिला फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
श्री महेश कंचन	मुख्य कार्यकारी अधिकारी	डेल मोंटे
श्री मानव शंगारी	मानव संसाधन परिवर्तन	
श्री मनीष नय्यर वोरा	सहायक उपाध्यक्ष, मानव संसाधन	ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज
सुश्री मानवी सुशील	मानव संसाधन नेता	जीएसके
श्री मयंक शुक्ला	प्रधान रणनीतिकार, आईटी रणनीति कार्यालय, सीईओ कार्यालय	फास्ट रिटेलिंग
सुश्री मीनू फांकें	मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी	पेरनोड रिचर्ड
सुश्री मोनिका अग्रवाल	प्रबंध निदेशक – वित्तीय सेवाएँ	कॉर्न फेरी
श्री नील जाधव	उपाध्यक्ष, विपणन	कटोनिक
श्री नील जाधव	उपाध्यक्ष, विपणन	कटोनिक ए.आई
श्री नीतन चोपड़ा,	मुख्य डिजिटल एवं सूचना अधिकारी	इंडिगो (इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड)
सुश्री निधि एस मित्तल	प्रमुख – ब्रांड प्रबंधन	जियोसावन
श्री नितिन अरोड़ा	बिजनेस लीडर – वैश्विक व्यापार	वोल्टास लिमिटेड– एक टाटा उद्यम
श्री प्रशांत आत्रे	एसोसिएट प्रबंधक (मानव संसाधन)	
श्री प्रशांत गोयल	प्रमुख, वित्त एवं कानून	फ्लिपकार्ट वायर्ड
श्री पृथ्विश रे	मुख्य व्यवसाय अधिकारी	हाइपरफेस
श्री प्रियावंश सिंह	प्रबंधक (कैंपस और पार्श्व भर्ती)	
श्री राहुल तापडिया	ऊर्जा एवं स्थिरता प्रमुख	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड
श्री राजीव कॉल	मुख्य परिचालन अधिकारी	एकस प्रा. लिमिटेड
श्री राजेश के (कुमारमेनन)	मुख्य गुणवत्ता एवं स्थिरता अधिकारी	लिशियस
सुश्री रवीना कोहली	प्रैक्टिस लीड, चेंज मैनेजमेंट वर्टिकल	ब्रिसलकोन
श्री रोहन कुमार सुदन	एसोसिएट उपाध्याय – कैंपस और अर्ली एंगेजमेंट प्रोग्राम	डब्ल्यूएनएस ग्लोबल सर्विसेज
श्री रोहित मल्होत्रा	उद्यम कार्यक्रम प्रमुख	सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स
श्री सामयिक घोसाल	ई–कॉमर्स मार्केटिंग प्रमुख, मार्स पेटकेयर	मार्स
सुश्री समृद्धि त्रिसाल	वरिष्ठ प्रबंध सलाहकार	मास्टर कार्ड
श्री संदीप दत्ता	मुख्य अभ्यास अधिकारी एवं कार्यकारी दल सदस्य	फ्रैक्टल एनालिटिक्स
श्री संदीप मोदी	मुख्य वित्तीय अधिकारी	हिंदुस्तान जिंक
श्री सरोज मिश्रा	विपणन और उपभोक्ताकरण उत्कृष्टता केंद्र प्रमुख – भारत और वैश्विक बाजार	डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीस
श्री सेई तोमोहिको	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूनीक्लो इंडिया	फास्ट रिटेलिंग

श्री शरद द्विवेदी	वरिष्ठ सहयोगी प्रतिभा अधिग्रहण	
सुश्री शिल्पा महापात्र	समूह प्रबंधक–कॉर्पोरेट रणनीति एवं योजना	एनईसी कॉर्पोरेशन इंडिया प्रा. लिमिटेड
श्री श्रवण शांघारी	उपाध्यक्ष प्रतिभा अधिग्रहण	एयर इंडिया लिमिटेड
सुश्री श्रुति मुरारका	कैम्पस विशेषज्ञ	
सुश्री स्नेहा पाई	मानव संसाधन प्रबंधक	एशियन पेंट्स
श्री सोम कपूर	सहभागी	अर्न्स्ट एंड यंग ग्लोबल कंसल्टिंग सर्विसेज
श्री सुनंदन श्रीधरन	निदेशक, एफपी एंड ए	ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट
श्री सुप्रतीक भट्टाचार्य	मुख्य प्रतिभा अधिकारी	आरपीजी समूह
सुश्री सुरभि शर्मा	सहयोगी सलाहकार	इंटुएरी ग्लोबल कंसल्टिंग
श्री विजय बाल्यान	प्रबंध निदेशक, लीड डिजिटल विनिर्माण एवं संचालन और लीड इंडिया इंडस्ट्री X.0	एक्सेंचर रणनीति
श्री विजय भडोरिया	एसोसिएट निदेशक, वैश्विक सलाहकार	रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी
श्री विक्रम जैन	प्रबंध निदेशक	एफएसजी सलाहकार
श्री विक्रांत भार्गव	मुख्य डिजिटल अधिकारी	इनमॉर्फिस
श्री विक्रांत गोयल	मुख्य मानव संसाधन अधिकारी	गेम्स 24X7
श्री विनायक तलवार	वरिष्ठ प्रबंधक – नेतृत्व नियुक्ति एवं कैम्पस पहल	
सुश्री विनीता टिक्कू	मानव संसाधन अधिकारी	
श्री विशाल मलिक	मुख्य परिचालन अधिकारी	कर्नी
श्री योगेश नागपाल	राष्ट्रीय बिक्री निदेशक, जियो विज्ञापन	जियो प्लेटफार्म
श्री योगेश तिवारी	उपाध्यक्ष विपणन	आरपीएसजी (एफएमसीजी)– गिल्टफ्री इंडस्ट्रीज लिमिटेड

विदेश व्यापार पुस्तकालय

विदेश व्यापार पुस्तकालय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वातावरण पर सूचना संसाधन के संगठित संग्रह पर ज्ञान का भंडार है, जो संदर्भ या उधार के रूप में मुद्रित या ई–फॉर्म में अपने पाठकों के लिये उपलब्ध है। विशेष प्रकाशन, रिपोर्ट, डेटाबेस, ई–पत्रिका, मुद्रित पत्रिका, निबंध इत्यादि को संग्रह में जोड़ने का और खुद को नियमित रूप से अपडेट रखने का विदेश व्यापार पुस्तकालय का प्रयास जारी है। वर्तमान में लाइब्रेरी में 1,07,641 संसाधनों का प्रभावित करने वाला संग्रह है जिसमें सांख्यिकीय सिद्धांत, बैंकिंग, उद्योग, प्रबंधन, विपणन, उपभोक्तावाद, भूराजनीतिक आर्थिक प्रणालियाँ, सेवाएँ, कंप्यूटर, आईटी, व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परिवहन और व्यापार संचार इत्यादि विषयों पर 79,716 पुस्तकध्सीडी–खंड, 18,278 जिल्दबद्ध पत्रिकाएँ और 233 पत्रिकाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय के संग्रह में शामिल है अनुसंधान रिपोर्ट, कंपनी रिपोर्ट, सांख्यिकीय वार्षिक प्रकाशन, केस अध्ययन, सीडी–आर ओएमएस, वीडियो कैसेट्स। अपने दिल्ली, कोलकाता और काकीनाड़ा परिसरों के लिए पुस्तकालय के पास ई–संसाधनों का विशिष्ट संग्रह है और उसके पास विशेष केंद्र सीआरआईटी संसाधन केंद्र भी है जो केवल विश्व व्यापार संगठन और संबंधित मुद्दों पर प्र्याप्त जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा, पुस्तकालय प्रकाशनों से खुद को लगातार समृद्ध करता रहता है। इसके संग्रह में संयुक्त राष्ट्र एजेंसियां, आईटीसी/यूएनसीटीएडी/डब्ल्यूटीओ, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, मंत्री और भारत सरकार के प्रभाग, निर्यात संवर्धन परिषदें, कमोडिटी बोर्ड और अन्य व्यापार संवर्धन संगठन जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रकाशन शामिल है।

सीआरआईटी संसाधन केंद्र सहित सभी आईआईएफटी परिसर पुस्तकालयों का 2023–2024 के दौरान पुस्तकालय अधिग्रहण का अनुभाग–वार वितरण नीचे दिया गया है:

2023–2024 के दौरान पुस्तकालय अधिग्रहण की स्थिति

अनुभाग	2023–2024 में अधिग्रहण	कुल यथास्थिति 31–3–2024
किताबें, रिपोर्ट, वीडियो कैसेट और सीडी–रोम	1018	79,716
दस्तावेज	0	9,122
पत्रिकाओं की बद्ध जिल्दें (प्राप्त मानार्थ पत्रिकाओं सहित)	397	18,278
सब्स्क्राइब्ड जर्नल	233	233
डेटाबेस/ऑनलाइन साइटें/ई–जर्नल्स	27	27
कुल	**1675**	**1,07,641**

ई–संसाधन

दिल्ली, कोलकाता और काकीनाड़ा केंद्रों के बारे में अपने पाठकों को 24 घंटे ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध कराने को सुगम बनाने के लिए ब्लूमबर्ग, सीएमआईई डेटाबेस (प्रोवेस, भारत व्यापार और उद्योग विश्लेषण सेवा), कमोडिटी प्राइस बुलेटिन, डीजीसीआईएस स्टेटिस्टिक्स, ईफार्मेल, आईएफएस, इंडिया स्टेट. कॉम, इन्साइड ट्रेड. कॉम, प्रो क्वेस्ट, सन्स मैगजीन, ट्रेड मैप, वर्ल्ड बैंक ऑनलाइन डेटाबेस, वर्ल्ड ट्रेड एटलस, डब्ल्यूआईटीएसय 4– ई पत्रिका संकुल अर्थात ब्लैकवेल सिनर्जी (21 ई पत्रिका), ईबीएससीओ और एमरल्ड मैनेजमेंट ई पत्रिका जानकारी संग्रह (213 शीर्षक) और कुछ व्यक्तिगत पत्रिकाओं जैसे 29 ऑनलाइन और ऑफलाइन डेटाबेस की सदस्यता भी पुस्तकालय प्राप्त कर रहा है। देश अध्ययन, कृषि पर सांख्यिकीय डेटा, अर्थव्यवस्था, जनसांख्यिकी, श्रम, मीडिया, शिक्षा बाजार पूर्वानुमान, बाजार रिपोर्टय कंपनियों का वार्षिक डाटाय स्टॉक मार्केट टैरिफ और गैर–टैरिफ बाधाएंय डब्ल्यूटीओ से संबंधित विवाद, डब्ल्यूटीओ में मामले और दिन–प्रतिदिन का विकास, विभिन्न देशों के संकेतक, भारतीय राज्यों के लिए डेटा, विदेश व्यापार, विभिन्न देशों के साथ भारत का क्षेत्रीय एकीकरण और विदेशी व्यापार से संबंधित कई अन्य क्षेत्रों पर यह डेटाबेस महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है।

आईआईएफटी काकीनाडा पुस्तकालय (2023–2024)

विदेश व्यापार पुस्तकालय, विदेश व्यापार और डब्ल्यूटीओ से संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में एक ज्ञान बैंक है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक पर्यावरण, व्यापार और रसद, वित्त और लेखांकन पर सूचना संसाधनों का एक संगठित संग्रह है जो पाठकों के संदर्भ के लिए मुद्रित रूप में उपलब्ध है। पुस्तकों को पुस्तकालय से छात्र उधार भी ले सकते हैं. पुस्तकालय का अपने संग्रह को बढ़ाने का प्रयास जारी है। वर्तमान में, पुस्तकालय में 600 पुस्तकों और विभिन्न प्रकार की अन्य पत्र–पत्रिकाओं का संग्रह है।

2023–2024 के दौरान पुस्तकालय अधिग्रहण की स्थिति

अनुभाग	2023–2024 में अधिग्रहण	31–3–2024 तक कुल
किताबें, रिपोर्ट, वीडियो कैसेट और सीडी–रोम	380 पुस्तकें	598 पुस्तकें
दस्तावेज		
पत्रिकाओं की बद्ध जिल्दें (निःशुल्क प्राप्त होने वाली पत्रिकाओं सहित)	7 अलग–अलग पत्रिकाएँ	144 इकाइयाँ

पत्रिकाओं की सूची (अप्रैल 2023–मार्च 2024)

क्र.सं.	आउटलुक	इंडिया टुडे	योजना	कुरूक्षेत्र	प्रतियोगिता दर्पण	कॉम्पटीशन सक्सेस रिव्यु (सीएसआर)	अंक	कुल
1.	37	52	11	11	11	10	12	**144**

सीआरआईटी संसाधन केंद्र

पुस्तकालय में स्थापित डब्ल्यूटीओ संसाधन केंद्र केवल डब्ल्यूटीओ और संबंधित मुद्दों के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाला सुप्रसिद्ध केंद्र है। डब्ल्यूटीओ और भारत को लेकर इसकी उलझनों से संबंधित मुद्दों पर, केंद्र अनुसंधान विद्वान, नीति निर्माता और शिक्षाविद की आवश्यकताओं को पूरा करता है। डब्ल्यूटीओ और संबंधित मुद्दों पर केंद्र के पास पुस्तकों, रिपोर्टों, पत्रिकाओं, वीडियो कैसेट्स, सीडी–आरओएमएस और समाचार/निबंध का समृद्ध संग्रह है। अभी तक डब्ल्यूटीओ के संग्रह में ई–संसाधन सहित निबंध और किताबें शामिल है।

कृषि कानूनय प्रति पाटनय द्विपक्षीय व्यापार, प्रतिकारी कर्तव्योंय परिग्रहण चाहने वाले देश, सीमा – शुल्क की दरय विवाद निपटानय अर्थशास्त्र, बातचीतय इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स और डब्ल्यूटीओ, ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक मूल्य शृंखलाय भूमंडलीकरण, सरकारी प्रापणय क्षेत्रीय व्यापार, सामाजिक खंड और श्रम मानकय व्यापार और पर्यावरण, व्यापार और खाद्य सुरक्षाय व्यापार और निवेश कानून, व्यापार और प्रौद्योगिकी, सेवाओं में व्यापार, कपड़े में व्यापार, व्यापारनीति, व्यापार संबंधी बौद्धिक संपदा अधिकार, व्यापार संबंधी निवेश उपाय, वैश्विक/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून, वैश्विक/अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, सामान्य तौर पर डब्ल्यूटीओ – संजय बागची संग्रह इत्यादि सहित बड़ी संख्या में विषय क्षेत्रों तक इसका संग्रह फैला हुआ है।

संग्रह में लगभग 4900 पुस्तकें और पत्रिकाओं के सजिल्द खंड है। भारतीय और विदेशी विभिन्न विश्वविद्यालयों के दोनों ही शोधार्थी अपने डॉक्टरेट और पोस्ट–डॉक्टरल अनुसंधान कार्य के लिए पुस्तकालय का इस्तेमाल करते है।

लाइब्रेरी द्वारा दिए गए संसाधनों और सेवाओं को यहां देखा जा सकता है: https://cc.iift.ac.in/library/index.asp

कंप्यूटर केंद्र और आईटी सहायक सेवाएं

हाइपर कन्वर्ज्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ संस्थान का निजी डेटा केंद्र स्थापित करके, कंप्यूटर केंद्र, संस्थान की वेब सर्वर, ईमेल, डेटाबेस, वित्त और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों जैसी सभी महत्वपूर्ण आईटी सेवाओं को पूरा करता हैः कंप्यूटर केंद्र ने यह भी लागू किया है।

- दो अलग–अलग आईएसपी से 750 एमबीपीएस आईएलएल पर लैन उपयोगकर्ताओं का संपर्क समाप्त करने के लिए कैंपस नेटवर्क निर्बाध सेवाओं के लिए 10 जीबीपीएस बैकबोन और 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।
- पावर बैकअप के लिए केंद्रीकृत यूपीएस।
- स्वचालित डेटा और फाइल बैकअप प्रणाली।
- सीईआरटी–आईएन सूचीबद्ध सेवा प्रदाता के साथ समन्वय में सुव्यवस्थित वेब सुरक्षा ऑडिटिंग प्रक्रिया।

(1) **प्रश्नोत्तरी एवं परीक्षा का ऑनलाइन संचालनः** संस्थान द्वारा विकसित परिसर प्रबंधन प्रणाली, कैम्पस360 के द्वारा संस्थान ने कुल 354 ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी और 17 ऑनलाइन परीक्षाएं संचालित की है।

(2) **ई–फाइलिंग प्रणालीः** संस्थान ने एक ई–फाइलिंग प्रणाली लागू की है और अब फाइलों का संचालन पूरी तरह से स्वचालित है।

(3) **कॉम्प्रीहेन्सिव ऑनलाइन ऐडमिशन प्रोसेसर (सीओएपी):** कंप्यूटर केंद्र ने उस संस्थान के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए कॉप्रेहेन्सिव ऑनलाइन ऐडमिशन प्रोसेसर वेब पोर्टल का रेखाचित्र बनाया है और उसे आयोजित किया है। यही मॉडल नए परिसरों, काकीनाडा और गिफ्ट सिटी में भी लागू किया गया है।

(4) **डायरेक्ट एक्सेस टनलिंग एनवायरनमेंट (डीएटीई) और ब्लूमबर्ग एनीव्हेयर के माध्यम से आभासी पुस्तकालयः** संकाय सदस्यों, अनुसंधान विद्वानों और विद्यार्थियों की उन विभिन्न अनुसंधान पत्रिकाओं और डेटाबेस तक पहुँच बनाने के लिए जिनकी दूरस्थ रूप से संस्थान ने सदस्यता ले रखी है, कंप्यूटर केंद्र ने वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) और डायरेक्ट एक्सेस टनलिंग एनवायरनमेंट (डीएटीई) की स्थापना की है। इस सेवा को काकीनाडा परिसर तक भी विस्तारित किया गया है।

(5) **क्षेत्र आधारित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एम्ओओसी):** विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) के साथ समन्वय में आयातकों और निर्यातकों के लिए सत्र संचालन करने के लिए संस्थान ने अपने खुद के द्वारा एमओओसी पोर्टल विकसित और आयोजित किया। इस पोर्टल ने 2023–24 के दौरान 15,000 के करीब पंजीकरणों की विशाल संख्या देखी और 300 से अधिक उम्मीदवारों ने आईआईएफटी का प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए ऑनलाइन परीक्षा ली।

(6) **ग्रीन कैंपस की शुरुआतः** जलवायु परिवर्तन से हमारे ग्रह पर असुरक्षित स्तर तक गर्म होने का खतरा मंडरा रहा है। हमारे लिए ये महत्वपूर्ण हो जाता है कि हम जिस भी तरीके से कर सके पर्यावरण की मदद करें। 2022–23 के दौरान, कैम्पस 360 (http://campus360.iift.ac.in) के माध्यम से ऑनलाइन शब्दावली और परीक्षाएँ द्वारा, संस्थान ने 18 पेड़ों जितना कागज बचाया है।

पत्रिका प्रभाग

पत्रिका प्रभाग ने सेमिनार/वेबिनार श्रृंखला आरंभ करने का कदम उठाया है। सेमिनार में, हम शैक्षिक शोध पत्र/विषय प्रस्तुत करने और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के अध्यापकों/अनुसंधान विद्वानों से बातचीत करने के लिए बाहरी विशेषज्ञों को आमंत्रित करते हैं। ऐसे आयोजनों के मुख्य उद्देश्यों में से एक अध्यापकों और विद्यार्थियों में शोध करने की संस्कृति का प्रोत्साहन करना है। अगस्त 2018 से, जब से ये कदम उठाया गया है, पत्रिका प्रभाग ने कई भाषण और पैनल चर्चा का संचालन किया है।

फोकस डब्ल्यूटीओ पत्रिका

जर्नल डिवीजन फोकस डब्ल्यूटीओ (डब्ल्यूटीओ और इंटरनेशनल बिजनेस जर्नल) (प्रिंट और ऑनलाइन) सहकर्मी–समीक्षित त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित करता है। "फोकस डब्ल्यूटीओ" आईआईएफटी का एक इन–हाउस प्रकाशन है जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन अनुसंधान में पूर्ण–शोध पत्र, केस अध्ययन, मोनोग्राफ, पुस्तक समीक्षा और डॉक्टरेट शोध प्रबंधों का सारांश प्रकाशित करता है। जर्नल डिवीजन ने "फोकस डब्ल्यूटीओ" खंड 25 नं. 1, 2, 3 और 4 (जनवरी–मार्च, अप्रैल–जून, जुलाई–सितंबर और अक्टूबर–दिसंबर 2023) के 4 अंक प्रकाशित किए हैं।

प्रमुख उपलब्धियाँ

1. अंतर्राष्ट्रीय मानक क्रम संख्या (आईएसएसएन) राष्ट्रीय केंद्र (राष्ट्रीय विज्ञान पुस्तकालय, नई दिल्ली) द्वारा "फोकस डब्ल्यूटीओ" को अप्रैल 2023 में ई–आईएसएसएन–2583–7311 (ऑनलाइन) आवंटित हुआ है।

2. पत्रिका प्रभाग ने जर्मनी (मासमान इंटरनेशनले बुचहैंडलग जीएमबीएच) को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय ग्राहक बनाकर बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

3. बतौर पत्रिका "फोकस डब्ल्यूटीओ" की सूची है:
   - भारतीय उदधरण सूचकांक (आईसीआई)।
   - रोड (ओपन एक्सेस स्कॉलरली रिसोर्सेज की निर्देशिका)।
   - शोध पत्रिकाओं के अनुक्रमण की निर्देशिका (डीआरजेआई)।
   - जे–गेट और
   - साइंटिफिक जर्नल इंपैक्ट फैक्टर (एसजेआईएफ) वैज्ञानिक पत्रिका में प्रभाव कारक।

4. पत्रिका "फोकस डब्ल्यूटीओ" अब ऑनलाइन है और 2021 से इसे वेब पोर्टल पर आयोजित किया गया है। (इसका लिंक है https://www.iift.ac.in/iift/publications.php)

5. सावधानी से समीक्षा करने की प्रक्रिया के अंतर्गत, "फोकस डब्ल्यूटीओ" के लिए निबंधों के ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण का 2021 से शुभारंभ किया गया है। (इसका लिंक है https://publication.iift.ac.in/#gsc.tab=0)

6. फोकस डब्ल्यूटीओ अब ऑनलाइन हो गई है। जनवरी 2021 से सभी अभिलेख ऑनलाइन तैयार किए गए हैं।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के त्रैमासिक समाचार पत्र का प्रकाशन

पत्रिका प्रभाग आईआईएफटी के जीएसएम, एमडीपी, पूर्व–छात्र मामले, सीडीओई, ईएमपीडी, आईसीसीडी पीएचडी(अर्थशास्त्र), अनुसंधान, आईआईएफटी संकाय द्वारा प्रकाशन, आईआईएफटी संकाय की भागीदारी, छात्र–गतिविधि जैसे संस्थान के विभिन्न विभागों की गतिविधियों से युक्त त्रैमासिक समाचार पत्र का प्रकाशन करता है।

विदेश व्यापार समीक्षा पत्रिका

"विदेश व्यापार समीक्षा" सहकर्मी की समीक्षा की हुई त्रैमासिक पत्रिका है जो शैक्षिक अनुसंधान बिरादरी में 4.5 दशकों से अस्तित्व में है। पत्रिका को "सेज पब्लिकेशन्स इंडिया" प्रकाशित करता है। ये पत्रिका निम्नलिखित सार संक्षेप और अनुक्रमणिका डेटाबेस में शामिल है –एससीईओपीयूएस, चार्टर्ड असोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूल्स (एबीएस); एबीडीसी–बी, क्लैरिवेट ऐनालिटिक्सः इमर्जिंग सोर्सेस साइटेशन इंडेक्स। पत्रिका, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर सैद्धांतिक और अनुभवी शोध के लिए बोध संबंधी मंच के रूप में सेवाएं प्रदान करना चाहती है। आईआईएफटी ने एफटीआर वॉल्यूम 58 नंबर के 3 अंक 1, 2, और 3 और वॉल्यूम 59 नंबर का 1 अंक प्रकाशित किया है। (मई, अगस्त, नवंबर 2023 और फरवरी 2024)।

कामकाजी कागजात की श्रृंखला को अपलोड करना

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की कामकाजी कागजात की श्रृंखला का मुख्य उद्देश्य विभाग के सदस्यों की सह कार्यकर्ताओं के साथ अपने शोध के निष्कर्ष को, प्रकाशन से पहले के चरण में साझा करने में सहायता करना है। कागजात ऑनलाइन प्रकाशित होता है और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड हो जाते हैं। 2022–23 में 10 कामकाजी कागजात अपलोड हुए और कुल मिलाकर 64 कागजात हो गए।

नई पत्रिका की शुरुआत *"आईआईएफटी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन समीक्षा पत्रिका"*

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने सेज पब्लिकेशन्स के साथ मिलकर, द्वि–वार्षिक, सहकर्मी की समीक्षा की हुई, नई पत्रिका प्रकाशित की जिसका नाम है "अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और प्रबंधन समीक्षा (आईआईएफटी–आइबीएमआर) पत्रिका"। पत्रिका का उद्देश्य, पूरी

दुनिया के विद्वानों, शिक्षकों, प्रबधकों, उपभोक्ताओं, समाज के दूसरे हिस्सेदार और नीति बनाने वालों के लिए उपयोगी नवीनीकरण, उद्यम और प्रबंधकीय मुद्दों को एक साथ लाना है। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसरों को सम्मानित करते हुए प्रबंधन अनुशासन की सीमाओं और विषय सूची का गठन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है।

आईआईएफटी संकाय द्वारा प्रकाशन

डॉ. राकेश मोहन जोशी, प्रोफेसर एवं कुलपति

- जोशी, आर.एम. और गुप्ता, एम. (2023), ''कला–संक्रमित उत्पादों से गुप्त उपभोक्ता मूल्यों का अनावरणः एक गुणात्मक दृष्टिकोण'', जर्नल ऑफ ग्लोबल फैशन मार्केटिंग, वॉल्यूम 14, अंक 2.
- जोशी, आर.एम. और गुप्ता, एम. (2023), ''आर्ट इन्फ्यूजन फेनोमेननः एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा'', जर्नल ऑफ प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट, वॉल्यूम 32, अंक 2.
- जोशी, आर.एम. और बाली, बी. (2023), ''नए स्टार्टअप्स द्वारा अपनाई गई डिजिटल ओरिएंटेशन और प्रथाएंः फर्म के प्रदर्शन पर पूर्ववृत्त और प्रभाव'', ग्लोबल बिजनेस रिव्यू।

डॉ. सतेंद्र भाटिया, प्रोफेसर

- शर्मा, वी.के., भाटिया, एस. और रॉय, एच. (2023), ''विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश व्यवहार और निहित अस्थिरता गतिशीलताः भारतीय इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट पर एक अनुभवजन्य अध्ययन'', जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, वॉल्यूम 16, अंक 11.

डॉ. सुगाता मार्जित, विशिष्ट प्रोफेसर

- मार्जीत, एस., बसाक, जी.के., दास, पी.के., मुखर्जी, डी. और यांग, एल. (2023), ''ब्रिटिश स्टॉक मार्केट, मुद्राएँ, ब्रेक्सिट और मीडिया भावनाएँः एक बड़ा डेटा विश्लेषण'', नॉर्थ अमेरिकन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स ऐंड फाइनैंस, वॉल्यूम 64.
- मार्जीत, एस., भट्टाचार्य, आर. और यांग, एल. (2023), ''प्रतिकूल व्यापक आर्थिक झटकों के प्रभाव को नियंत्रित करने में अनौपचारिकता की भूमिका'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 48.
- मार्जीत, एस. और नाकानिशी, एन. (2023), ''वेतन निधि सिद्धांत और व्यापार से लाभ एवं एक गतिशील रिकार्डियन मॉडल'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक थ्योरी, वॉल्यूम 19, अंक 4.
- मार्जीत, एस., सेन, एस. और गुप्ता, के. (2023), ''सीमा शुल्क संघ, वेतन असमानता और सामान्य संतुलन में कल्याण'', विदेश व्यापार समीक्षा, वॉल्यूम 58, अंक 1.
- मार्जीत, एस., चौधरी, एस. और गुप्ता, के. (2023), ''नया संरक्षणवाद और कुशल श्रम के आप्रवासन की राजनीतिक अर्थव्यवस्था'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय कल्याणः सरबजीत चौधरी की स्मृति में निबंध.
- मार्जीत, एस. और आचार्य, आर. (2023), ''जब आप प्रौद्योगिकी हस्तांतरित कर सकते हैं तो व्यापार क्यों करें: स्मिथ और रिकार्डो का पुनरावलोकन'', रिव्यू ऑफ इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम 31, अंक 4.
- मार्जीत, एस. और मुखर्जी, ए. (2023),'' "खराब वस्तुओं पर कम टैरिफ–पर्यावरणीय लापरवाही या पर्यावरणीय चिंता?'', अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र की समीक्षा, वॉल्यूम 31, अंक 4.
- मार्जित, एस. और मिश्रा, एस. (2023), ''क्रेडिट बाजार की अपूर्णता, उद्यमिता की कमी और एक विकासशील अर्थव्यवस्था से पूंजी का बहिर्वाह'', विकास अर्थशास्त्र की समीक्षा, वॉल्यूम 27, अंक 3.
- मार्जीत, एस. और गुप्ता, के. (2023), ''अंतर्मुखी नीतियां, सीमित परिवर्तन, और रोजगारः पूंजी पुनर्आवंटन प्रभाव'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक थ्योरी, 19, अंक 1.
- मार्जीत, एस., भट्टाचार्य, आर. और दास जी. (2023), ''एक खुली प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था में अनुबंध खेती और खाद्य असुरक्षाः विकास, वितरण और सरकारी नीति'', जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, वॉल्यूम 16, अंक 4.
- मार्जित, एस. और कार, एस. (2024), ''क्या कौशल प्रवासन अकुशल श्रमिकों को नुकसान पहुँचाता है? सिद्धांत और क्रॉस–कंट्री साक्ष्य'', इंटरनेशनल माइग्रेशन, वॉल्यूम 62, अंक 3.
- मार्जीत, एस., बसु, ए. और वीरमणि सी. (2024), ''ऑफशोर आउटसोर्सिंग से विकास लाभ'', जर्नल ऑफ पॉलिसी मॉडलिंग, वॉल्यूम 46, अंक 1.
- मार्जित, एस. (2024), ''रॉबर्ट सोलो के लिए एक शास्त्रीय अनुरोध'', जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स.
- मार्जित, एस. और दास, जी.जी. (2024), ''संपर्क–तीव्रता, सांस्कृतिक क्षेत्र में व्यवधान और वेतन असमानताः कोविड–19 संकट और उसके प्रभाव का एक मॉडल'', सिंगापुर इकोनॉमिक रिव्यू.
- मार्जीत, एस. और गुप्ता, के. (2024), ''भारतीय अर्थव्यवस्थाः लड़खड़ाते निवेश की एक कहानी'', भारतीय अर्थव्यवस्था@75: सफलताएँ और चुनौतियाँ.
- मार्जित एस., बेलाडी, एच. और हती, के.के. (2024), ''हैसियत चाहने वाले व्यवहार का विकास प्रभावः एक विपरीत उदाहरण'', इकोनॉमिक्स और पॉलिटिक्स, वॉल्यूम 36, अंक 1.

डॉ. सुनीता राजू, प्रोफेसर

- राजू, एस. (2023), ''भारतीय विनिर्माण प्रदर्शन पर चीन से आयात का प्रभावः व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का एक विश्लेषण'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स.
- राजू, एस., सिंगला, ए. (2024), ''क्या भारत एक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स हब के रूप में उभर सकता है?'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम. 59, अंक 12.

डॉ. राणाजॉय भट्टाचार्य, प्रोफेसर

- भट्टाचार्य, आर., दास, जी. और मार्जित, एस. (2023), ''एक खुली प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था में अनुबंध खेती और खाद्य असुरक्षाः विकास, वितरण और सरकारी नीति'', जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, वॉल्यूम 16, अंक 4.

- भट्टाचार्य, आर. और चटर्जी, आर. (2024), ''कम विकसित देशों की व्यापक आर्थिक भेद्यता'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्दे: चुनौतियाँ और अवसर.
- भट्टाचार्य, आर., मार्जित, एस. और यांग, एल. (2023), ''प्रतिकूल व्यापक आर्थिक झटकों के प्रभाव को नियंत्रित करने में अनौपचारिकता की भूमिका'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 48.
- भट्टाचार्य, आर., अग्रवाल, एस. और चक्रवर्ती, डी. (2023), ''आत्मनिर्भर भारत अभियान'' आत्मनिर्भरता के लिए एक सहज अभियान?'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 16.

डॉ. विश्वजीत नाग, प्रोफेसर

- नाग, बी. (2024), ''भारत के विकास में साझेदारी और श्रीलंका पर टिप्पणियाँ'', भारत के विकास में साझेदारी: परिदृश्यों का विस्तार.

डॉ. शीबा कपिल, प्रोफेसर

- कपिल, एस. और रावल, वी. (2023), ''निजी इक्विटी निवेश में चयन निर्धारक और मूल्य निर्माण: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा'', जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, वॉल्यूम 15, अंक 4.
- कपिल, एस. और रावल, वी. (2023), ''सतत निवेश और पर्यावरण, सामाजिक, और शासन निवेश: एक ग्रंथ सूची और व्यवस्थित साहित्य समीक्षा'', बिजनेस एथिक्स, द एनवायरनमेंट एंड रिस्पॉन्सिबिलिटी, वॉल्यूम 32, अंक 4.

डॉ. नितिन सेठ, प्रोफेसर

- सक्सेना, एम., सेठ, एन. (2023), ''भारतीय विनिर्माण उद्योग में बिजनेस–टू–बिजनेस खरीदारी व्यवहार पर स्थिरता प्रथाओं और वित्तीय प्रदर्शन की अंतःक्रियाओं का विश्लेषण: एक ग्राफ–सैद्धांतिक दृष्टिकोण'', जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑपरेशंस एंड स्ट्रैटेजिक सोर्सिंग, वॉल्यूम 16, अंक 1.
- अग्रवाल, एन., सेठ, एन. और अग्रवाल, ए. (2024), ''कोरोनावायरस व्यवधान के बीच भारतीय क्षेत्र चयन समस्या का अध्ययन: एक एएचपी दृष्टिकोण'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंटरप्राइज, वॉल्यूम 11, अंक 1.

डॉ. संजय रस्तोगी, प्रोफेसर

- रस्तोगी, एस., शिवाजी, वी., और सिंह, आर.के. (2023), ''कोविड–19 महामारी के बीच लचीली आपूर्ति श्रृंखला के लिए खरीद प्रणाली: व्यवस्थित साहित्य समीक्षा'', जर्नल ऑफ ग्लोबल ऑपरेशंस एंड स्ट्रैटेजिक सोर्सिंग, वॉल्यूम 16, अंक 2.
- रस्तोगी, एस., पांडे, एन., गुप्ता, एन., सिंह, आर.आर. और मिश्रा, एम. (2024), ''डिजिटल कूपन और जेन जेड: एक मॉडरेटर के रूप में कूपन प्रोनेसी के साथ प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल का एक अनुप्रयोग'', इनोवेटिव मार्केटिंग, 20, अंक 2.
- रस्तोगी, एस. (2023), ''विकासशील राष्ट्र में लॉट एडॉप्शन के लिए एक बहु–मानदंड निर्णय (फजी) दृष्टिकोण: कोविड–19 के दौरान एक अध्ययन'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज नेटवर्क मैनेजमेंट, वॉल्यूम 14.
- रस्तोगी, एस., पथारिया, आई., और गुप्ता, एस. (2023), ''बहु–आयामी पैनल डेटा विश्लेषण का उपयोग करके कॉर्पोरेट सामाजिक प्रदर्शन के निर्धारकों की एक अनुभवजन्य जांच'', जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, वॉल्यूम 23, अंक 1.

डॉ. राम सिंह, प्रोफेसर

- सिंह, आर. और सिंह, एस. (2023), ''अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं में खाद्य हानियों का मानचित्रण: भारत के समुद्री और मांस निर्यात की एक केस स्टडी'', जर्नल ऑफ इंटरनेशनल फूड एंड एग्रीबिजनेस मार्केटिंग.
- सिंह, आर. और पिपिल, डी.एम. (2023), ''कृषि निर्यात पर शून्यतम निर्यात मूल्य' की सीमा एक निरर्थक नीति साधन?'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 17.
- सिंह, आर. और चौधरी, ए. (2023), ''द नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी, 2022 क्या यह असंगत है?'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 3.
- सिंह, आर. (2023), ''भारत की कृषि निर्यात नीति में द्वंद्व की खोज'', ''जर्नल ऑफ वर्ल्ड ट्रेड, वॉल्यूम 57, अंक 3.
- सिंह, आर. और मुखर्जी पिपिल, डी. (2024), ''क्या भारत की कृषि निर्यात नीति अस्पष्ट है?'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 59, अंक 3.
- सिंह, आर. और अरोड़ा, के. (2024), ''भारत में इथेनॉल उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र: सतत नीति व्यवस्था के सक्षम कारकों की खोज'', प्रौद्योगिकी प्रबंधन और सतत विकास के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 22, अंक 3.

डॉ. गौतम दत्ता, प्रोफेसर

- दत्ता, जी., दत्ता, ए., जिन्सर्ट डब्ल्यू., और दास, यू.सी. (2023), ''कोविड–19 महामारी की विभिन्न लहरों के दौरान दिल्ली की वायु गुणवत्ता का एक अनुभवजन्य विश्लेषण'', जर्नल ऑफ एप्लाइड एंड नेचुरल साइंस, वॉल्यूम 15, अंक 1.
- दत्ता जी., और चटर्जी, जे. (2024), ''राजनीतिक विपणन में सोशल मीडिया की शक्ति – एक भारत–आधारित अनुभवजन्य अध्ययन'', मीडिया और संचार में अध्ययन, वॉल्यूम 12, अंक 1.
- दत्ता, जी., यादव, डी. और कुमार, एस. (2024), ''फजी एएचपी–टॉप्सिस दृष्टिकोण का उपयोग करके खाद्य सुरक्षा मानकों के कार्यान्वयन में बाधाओं पर काबू पाने के लिए रणनीतियों को प्राथमिकता देना'', गुणवत्ता और मात्रा, वॉल्यूम 58, अंक 2.
- दत्ता, जी., दत्ता, ए., दास, यू.सी., चवलपरिट, ओ., लिम्फिटाकफोंग, एन., गुप्ता एम., और नन्थामोर्नफोंग, ए. (2024), ''नखोन रत्चासिमा में पीएम 2.5 से संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों के लिए रोकथाम रणनीतियों का अनुकूलन'', पर्यावरण और स्थिरता संकेतक, वॉल्यूम 21.
- दत्ता, जी., और चटर्जी, जे. (2024), ''भारत में राष्ट्रीय चुनाव और राज्य चुनावों को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारकों के बीच अंतर को समझने के लिए एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा'', फ्रंटियर्स इन पॉलिटिकल साइंस, वॉल्यूम 6.

- दत्ता, जी., यादव, डी. और साहा, के. (2023), ''खाद्य सुरक्षा उपायों की कठोरता के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का आकलन और रैंकिंगः फजी एएचपी–टॉप्सिस विधि का अनुप्रयोग'', ब्रिटिश फूड जर्नल, वॉल्यूम 125, अंक 1.

डॉ. सैकत बनर्जी, प्रोफेसर

- कपूर, एस., और बनर्जी, एस. (2023), ''खुदरा विक्रेताओं का हस्तक्षेप, सोशल मीडिया प्रवर्धन, उपभोक्ता और खाद्य ब्रांड घोटाला'', जर्नल ऑफ इंटरनेशनल फूड एंड एग्रीबिजनेस मार्केटिंग.
- जामवाल, एम., सैनी, एम., और बनर्जी, एस. (2024), ''फेसबुक पर युवाओं की ऑनलाइन राजनीतिक पार्टी ब्रांड सहभागिता का विरोधाभासः एक सर्वांगसमता सिद्धांत परिप्रेक्ष्य'', इंटरनेशनल रिव्यू ऑन पब्लिक एंड नॉनप्रॉफिट मार्केटिंग, वॉल्यूम 21, अंक 2.
- बनर्जी, एस. (2024), ''राजनीतिक ब्रांड अनुभव और मतदान का इरादाः क्या कोई संबंध है?'', जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, वॉल्यूम 24, अंक 1.
- सरकार, एस., और बनर्जी, एस. ''ब्रांड सह–निर्माण में आपूर्तिकर्ताओं की भूमिका और परिप्रेक्ष्यः एक खोजपूर्ण अध्ययन'', बेंचमार्किंग, वॉल्यूम 30, अंक 7.

डॉ. वी. रवीन्द्र सारधी, प्रोफेसर

- अग्रवाल, के. और रवीन्द्र सारधी, वी. (2024), ''भारत और अन्य एशिया–प्रशांत देशों के बीच स्टॉक मार्केट के सह–आंदोलन और प्रभावशाली कारकों पर एक अध्ययन'', उभरते बाजारों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम छपने से पहले नम्बर छपने से पहले। https://doi.org/10.1108/IJOEM-06-2023-0965 (लेख प्रकाशन तिथिः 1 फरवरी 2024 ऑनलाइन। प्रिंट में यह बाद में दिखाई देगा).
- अग्रवाल, के. और रवीन्द्र सारधी, वी. (2023), ''स्ट्रक्चरल ब्रेक्स की उपस्थिति में स्टॉक कीमतों और समष्टि अर्थशास्त्र चर के बीच संबंधः भारत से साक्ष्य'', फाइनेंस इंडिया, वॉल्यूम 37, अंक 1.

डॉ. एम. वेंकटेशन, प्रोफेसर

- वेंकटेशन, एम., और वर्मा, ए. (2023), ''भारतीय ऑटोमोटिव उद्योग में संगठनात्मक प्रभावशीलता के लिए उद्योग 4.0 कार्यबल निहितार्थ और रणनीतियाँः एक समीक्षा'', प्रौद्योगिकी विश्लेषण और रणनीतिक प्रबंधन, वॉल्यूम 35, अंक 10.
- वेंकटेशन, एम. और मिश्रा, एच. (2023), ''कर्मचारियों का मनोवैज्ञानिक कल्याण, इसकी मिसालें और परिणामः एक साहित्य समीक्षा और प्रस्तावित रूपरेखा'', प्रबंधन और श्रम अध्ययन, वॉल्यूम 48, अंक 1.
- वेंकटेशन, एम., वर्मा, ए., कुमार, एम. और वर्मा, जे. (2023), ''कोविड–19 के बाद कार्य का भविष्यः भारत में हाइब्रिड कार्यस्थलों के प्रमुख अनुमानित मानव संसाधन निहितार्थ'', जर्नल ऑफ मैनेजमेंट डेवलपमेंट, वॉल्यूम 42, अंक 1.
- मिश्रा, एच., मुखर्जी, टी. और वेंकटेशन, एम. (2023), ''सार्वजनिक सेवाओं में मनोवैज्ञानिक कल्याण पर व्यक्तित्व की भूमिकाः आत्मनिर्णय सिद्धांत परिप्रेक्ष्य का सिद्धांत'', वैश्विक व्यापार समीक्षा.

डॉ. दीपंकर सिन्हा, प्रोफेसर

- बागोडी, वी., सिन्हा, डी. (2023), ''एसएमई संचालन की गतिशीलता और अवसर लागत का विश्लेषण'', उत्पादकता और गुणवत्ता प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 38, अंक 2.
- दुआ, ए., छाबड़ा, आर. और सिन्हा, डी. (2024), ''मल्टीमॉडल परिवहन द्वारा कंटेनरीकृत निर्यात के लिए सेवा नेटवर्क का डिजाइनः गुणवत्ता अवधारणा के साथ'', बेंचमार्किंग, वॉल्यूम 31, अंक 1.
- नायक, एन., पंत, पी., सरमाह, एस.पी., जेनामणि, एम. और सिन्हा, डी. (2024), ''पोर्ट प्रदर्शन मापन के लिए एक नवीन सूचकांक–आधारित मात्रा निर्धारण दृष्टिकोणः एक मामला भारतीय प्रमुख बंदरगाहों में से'', मैरीटाइम नीति और प्रबंधन, वॉल्यूम 51, अंक 2.
- सिन्हा, डी. (2024), ''वैश्विक व्यापार के मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स सिस्टम में त्रुटियों के अवसरों का अनुमान लगाना'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सर्विसेज एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, वॉल्यूम 47, अंक 2.

डॉ पूजा लखनपाल, प्रोफेसर

- सिन्हा, ए., और लखनपाल, पी. (2023), ''क्या एआई सिस्टम बुद्धिमान बन सकते हैं? कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर एक नोट'', एआई और समाज.
- सूरी, एन., और लखनपाल, पी. (2024), ''मानव संसाधन रणनीतिक साझेदारी को सक्षम करने वाले लोगो के विश्लेषणः एक समीक्षा'', साउथ एशियन जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजमेंट, वॉल्यूम 11, अंक 1.

डॉ नीति नंदिनी चटनानी, प्रोफेसर

- चटनानी, एन.एन., प्रसाद, ए. और कुमार, ए. (2023), ''भारत में गैस आधारित अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण के लिए आपूर्ति श्रृंखलाः प्राकृतिक गैस की ग्राहक स्वीकार्यता'', विकासशील दुनिया के उद्योगों में उभरते रुझान और नवाचारः एक बहुविषयक दृष्टिकोण.
- चटनानी, एन.एन. और माहेश्वरी, एस. (2023), ''वित्तीय बाजार की निगरानी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग–आधारित पर्यवेक्षी प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगः साहित्य की समीक्षा'', एफआईआईबी बिजनेस समीक्षा.
- चटनानी, एन.एन. और रोशन (2023),''फर्म मूल्य और दीर्घकालिक निवेश पर कार्यशील पूंजी निवेश का प्रभावः भारतीय विनिर्माण क्षेत्र से साक्ष्य'', साउथ एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज.
- चटनानी, एन.एन., सोनी, आर.के. और नंदन, टी. (2024),''तेल, स्टॉक और सोने का आर्थिक नीति अनिश्चितता के साथ गतिशील संघः एक वेवलेट–आधारित दृष्टिकोण'', जर्नल ऑफ इकोनॉमिक स्टडीज, वॉल्यूम 50, अंक 7.

डॉ. शाश्वती त्रिपाठी, प्रोफेसर

- त्रिपाठी एस., तालुकदार बी. (2023),''भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में आपूर्ति श्रृंखला प्रदर्शन और लाभप्रदताः सेगमेंटल अंतर के साक्ष्य'', ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, वॉल्यूम 24, अंक 2.

- त्रिपाठी, एस., तालुकदार, बी., रंगराजन, के. (2024), "क्या आपूर्ति श्रृंखला प्रदर्शन फर्म की लाभप्रदता को प्रभावित करता है? भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के संदर्भ में एक पूर्वानुमानित दृष्टिकोण'', आईआईएम कोझिकोड सोसायटी और प्रबंधन समीक्षा, वॉल्यूम 13, अंक 2.
- त्रिपाठी, एस., और रॉय, एस.एस. (2023), ''संगठनात्मक रणनीतिक प्रदर्शन के साथ आपूर्ति श्रृंखला प्रदर्शन को जोड़ना – एक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा'', उत्पादकता और प्रदर्शन प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

डॉ. जयंत कुमार सील, प्रोफेसर

- सील, जे.के. और झावर, पी. (2023), ''राजनीतिक अनिश्चितता और प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकशः एक साहित्य समीक्षा'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फाइनेंशियल स्टडीज, वॉल्यूम 11, अंक 2.
- सील, जे.के. और गुप्ता, एस. (2023), ''उपभोग और सेवा कर पर स्वैच्छिक बचत प्रतिक्रिया'', प्रबंधकीय वित्त, वॉल्यूम 49, अंक 11.

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा, प्रोफेसर

- शर्मा, आर.पी., गुप्ता, ए. और भट्टाचार्य, एस. (2023), ''ई–रिटेलर का मूल देश क्या उपभोक्ता की गोपनीयता, विश्वास और खरीद के इरादे को प्रभावित करता है?'', जर्नल ऑफ कंज्यूमर मार्केटिंग, वॉल्यूम 40, अंक 2.
- भट्टाचार्य, एस., शर्मा, आर.पी. और गुप्ता, ए. (2022), ''ऑनलाइन रिटेलिंग की नैतिकता के संबंध में उपभोक्ता धारणाः एक समीक्षा, संश्लेषण, और भविष्य के अनुसंधान निर्देश'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक मार्केटिंग एंड रिटेलिंग, वॉल्यूम 15, अंक 2.

डॉ. ओपी वली, प्रोफेसर

- हांडे, एस., शिर्के, डी.टी., वली, ओ.पी., और गुप्ता, वी. (2024), ''एआई विनियमन का लंबा और छोटा हिस्सा'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 59, अंक 16.

डॉ. आशीष पांडे, प्रोफेसर

- पांडे, ए. और उत्कर्ष (2023), ''सकारात्मक वित्तीय व्यवहार के निर्धारकः एक समानांतर मध्यस्थता मॉडल'', उभरते बाजारों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
- पांडे, ए., बुशरा, और श्रीवास्तव, एस. (2023), ''निवेशकों की जनसांख्यिकी और व्यवहार संबंधी पूर्वाग्रह – एक अनुभवजन्य अध्ययन'', एससीएमएस जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट, वॉल्यूम 20, अंक 1.
- जोशी, आर., पांडे, ए., सिंह, के. (2023), ''पूंजी संरचना समायोजन पर जोखिम विशेषताओं की भूमिकाः भारत से साक्ष्य'', सार्वजनिक क्षेत्र प्रदर्शन प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 12, अंक 4.
- गुप्ता, डी. और पांडे, ए. (2024), ''फ्रैक्टल फंक्शंस के माध्यम से कार्यशील पूंजी प्रबंधन पर कॉर्पोरेट गवर्नेंस इंडेक्स के प्रभाव का विश्लेषण'', कैओस, सोलिटन्स और फ्रैक्टल्स, वॉल्यूम 183.
- पांडे, ए., मित्तल, ए. और सिंह, एम. (2024), ''ब्राजील के प्रतिभूति बाजारों के लिए मौसमी विसंगतियों और अस्थिरता पैटर्न की जांच'', इंडियन जर्नल ऑफ फाइनेंस, वॉल्यूम 18, अंक 5.

डॉ. बिबेक रे चौधरी, प्रोफेसर

- भट्टाचार्य, एस., चौधरी, बी.आर., चटर्जी, एस. और चक्रवर्ती, डी. (2024), ''भारत में फार्मास्युटिकल निर्यात और पेटेंट – एक सिस्टम दृष्टिकोण'', इंडियन ग्रोथ एंड डेवलपमेंट रिव्यु।
- बनर्जी, एस. और चौधरी, बी.आर. (2024), ''प्रौद्योगिकी में गहन भारतीय निर्यातः बाधाएँ और पहेलियाँ'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्देः चुनौतियाँ और अवसर।
- ''संकट का व्यापार प्रभावः तीन एपिसोड की कहानी'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्देः चुनौतियाँ और अवसर।

डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती, प्रोफेसर

- चक्रवर्ती, डी., भट्टाचार्य, आर. और अग्रवाल, एस. (2023), ''आत्मनिर्भर भारत अभियान' आत्मनिर्भरता के लिए एक सहज ड्राइव?'', इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम 58, अंक 16.
- चक्रवर्ती, डी. और अहमद, ए. (2024), ''भारतीय विनिर्माण क्षेत्र पर उदारीकरण का प्रभावः 1987–2018 पर अनुभवजन्य साक्ष्य'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्देः चुनौतियां और अवसर।
- चक्रवर्ती, डी., चाइसे, जे. और कुमार, ए. (2024), "सस्टेनेबल सीज? डब्ल्यूटीओ मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते की प्रतिबद्धताओं और निहितार्थों का आकलनष, एशियन जर्नल ऑफ डब्ल्यूटीओ और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कानून और नीति, वॉल्यूम 19, अंक 1.
- चक्रवर्ती, डी. और भारद्वाज, आर. (2024), "नई सुबह या लम्बा ग्रहण? आगामी आरटीए और भारत का ऑटोमोटिव निर्यात'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समसामयिक मुद्देः चुनौतियाँ और अवसर।
- चक्रवर्ती, डी. और अहमद ए. (2024), ''व्यापार–संबंधी समायोजन चुनौतियों से अविचलित? भारत के कौशल–विशिष्ट वेतन गतिशीलता का प्रमाण'', भारत में महान परिवर्तनः एक अंतःविषय दृष्टिकोण।
- चक्रवर्ती, डी. (2023), ''डब्ल्यूटीओ में भारतः बहुपक्षवाद और घरेलू हितों के बीच उलझा हुआ?'', विश्व व्यापार संगठन का एल्गर साथी।
- चक्रवर्ती, डी. और पंत, एस. (2024), ''क्या सेवा अभिविन्यास निम्न–मध्यम आय वाले देशों से विनिर्माण निर्यात को लाभान्वित कर रहा है? WBES डेटा से फर्म–स्तरीय अनुभवजन्य साक्ष्य'', वैश्विक व्यापार समीक्षा।
- चक्रवर्ती, डी., भट्टाचार्य, एस., चौधरी, बी.आर. और चटर्जी, एस. (2024), ''भारत में फार्मास्युटिकल निर्यात और पेटेंट – एक सिस्टम दृष्टिकोण'', भारतीय विकास और विकास समीक्षा।
- चक्रवर्ती, डी., अग्रवाल, एस. और बानिक, एन. (2023), ''क्या पर्यावरण मानक में अंतर भारत के द्विपक्षीय आईआईटी प्रवाह को प्रभावित करता है? जीएमएम परिणामों का प्रमाण, जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट फाइनेंस, वॉल्यूम 22, अंक 1.

डॉ. श्वेता श्रीवास्तव मल्ला, प्रोफेसर

- मल्ला, एस.एस., और मल्ला एस. (2023), ''क्या संगठनात्मक न्याय की धारणा कर्मचारियों की प्रभावशाली प्रतिबद्धता निर्धारित करती है? संगठनात्मक ट्रस्ट की मध्यस्थता भूमिका'', बेंचमार्किंग, वॉल्यूम 30, अंक 2.
- मल्ला, एस.एस., मल्ला, एस. (2024), ''कर्मचारी की प्रतिबद्धता को बढ़ाने के लिए क्या संगठनात्मक न्याय प्रासंगिक हैः एक मध्यस्थ के रूप में पर्सीवर पर्यवेक्षक समर्थन का उपयोग करके एक अनुभवजन्य विश्लेषण'', सामाजिक न्याय अनुसंधान, वॉल्यूम 37, अंक 2.

डॉ. शंकर, रवि, प्रोफेसर

- शंकर, आर., मुंजाल, पी., गुप्ता, ए. और माहेश्वरी, पी. (2023), ''फैशन और परिधान सोशल मीडिया ब्रांड समुदाय सहभागिता के मॉडलिंग ड्राइवर और परिणाम'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिस, वॉल्यूम 16, अंक 1.

डॉ. जैकलीन सिम्स, एसोसिएट प्रोफेसर

- सिम्स, जे., और गुप्ता, एन. (2023), ''क्या क्रिप्टो करेंसी वित्तीय बाधाओं की समस्या को हल कर सकती है?'' एक साहित्य समीक्षा और सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य'', वित्तीय बाजारों में गुणात्मक अनुसंधान.
- सिम्स, जे., और गुप्ता, आर. (2023), "क्या कॉर्पोरेट प्रशासन जोखिम प्रकटीकरण को प्रभावित करता है? भारतीय संदर्भ में एक अनुभवजन्य विश्लेषण'', इंडियन जर्नल ऑफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस, वॉल्यूम 16, अंक 1.
- सिम्स, जे., और कुशवाह, पी. (2024), ''भारतीय इक्विटी क्षेत्रों के बीच असममित रिटर्न कनेक्टिविटीः हालिया वैश्विक व्यवधानों की अंतर्दृष्टि'', वैश्विक व्यापार समीक्षा।
- सिम्स, जे., और कुमार, एन. (2024), ''कॉर्पोरेट कैश होल्डिंग और यूक्रेन युद्ध के समय फर्म का प्रदर्शनः एक साहित्य समीक्षा और आगे का रास्ता'', जर्नल ऑफ चाइनीज इकोनॉमिक एंड फॉरेन ट्रेड स्टडीज।

डॉ. हिमानी गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर

- नेपाल, आर., यादव, एम.पी., कटोच, आर., गुप्ता, एच. और कुमार, ए. ''कार्बन उत्सर्जन और विदेशी मुद्रा बाजार के बीच सह–आंदोलनः सीओवीआईडी–19 प्रकोप और रूस–यूक्रेन आक्रमण की एक कहानी'', संसाधन नीति, वॉल्यूम. 90.

डॉ. अरिज आफताब सिद्दीकी, सहायक प्रोफेसर

- सिद्दीकी, ए.ए. और कुशवाह, एस.वी. (2023), ''तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव और तेल कंपनियों के स्टॉक रिटर्न के बीच संबंध'', ग्लोबल बिजनेस रिव्यू, वॉल्यूम 24, अंक 5.
- सिद्दीकी, ए.ए., सिंह, पी., अरोरा, के., समाधिया, ए. और कुमार, ए. (2024), ''अनलॉकिंग सर्कुलर सप्लाई चेन 4.0ः बिब्लियोमेट्रिक्स और टीआईएसएम–एमआईसीएमएसी के माध्यम से प्रमुख बाधाओं की पहचान'', बेंचमार्किंग।
- सिद्दीकी, ए.ए. और सिंह, पी. (2023), ''विकासशील और विकसित देशों में नवाचार, आईसीटी प्रवेश, व्यापार और आर्थिक विकासः एक वीईसीएम दृष्टिकोण'', प्रतिस्पर्धात्मकता समीक्षा, वॉल्यूम 33, अंक 2.

डॉ. प्रीति टाक, सहायक प्रोफेसर

- अरपासी, आई., टाक, पी. और शेखावत, एच. (2023), ''मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं और सेल्फी–पोस्टिंग व्यवहार के बीच प्रदर्शनीवाद की संयमित करने की भूमिका'', वर्तमान मनोविज्ञान, वॉल्यूम 42, अंक 5.

डॉ. आशीष गुप्ता, सहायक प्रोफेसर

- कुमार, जे., तापर, ए.वी. गुप्ता, ए. और रंजन, जे. (2023), ''कोविड–19 के दौरान सामाजिक सरोकार के विज्ञापन में उपभोक्ता व्यक्तित्व अभिविन्यास और खतरे के उपयोग की भूमिका की जांच करना'', जर्नल ऑफ प्रमोशन मैनेजमेंट, वॉल्यूम 29, अंक 6.
- गुप्ता, ए., शर्मा, आर. और शिशोदिया, ए. (2023), ''प्रौद्योगिकी के युग में सतत विकास को बढ़ावा'', प्रौद्योगिकियों के युग में सतत विकास को बढ़ावा देना।
- गुप्ता, ए., भट्टाचार्य, एस. और शर्मा, आर.पी. (2023), ''क्या ई–रिटेलर का मूल देश उपभोक्ता की गोपनीयता, विश्वास और खरीद के इरादे को प्रभावित करता है?'', जर्नल ऑफ कंज्यूमर मार्केटिंग, वॉल्यूम 40, अंक 2.
- गुप्ता, ए., कुमार, ए. और मेलेसे, ई. (2023), ''पिरामिड के निचले भाग में युवा उपभोक्ता जुड़ावः ई–कॉमर्स संदर्भ में एस–ओ–आर फ्रेमवर्क लागू करना'', यंग कंज्यूमर्स, वॉल्यूम 24, अंक 6.
- गुप्ता, ए., मुंजाल, पी., शंकर, आर. और माहेश्वरी, पी. (2023), ''फैशन और परिधान सोशल मीडिया ब्रांड समुदाय सहभागिता के मॉडलिंग संचालक और परिणाम'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिस, वॉल्यूम 16, अंक 1.
- गुप्ता, ए., अग्रवाल ए., श्रीवास्तव, एस., और सिंह, जी. (2024), ''खाद्य बर्बादी और सर्कुलर इकोनॉमी में उपभोक्तावादः एक समीक्षा और अनुसंधान दिशाएँ'', ब्रिटिश फूड जर्नल, वॉल्यूम 126, अंक 6.
- गुप्ता, ए., कुमार, जे., चंद्रा, एस. और गुप्ता, एस. (2024), ''परिचय'', संकट के दौरान वैश्विक व्यापार में लचीलेपन का निर्माणः उभरते बाजारों से परिप्रेक्ष्य।
- गुप्ता, ए., खंडेलवाल, यू., और त्रिपाठी, वी. (2024), ''2000 से 2019 तक ग्रीन ब्रांडिंग रिसर्च का एक बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण'', विजन, वॉल्यूम 28, अंक 1.
- गुप्ता, ए., बाथला, ए. और चावला, जी. (2024), ''शिक्षा के लिए एक उपकरण के रूप में बेंचमार्किंग डिजाइन–थिंकिंगः एक व्यवस्थित समीक्षा और भविष्य अनुसंधान एजेंडा, बेंचमार्किंग।
- भट्टाचार्य, एस., शर्मा, आर.पी. और गुप्ता, ए. (2024), ''ऑनलाइन रिटेलिंग की नैतिकता के संबंध में उपभोक्ता धारणाः एक समीक्षा, संश्लेषण, और भविष्य के अनुसंधान निर्देश'', इलेक्ट्रॉनिक मार्केटिंग और रिटेलिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम. 15, अंक 2.

डॉ. गिन्नी चावला, सहायक प्रोफेसर

- बाथला, ए., चावला, जी. और गुप्ता, ए. (2023), ''शिक्षा के लिए

एक उपकरण के रूप में बेंचमार्किंग डिजाइन–थिंकिंगः एक व्यवस्थित समीक्षा और भविष्य अनुसंधान एजेंडा'', बेंचमार्किंग.

- बाथला, ए., चावला, जी., होफैदह्लाउई, एम., और डाबिक, एम. (2024), ''प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण में डिजाइन सोच की गतिशीलता की खोजः एक महत्वपूर्ण समीक्षा, वर्गीकरण विश्लेषण और व्यावहारिक निहितार्थ'', यूरोपीय जर्नल ऑफ इनोवेशन मैनेजमेंट, वॉल्यूम 27, अंक 9.

डॉ. कविता वाधवा, सहायक प्रोफेसर

- वाधवा, के. और श्यामला, एस.आर. (2023), ''क्या व्यावसायिक समूह अन्य पारिवारिक फर्मों से भिन्न हैं? राजनीतिक अनिश्चितता के दौरान कॉर्पोरेट निवेश से साक्ष्य'', उभरते बाजार समीक्षा, वॉल्यूम 54.

डॉ. दिव्या टुटेजा, सहायक प्रोफेसर

- टुटेजा, डी. और दुआ, पी. (2023), ''एशियाई और अमेरिकी स्टॉक मार्केट रिटर्न के बीच अंतर–संबंधः एक बहुभिन्नरूपी गार्च विश्लेषण'', मैक्रोइकोनोमेट्रिक तरीकेः भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अनुप्रयोग.
- टुटेजा, डी. और भाटिया, एस. (2024), ''अंतर्राष्ट्रीय मुद्राओं में संक्रमण और संबंध'', इंटरनेशनल रिव्यू ऑफ फाइनेंशियल एनालिसिस, वॉल्यूम 94.
- टुटेजा, डी. और दुआ, पी. (2023), ''हाल के संकटों के दौरान चीन और भारत के चक्रों में तुल्यकालनः एक मार्कोव स्विचिंग विश्लेषण'', जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम 21, अंक 2.

डॉ ए.के. सृष्टिधर चंद, सहायक प्रोफेसर

- गुप्ता, ए. और चंद, ए.के.एस. (2024), ''भारतीय विनिर्माण उद्योगों में वेतन–असमानता पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का स्पिलओवर प्रभाव'', भारतीय विकास और विकास समीक्षा, वॉल्यूम 17, अंक 1.

डॉ. तुहीना मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर

- मुखर्जी, टी., माहेश्वरी, एस. और रॉय, एस. (2023), ''क्या एक अकेले मदद चाहने वाले को अधिक मदद मिलती है?'' मदद प्राप्त करने की संभावना पर अकेले या साथ रहने का प्रभाव", करंट साइकोलॉजी, वॉल्यूम 42, अंक 3.
- मुखर्जी, टी., इलावरासन, पी.वी. और कर, ए.के. (2024), ''डिजिटल कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से सशक्तिकरणः भारत में गरीब बेरोजगार कामकाजी उम्र की महिलाओं का एक अनुभवजन्य अध्ययन'', विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी.
- मिश्रा, एच., मुखर्जी, टी. और वेंकटेशन, एम. (2023), ''सार्वजनिक सेवाओं में मनोवैज्ञानिक कल्याण पर व्यक्तित्व की भूमिकाः आत्मनिर्णय सिद्धांत परिप्रेक्ष्य का सिद्धांत'', वैश्विक व्यापार समीक्षा.
- मुखर्जी, टी. और पाधी, ए.के. (2023), ''नैतिक व्यक्तित्व को लेकर नैतिक विचारधाराओं में स्थिरता की जांचः केंद्रीयता दृष्टिकोण के माध्यम से नैतिक बदलाव को समझना'', वर्तमान मनोविज्ञान, वॉल्यूम 42, अंक 11.

डॉ. एंद्रिला डे, सहायक प्रोफेसर

- डे, ओ. और चक्रवर्ती, डी. (2024), "उद्योग या नागरिक समाज? कोविड–19 संकट प्रबंधन में संस्थानों की भूमिका'', अर्थशास्त्र की अंतर्राष्ट्रीय समीक्षा.
- डे, ओलोध, आर. और डे, ओ. (2024), ''फेक न्यूज, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, और असममित जानकारीः बदलती व्यापार प्राथमिकताओं का पता लगाना'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में समकालीन मुद्देः चुनौतियाँ और अवसर.
- कुमारी, जी., और डे, ओ. (2024), "क्या वैक्सीन का पुनर्वितरण वैश्विक कल्याण में सुधार कर सकता है? कोविड–19 से सबक", यूरोपियन जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स.

डॉ. नमन शर्मा, सहायक प्रोफेसर

- शर्मा, एन., बहल, ए., कंबोज, एस., परेरा, वी., सलवान, पी., चव्हाण, एम. और पाठक ए.ए. (2023), ''बोर्न ग्लोबल सर्विस फर्मों के लिए गतिशील अवशोषण क्षमता और सेवा नवाचार को जोड़नाः एक संगठन नवाचार लेंस परिप्रेक्ष्य'', जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मैनेजमेंट, वॉल्यूम 29, अंक 4.
- शर्मा, एन., अग्रवाल, पी. और गौतम, ओ. (2024), ''वैश्विक संकटः पर्यटन और आतिथ्य उद्योग के लिए पोस्ट–कोविड सतत रणनीतियाँ'', पोस्ट–कोविड पर्यटन और आतिथ्य गतिशीलताः पुनर्प्राप्ति, पुनरुद्धार, और पुनः –शुरू करना।
- शर्मा, एन. (2024), "बाधाओं को तोड़नाः ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को काम पर रखने के प्रति प्रबंधकीय झिझक को दूर करना", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल एनालिसिस.
- शर्मा, एन. और शैलेंदर, के. (2024), ''संगठनों में कौशल विकासः संकल्पनात्मक ढांचा और परिचालन रणनीतियाँ'', आर्थिक और वित्तीय विश्लेषण में समकालीन अध्ययन, वॉल्यूम 112बी.
- शर्मा, एन. और शैलेंदर, के. (2024), ''संगठनों में रचनात्मकता और नवाचार की संस्कृति का निर्माणः एक वीयूसीए विश्व परिप्रेक्ष्य'', वीयूसीए और बिजनेस रेजिलिएशन में अन्य एनालिटिक्स, भाग बी.
- शर्मा, एन, शर्मा, एम., सिंह, वी.के. (2024), ''भारतीय उच्च शिक्षा में डिजिटलीकरणः क्या छात्र तैयार हैं?'', उच्च शिक्षा का डिजिटलीकरणः अवसर और खतरे.
- शर्मा, एन. और शैलेंदर, के. (2023), ''अनुशासित नवाचार वैचारिक ढांचा और उसे अपनाने का रोडमैप'', उभरते व्यवसायों के पुनरुत्थान के मामले.
- शर्मा, एन. और चिल्लाकुरी, बी.के. (2023), ''काम पर सकारात्मक विचलनः भविष्य के अनुसंधान के लिए एक व्यवस्थित समीक्षा और दिशाएँ'', कार्मिक समीक्षा, वॉल्यूम 52, अंक 4.
- शर्मा, एन. और बनर्जी, पी. (2023), ''मानव संसाधन और स्थिरता के बारे में सोच'', फैशन और पर्यावरणीय स्थिरताः उद्यमिता, नवाचार और प्रौद्योगिकी.
- शर्मा, एन., शैलेंदर, के. और सिन्हा, ई. (2023), "महिला उद्यमिता का समर्थित मॉडलः महिला उद्यमशीलता के इरादे और उद्यमशील आत्म–प्रभावकारिता की मध्यम भूमिका के पूर्ववृत्त, जर्नल ऑफ एंटरप्रेन्योरिंग कम्युनिटीज.

डॉ. आंचल अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर

- अरोड़ा, ए., हो, एच.पी.सी., गुयेन, टी.के., वीओ, टी.डी., त्रिन्ह, सी. डी. और गुयेन, एन.एल. (2023), ''वियतनाम में वर्षा आधारित और सिंचित कृषि परिवारों की कृषि आय पर जलवायु कारकों का प्रभाव'', जल और पर्यावरण जर्नल, वॉल्यूम 37, अंक 2.

डॉ. पारुल सिंह, सहायक प्रोफेसर

- सिंह, पी. और सिद्दीकी, ए.ए. (2023), ''विकासशील और विकसित देशों में नवाचार, आईसीटी प्रवेश, व्यापार और आर्थिक विकासः एक वीईसीएम दृष्टिकोण'', प्रतिस्पर्धात्मकता समीक्षा, वॉल्यूम 33, अंक 2.
- सिंह, पी. और सिद्दीकी, ए.ए., अरोड़ा, के., समाधिया, ए. और कुमार ए. (2024), ''अनलॉकिंग सर्कुलर सप्लाई चेन 4.0ः बिब्लियोमेट्रिक्स और टीआईएसएम–एमआईसीएमएसी के माध्यम से प्रमुख बाधाओं की पहचान'', बेंचमार्किंग.

डॉ. अंजू गोस्वामी, सहायक प्रोफेसर

- गोस्वामी, ए. (2023), ''कोविड–19ः भारतीय बैंकों के लिए वरदान/स्वांग?'', जर्नल ऑफ बैंकिंग रेगुलेशन, वॉल्यूम 24, अंक 4.
- गोस्वामी, ए., और रॉय, एच. (2023), ''देश भर में एचडीआई अभिसरण के परिदृश्य का विश्लेषण – एक बीएसक्यूआर दृष्टिकोण'', आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, वॉल्यूम 58, अंक 15.
- खान, ए., गोस्वामी, ए., चौधरी, टी. (2023), ''प्रौद्योगिकी अंतराल, सामाजिक आउटरीच और दक्षिण एशियाई एमएफआईएस की वित्तीय स्थिरताः बूटस्ट्रैप डीईए मेटा–फ्रंटियर दृष्टिकोण'', इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स रिसर्च.
- गोस्वामी, ए., और मलिक, पी. (2024), ''कोविड–19 संकट के दौरान भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय प्रदर्शन चालकों की पहचान'', जर्नल ऑफ क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स.
- गोस्वामी, ए., मलिक, पी. (2024), ''भारतीय बैंकों के जोखिम और वित्तीय प्रदर्शनः कोविड–19 के दौर पर एक सरसरी नजर'', बेंचमार्किंग.

डॉ. जितेंद्र कुमार वर्मा, सहायक प्रोफेसर

- वर्मा, जे.के. और गुप्ता, एस. (2023), ''ब्लॉकचेन का उपयोग करने वाले स्व–ड्राइविंग वाहनों के लिए दुर्घटनाओं की देयता की पहचान के लिए रिवर्स ट्रैसेबिलिटी फ्रेमवर्क'', जर्नल ऑफ ग्लोबल इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, वॉल्यूम 31, अंक 7.

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, सहायक प्रोफेसर

- राज, वी.ए., जसरोटिया, एस.एस., और राय, एस.एस. (2023), ''अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें (बीएनपीएल): एक विस्तारित टीपीबी मॉडल का उपयोग करने के उपभोक्ताओं के इरादे में गोपनीयता संबंधी चिंताओं और विश्वास की भूमिका'', अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ ह्यूमन–कंप्यूटर इंटरेक्शन, पीपी 1-12. https://doi.org/10.1080/10447318.2023.2269005
- त्रिपाठी, एस., और रॉय, एस.एस. (2023), ''संगठनात्मक रणनीतिक प्रदर्शन के साथ आपूर्ति श्रृंखला प्रदर्शन को जोड़ना – एक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा'', उत्पादकता और प्रदर्शन प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल.
- राज, वी.ए., राय एस.एस., और जसरोटिया, एस.एस. (2024), ''कोविड–19 महामारी के दौरान जैविक खाद्य की ओर सतत खरीद इरादेः भारतीय उपभोक्ताओं पर एक खोजपूर्ण अध्ययन'', सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी जर्नल, वॉल्यूम 20, अंक 2.
- राज, वी.ए., जसरोटिया, एस.एस., राय, एस.एस. (2024), ''व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता के अनुसंधान परिदृश्य का मानचित्रणः अंतर्दृष्टि और भविष्य की दिशाएँ'', उच्च शिक्षा, कौशल और कार्य–आधारित शिक्षा.
- राज, वी.ए., जसरोटिया, एस.एस., और राय एस.एस. (2024), ''अभी खरीदें–बाद में भुगतान करें (बीएनपीएल) के माध्यम से भौतिकवाद को तीव्र करनाः गुप्त पक्षों की जांच'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बैंक मार्केटिंग, वॉल्यूम 42, अंक 1.
- राज, वी.ए., जसरोटिया, एस.एस. और राय, एस.एस. (2024), ''अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें (बीएनपीएल) सेवाओं का उपयोग करने के उपभोक्ताओं के व्यवहारिक इरादे पर कथित जोखिमों और कथित लाभों की भूमिका'', जर्नल ऑफ फैसिलिटीज मैनेजमेंट.
- राज, वी.ए., जसरोटिया, एस.एस., राय, एस.एस. और अंसारी, आई.ए. (2024), ''रेस्तरां में ऑर्गेनिक मेनू की एक ग्रंथ सूची समीक्षाः अनुसंधान स्ट्रीम और भविष्य अनुसंधान पथ'', आतिथ्य और पर्यटन में गुणवत्ता आश्वासन जर्नल, वॉल्यूम 25, अंक 4.
- जसरोटिया, एस.एस., राय एस.एस., और गीरी एस.एस. (2024) ''चरण–वार हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और पर्यावरणीय प्रदर्शनः ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का प्रभाव'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट डेटा इनसाइट्स, वॉल्यूम 4, अंक 2.

डॉ. ओली मिश्रा, सहायक प्रोफेसर

- मिश्रा, ओ. (2024), ''बुनाई का भविष्यः एमएसएमई कपड़ा क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं की सीखने और नवाचार क्षमताओं को बढ़ाना'', एमडीआईएम जर्नल ऑफ मैनेजमेंट रिव्यू एंड प्रैक्टिस, 1(2). डीओआईः https://doi.org/10.1177/mjmrp.241242960
- मिश्रा, ओ., और धर्मावरम, वी.जी. (2023), ''मेटावर्स और विपणन संचारः ए सिस्टमैटिक साहित्यकार समीक्षा'', जर्नल ऑफ कंटेंट, कम्युनिटी एंड कम्युनिकेशन, वॉल्यूम 17.

डॉ. मिकलेश प्रसाद यादव, सहायक प्रोफेसर

- यादव, एम.पी., शर्मा, एस., अग्रवाल, वी. और दीक्षित, एन. (2023), ''उभरते बाजारों और क्यूग्रीन, फिनटेक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–आधारित सूचकांक के बीच समय और आवृत्ति कनेक्टिविटीः कोविड–19 के प्रकोप से सबक'', दृष्टि.
- यादव, एम.पी., गुडेल, जे.डब्ल्यू., रुआन, जे., अबेदीन, एम.जेड. और मल्होत्रा, एन. (2023), ''पारंपरिक संपत्ति, डिजिटल संपत्ति और नवीकरणीय ऊर्जाः सीओवीआईडी–19 और रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान कनेक्टिविटी की जांच'', वित्त अनुसंधान पत्र, वॉल्यूम 58.

- यादव, एम.पी., शर्मा, एस., भारद्वाज, आई. (2023), ''चीनी स्टॉक मार्केट और चयनित उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच अस्थिरता स्पिलओवरः एक गतिशील सशर्त सहसंबंध और पोर्टफोलियो अनुकूलन परिप्रेक्ष्य'', एशिया–प्रशांत वित्तीय बाजार, वॉल्यूम 30, अंक 2.
- यादव, एम.पी. और शर्मा, एस. (2023), ''भारतीय बाजार में शार्प सिंगल इंडेक्स मॉडल की मजबूतीः रत्नों की पहचान करने के लिए एक अनोखा दृष्टिकोण'', सार्वजनिक क्षेत्र प्रदर्शन प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 12, अंक 4.
- यादव, एम.पी., पनवार, के. और पुरी, एन. (2023), ''ऊर्जा बाजार की सममित और असममित अस्थिरता की भविष्यवाणीः भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में सीओवीआईडी –19 के प्रकोप का प्रमाण'', व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य और अनुसंधान।
- यादव, एम.पी., राघवेंद्र, सी., शरीफ, टी., महेश, आर. और आबेदीन, एम.जेड. (2023), ''क्या बाजार, संसाधन और ज्ञान की दूरी इनबाउंड क्रॉस–बॉर्डर अधिग्रहण को प्रभावित करती है?'', ग्लोबल फाइनेंस जर्नल, वॉल्यूम 57.
- यादव, एम.पी. और खेड़ा, ए. (2023), ''उभरती अर्थव्यवस्थाओं के स्टॉक रिटर्न का पूर्वानुमानः एआरआईएमए पर आधारित एक अनुभवजन्य अध्ययन'', सार्वजनिक क्षेत्र प्रदर्शन प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 11, अंक 4.
- यादव, एम.पी., पनवार, के. और पुरी, एन. (2023), ''धातु और बुलियन बाजार के साथ ग्रीन बॉन्ड का स्पिलओवर प्रभाव'', एशिया–प्रशांत वित्तीय बाजार।
- यादव, एम.पी., सिंह, एस., आर्य, वी. और पावर, जी.जे. (2023), ''क्या वित्तीय विकास आर्थिक विकास में सुधार करता है? असममित संबंधों की भूमिका'', ग्लोबल फाइनेंस जर्नल, वॉल्यूम 56.
- यादव, एम.पी., तबस्सुम, एस., यादव, एस. और अल–कुदाह, ए.ए. (2023), ''ऊर्जा बाजार में सममित और असममित अस्थिरता को पकड़नाः सीओवीआईडी प्रकोप अवधि का प्रमाण'', एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू।
- यादव, एम.पी., राजवानी, एस., तिवारी, ए.के. और शर्मा, एस. (2023), "बुलियन और धातु बाजार के साथ ऊर्जा वस्तुओं का गतिशील संबंधः पोर्टफोलियो हेजिंग का प्रमाण'', अमेरिकन बिजनेस रिव्यू, वॉल्यूम 26, अंक 1.
- यादव, एम.पी., आबेदीन, एम.जेड., सिन्हा, एन. और आर्य, वी. (2024), ''कोविड–19 और रूस–यूक्रेन आक्रमण के मद्देनजर कृषि–कमोडिटी बाजार के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टॉक्स की गतिशील कनेक्टिविटी को उजागर करना'', अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त में शोध, वॉल्यूम 67.
- यादव, एम.पी., मल्होत्रा जी., टंडन पी. और सिन्हा एन (2024), ''रूस–यूक्रेन आक्रमण के दौरान वित्तीय बाजार के साथ कमोडिटी बाजार की गतिशील कनेक्टिविटी पर एक जांच'', बेंचमार्किंग, वॉल्यूम 31, अंक 2.
- यादव, एम.पी., नेपाल, आर., कटोच, आर., गुप्ता, एच. और कुमार, ए. (2024), ''कार्बन उत्सर्जन और विदेशी मुद्रा बाजार के बीच सह–आंदोलनः COVID-19 के प्रकोप और रूस–यूक्रेन आक्रमण की एक कहानी'', संसाधन नीति, वॉल्यूम 90.
- यादव, एम.पी., रानी, एन. और अनीशा (2024), ''भारतीय स्टॉक मार्केट और समष्टि आर्थिक चर के बीच दीर्घकालिक और अल्पावधि संबंधः एक वीईसीएम दृष्टिकोण1'', फाइनेंस इंडिया, वॉल्यूम 38, अंक 1.
- यादव, एम.पी., खान, ए., वर्मा, आर. और नारायण (2024), ''क्या शासन की गुणवत्ता स्टॉक मार्केट के विकास को प्रभावित करती है?'' ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं की एक अंतर्दृष्टि'', एशिया–प्रशांत वित्तीय बाजार।
- यादव, एम.पी., तबस्सुम, एस., राशिद, यू. और रब्बानी, एम.आर., (2024), ''मेमेकॉइन, हलाल ईटीएफ और ईएसजी इंडेक्स के बीच क्वांटाइल कनेक्टिविटी की मात्रा निर्धारित करना'', जर्नल ऑफ इस्लामिक मार्केटिंग।
- यादव, एम.पी., अशोक, एस., ताघीजादेह–हेसरी, एफ., ढींगरा, डी., मिश्रा, एन. और मल्होत्रा, एन. (2024), ''ग्रीन बॉन्ड्स, एनर्जी कमोडिटीज और स्टॉक मार्केट के बीच समय और आवृत्ति सह–आंदोलन को उजागर करना'', अर्थशास्त्र और वित्त में अध्ययन, वॉल्यूम 41, अंक 3.
- यादव, एम.पी., सहगल, वी., रात्रा, डी. और वाजिद, ए. (2024), ''ऊर्जा वस्तुओं का पूर्वानुमानः एआरआईएमए और हस्तक्षेप विश्लेषण का एक प्रमाण'', मौद्रिक अर्थशास्त्र और वित्त के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 16, अंक 6.
- यादव, एम.पी., तबस्सुम, एस., अलकुदाह, ए.ए., अल–ओकैली, एम., अलोउलू, एम., स्टैकिक, एन., और सैंटोस, एम. (2024), ''चयनित जीसीसी इक्विटी मार्केट से जुड़ने के लिए क्या कोविड–19 का प्रकोप सऊदी कच्चे तेल को बढ़ावा देता है? समय–परिवर्तनीय संबंध की अंतर्दृष्टि'', कम्प्यूटेशनल इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम 63, अंक 3.

डॉ. रश्मि रस्तोगी, सहायक प्रोफेसर

- जैन, एम., तलवार, एस., रस्तोगी, आर., कौर, पी. और धीर, ए. (2024), ''इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए नीति प्रोत्साहनः मुख्यधारा मीडिया प्रवचन का एक विश्लेषण'', व्यापार रणनीति और पर्यावरण।

डॉ. नेहा जैन, सहायक प्रोफेसर

- तिवारी, सी., जैन, एन., गोली एस., पुरी, पी. (2023), ''स्वास्थ्य के राजनीतिक निर्धारकः (पुनः) मातृ मृत्यु दर को कम करने में शासन की भूमिका की जांच'', स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, नीति और कानून, वॉल्यूम 18, अंक 3.
- गोली, एस., अरोड़ा, एस., जैन, एन., और शेखर, टी.वी. (2024), ''भारत में पितृस्थानीयता और बाल लिंग अनुपात'', जनसंख्या अनुसंधान और नीति समीक्षा, वॉल्यूम 43, अंक 4.

डॉ. सुगंधा हुरिया, सहायक प्रोफेसर

- हुरिया, एस. और पंत, एम. (2023), ''जहां उपभोग समय–बाधित है वहाँ क्रुगमैन–प्रकार के मॉडल में लागत कम करने वाली तकनीकें और श्रम आपूर्तिः कुछ नए परिणाम'', बी.ई. सैद्धांतिक अर्थशास्त्र जर्नल।

डॉ. कनुप्रिया, सहायक प्रोफेसर

- कनुप्रिया (2024), ''लक्ष्य 2047 और नए युग की प्रबंधन चुनौतियाँः एक भारतीय परिप्रेक्ष्य'', काम की बेहतर दुनिया के लिए व्यवसायों का मानवीकरण।

विश्व व्यापार संगठन अध्ययन केंद्र द्वारा प्रकाशन

डॉ. सचिन कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर

- शर्मा, एस.के., शाजहान, ए.ए., सिंघल, पी., और माथुर पी. (2023), ''ब्रेक्सिट के बाद यूनाइटेड किंगडम की डब्ल्यूटीओ कृषि प्रतिबद्धताएँः विनिमय दर का प्रभाव'', आर्थिक एकीकरण के कानूनी मुद्दे, वॉल्यूम 50, अंक 1.
- शर्मा, एस.के., माथुर, पी., शाजहान, ए.ए., गंती, एल.एस., और गोस्वामी, ए. (2024), ''डब्ल्यूटीओ वार्ता और एक सतत भविष्य के लिए कृषि सब्सिडी का पुनर्प्रयोजन'', अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण समझौतेः राजनीति, कानून और अर्थशास्त्र.
- शर्मा, एस.के., और शाजहां, ए.ए. (2024), ''डब्ल्यूटीओ और खाद्य सुरक्षा के लिए एक स्थायी समाधानः भूख–मुक्त दुनिया के लिए प्रयास'', खाद्य सुरक्षा, वॉल्यूम 16, अंक 2.

डॉ. प्रलोक गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर

- गुप्ता, पी. (2023), ''सेवाओं में भारत–आसियान व्यापारः संभावनाएँ और चुनौतियाँ'', आसियान–भारत संबंधों के तीस सालः भारत–प्रशांत की ओर.
- गुप्ता, पी., भट्टाचार्जी, ए. (2023), ''दक्षिण एशियाई क्षेत्र में स्वास्थ्य कार्यबल का प्रवासन'', दक्षिण एशियाई प्रवासन की रूटलेज हैंडबुक.

डॉ. अनिमेष कुमार, सहायक प्रोफेसर

- चाइसे, जे., चक्रवर्ती, डी. और कुमार, ए. (2024), "सस्टेनेबल सीज? डब्ल्यूटीओ मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते की प्रतिबद्धताओं और निहितार्थों का आकलन", एशियन जर्नल ऑफ डब्ल्यूटीओ और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कानून और नीति, खंड–19, अंक 1.

व्यापार और निवेश कानून केंद्र (CTIL) संकाय द्वारा प्रकाशन

डॉ. जेम्स नेदुम्परा, प्रोफेसर

- नेदुम्परा, जे.जे. (2023), ''एशिया–प्रशांत क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश विवाद निपटानः नए एशियाई क्षेत्रवाद को प्रेरित करना'', एशिया प्रशांत कानून समीक्षा, वॉल्यूम 31, अंक 2.
- चौक्रोउने, एल., और नेदुम्परा, जे.जे. (2023), ''अतिथि संपादकीयः खाद्य (इन) सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय कानून'', जर्नल ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड लॉ एंड पॉलिसी, वॉल्यूम 22, अंक 3.
- नेदुमपारा, जे.जे., और हजेला, पी. (2024), ''अधिक क्षमता और अत्यधिक मछली पकड़ने में योगदान देने वाली सब्सिडीः डब्ल्यूटीओ मत्स्य पालन सब्सिडी समझौते के तीसरे स्तंभ को पूरा करने में चुनौतियां'', एशियन जर्नल ऑफ डब्ल्यूटीओ और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कानून और नीति, वॉल्यूम 19, अंक 1.
- नेदुम्परा, जे. (2023), ''खाद्य (असुरक्षा) और अंतर्राष्ट्रीय कानून'', जर्नल ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड लॉ एंड पॉलिसी, जुलाई–सितंबर, वॉल्यूम छपने से पहले नंबर छपने से पहले.
- नेदुम्परा, जे. (2023), मंजूरी का विनियमन क्यों मायने रखता है.
- नेदुम्परा, जे., और लक्ष्मीरकुमारन, वी. (2023), ''विवाद निपटान जिनमें कोई समानांतर नहीं है''।
- नेदुमपारा, जे. (2024), ''फ्रेंडशोरिंग, नियरशोरिंग, ग्रीनशोरिंग और रिसशोरिंग'' वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के बदलते चेहरे और इसके प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून – विशेष अंक का परिचय.

चर्चा पत्र

- जेम्स जे. नेदुम्परा, श्रीलक्ष्मी, एस. कुरुप और मीना, आर. (2023), सीटीआईएल अध्ययन और अधिमान्य व्यापार समझौतों में लिंग मुख्यधारा पर डब्ल्यूटीओ अध्यक्ष कार्यक्रम पृष्ठभूमि पेपरः अंतर्राष्ट्रीय स्तर में लिंग गतिशीलता के विकास की एक परीक्षा.

संकाय आउटरीच गतिविधियाँ

कोलकाता परिसर

1. डॉ. के. रंगराजन को किंग्स्टन एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) पर 29 अप्रैल 2023 को आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
2. जेएसडब्ल्यू वन एमएसएमई द्वारा भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाने और शिक्षित करने के उद्देश्य से एक ब्रांड पहल, एमएसएमई मास्टरक्लास में डॉ. के. रंगराजन को एसएमई के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर व्याख्यान के लिए एक वक्ता के रूप में 28 जून 2023 को आमंत्रित किया गया था।
3. 13 जून 2023 को पुरस्कार विजेताओं की सूची को अंतिम रूप देने के लिए एफआईईओ पूर्वी क्षेत्र निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार (2018–19 और 2019–20) के 7वें और 8वें सेट के लिए मूल्यांकन समिति के एफआईईओ विशेषज्ञ जूरी सदस्य के रूप में डॉ. के. रंगराजन को नामित किया गया था।
4. सेंटर फॉर डब्ल्यूटीओ स्टडीज और इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (ईईपीसी) के सहयोग से 22 जून 2023 को सीआईआई द्वारा आयोजित ''व्यापार समझौतों से उभरती संभावनाएं – उद्योग परिप्रेक्ष्य'' में डॉ. के. रंगराजन को आमंत्रित किया गया था।
5. "नेता के रूप में महिलाएँः अर्थ और योग्यताएँ" में व्याख्याता के तौर पर डॉ. रंगराजन, डॉ. सैकट बनर्जी और डॉ. नमन शर्मा को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 11–14 जुलाई 2023 के दौरान आमंत्रित किया गया।
6. राज्य के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और रसद पर 18 अगस्त 2023 को मुख्य सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार की अध्यक्षता में बुलाई गई बैठक में डॉ. के. रंगराजन ने भाग लिया। बैठक में ईएफसी और आईआईएफटी के योगदान को बहुत सराहा गया और राज्य भर में इनसे अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए अनुरोध किया गया।
7. 30 मार्च, मई, जुलाई और 23–25 अगस्त 2023 को मुंबई, बैंगलोर, केवडिया और जयपुर में ''व्यापार के लिए रसद'' पर केंद्रित जी20 की चार व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) बैठकों में डॉ. दीपांकर सिन्हा ने भाग लिया। व्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए दस उच्च–स्तरीय सिद्धांतों पर समूह ने ध्यान केंद्रित किया।
8. 22 नवंबर 2023 को बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रीय सत्र में डॉ. के. रंगराजन को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
9. आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी), अलिया विश्वविद्यालय के सहयोग से प्रबंधन और व्यवसाय प्रशासन विभाग ने 22 नवंबर 2023 से 6 दिसंबर 2023 तक दो–सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का आयोजन किया है। 22 नवंबर 2023 को साहित्य की समीक्षा और परिकल्पना निर्धारण पर संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. सैकत बनर्जी को आमंत्रित किया गया।
10. रबर उत्पाद निर्यात पर 3–4 नवंबर 2023 को आयोजित राष्ट्रीय रबर सम्मेलन में डॉ. के. रंगराजन वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए।
11. मेटियाबुरुज रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर लिमिटेड द्वारा 20 नवंबर 2023 को आयोजित गारमेंट बिजनेस सेमिनार में डॉ. के. रंगराजन को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
12. पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा ''भारत 4.0 और भारत के लिए उभरते अंतर्राष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य'' पर 16 नवंबर 2023 को डॉ. के. रंगराजन अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किए गए।
13. 23वें एईपीसी उत्कृष्टता सम्मान 2021–22–23 और एफजीडी में एईपीसी द्वारा ''भारत के कपड़ा क्षेत्र में उद्योग–अकादमिक संबंधों को मजबूत करना'' पर 8 दिसंबर 2023 को फोकस समूह चर्चा में डॉ. के. रंगराजन को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
14. कलकत्ता बिजनेस स्कूल द्वारा उपभोक्ता व्यवहार में वर्तमान रुझान पर एक विशेष व्याख्यान देने के लिए 15 दिसंबर 2023 को डॉ. सैकत बनर्जी को आमंत्रित किया गया था।
15. डब्ल्यूसीपी, नेपाल में, एआईबी दक्षिण एशिया सम्मेलन, 2024 की सह–अध्यक्षता डॉ. के. रंगराजन (केंद्र प्रमुख) ने की। एआईबी दक्षिण एशिया सम्मेलन 2024 में डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आईआईएफटी कोलकाता के डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती और डॉ. सैकत बनर्जी को सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
16. एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा वाणिज्य और प्रबंधन में डिजिटलीकरण पर 21 फरवरी 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. के. रंगराजन (केंद्र प्रमुख, आईआईएफटी–के) ने भाग लिया।
17. कनोरिया कॉलेज, जयपुर द्वारा ''भारत की विदेश नीति की बदलती गतिशीलताः चुनौतियां और आगे की राह'' विषय पर 19 फरवरी 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. के. रंगराजन ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।
18. विद्यासागर विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा डॉ. बिबेक रे चौधरी को 21 मार्च 2024 को एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया था।

काकीनाड़ा परिसर

1. आईआईएफटी, दिल्ली में टाइम सीरीज और पैनल डेटा विश्लेषण पर 28 फरवरी से 3 मार्च 2024 तक हुई एक कार्यशाला में डॉ. मिकलेश प्रसाद यादव ने अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
2. एनडीआईएम दिल्ली में एक्सेल का उपयोग करके पूंजी की भारित औसत लागत पर 4 मार्च 2024 को हुए व्यावहारिक सत्र में डॉ. मिकलेश प्रसाद यादव ने अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
3. एलबीएस दिल्ली में समय श्रृंखला विश्लेषण पर 5 मार्च 2024 को हुई एक कार्यशाला में डॉ. मिकलेश प्रसाद यादव ने अतिथि वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

4. सीएस और आईटी विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय एमएससी डेटा साइंस के छात्रों के लिए समय श्रृंखला विश्लेषण और पूर्वानुमान पर 21–22 नवंबर 2023 को डॉ. सुजाता कार ने ऑनलाइन मोड में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।
5. 25–28 सितंबर 2023 तक हैदराबाद में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के अधिकारियों के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन' पर 25–28 सितंबर 2023 तक डॉ. ओली मिश्रा ने सत्र दिया।

कार्य पत्र

1. तनेजा, एन., जोशी, एस., नाग, बी., रस्तोगी और आर., दुआ, एस. (2024), ''पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए बीबीआईएन मोटर वाहन समझौते के लाभः एक आपूर्ति श्रृंखला विश्लेषण'', वर्किंग पेपर संख्या 419 ।
2. गुप्ता, एस. और वर्मा, जे.के. (2024), ''वाहन रिकॉल की भविष्यवाणी के लिए जेनएआईः लेजर डेटाबेस पर एनएलपी और एलएलएम का उपयोग करके उच्च प्रदर्शन और अकाट्य रिवर्स ट्रैसेबिलिटी सिस्टम,'' कार्य प्रगति पर है।

परामर्श कार्य

1. 1 फरवरी 2024 से 25 मार्च 2024 के दौरान डॉ. जे.के. वर्मा को आईआईएम रोहतक में प्राध्यापक के रूप में परामर्श कार्य मिला। 25 उभरती प्रौद्योगिकियों पर ज्ञानवर्धन करते हुए उन्होंने "व्यवसाय में प्रौद्योगिकी रुझान" पर पाठ्यक्रम के लिए व्याख्यान दिया। उनके सत्रों में 145 प्रतिभागी थे।
2. आईसीआरआईईआर प्रोजेक्ट ''एमएआई योजना के प्रभाव आकलन'' में डॉ. रश्मी रस्तोगी को परामर्श मिला है। यह परियोजना भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है।

पेपर प्रस्तुति

1. बक्षी अमोल, वी. रवीन्द्र सराधी, ''दिवालियापन व्यवस्थाओं की ऋणदाता–मित्रता क्या है? भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद में 11–12 मार्च 2024 को दिवाला और दिवालियापन पर वार्षिक अनुसंधान कार्यशाला में भारत के दिवाला कानून का विश्लेषण और अनुप्रयोग प्रस्तुत किया गया।

राजभाषा हिंदी की गतिविधियां

संस्थान संध की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूरा करने के लिए पुर्ण रूप से जागरूक व वचनबद्ध है। संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रचार–प्रसार दिन–प्रतिदिन उन्नयन की ओर अग्रसर है। राजभाषा हिंदी के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए संस्थान को समय–समय पर माननीय राष्ट्रपति महोदय के द्वारा ''राजभाषा कीर्ति पुरस्कार'' तथा वाणिज्य मंत्रालय के राजभाषा विभाग के द्वारा ''शील्ड ट्रॉफी'' भी प्रदान की गई है जो इसकी प्रमाणिकता को दर्शाता है। संस्थान में कार्यालयीन कामकाज के साथ–साथ शिक्षण एंव प्रशिक्षण में भी हिंदी उपयोगिता को बढ़ावा दिया गया है। वर्ष 2023–24 के दौरान हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित किए गए कार्यों का विवरण निम्न प्रकार से है:

(1) **धारा 3(3) का अनुपालन** – संस्थान के सभी कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, अधिसूचनाएं, सविदाएं, करार, टेंडर के फार्म और नोटिस, नियम, दोनो सदनों में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी सरकारी कागज व प्रशासनिक रिपोर्ट आदि द्विभाषी रूप में जारी की गई है।

(2) **राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 का अनुपालन** – संस्थान के कोड, भर्ती नियम, संविधान, पुस्तकालय नियम व विनियम, अंशदायी भविष्य निधि नियम, सेवाओं की हस्तपुस्तिका, नागरिक प्राधिकार, परामर्श नियम, आदि को द्विभाषी रूप में अद्यतन किया गया है।

(क) सभी साइनेज, रबर की मोहरें, नामपट्ट, लोगो, सीलें पत्र शीर्ष, विजिटिंग कार्ड आदि द्विभाषी रूप में उपयोग किए गए।

(ख) संस्थान में कर्मचारियों द्वारा सभी प्रपत्र जैसे अवकाश आवेदन चिकित्सा प्रतिपूर्तिबिल, यात्रा रियायत बिल, वाहन व्यय, ट्यूशन फीस इत्यादि पूरी तरह द्विभाषी रूप में उपयोग में लाए गए।

(ग) संस्थान में आयोजित होने वाले सभी शिक्षण व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रवेश–पत्र, बैनर आदि को द्विभाषी रूप में तैयार किया गया।

(3) **राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 का अनुपालन** – संस्थान के सभी अनुभागों/विभागों में प्राप्त हिंदी पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया गया ।

(4) **पत्राचार की स्थिति** – संस्थान ''क'' क्षेत्र में स्थित है इस प्रकार ''क'' और ''ख'' क्षेत्र में अधिक से अधिक पत्राचार/मेल हिंदी/द्विभाषी रूप में किया गया, जो वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित हिंदी पत्राचार के लक्ष्य के लगभग अनुरूप है। इस प्रकार संस्थान के हिंदी पत्राचार की स्थिति संतोषजनक है।

(5) **संस्थान की द्विभाषी वेबसाईट** – संस्थान की वेबसाइट हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है तथा अंग्रेजी वेबसाइट को समय–समय पर अद्यतन किया गया है।

(6) **नराकास की बैठक** – नराकास संस्थान 'क' क्षेत्रा में स्थित होने के कारण माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास दक्षिण दिल्ली–03) का सदस्य कार्यालय है। संस्थान ने वर्ष के दौरान नराकास द्वारा समय–समय पर आयोजित सभी बैठकों में अपनी सहभागिता दर्ज की है।

(7) **तिमाही बैठक – 2023–24** के दौरान राजभाषा नियमों के अनुपालनार्थ कुलपति महोदय की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकों का आयोजन किया गया ।

(8) **वर्ष के दौरान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित अन्य विशिष्ट उपलब्धियों/कार्यों का संक्षिप्त विवरण।**

(क) **हिंदी पखवाड़ा:** राजभाषा नीति के अनुपालन में संस्थान में हिंदी पखवाड़ा दिनांक 14–29 सितम्बर 2023 को आयोजित किया गया। हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न पतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिनका विवरण क्रमशः (1) हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता (2) हिंदी निबंध लेखन (3) हिंदी प्रश्नोत्तरी लिखित (4) हिंदी वाद–विवाद प्रतियोगिता मैखिक (5) हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता आदि में कुल 68 कर्मचारियों ने सहभागिता प्रदान की व कुल 35 कर्मचारियों (हिंदी व अहिंदी भाषी) को नकद राशि से पुरस्कृत किया गया।

(9) **हिंदी कार्यशाला एव संगोष्ठी:**

(क) **श्री चरणजीत वर्मा (07.06.2023)** विषयः हिंदी नोटिंग और ड्राफ्टिंग की कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

(ख) **डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव (22.11.2023)** विषयः राजभाषा हिंदी का संवैधानिक विकास और उसका कम्प्यूटर पर उपयोग के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(ग) **श्री अनुप कुमार (27.12.2023)** विषयः कंम्प्यूटर एवं मोबाईल पर राजभाषा हिंदी में कार्य करने हेतु विभिन्न टूल्स पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।(कोलकाता केंद्र)

(ध) **श्री एस.बालासुब्रमणियन (8.03.2024)** विषयः हिंदी भाषा में कार्य करने के लिए तकनीकी का उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(10) **दीक्षांत समारोह में द्विभाषी डिग्री**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का 56वां दीक्षांत समारोह दिनांक 2 नवम्बर 2023 को आयोजित किया गया, जिसमें श्री पीयूष गोयल, वाणिज्य और उद्योग, उपभोगता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपडा मंत्री, भारत सरकार मुख्य अतिथि थे। दीक्षांत समारोह के दिन स्नातकोतर की शिक्षा पूर्ण किए छात्रों को कुल 708 द्विभाषी डिग्री प्रदान की गई ।

(11) शिक्षण / प्रशिक्षण

निर्यात बंधु योजना

भारत सरकार के निर्यात बंधु योजना के अंर्तगत आई आई एफ टी द्वारा चलाए जा रहे मैसिव–ओपन–ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी–मूक) कार्यक्रम को वर्ष 2023–24 के दौरान जारी रखा गया तथा इसके अंतर्गत लगभग 209 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इन सभी ऑनलाइन निर्यात–आयात व्यापार में प्रमाण–पत्र कार्यक्रमों में अंग्रेजी–हिंदी की मिली–जुली भाषा का उपयोग किया गया।

(12) आईआईएफटी दिल्ली के प्रबंधन विकास कार्यक्रम अनुभाग ने विभिन्न स्तरों के प्रबंधको और अधिकारियों के लिए कुल 23 कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसमें से 2 कार्यक्रम सभी क्षेत्रों के लिए ऑनलाईन थे, 19 कार्यक्रम सरकारी अधिकारियों (आईटीएस प्रोबेशनर्स और सशस्त्र बलों के अधिकारियों और पीएसयू के अधिकारियों के लिए थे) इसके अलावा 2 लंबी अवधि के प्रमाणपत्र कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया । इन कार्यक्रमों से कुल 651 प्रतिभागी लाभान्वित हुए। इन सभी कार्यक्रमों में अंग्रेजी–हिंदी की मिली–जुली भाषा का उपयोग किया गया।

(क) सुश्री पुर्णिमा दुग्गल (निजी सहायक) को एक वर्ष के लिए हिंदी आशुलिपि प्रशिक्षण, केन्द्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, आर. के. पुरम, नई दिल्ली में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था, सुश्री पुर्णिमा दुग्गल ने 90 प्रतिशत अंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की।

(ख) श्री कमल सिंह (वरि. सहायक) को केंद्र शासित प्रदेश सिविल सेवाएं, शाहदरा, दिल्ली में दो दिवसीय, (11 व 12 मार्च, 2024) प्रशिक्षण के लिए भेजा गया।

(ग) श्री कमल सिंह (वरि. सहायक) को 23 फरवरी, 2024 नराकास –03 राजभाषा सम्मेलन के लिए (भारतीय जन संचार संस्थान) नई दिल्ली भेजा गया था।

(13) कोलकाता केंद्रः राजभाषा नीति के अनुपालन में संस्थान में हिंदी पखवाड़ा दिनांक 14–26 सितम्बर, 2023 को आयोजित किया गया हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया था। जिनका विवरण क्रमशः (1) हिंदी निबंध लेखन (2) हिंदी प्रश्नोत्तरी लिखित (3) हिंदी भाषण प्रतियोगिता मैखिक (4) हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता आदि में कुल 54 कर्मचारियों ने सहभागिता प्रदान की व कुल 11 कर्मचारियों (हिंदी व अहिंदी भाषी) को नकद राशि से पुरस्कृत किया गया।

संस्थान में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2023–24 में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु यथासंभव प्रयास किए गए।

हिंदी पखवाड़ा दिनांक 14–29 सितम्बर 2023

हिंदी पखवाड़ा 2023 में विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विजेताओं के नाम

(क) हिंदी निबंध प्रतियोगिता

अनुक्रमांक	प्रतियोगी का नाम	प्रतियोगिता में स्थान	पुरस्कार राशि रू
1.	श्री राकेश कुमार यादव	प्रथम	2000.00
2.	श्री नवीन (अहिंदी भाषी)	प्रथम	2000.00
3.	श्री गिरीश कुमार गुप्ता	द्वितीय	1500.00
4.	श्री प्रवीण कुमार यादव	तृतीय	1300.00
5.	सुश्री नलिनी मेशराम	प्रोत्साहन	500.00
6.	श्री वैभव यादव	प्रोत्साहन	500.00
7.	श्री सत्ते सिंह	प्रोत्साहन	500.00
8.	श्री अजय शर्मा	प्रोत्साहन	500.00
9.	सुश्री करिश्मा खान	प्रोत्साहन	500.00

(ख) हिंदी प्रशोत्तरी प्रतियोगिता

अनुक्रमांक	प्रतियोगी का नाम	प्रतियोगिता में स्थान	पुरस्कार राशि रू
1.	श्री आयुष शुक्ला	प्रथम	2000.00
2.	श्री संजीव कुमार	द्वितीय	1500.00
3.	श्री अविनाश कुमार	तृतीय	1300.00
4.	श्री उत्सव कुशवाह	प्रोत्साहन	500.00

5.	श्री ईशव	प्रोत्साहन	500.00
6.	श्री राज कुमार यादव	प्रोत्साहन	500.00
7.	सुश्री रूही खान	प्रोत्साहन	500.00
8.	सुश्री सीमा यादव	प्रोत्साहन	500.00

(ग) हिंदी टंकण प्रतियोगिता

अनुक्रमांक	प्रतियोगी का नाम	प्रतियोगिता में स्थान	पुरस्कार राशि रू
1.	श्री मनीष शर्मा	प्रथम	2000.00
2.	सुश्री दीपा (अहिंदी भाषी)	प्रथम	2000.00
3.	सुश्री सीमा शर्मा	द्वितीय	1500.00
4.	सुश्री मीनाक्षी सक्सैना	तृतीय	1300.00
5.	श्री सतपाल सिंह	प्रोत्साहन	500.00
6.	श्री संजय कुमार	प्रोत्साहन	500.00
7.	श्री आशीष कुमार	प्रोत्साहन	500.00
8.	श्री सोजल गुप्ता	प्रोत्साहन	500.00
9.	सुश्री सुरभि वत्स	प्रोत्साहन	500.00

(घ) हिंदी भाषण प्रतियोगिता

अनुक्रमांक	प्रतियोगी का नाम	प्रतियोगिता में स्थान	पुरस्कार राशि रू
1.	श्री राजपाल	प्रथम	2000.00
2.	श्री बाला सुब्रमनियन (अहिंदी भाषी)	प्रथम	2000.00
3.	श्री दीपांशु	द्वितीय	1500.00
4.	श्री आयुष बड़ोले	तृतीय	1300.00
5.	श्री रंजन	प्रोत्साहन	500.00
6.	सुश्री मीना	प्रोत्साहन	500.00
7.	श्री राहुल पाठक	प्रोत्साहन	500.00
8.	सुश्री अनीता	प्रोत्साहन	500.00

वर्ष 2023–24 में हिंदी भाषा में सर्वाअधिक हिंदी कार्य के लिए पुरस्कृत विजेता।

अनुक्रमांक	प्रतियोगी का नाम	प्रतियोगिता में स्थान	पुरस्कार राशि रू
1.	श्री संजय कुमार	प्रथम	5000.00
2.	श्री द्वैवपन (कोलकाता)	प्रथम	5000.00
3.	श्री गिरीश कुमार गुप्ता	द्वितीय	3000.00

वार्षिक लेखा
2023–24

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सदस्य प्रबंधन बोर्ड
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
(सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी)
(मानित विश्वविद्यालय)
बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली

विषयः वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की वैधानिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

नोट के साथ एक महत्वपूर्ण लेखांकन नीति सहित 31 मार्च 2024 तक के भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (जो वित्तीय विवरण में ''द सोसाइटी'' के तौर पर संदर्भित है) की 31 मार्च 2024 तक की तुलन पत्र, आय और व्यय खाता और प्राप्तियों और भुगतान खाते एवं वित्तीय विवरणों का हमने ऑडिट किया है। अवधि समाप्त हो गई और वित्तीय विवरणों के भी समाप्त हो गई।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी
निधि का प्रबंधन उन मामलों के लिए जिम्मेदार है जो इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के संबंध में लेखांकन मानक सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सोसायटी की वित्तीय स्थिति और वित्तीय प्रदर्शन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं। इस जिम्मेदारी में निधि की संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोगय ऐसे निर्णय और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण होंय और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, जो वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक थे जो सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले भारी गलत विवरण से मुक्त होते हैं।

लेखापरीक्षक की जिम्मेदारी
अपने ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है। हमने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के नियमों और प्रावधानों, लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों और उन मामलों को ध्यान में रखा है जिन्हें भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के प्रावधानों और दिशानिर्देशों के तहत ऑडिट रिपोर्ट में शामिल किया जाना आवश्यक है।

हमने अपना ऑडिट ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार किया। उन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि वित्तीय विवरण भारी गलत विवरण से मुक्त हैं या नहीं।

ऑडिट में वित्तीय विवरणों में रकम और प्रकटीकरण के बारे में ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाएं निष्पादित करना शामिल होता है। चुनी गई प्रक्रियाएँ ऑडिटर के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों का आकलन भी शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो। उन जोखिम मूल्यांकनों को बनाने में, ऑडिटर सोसायटी के वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को प्रासंगिक मानता है जो परिस्थितियों में उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देता है। ऑडिट में उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और निधि के प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करने के साथ–साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किया है वह समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी ऑडिट राय के लिए आधार प्रदान करने को पर्याप्त और उपयुक्त है।

राय
हमारी राय में, और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हमारी रिपोर्ट के मामले पर जोर देने वाले अनुभाग में वर्णित संभावित प्रभावों को छोड़कर, साथ में दिए गए वित्तीय विवरण सही और निष्पक्ष हैं। 31 मार्च 2024 को सोसायटी की वित्तीय स्थिति, 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए सोसायटी की प्राप्तियां और भुगतान और 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए सोसायटी के व्यय को वाणिज्य विभाग, वाणिज्य मंत्रालय के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रावधानों के अनुसार देखें।

मुददे पर जोर
हम वित्तीय विवरणों के खातों पर नोट और नीचे सूचीबद्ध मामलों की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं, जो सामग्री समायोजन के प्रभावों का वर्णन करता है। इन मामलों के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

सीपीएफ खाते का वित्तीय विवरण और संबंधित आय, व्यय, संपत्ति और देनदारियां जो सोसायटी के भीतर रखी जाती हैं, उन्हें संलग्न वित्तीय विवरण का हिस्सा नहीं बनाया गया था। इसके अलावा, इस ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक वित्त वर्ष 2021–22 के लिए सीपीएफ खाते का वित्तीय विवरण प्रक्रियाधीन था।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के प्रभारी लोगों की जिम्मेदारियाँ

सोसायटी का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों के खातों पर नोट में वर्णित वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए जिम्मेदार है, और वित्तीय तैयारी को सक्षम करने के लिए प्रबंधन द्वारा निर्धारित आंतरिक नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे कथन जो भारी गलतबयानी से मुक्त हों, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

प्रबंधन और जिन पर शासन का प्रभार है, वे सोसायटी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षक की जिम्मेदारियाँ

वित्तीय विवरण,क्या समग्र रूप से भारी गलतबयानी से मुक्त हैं, चाहे वह गलतबयानी धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त कर के एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट अपनी राय शामिल करके जारी करना हमारा उद्देश्य है। उचित आश्वासन एक उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि ऑडिटिंग के मानकों के अनुसार आयोजित ऑडिट हमेशा मौजूद होने पर यह एक महत्वपूर्ण गलतबयानी का पता लगाएगा। धोखाधड़ी या त्रुटि से जो गलतबयानी उत्पन्न हो सकती है उन्हें तब महत्वपूर्ण माना जाता है जब व्यक्तिगत या समग्र रूप से, उनसे उपयोगकर्ताओं के इन वित्तीय विवरणों के आधार पर लिए गए आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उचित उम्मीद की जा सके।

ऑडिटिंग के मानक के अनुसार ऑडिट के एक भाग के रूप में, हम ऑडिट के दौरान व्यावसायिक निर्णय लेते हैं और व्यावसायिक संदेह बनाए रखते हैं। हम ये भी कर रहे हैं:

- वित्तीय विवरण के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचानें और उनका आकलन करें, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करें, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करें जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने को पर्याप्त और उचित हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप हुई किसी महत्वपूर्ण गलतबयानी का पता न चल पाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप हुई किसी सामग्री की तुलना में अधिक होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, गलत बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त रहने वाली ऑडिट प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए ऑडिट से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करें, लेकिन यह समझ सोसायटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर एक राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं हो ।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित खुलासों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- खुलासों सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें और क्या ये वित्तीय विवरण सोसायटी के संचालन और अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं को इस तरह से प्रस्तुत करते हैं कि वित्तीय विवरण के लिए खातों पर नोट में वर्णित वित्तीय रिपोर्टिंग प्रावधानों के अनुसार निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त हो सके।
- अन्य मामलों के अलावा, ऑडिट के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों के संबंध में, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमी सहित, जिसे हम अपने ऑडिट के दौरान पहचानते हैं, शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करें।
- जिन लोगों पर शासन का आरोप लगाया गया है, उन्हें एक बयान दें कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, और उनके साथ उन सभी रिश्तों और अन्य मामलों पर संवाद करें जिन पर संबंधित सुरक्षा उपाय लागू होता है और जोउचित रूप से हमारी स्वतंत्रता पर असर डालने वाले माने जा सकते हैं ।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय के अलावा, हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

ए) हमने वित्तीय विवरण के लिए खातों पर नोट्स और प्रबंधन पत्र में उल्लिखित जानकारी और स्पष्टीकरण को छोड़कर हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं, जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार हमारे ऑडिट के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे;

बी) इन पुस्तकों की अब तक की गई हमारी जांच से पता चलता है कि कानून द्वारा हमारी राय में जो अपेक्षित खाते की उचित किताबें है वोसंस्थान द्वारा संभाल के रखी गई हैं;

सी) इस रिपोर्ट में शामिल बैलेंस शीट, आय और व्यय विवरण और प्राप्तियां और भुगतान खाते, इस तथ्य के तहत कि दिल्ली, कोलकाता और काकीनाडा परिसर की व्यक्तिगत पुस्तकों को समेकित करके एक्सेल के माध्यम से वित्तीय विवरण तैयार किया गया था, खाते की किताबों के साथ सहमत हैं। संलग्न वित्तीय विवरण के समर्थन में खातों की कोई समेकित पुस्तकें नहीं रखी गई थीं।

रॉय घोष एंड एसोसिएट्स के लिए
(चार्टर्ड अकाउंटेंट)
फर्म पंजीकरण संख्या 320094E
हस्ता/–
सीए सुब्रत रॉय
सहभागी
सदस्यता संख्या – 053959
यूडीआईएनः 24053959BKDFIN5100

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 28 सितंबर 2024

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2024 तक तुलन पत्र

राशि (रु.)

विवरण	अनुसूची	31-03-2024	31-03-2023
कॉर्पस/पूंजीगत निधि और देनदारियां			
कॉर्पस, पूंजी और अन्य निधि	1	788,98,42,116	709,32,47,720
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	13,99,52,154	4,06,44,987
वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान	3	67,70,88,126	66,20,90,936
कुल		**870,68,82,395**	**779,59,83,643**
संपत्ति			
अचल संपत्तियां	4	193,70,59,820	192,47,60,233
निर्धारित निधियों में निवेश	5	13,99,52,154	4,06,44,987
दूसरों में निवेश	6	449,39,42,246	414,72,43,010
निवेश पर अर्जित ब्याज	7A	53,42,98,104	49,14,25,018
वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम, आदि	7	160,16,30,071	119,19,10,395
कुल		**870,68,82,395**	**779,59,83,643**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	16		
आकस्मिक देनदारियाँ और खातों पर नोट्स	17		

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

रॉय घोष एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या : 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत रॉय
सहभागी
सदस्यता संख्या : 053959
UDIN : 24053959BKDFIN5100

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28 सितंबर 2024

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के लिए और उसकी ओर से

हस्ता/–	*हस्ता/–*	*हस्ता/–*
श्री पीताम्बर बेहरा	**श्री गौरव गुलाटी**	**प्रोफेसर आर.एम. जोशी**
उप. वित्त अधिकारी	*कुलसचिव*	*कुलपति*
	(अतिरिक्त प्रभार)	*(अतिरिक्त प्रभार)*

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय खाता

राशि (रु.)

विवरण	अनुसूची	31-03-2024	31-03-2023
आय			
सेवाओं से आय	8	121,36,49,909	106,20,64,351
अनुदान (वर्ष के दौरान उपयोग किया गया राजस्व अनुदान)	9	-	91,529,137
सीआरआईटी के लिए अनुदान–प्राप्त	9A	30,75,00,000	26,93,00,000
सीआरआईटी की आय	9B	1,63,01,293	64,66,782
शुल्क/सदस्यता	10	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	11	10,213	43,014
अर्जित ब्याज	12	405,681,001	24,02,63,506
निवेश पर अर्जित ब्याज	12A	-	-
अन्य आय	13	59,897,266	4,45,15,979
पूर्व अवधि की आय	13A	-	-
कुल (ए)		**2,003,039,681**	**171,41,82,769**
बी. व्यय			
स्थापना व्यय	14	44,26,58,489	44,11,80,886
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	15	47,45,74,544	47,69,94,976
मूल्यह्रास – (अनुसूची 4 के अनुरूप)	4	4,50,84,700	4,87,63,244
पूर्व–अवधि की वस्तुएँ (नेट)	15A	-	-
सीआरआईटी के लिए व्यय	15B	34,88,41,990	32,21,75,277
कुल (बी)		**131,11,59,723**	**128,91,14,382**
शेष राशि व्यय से अधिक आय है (ए – बी)		**69,18,79,958**	**42,50,68,386**

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

रॉय घोष एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या : 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत रॉय
सहभागी
सदस्यता संख्या : 053959
UDIN : 24053959BKDFIN5100

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28 सितंबर 2024

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के लिए और उसकी ओर से

हस्ता/–	*हस्ता/–*	*हस्ता/–*
श्री पीताम्बर बेहरा	**श्री गौरव गुलाटी**	**प्रोफेसर आर.एम. जोशी**
उप. वित्त अधिकारी	*कुलसचिव*	*कुलपति*
	(अतिरिक्त प्रभार)	*(अतिरिक्त प्रभार)*

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए रसीदें और भुगतान

राशि (रु.)

रसीदें	31-03-2024	31-03-2023	भुगतान	31-03-2024	31-03-2023
I. प्रारंभिक शेष			**I. खर्च**		
(ए) हाथ में नकदी और टिकटें	47,961	88,161	(ए) स्थापना व्यय	547,416,825	430,596,026
(बी) बैंक जमा			(बी) प्रशासनिक व्यय	363,318,567	320,938,810
(i) चालू खाते	383,577,595	94,210,014			
(ii) जमा खाता (एसटीडी)	318,872,643	95,623,636	**II. किया गया निवेश और जमा स्वयं की निधि से (निवेश–अन्य)**	1,964,783,500	1,491,175,000
(iii) बचत बैंक	13,509,609	92,439,795			
II. अनुदान प्राप्त हुआ			**III. अचल संपत्तियों और पूंजी पर व्यय कार्य प्रगति पर है**		
(ए) आईआईएफटी	4,732,301	175,365,273			
(बी) (CRIT) भारत सरकार से	307,500,000	269,300,000			
(सी) एमओसी (कैपेक्स) से	249,900,000	114,900,000			
एमओसी (ओपेक्स) से	100,000,000	91,529,137			
III. इनसे निवेश पर आय			अचल संपत्तियों की खरीद	19,972,667	143,778,194
(ए) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	-	-			
			IV. अन्य भुगतान	784,549,155	868,108,206
IV. प्राप्त ब्याज			**V. समापन शेष**		
(ए) बैंक जमा पर	275,416,523	203,063,483			
(बी) ऋण, अग्रिम, आदि			(ए) हाथ में नकदी और टिकटें	7,263	47,961
			(बी) बैंक शेष		
V. अन्य आय			(i) चालू खाते	530,435,656	383,577,595
			(ii) जमा खाते (एसटीडी)	339,010,984	318,872,643
(ए) बाजार सर्वेक्षण / सेमिनार शुल्क, प्रशिक्षण शुल्क / संपत्ति आय	1,179,007,183	1,020,502,105	(iii) बचत बैंक	41,651,155	13,509,609
VI. अन्य रसीदें					
(ए) एफडी की परिपक्वता	1,563,330,149	1,359,357,936			
(बी) विविध	195,251,807	454,224,503			
अचल संपत्तियों की बिक्री					
कुल	**4,591,145,771**	**3,970,604,044**	**कुल**	**4,591,145,771**	**3,970,604,044**

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

रॉय घोष एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या : 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत रॉय
सहभागी
सदस्यता संख्या : 053959
UDIN : 24053959BKDFIN5100

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28 सितंबर 2024

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के लिए और उसकी ओर से

हस्ता/–	*हस्ता/–*	*हस्ता/–*
श्री पीताम्बर बेहरा	**श्री गौरव गुलाटी**	**प्रोफेसर आर.एम. जोशी**
उप. वित्त अधिकारी	*कुलसचिव (अतिरिक्त प्रभार)*	*कुलपति (अतिरिक्त प्रभार)*

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 1. पूंजी, कॉर्पस निधि और अन्य निधि

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024		31-03-2023	
ए. पूंजी निधि				
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि				
भूमि एवं भवन के लिए पूंजीगत अनुदान		12,78,18,479		12,78,18,479
नये भवन हेतु पूंजीगत अनुदान		10,72,89,068		10,72,89,068
छात्रावास सी–9 के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान		2,86,00,000		2,86,00,000
मैदान गढ़ी में भूमि के लिए पूंजीगत अनुदान		40,63,70,863		40,63,70,863
कोलकाता में लीजहोल्ड भूमि		1		1
कोलकाता परिसर के निर्माण के लिए पूंजीगत अनुदान	124,32,60,058		127,21,45,326	
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन	-		-	
जोड़ें: समायोजन	(27,341,380)	121,59,18,678	(28,885,268)	124,32,60,058
एमएसएमई शिमला स्थापित करने के लिए पूंजीगत अनुदान	1,88,00,000		1,88,00,000	
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन				
घटाएँ: शिमला परियोजना में किया गया व्यय	1,88,00,000			18,800,000
		-		
काकीनाडा परिसर के निर्माण के लिए पूंजीगत अनुदान	11,49,00,000		-	
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन	24,99,00,000		11,49,00,000	
जोड़ें: समायोजन	-		-	
		36,48,00,000		11,49,00,000
भवन निर्माण हेतु अनुदान, मैदान गढ़ी	30,00,00,000		30,00,00,000	
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	30,00,00,000	-	300,000,000
आईएआईएफटी (युगांडा) की स्थापना के लिए अनुदान		-		-
वर्ष के आरंभ में अन्य अनुदानों का शेष	15,34,02,257		15,34,02,257	
घटाएँ: ग्रेच्युटी आरक्षित निधि/			-	
अवकाश नकदीकरण आरक्षित निधि में स्थानांतरित/				
वर्ष के अंत में अन्य अनुदानों का शेष		15,34,02,257	-	15,34,02,257
दान की गई संपत्ति निधि				
दान की गई संपत्ति प्रारंभिक शेष	10,998		10,998	
जोड़ें: दान की गई संपत्ति निधि में स्थानांतरित	-		-	
घटाएँ: मूल्यह्रास	-	10,998	-	10,998
स्थायी सदस्यता				
स्थायी सदस्यता प्रारंभिक शेष	1,22,70,394		1,22,70,394	
जोड़ें: ब्याज (कम समायोजन)	-	1,22,70,394	-	1,22,70,394
बी. सामान्य निधि				
वर्ष की शुरुआत में संतुलन	442,43,65,917		409,92,97,531	
जोड़ें: पिछले वर्ष के अप्रयुक्त प्रावधान को वापस कॉर्पस में जोड़ा गया	5,71,15,502			
जोड़ें: आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय का शेष	69,18,79,958		42,50,68,386	
जोड़ें: सहायता अनुदान से स्थानांतरण (सीटीएफएल आय)	-		-	
घटाएँ: छात्र कल्याण में स्थानांतरण (एचसीआईएम)	0		10,00,00,000	
			-	
जोड़ें: कोलकाता भवन का समायोजन	-		-	
कम/जोड़ें: पेंशन कॉर्पस में स्थानांतरित		517,33,61,377		442,43,65,917
सी. ग्रेच्युटी रिजर्व फंड		-		-
डी. नकदीकरण आरक्षित निधि छोड़ें		-		-
ई. पेंशन कॉर्पस		-		-
एफ. पिछली अवधि के लिए समायोजन		-		57,115,502
जी. छात्र कल्याण कोष (एचसीआईएम)	0			99,044,184
जोड़ें: सामान्य निधि से हस्तांतरित	0			
घटाएँ: समायोजन	0			
		-		
कुल		**7,889,842,116**		**7,093,247,720**

अनुसूची : –1ए इंटरयूनिट बैलेंस

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
इंटरयूनिट देय	4,024,015,979	3,918,191,397
इंटरयूनिट प्राप्य	-4,024,015,979	-3,918,191,397
कुल	-	(0)

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूचीः –2 निर्धारित/बंदोबस्ती निधि

राशि (रु.)

कोष	(ए) निधि का प्रारंभिक शेष (01.04.2023 तक)	(बी) 2023–24 के दौरान निधियों में वृद्धि		कुल (ए+बी)	(सी) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय	कुल (सी)	वर्ष के अंत में शुद्ध शेष (ए+बी+सी) 31.03.2024 तक	पिछला वर्ष [31.03.2023 तक]
		(i) निधियों के कारण किए गए निवेश से आय	(ii) अन्य परिवर्धन		(i) राजस्व व्यय/ स्थानांतरण			
पुरस्कारों के लिए बंदोबस्ती								
एके सेनगुप्ता पुरस्कार	13,014	781	-	13,795	-	-	13,795	13,014
बीएम घई पुरस्कार	46,655	2,799	-	49,454	-	-	49,454	46,655
डन एंड ब्रैड स्ट्रीट अवार्ड	4,307	258	-	4,565	-	-	4,565	4,307
रंगास्वामी पुरस्कार	15,421	925	-	16,346	-	-	16,346	15,421
श्रीनिवास अयंगर पुरस्कार	19,877	1,193	-	21,070	-	-	21,070	19,877
डॉ. बसंत के साहू, (स्वर्ण पदक)			500,000	500,000			500,000	
डॉ. वी. के. पांडे (स्वर्ण पदक)			1,000,000	1,000,000			1,000,000	
अध्यक्षों के लिए अक्ष्य निधि						-		
एपीईडीए अध्यक्ष	7,267,737	436,064	-	7,703,801	-	-	7,703,801	7,267,737
ईडीआई अध्यक्ष वीएसएनएल	12,331,357	739,881	-	13,071,238	-	-	13,071,238	12,331,357
ईडीआई अध्यक्ष बामर–लॉरी	2,726,113	163,567	-	2,889,680	-	-	2,889,680	2,726,113
एसटीसी अध्यक्ष	8,228,465	493,708	-	8,722,173	-	-	8,722,173	8,228,465
छात्रवृत्ति निधि								
छात्रवृत्ति रसीद खाता	1,382,339	82,940	-	1,465,279	1,304,092	1,304,092	161,187	1,382,339
सुमित्रा चिश्ती पुरस्कार	73,035	4,382	-	77,417	-	-	77,417	73,035
औरनेट सोलर	1,124,019	67,441	-	1,191,460	520,000	520,000	671,460	1,124,019
अन्य निधि								
एमएमटीसी कॉर्पस	6,219,401	373,164	-	6,592,565	-	-	6,592,565	6,219,401
पीईसी कॉर्पस	1,193,247	71,595	-	1,264,842	-	-	1,264,842	1,193,247
छात्र कल्याण कोष (एचसीआईएम)	99,044,184		303,693	99,347,877	2,155,317	2,155,317	97,192,560	
			-					
कुल वित्तीय वर्ष 2023–24	**139,689,171**	**2,438,699**	**1,803,693**	**143,931,563**	**3,979,409**	**3,979,409**	**139,952,154**	**40,644,987**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची : –3 वर्तमान देनदारियाँ और प्रावधान

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024		31-03-2023	
ए. वर्तमान देनदारियां				
1. विविध लेनदार		6,97,479		10,00,17,564
2. कर्मचारियों को देय		3,47,61,480		3,08,27,940
3. अग्रिम प्राप्त हुआ		-		9,36,617
3ए. छात्रों से प्राप्त अग्रिम		-		-
4. सुरक्षा जमा/प्रतिधारण धन		1,52,71,929		2,09,58,451
5. पुराने चेक				
ए) 12 महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया	2,88,410		-65,000	
बी) 12 महीने से कम अवधि के लिए बकाया	1,44,475	4,32,885	3,04,910	2,39,910
6. निधि				
ए) आईआईएफटी पूर्व छात्र कोष	1,18,83,734		53,65,098	
बी) आईएमएफ फंड (प्राप्य)	-6,952,997	49,30,737	-596,059	47,69,039
7. अन्य वर्तमान देनदारियाँ				
ए) अन्य वर्तमान देनदारियाँ	9,06,02,243		7,63,31,506	
बी) अनुदान आगे लाया गया	-		33,18,565	
सी) छात्रवृत्ति	-		36,33,830	
डी) ईसीजीसी	3,75,000		1,60,58,744	
ई) वैधानिक बकाया	1,37,12,186	10,46,89,428	1,18,49,479	11,11,92,124
कुल (ए)		**16,07,83,938**		**26,89,41,645**
बी. प्रावधान				
1. ग्रैजुएटी		17,67,32,858		17,22,41,095
2. संचित अवकाश नकदीकरण		15,99,09,783		15,23,33,838
3. बोनस		4,81,257		5,29,613
4. अन्य प्रावधान		7,91,80,290		6,80,44,745
कुल (बी)		**41,63,04,188**		**39,31,49,291**
सी. जीआईए के बैलेंस को अगले वर्ष के लिए स्थानांतरित कर दिया गया		**10,00,00,000**		
कुल (ए+बी)		**67,70,88,126**		**66,20,90,936**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4: अचल संपत्तियां

विवरण	मूल्यह्रास दर	सकल ब्लॉक			
		तक 01.04.2023	परिवर्धन	समायोजन	तक 31.03.2024
1 भूमि					
(ए) लीजहोल्ड – दिल्ली परिसर		27,738,561			27,738,561
(बी) लीजहोल्ड – मैदानगढ़ी दिल्ली		426,904,588	-	10,500,000	416,404,588
(सी) लीजहोल्ड – कोलकाता परिसर		1			1
2 इमारत				-	
(ए) सीडब्ल्यूपी–एनबीसीसी लिमिटेड (मैदानगढ़ी)		-	27,938,486	-	27,938,486
(ए) लीजहोल्ड	1.58%	154,940,714	-		154,940,714
(बी) पूंजी कार्य प्रगति पर है [सी9]		-			-
(सी) लीजहोल्ड (नेफेड)		-	-	-	-
(डी) भवन		40,058,778	-	-	40,058,778
(ई) कोलकाता बिल्डिंग		1,211,979,385	3,026,704		1,215,006,089
(एफ) निदेशकों का निवास		5,231,158	-		5,231,158
3 **फर्नीचर और फिक्स्चर, विद्युत उपकरण, टेप रिकॉर्डर और सहायक उपकरण, ऑडियो विजुअल उपकरण**	9.50%	185,475,100	12,803,761	-	198,278,861
4 **वाहन**	9.50%	2,959,169	-	-	2,959,169
5 **कार्यालय उपकरण,** टाइपराइटर, डुप्लिकेटर, एयरकंडीशनर, ट्रांसफार्मर और वाटर कूलर	9.50%	40,491,094	5,866,352	-	46,357,446
6 **कंप्यूटर हार्डवेयर**	25%	172,473,402	14,788,318	12,315	187,249,405
7 **किताबें**	33.33%	39,696,027	3,375,893	-	43,071,920
8 **सौर पेनल**	1.58%	19,945,072			19,945,072
9 **रसोई उपकरण (कोलकाता)**		-			-
10 **जिम उपकरण**	9.50%	1,114,818	14,500	-	1,129,318
11 **संयंत्र एवं मशीनरी**	6.33%	92,131,222	82,588	-	92,213,810
12 **विंग्स ऑफ विज्डम**		1,499,850			1,499,850
कुल (ए)		**2,422,638,939**	**67,896,602**	**10,512,315**	**2,480,023,226**
अन्य अचल संपत्तियां			-		
(ए) संपत्ति एसआईडीए					
(i) फोटो कॉपियर, किताबें/व्यापार निर्देशिका, प्रिंटिंग मशीन/ लेटरिंग मशीन और टाइपराइटर	9.50%	568,982	-	-	568,982
(ii) श्रव्य–दृश्य उपकरण और माइक्रो फिचे रीडर	9.50%	897,520	-	-	897,520
(बी) दान की गई संपत्ति निधि					-
(i) कंप्यूटर	25%	2,136,528	-	-	2,136,528
(ii) फव्वारा और सरस्वती मूर्ति	9.50%	77,000	-	-	77,000
कुल (बी)		**3,680,030**	**-**	**-**	**3,680,030**
कुल योग (ए+बी)		**2,426,318,969**	**67,896,602**	**10,512,315**	**2,483,703,256**
पिछले वर्ष		**2,338,137,677**	**210,036,193**	**-121,854,901**	**2,426,318,969**

राशि (रु.)

मूल्यह्रास					नेट ब्लॉक	
31.03.2023 तक	कटौती	वर्ष के लिए	समायोजन	31.03.2024 तक	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
-				-	27,738,561	27,738,561
-				-	416,404,588	426,904,588
-				-	1	1
				-	-	-
-	-	-	-	-	27,938,486	
94,291,708		958,254		95,249,962	59,690,752	60,649,006
-				-	-	-
-	-	-	-	-	-	-
6,329,287		532,926		6,862,213	33,196,565	33,729,491
55,900,069		18,308,194		74,208,263	1,140,797,826	1,156,079,316
330,609		77,429		408,038	4,823,120	4,900,549
104,776,563		8,636,781		113,413,344	84,865,517	80,698,537
1,434,453		144,848		1,579,301	1,379,868	1,524,716
27,659,522		1,717,731		29,377,253	16,980,193	12,831,572
151,719,322		7,494,538		159,213,860	28,035,545	20,754,080
36,127,261		2,042,019		38,169,280	4,902,640	3,568,766
1,473,613		291,849		1,765,462	18,179,610	18,471,459
-				-	-	-
309,883		77,158		387,041	742,277	804,935
16,385,916		4,797,296		21,183,212	71,030,598	75,745,306
1,140,500		5,678		1,146,178	353,672	359,350
497,878,706	**-**	**45,084,701**	**-**	**542,963,407**	**1,937,059,819**	**1,924,760,233**
-				-	-	-
-				-	-	-
568,982		-		568,982	-	-
897,520		-		897,520	-	-
-				-	-	-
2,136,528		-		2,136,528	-	-
77,000		-		77,000	-	-
3,680,030	**-**	**-**	**-**	**3,680,030**	**-**	-
501,558,736	**-**	**45,084,701**	**-**	**546,643,437**	**1,937,059,819**	**1,924,760,233**
452,795,492	**-**	**48,763,244**	**-**	**501,558,736**	**1,924,760,233**	**1,885,342,185**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची : –5 निर्धारित/बंदोबस्ती निधि में निवेश

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
ए. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	13,99,52,154	4,06,44,987
कुल	**13,99,52,154**	**4,06,44,987**

अनुसूची : –6 निवेश–अन्य

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
ए कॉर्पस		
ए) सावधि जमा–कॉर्पस में	401,23,49,170	363,89,89,365
बी ग्रेच्युटी रिजर्व फंड	8,62,74,899	7,72,30,025
सी नकदीकरण आरक्षित निधि छोड़ें	53,725,051	5,37,25,051
डी पेंशन/बोनस कॉर्पस	4,45,93,226	5,96,21,018
ई आयकर उद्देश्य	29,69,99,900	31,76,77,551
कुल	**449,39,42,246**	**414,72,43,010**

अनुसूची : –7 निवेश पर अर्जित ब्याज (लेकिन देय नहीं)

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 सावधि जमा पर	52,80,47,688	48,51,74,602
2 स्वीप खाते पर	6,236,093	6,236,093
3 बचत बैंक खाते पर	14,323	14,323
कुल	**53,42,98,104**	**49,14,25,018**

ध्यान दें: अर्जित ब्याज, लेकिन देय नहीं, अर्जित ब्याज का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन देय नहीं। संबंधित प्रभाव को कॉर्पस/आय खाते में दर्ज किया गया है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूचीः –7ए वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024		31-03-2023	
ए. वर्तमान संपत्तिः				
1 माल/स्टॉकः				
(ए) स्टेशनरी/कंप्यूटर उपभोग्य सामग्रियों आदि का स्टॉक (प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लागत पर)		-		0
2 विविध देनदारः				
(ए) 6 महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण	3,00,25,445		3,09,88,629	
घटाएँः संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	0		0	
	3,00,25,445		3,09,88,629	
(बी) 6 महीने से कम अवधि के लिए बकाया ऋण	1,02,87,541		1,45,14,518	
(सी) छात्रों से प्राप्य	3,03,999	4,06,16,985	6,18,000	4,61,21,147
3 हाथ में नकद एवं टिकटें (नकद अग्रिम सहित)		7,362		71,085
4 बैंक शेषः				
(ए) अनुसूचित बैंकों के साथः				
चालू खाता (इंडियन बैंक)	20,01,28,184		17,31,73,389	
अल्पावधि जमा (स्वीप खाता)	33,90,10,984		31,88,72,643	
अन्य बैंक खाते	37,19,58,623	91,10,97,791	22,39,13,816	71,59,59,848
5 छठा वेतन आयोग का बकाया	-	-		-
कुल (ए)		**95,17,22,138**		**76,21,52,080**
बी. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँः				
1 ऋणः				
(ए) कर्मचारी (कर्मचारी अग्रिम सहित)		44,15,442		27,66,801
2 नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियाँः				
(ए) पूर्व भुगतान	1,03,13,706		2,65,72,755	
(बी) अन्य (बयाना धन/सुरक्षा जमा सहित)	52,09,97,925		34,49,82,719	
(सी) पुराने चेक	0	53,13,11,631	-	37,15,55,474
3 स्रोत पर कर कटौती		11,41,80,861		5,54,36,041
कुल (बी)		**64,99,07,933**		**42,97,58,316**
कुल (ए+बी)		**160,16,30,071**		**119,19,10,395**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची: –8 सेवाओं से आय

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 सेवाओं से आय		
(ए) रखरखाव सेवाएँ (उपकरण/संपत्ति)	5,49,828	6,54,600
(बी) प्रशिक्षण/अनुसंधान कार्यक्रम	121,31,00,081	106,14,09,751
कुल	**121,36,49,909**	**106,20,64,351**

अनुसूची: –9 अनुदान

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 अफ्रीकी नागरिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम बी/एफ	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्त हुआ	-	-
घटाएँ: कार्यक्रमों पर व्यय (बी)		
अगले वर्ष तक आगे बढ़ाएं (सी)		
2 एमएसएमई शिमला कैम्पस की स्थापना	-	-
पिछले वर्ष से बी/एफ	-	-
जोड़ें: वर्ष के दौरान प्राप्त हुआ	-	-
घटाएँ: समायोजन	-	-
घटाएँ: कार्यक्रमों पर व्यय (डी)	-	-
अगले वर्ष तक आगे बढ़ाएं (ई)	-	-
	-	-
अनुदान से आय – काकीनाडा	-	91,529,137
कुल	**-**	**91,529,137**

अनुसूची: –9ए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अनुसंधान केंद्र के लिए अनुदान

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 केंद्र की गतिविधियों के लिए प्राप्त अनुदान	30,75,00,000	26,93,00,000
कुल	**30,75,00,000**	**26,93,00,000**

अनुसूची: –9बी सीआरआइटी आय

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 वर्ष के दौरान प्राप्त आय	16,301,293	6,466,782
2 डब्ल्यूटीओ जनशक्ति सेवाएँ	-	-
कुल	**16,301,293**	**6,466,782**

अनुसूची: –10 सदस्यताएँ

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 वार्षिक सदस्यताएँ	-	-
कुल	**-**	**-**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची: –11 प्रकाशनों से आय

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 प्रकाशनों से आय	10,213	43,014
कुल	**10,213**	**43,014**

अनुसूची: –12 अर्जित ब्याज

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 सावधि जमा पर:		
(ए) अनुसूचित बैंकों के साथ	37,96,73,160	22,47,19,957
2 बचत बैंक खाते पर	2,24,53,443	1,29,09,215
3 ऋण पर:		
(ए) कर्मचारी	2,56,334	3,20,310
4 आयकर रिफंड पर	32,98,064	23,14,024
कुल	**40,56,81,001**	**240,263,506**

अनुसूची: –13 अन्य आय

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 विविध आय	32,555,886	15,630,711
2 प्रायोजक		
3 आस्थगित अनुदान आय	27,341,380	28,885,268
कुल	**59,897,266**	**44,515,979**

नोट: विविध आय में परामर्श, स्क्रैप की बिक्री, डब्ल्यूटीओ के लिए केंद्र से जनशक्ति लागत की प्रतिपूर्ति, फ्रैंकिंग मशीन चार्ज करने पर प्राप्त छूट आदि से आय शामिल है।

अनुसूची: –13ए पूर्व अवधि की वस्तुएं

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 कार्यक्रम शुल्क	-	-
2 प्रकाशन आय	-	-
3 आरआईपी पर ब्याज	-	-
4 विविध आय डब्ल्यूटीओ	-	-
5 विविध पूर्व अवधि डेबिट	-	-
कुल	**0.00**	**0.00**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूची: –14 स्थापना व्यय राशि (रु.)

	विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1	वेतन, भत्ते और मजदूरी	33,70,80,852	33,25,66,817
2	भविष्य निधि में योगदान	1,28,20,217	89,31,314
3	एनपीएस में योगदान	1,90,82,763	71,70,228
4	कर्मचारी कल्याण व्यय	77,31,863	86,14,778
5	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर व्यय	1,99,63,287	3,97,88,666
6	अन्य (संविदा कर्मचारियों और अन्य को वेतन)	3,92,64,783	3,91,78,034
7	सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा व्यय	67,14,724	49,31,049
	कुल	**44,26,58,489**	**44,11,80,886**

अनुसूची: –15 अन्य प्रशासनिक व्यय आदि राशि (रु.)

	विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1	विज्ञापन एवं प्रचार	18,17,087	27,13,951
2	लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	3,41,864	7,57,596
3	बैंक और बीमा शुल्क	18,18,087	9,40,286
4	कंप्यूटर एवं नेटवर्किंग व्यय	1,59,36,881	89,11,582
5	बिजली एवं जल शुल्क व्यय	3,63,73,080	3,32,87,103
6	सुरक्षा एवं हाउसकीपिंग पर व्यय	3,37,37,470	3,44,18,325
7	शैक्षणिक और प्लेसमेंट व्यय	12,80,58,920	13,14,20,722
8	जीएसटी/टीडीएस व्यय	5,444	6,788
9	विदेशी मुद्रा के लिए हानि/(लाभ)	537,421	131,875
10	अतिथि गृह सामान्य एवं रखरखाव व्यय	22,15,138	35,80,881
11	कानूनी/परामर्श शुल्क	29,96,826	57,58,768
12	पुस्तकालय व्यय	5,06,11,074	3,75,89,158
13	मुद्रण तथा लेखन सामग्री	39,04,595	33,46,005
14	मरम्मत एवं रखरखाव	6,21,31,751	9,23,71,563
15	सदस्यता व्यय (प्रकाशन व्यय)	13,245	40,906
16	वाहन संचालन एवं रखरखाव	3,78,470	4,63,790
17	विविध व्यय/प्रभार	57,88,498	46,90,935
18	भूमि किराया एवं संपत्ति कर	2,73,43,916	2,56,23,269
19	प्रशासन सामान्य व्यय	1,38,01,388	2,39,41,439
20	जनशक्ति भर्ती	0	97,60,370
21	अनुसंधान प्रकाशन के लिए प्रोत्साहन	0	14,80,832
22	राजभाषा (हिन्दी) का विकास	2,30,536	3,83,447
23	अन्य (संविदा कर्मचारियों और अन्य को वेतन)	0	5,01,431
24	भविष्य निधि में योगदान	0	36,85,820
25	एनपीएस में योगदान	0	93,00,489
26	उपहार शहर व्यय	3,41,74,253	16,600
27	कार्य मानदंड	1,50,00,000	15,185,719
28	छात्रावास आवास एवं भोजन शुल्क	3,73,58,600	26,685,326
	कुल	**474,574,544**	**476,994,976**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

अनुसूचीः –15ए पूर्व अवधि की वस्तुएं (नेट)

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 वेतन एवं कर्मचारी कल्याण व्यय	-	
2 कार्यक्रम व्यय	-	
3 मरम्मत एवं रखरखाव	-	
4 किराया दरें एवं कर	-	
5 मुद्रण एवं स्टेशनरी व्यय	-	
6 डाक एवं टेलीग्राम व्यय	-	
7 कानूनी एवं परामर्श शुल्क	-	
8 विविध पूर्व अवधि डेबिट	-	-
9 विविध पूर्व अवधि क्रेडिट	-	
10 प्रकाशन/सदस्यता	-	
11 उपार्जित ब्याज	-	
12 विविध व्यय	-	-
कुल	-	-

अनुसूचीः –15बी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान केंद्र (सीआरआईटी) के लिए व्यय

राशि (रु.)

विवरण	31-03-2024	31-03-2023
1 वेतन एवं भत्ते	167,372,428	127,182,388
2 चिकित्सा के खर्चे	606,126	1,208,025
3 लीज रेंट (नेफेड)	51,886,161	41,718,005
4 अध्ययन, सेमिनार और कार्यक्रम व्यय	102,671,659	60,048,477
5 आईआईएफटी को देय किराया और जनशक्ति लागत	1,200,000	1,200,000
6 अनुसंधान परियोजना	1,058,747	20,919
7 आउटरीच कार्यक्रम	214,872	1,056,987
8 पुस्तकालय की पुस्तकें, पत्रिकाएँ और समाचार पत्र	3,404,478	2,209,288
9 प्रकाशनों	100,300	-
10 डेटा बेस	12,070,967	4,145,522
11 विविध कार्यालय व्यय	4,036,485	3,664,937
12 आईटी सुविधाएं	2,464,506	4,438,769
13 अन्य बैठकों के लिए यात्रा संकाय	1,660,151	849,829
14 संकाय और कर्मचारी विकास कार्यक्रम	95,110	-
15 वेबसाइट विकास एवं रखरखाव	-	112,652
16 भवन निर्माण व्यय	-	74,319,479
कुल	**34,88,41,990**	**32,21,75,277**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
31 मार्च 2024 तक बैलेंस शीट का विवरण
सूचीपत्र 16 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

I. लेखांकन सम्मेलन

जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर और लेखांकन की प्रोद्भवन विधि पर तैयार की जाती हैं।

(ए) आवर्ती और गैर–आवर्ती खर्चों (अचल संपत्तियों के अलावा) के लिए प्राप्त अनुदान सहायता को प्राप्त होने पर आय माना जाता है। अचल संपत्तियों पर व्यय के लिए अनुदान सहायता पूंजी निधि में स्थानांतरित कर दी जाती है।

(बी) सदस्यता शुल्क का हिसाब–किताब प्राप्त होने पर किया जाता है जबकि विभिन्न गतिविधियों से होने वाली आय का हिसाब–किताब संचय के आधार पर किया गया है।

(सी) प्राप्त स्थायी सदस्यता शुल्क को आय नहीं माना जाता और इसेएक विशिष्ट निधि में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

(डी) आवेदन शुल्क प्राप्त होने पर उसे आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

(ई) बैंकों में दीर्घकालिक जमा/अल्पकालिक जमा पर ब्याज और कर्मचारियों को दिए गए अग्रिमों का लेखा संचय के आधार पर किया जाता है।

(एफ) विशिष्ट निधियों और स्थायी सदस्यता शुल्क के विरुद्ध किए गए निवेश पर प्राप्त ब्याज को संबंधित निधियों में स्थानांतरित कर दिया जाता है और इसे आय के रूप मे नहीं माना जाता है।

(जी) अवकाश यात्रा रियायत पर व्यय का हिसाब नकद के आधार पर किया गया है।

(एच) सॉफ्टवेयर पर व्यय उसके अधिग्रहण के वर्ष के दौरान व्यय किया जाता है।

II. अचल संपत्तियां

अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत (आवक माल ढुलाई, शुल्क, कर और अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्चों सहित) से संचित मूल्यह्रास घटाकर बताया जाता है।

III. मूल्यह्रास

ए भवन पर मूल्यह्रास सीधी रेखा मूल्य पद्धति पर 1.58% की दर से लिया जाता है।

बी. अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास संस्थान द्वारा निर्धारित परिसंपत्तियों की आयु के आधार पर एक सीधी–रेखा पद्धति पर लगाया जाता है। मूल्यह्रास की प्रभावी दर इस प्रकार निकलती है:

(i)	फर्नीचर, फिक्स्चर, विद्युत उपकरण, टेप रिकार्डर एवं दृश्य–श्रव्य उपकरण।	9.50%
(ii)	टाइपराइटर, डुप्लिकेटर, एयर कंडीशनर	9.50%
(iii)	मोटर कार, स्कूटर और साइकिल	9.50%
(iv)	पुस्तकालय पुस्तकें	33.33%
(v)	कंप्यूटर	25.00%

सी. 30 सितंबर के बाद अर्जित संपत्ति के मामले में लागू दर का 50% मूल्यह्रास लगाया जाता है।

डी. किसी विशिष्ट फंड से बनाई गई संपत्ति पर मूल्यह्रास संबंधित फंड खाते से डेबिट किया जाता है।

ई. अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों/बाजार कार्यात्मक अनुसंधान गतिविधियों पर आय और व्यय को क्रमशः वर्तमान देनदारियों और वर्तमान परिसंपत्तियों के अंतर्गत दिखाया गया है और कार्यक्रमों/परियोजनाओं के पूरा होने वाले वर्ष में इनका हिसाब लगाया जाएगा।

IV. सरकारी अनुदान/सब्सिडी

सरकारी अनुदान/सब्सिडी का हिसाब वसूली के आधार पर किया जाता है।

V. सेवानिवृत्ति लाभ

ग्रेच्युटी और संचय अवकाश का प्रावधान इस उद्देश्य के लिए किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

लेखा अनुसूची पर टिप्पणियाँः 17

1. कोलकाता परिसर के निर्माण का ठेका रामकी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिया गया था, जिसके साथ मध्यस्थता न्यायाधिकरण के आदेश दिनांक 31.05.2023 और पुरस्कार आदेश दिनांक 12.07.2023 के बाद ब्याज सहित पूर्ण और अंतिम निपटान में नुकसान का निपटारा किया गया था। रामकी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को कुल ₹12,71,16,561/– का भुगतान जारी किया गया (₹3,83,32,725/– के ब्याज सहित) जबकि पुस्तकों में पहले से ही उपलब्ध ₹9,28,73,160/– की देनदारी थी। ₹2,93,98,647/– के ब्याज को प्रशासनिक सामान्य व्यय के रूप में मान्यता दी गई थी।

2. संस्थान ने गुजरात में नए परिसर के उद्घाटन के लिए गांधीनगर, गुजरात में 01.11.2023 से पट्टे पर संपत्ति हासिल की है, जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान दिल्ली परिसर से कुल ₹4,14,80,783.00 का व्यय किया गया था। वित्तीय वर्ष के दौरान गुजरात परिसर के लिए कोई अलग बहीखाता नहीं रखा गया था। परिसर में कोई संचालन शुरू नहीं किया गया था, और 31.03.2024 तक उक्त परिसर के लिए कोई अनुदान स्वीकृत नहीं किया गया था। व्यय मद का विवरण इस प्रकार हैः

1	वेतन	73,06,530.00
2	छात्रावास एवं कार्यालय सहित किराया	3,25,15,007.00
3	अन्य व्यवस्थापक	6,20,837.00
4	पदोन्नति	10,38,409.00

3. DoC ने काकीनाडा परिसर के निर्माण के लिए शुरुआत से ₹229.81 करोड़ स्वीकृत किए हैं, जिसमें से ₹36.48 करोड़ 31.03.2024 तक प्राप्त हुए थे। प्राप्त अनुदान में से, काकीनाडा परिसर के निर्माण के लिए एनबीसीसी लिमिटेड के लिए ₹20.39 करोड़ की अग्रिम राशि स्वीकृत की गई, जिससे ₹16.09 करोड़ का अप्रयुक्त अधिशेष शेष रह गया। मेमो नंबर एफ नंबर के–45013/2/2021–टीपी–डीओसी दिनांक 13.03.2024 के खंड (vi) में लिखा है, ''यदि अगले वर्ष के अनुदान को समायोजित करने की अनुमति नहीं दी जाती तो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक किसी भी अप्रयुक्त राशि को सरेंडर कर दिया जाएगा।

4. 31–03–2024 को अचल संपत्तियों से संबंधित शेष राशियाँ हैंः अचल संपत्तियों का सकल ब्लॉक ₹248.37 करोड़, संचित मूल्यह्रास राशि ₹54.66 करोड़, संपत्ति का शुद्ध ब्लॉक ₹193.71 करोड़ और मूल्यह्रास वित्तीय वर्ष 2023–24 की राशि ₹4.50 करोड़ है। बीओएम ने वर्ष 2017–18 में संस्थान के लिए एक नई अचल संपत्ति नीति को मंजूरी दी थी, जिसमें अचल संपत्तियों के लिए मूल्यह्रास चार्ज करने की स्ट्रेट–लाइन पद्धति को अपनाया गया था। अवमूल्यन का शुल्क लिखित मूल्य पद्धति के अनुसार लगाया गया।

5. दिल्ली, कोलकाता और काकीनाडा परिसर के लिए बाहरी पार्टी द्वारा 2019 से अचल संपत्तियों और पुस्तकालय सूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया था। इसके बजाय, रिकॉर्ड पर उपलब्ध आंतरिक सत्यापन रिपोर्ट केवल दिल्ली परिसर के लिए है।

6. ट्यूशन फीस को दिल्ली और काकीनाडा कैंपस द्वारा नकद आधार पर मान्यता दी गई थी, जबकि इसे कोलकाता कैंपस द्वारा संचयी आधार पर मान्यता दी गई थी।

7. अग्रिम राशि का डेबिट शेष जिसकी धनराशि है ₹33.08 करोड़, इसमें शामिल है मैदानगढ़ी परिसर के निर्माण के लिए एनबीसीसी को दिया गया ₹30.00 करोड़ का अग्रिम, दिल्ली परिसर के लिए ''आईआईएफटी मुख्य परिसर के नवीनीकरण'' के लिए एनबीसीसी लिमिटेड को दिया गया ₹1.24 करोड़। पत्र संख्या ई एंड एम 10(19)/2017–आरएमबी, दिनांक 19 अक्टूबर 2023 के तहत वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आईएफडी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किए बिना संस्थान ने एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को आईआईएफटी कैंपस, मैदानगढ़ी के प्रोजेक्ट खाते से ₹11.46 करोड़ की राशि आईआईएफटी कैंपस, काकीनाडा के प्रोजेक्ट खाते में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया। जैसा कि पत्र क्रमांक एनबीसीसी/जीएम/आईआईएफटी वर्क्स/2023/09, दिनांक 20.11.2023 से स्पष्ट है, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने आईआईएफटी, दिल्ली के निर्देशों के अनुसार इंटर प्रोजेक्ट फंड ट्रांसफर किया। इस तरह के हस्तांतरण का प्रभाव अभी तक वित्तीय विवरण में प्रदान नहीं किया गया है।

8. सेवाओं से आय की अनुसूची 8 के तहत प्रशिक्षण/अनुसंधान कार्यक्रम में ₹121,36,49,909/– की ट्यूशन फीस शामिल है।

9. एमएआई इंटर्न और सलाहकारों को वेतन सह वजीफा ₹2.03 करोड़ की राशि का भुगतान 01.04.2014 से 31.03.2024 तक दिल्ली परिसर से किया गया था और ये वित्तीय विवरण में प्राप्य शेष के रूप में दिखाई देता है। संबंधित मंत्रालय से राशि अभी प्राप्त होनी है।

10. कोलकाता परिसर की प्राप्य शेष राशि ₹1,03,70,653/– है, जिसमें से ₹15,85,144/– भारतीय चाय बोर्ड की है, यह वर्षों पुरानी प्राप्य राशि है और जिसकी वसूली संदिग्ध है। वित्त वर्ष 2016–17 से दिल्ली परिसर में 'संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान' राशि ₹24,00,046.00 है।

11. संस्थान ने ग्रेच्युटी की भविष्य की देनदारी को पूरा करने के लिए ₹9,30,95,941.00 (उपार्जित ब्याज ₹68,21,042.00 सहित) की धनराशि का निवेश किया है। 31.03.2024 तक ग्रेच्युटी के भुगतान के लिए अनुमानित बहिर्प्रवाह ₹17,67,32,858.00 है।

12. संस्थान ने भविष्य की देनदारी को पूरा करने के लिए अवकाश नकदीकरण हेतु ₹5,86,93,866.90 (₹49,68,815.90 के अर्जित ब्याज सहित) की धनराशि का निवेश किया है। 31.03.2024 को अवकाश नकदीकरण के भुगतान के लिए अनुमानित बहिर्प्रवाह ₹15,99,09,783.00 है।

13. संस्थान ने भविष्य की देनदारी को पूरा करने के लिए पेंशन हेतु ₹5,06,13,563/– (₹60,20,337/– के अर्जित ब्याज सहित) की धनराशि का निवेश किया है। 31.03.2024 तक पेंशन के भुगतान के लिए अनुमानित बहिर्प्रवाह ₹4,06,40,643.00 है।

14. 31.03.2024 को ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के प्रावधान को दिल्ली और कोलकाता परिसर के लिए मेसर्स अशोक कुमार गर्ग द्वारा दिनांक 06.06.2024 को जारी बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार मान्यता दी गई थी। इसे काकीनाडा परिसर के लिए मान्यता नहीं दी गई क्योंकि 5 साल की रोजगार सेवा अभी तक पूरी नहीं हुई थी।

15. वर्ष 2023–24 हेतु तदर्थ आधार पर कार्य–मानदण्ड राशि ₹1,50,00,000/– का प्रावधान किया गया है।

16. सीईएससी से अर्जित ब्याज की राशि ₹2,40,689.00 को कोलकाता परिसर ने मान्यता दी है, हालांकि सीईएससी के पास कोई ऐसीसुरक्षा जमा, खाते की किताबों में दिखाई नहीं दे रही है जिस पर समान ब्याज अर्जित किया गया था। सीईएससी की देयता राशि ₹77,69,937.00, जैसा कि खातों की पुस्तकों में दर्शाया गया है, 2015 से बकाया है। विक्रेता से देयता की पुष्टि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

17. दिल्ली परिसर ने पिछले वित्तीय वर्षों के ₹1,44,72,315.12 के लावारिस ईएमडी और रिटेंशन धन को विविध आय में स्थानांतरित कर दिया था।

18. कोलकाता परिसर की पुस्तकों में 31.03.2024 को प्रदर्शित शुल्क समाशोधन खाते की शेष राशि ₹15,81,387/– है जो समाधान के लिए लंबित है। उक्त खाते का प्रारंभिक शेष पिछले वर्ष से ₹31,02,972/– था जो वित्तीय वर्ष 2022–23 के खातों के नोट्स के अनुरूप नहीं था।

19. वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान बैंक ऑफ काकीनाडा परिसर से अर्जित ब्याज को अप्रत्यक्ष आय के रूप में मान्यता दी गई। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के खंड संख्या (vii) अनुदान ज्ञापन में कहा गया है कि जीएफआर के नियम – 230(8) के अनुसार, ब्याज अनिवार्य रूप से भारत के समेकित कोष में भेजा जाना चाहिए।

20. अंशदायी भविष्य निधि खाता संस्थान द्वारा अनुरक्षित किया जा रहा है और इसे संलग्न वित्तीय विवरण के दायरे से बाहर रखा गया है। तदनुसार, उक्त अंशदायी भविष्य निधि खाते से बनाए गए बैंक लेनदेन और निवेश संलग्न वित्तीय विवरण में प्रतिबिंबित नहीं होते हैं।

21. संस्थान, केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना के साथ कोई खाता रखने के बजाय संस्थान के कोष से चिकित्सा व्यय वितरित करने की व्यवस्था रखता है। सीजीएचएस में योगदान के रूप में कर्मचारियों के वेतन से वसूल की गई राशि को ऐसे व्यय के नाम समायोजित किया गया था।

22. सोसायटी ने वर्ष 2023–2024 के दौरान अपने सभी देनदारों/लेनदारों/प्राप्य/देय खातों से 'शेष राशि पुष्टि प्रमाणपत्र' प्राप्त करने की प्रक्रिया स्थापित नहीं की है।

23. ₹3,25,55,886/– की विविध आय में ₹1,09,42,917/– शामिल है, पूर्व अवधि की आय पिछले वर्षों में हुए समायोजन के कारण उत्पन्न होती है, जिसे चालू वित्तीय वर्ष के दौरान ठीक किया गया है।

24. काकीनाडा परिसर के लिए प्राप्त ₹10 करोड़ के अप्रयुक्त राजस्व अनुदान को वर्तमान देनदारी के रूप में दिखाया गया था क्योंकि इसका उपयोग चालू वित्तीय वर्ष के दौरान नहीं किया गया था इसलिए अनुदान प्राप्तकर्ता एजेंसी को वापस किया जाना था।

25. 2007–08 से शुरू होकर 2023–24 तक विभिन्न वित्तीय वर्षों में आकस्मिक दायित्व बकाया टीडीएस मांग राशि ₹33,07,470.00/– है, जो संस्थान द्वारा विचाराधीन है।

26. तुलन पत्र की तारीख तक निम्नलिखित आयकर मामले लंबित थे।

मामले का प्रकार	सहायक वर्ष	आदेश जारी	आदेश की तारीख	मांग की गई राशि
आदेश	2012-13	आईटी अधिनियम 1961 की धारा143(3) के तहत आदेश	13.01.2021	1,07,850
निवेदन	2016-17	आईटी अधिनियम 1961 की धारा 147 के तहत आदेश	04.06.2024	96,04,960
निवेदन	2016-17	आईटी अधिनियम 1961 की धारा 147 के तहत आदेश	04.06.2024	1,35,67,620

27. जीएसटी प्राधिकरण द्वारा कोलकाता परिसर के नाम 20/12/2023 को डिमांड ऑर्डर आईडी AA1911237655616 के माध्यम से ₹67,60,824.64 की मांग की गई है, जिसके नाम प्रबंधन ने 18.01.2024 को जवाब प्रस्तुत किया है।

28. वर्ष 2023–24 के लिए कोलकाता और काकीनाडा परिसरों के संक्षिप्त वित्तीय परिणाम इस प्रकार हैं: (₹करोड़ में)

कोलकाता

क्र.सं	विवरण	2023-24	2022-23
1	आय	51.10	48.16
2.	व्यय	25.00	23.83
3.	मूल्यह्रास	3.34	3.41
4.	कुल व्यय	28.34	27.24
5.	आधिक्य	22.76	20.92

काकीनाड़ा

क्र.सं	विवरण	2023-24	2022-23
1	आय	5.62	11.69
2.	व्यय	5.39	7.33
3.	मूल्यह्रास	0.07	0.01
4.	कुल व्यय	5.46	7.34
5.	आधिक्य	0.17	4.34

29. संस्थान की राय में, विवरण में दर्ज होने के अलावा मूल्यह्रास सहित सभी ज्ञात देनदारियों और/या प्रावधानों के लिए वित्तीय विवरण में पर्याप्त प्रावधान किया गया है।

30. संस्थान की राय में, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान निधि का कोई विचलन नहीं किया था और जिसका जिक्र विवरण में किया गया है उस समेत व्यय उस निधि से किया गया जिससे व्यय करने का इरादा था।

31. संलग्न वित्तीय विवरण दिल्ली, कोलकाता और काकीनाडा के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के समेकित वित्तीय विवरण को दर्शाता है और इसे एक्सेल में तैयार किया गया है। संस्थान, खातों की कोई समेकित पुस्तकें नहीं रखता है।

32. लागू कानूनों के अनुसार वित्त वर्ष 2018–19 से ''कॉर्पस फंड'' का नाम 'सामान्य फंड' में बदल दिया गया है।

33. जहां भी आवश्यक था, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत या पुर्नव्यवस्थित किया गया है।

34. प्राप्ति और भुगतान खाता, आय और व्यय खाता और बैलेंस शीट में दिए गए आंकड़े निकटतम रुपये में पूर्णांकित किए गए हैं।

35. 1 से लेकर 34 तक के खंड खातों का अभिन्न अंग है और इसे विधिवत प्रमाणित किया गया है।

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
रॉय घोष एंड एसोसिएट्स के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
फर्म पंजीकरण संख्या : 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत रॉय
सहभागी
सदस्यता संख्या : 053959
UDIN : 24053959BKDFIN5100

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 28 सितंबर 2024

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के लिए और उसकी ओर से

हस्ता/–	*हस्ता/–*	*हस्ता/–*
श्री. पीताम्बर बेहरा	**श्री. गौरव गुलाटी**	**प्रोफेसर आर.एम. जोशी**
उप. वित्त अधिकारी	*कुलसचिव*	*कुलपति*
	(अतिरिक्त प्रभार)	*(अतिरिक्त प्रभार)*

आईआईएफटी संकाय

(प्रकाशन की तिथि के अनुसार)

नाम	योग्यता	विशेषज्ञता
कुलपति		
जोशी, डॉ. राकेश मोहन	पीएच.डी., एम.बी.ए., ई.एम.आई.टी. (स्वर्ण पदक विजेता) आईआईएफटी	अंतर्राष्ट्रीय विपणन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रणनीति, अंतर्राष्ट्रीय उद्यमिता।
ईसीजीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर		
ओझा, प्रो. विजय पी.	पीएच.डी., एम.ए. (ऑपरेशनल रिसर्च) बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	एप्लाइड माइक्रोइकॉनॉमिक्स, मैक्रोइकॉनॉमिक्स (मध्यवर्ती और उन्नत), सीजीई मॉडलिंग, एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स, भारतीय आर्थिक विकास (स्वतंत्रता के बाद से), और जलवायु परिवर्तन का अर्थशास्त्र।
प्रतिष्ठित प्रोफेसर		
मर्जित, डॉ. सुगाता	एम.ए. (अर्थशास्त्र), रोचेस्टर विश्वविद्यालय पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), रोचेस्टर विश्वविद्यालय	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र।
प्रभागों/केंद्रों के प्रमुख		
बनर्जी, डॉ. सैकत	पीएच.डी., ''ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम'' (थंडरबर्ड स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट एरिजोना, अमरीका), एम.बी.ए. (स्वर्ण पदक विजेता), पी.जी.डी.पी.आर., पी.जी.डी.एम. एवं एस.एम.	ब्रांड प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार और विपणन संचार।
भट्टाचार्य, डॉ. राणाजॉय	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), एम.फिल. (अर्थशास्त्र), एमएससी (अर्थशास्त्र)	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र और पर्यावरण अर्थशास्त्र।
चटनानी, डॉ. नीति नंदिनी	पीएच.डी., एम.बी.ए., बीएससी	वित्तः वित्तीय प्रबंधन, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, कमोडिटी ट्रेडिंग और मूल्य जोखिम प्रबंधन, और आपूर्ति श्रृंखला वित्त।
दास, डॉ. प्रबीर कुमार	पीएच.डी., एमएससी (कृषि सांख्यिकी)	व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान विधियाँ, उन्नत अनुसंधान विधियाँ और परियोजनाएँ, विपणन अनुसंधान, संचालन अनुसंधान, उन्नत विश्लेषिकी, वित्तीय जोखिम प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय विपणन और रणनीति पर उन्नत पाठ्यक्रम, अनुप्रयुक्त विपणन अनुसंधान, व्यावसायिक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत पूर्वानुमान तकनीक, बहुभिन्नरूपी डेटा विश्लेषण और पूर्वानुमान तकनीक, सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धति, और बिग डेटा एनालिटिक्स।

कपिल, डॉ. शीबा	पीएच.डी., एम.बी.ए. (वित्त), यूजीसी नेट, हार्वर्ड लॉ स्कूल से अंतर्राष्ट्रीय वित्त	वित्तीय प्रबंधन, विलय और अधिग्रहण, व्यवसाय मूल्यांकन, निवेश विश्लेषण और मूल्यांकन।
लखनपाल, डॉ. पूजा	पीएच.डी. (संगठन व्यवहार) (आईआईटी, मुंबई), पोस्ट–डॉक्टोरल (जर्मनी), एम.ए. (मनोविज्ञान)	प्रबंधकों के लिए मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंधन, क्रॉस–सांस्कृतिक प्रबंधन और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी।
मल्ला, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव	पीएच.डी., एम.ए.	संगठनात्मक व्यवहार, व्यवहार विज्ञान, व्यावसायिक नैतिकता, संगठनात्मक न्याय, सकारात्मक मनोविज्ञान, सीएसआर, कॉर्पोरेट प्रशासन, सतत व्यवसाय।
मेहतानी, डॉ. रोहित	पीएच.डी. अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कूटनीति (एटीडब्ल्यूएस/एआईएस/जेएमआई), वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था में स्नातकोत्तर (हल, इंग्लैंड/ब्रिटिश शेवनिंग स्कॉलर), एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस एंड लीगल स्टडीज (डीकिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया), एमएस प्रबंधन परामर्श (बिट्स पिलानी), एमबीए औद्योगिक प्रबंधन (एनपीसी), एमपीए अंतर्राष्ट्रीय प्रशासन (पीयू), पीजीपी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (आईआईएफटी दिल्ली), पीजीपी इंटरनेशनल बिजनेस (आईआईएम कलकत्ता), बी.एस. (हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रणनीति, वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था, वैश्विक व्यापार वातावरण, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वार्ता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कानून और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन।
पांडे, डॉ. आशीष	पीएच.डी. (वित्त) पी.जी. प्रबंधन में डिप्लोमा एम.कॉम., बी.कॉम.	सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, निगम वित्तीय मूल्यांकन।
रंगराजन, डॉ. के	पीएच.डी., एम.कॉम., ए.एम.टी. ए.ए.एम.ए. (ऑस्ट्रेलिया)	रणनीतिक प्रबंधन और व्यवसाय योजना, संगठनात्मक पुर्नगठन, क्लस्टर विकास और रणनीतियाँ, टीपीओ और राज्य उद्यमों और संबद्ध क्षेत्रों का प्रबंधन।
रस्तोगी, डॉ. संजय	पीएच.डी. पोस्ट–डॉक्टोरल (जर्मनी), एमएससी (स्टेट.)	व्यवसाय सांख्यिकी, मात्रात्मक तकनीक, व्यवसाय अनुसंधान, विपणन अनुसंधान, अर्थमितीय मॉडलिंग और पूर्वानुमान।
साहू, डॉ. बसंता के.	पीएच.डी., अर्थशास्त्र, एम.फिल., अर्थशास्त्र, एम.ए., अर्थशास्त्र, बी.ए. (ऑनर्स), अर्थशास्त्र	विकास अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था और उचय सार्वजनिक नीति, समष्टि अर्थशास्त्र, कृषि और उचय घरेलू अर्थशास्त्र, माइक्रोफाइनेंस।

सील, डॉ. जयंत कुमार	पीएच.डी., सीएमए, एम.फिल.	कॉर्पोरेट वित्त, डेरिवेटिव और जोखिम प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, वित्तीय और प्रबंधन लेखांकन।
शर्मा, डॉ. आर.पी.	पीएच.डी., एम.बी.ए., एम.ए. (भूगोल)	विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन और बिक्री प्रबंधन।
सिंगला, डॉ. अशीम राज	एम.सी.ए., पीएच.डी.	सूचना प्रणाली, डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली, ई–कॉमर्स, ईआरपी सिस्टम, सिस्टम विश्लेषण और डिजाइन, एमएस एक्सेल का उपयोग करके डेटा मॉडलिंग और बिजनेस इंटेलिजेंस।
सिन्हा, डॉ. दीपांकर	पीएच.डी. (औद्योगिक एवं सिस्टम इंजीनियरिंग) आईआईटी, खड़गपुर एम.बी.ए. (वित्त), इग्नू एमएससी (भौतिकी–इलेक्ट्रॉनिक्स), एनआईटी, राउरकेला कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा, एसीएल ऑपरेशंस रिसर्च में डिप्लोमा (ओआरएसआई)	अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और संचालन प्रबंधन, एमआईएस, बीपीआर और बंदरगाहों एवं शिपिंग में लीन कार्यान्वयन, अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध प्रबंधन, सड़क लॉजिस्टिक्स नियामक मामले और रेलवे लॉजिस्टिक्स।
वडलामुडी, डॉ. रवीन्द्र सारधी	पीएच.डी. (आईआईएम अहमदाबाद)– एम.कॉम.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त, वित्तीय प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, प्रबंधन लेखांकन, स्प्रेडशीट मॉडलिंग, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन।
प्रोफेसर		
चक्रवर्ती, डॉ. देबाशीष	पीएच.डी., एम.फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विश्व व्यापार संगठन और भारतीय कृषि, पर्यावरणीय स्थिरता।
चौधरी, डॉ. बिबेक रे	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), एम.फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), नेट–जेआरएफ	मैक्रोइकॉनॉमिक्स, उत्पादकता विश्लेषण, एप्लाइड इकोनोमेट्रिक्स, सर्वेक्षण (निर्यात क्षमता, प्रतिस्पर्धात्मकता, आदि), सेवा व्यापार, माइक्रोफाइनेंस।
दत्ता, डॉ.राधिका प्रोसाद	पीएच.डी. (अर्लिंग्टन में टेक्सास विश्वविद्यालय), एमएस (कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी), एमएससी (आईआईटी), बी.स्टेट. (आईएसआई)	प्रबंधन सूचना प्रणाली, डेटा माइनिंग (गोपनीयता–संरक्षण डेटा माइनिंग सहित), जटिल प्रणालियों में फ्रैक्टल और स्केलिंग।
कट्टी, डॉ. (श्रीमती) विजया (पुनः नियोजित)	पीएच.डी., एम.ए. (अर्थशास्त्र), पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च	सार्क के साथ भारत का व्यापार, भारत–नेपाल आर्थिक संबंध, डब्ल्यूटीओ, आरटीए और संबंधित मुद्दे, वैश्विक व्यापार वातावरण, भारत में विश्व अर्थव्यवस्था और व्यापार नीति से संबंधित मुद्दे।

नाग, डॉ. विश्वजीत	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), पी.जी. वित्तीय प्रबंधन में डिप्लोमा	औद्योगिक अर्थशास्त्र, अनुप्रयुक्त अर्थमिति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्त।
राजू, डॉ. (श्रीमती) डी.सुनीता	पीएच.डी., एम.ए.	कृषि व्यापार मुद्दे, आर्थिक पर्यावरण और नीति, उद्योग क्षेत्र विश्लेषण, क्षेत्रीय व्यापार समझौते।
सेठ, डॉ. नितिन (प्रतिनियुक्ति पर)	पीएच.डी. (आईआईटी दिल्ली), पोस्ट–डॉक्टोरल (जर्मनी), एम.टेक (प्रोडक्शन आईआईटी दिल्ली), एम.ई. (औद्योगिक इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन), बी.ई. (मैकेनिकल)	संचालन प्रबंधन, सेवा संचालन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कुल गुणवत्ता प्रबंधन और परियोजना प्रबंधन।
शंकर, डॉ. रवि (पुनः नियोजित)	एम.एससी., एम.बी.ए., पीएच.डी.	सेवाओं का विपणन, विपणन प्रबंधन और रणनीति, वितरण प्रबंधन, प्रबंधकीय संचार।
सिंह, डॉ. राम	पीएच.डी., एम.बी.ए. यूजीसी नेट एमजीजी (जर्मनी) एससीएम और लॉजिस्टिक्स में मास्टर सर्टिफिकेट (एमएसयू–यूएसए)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संचालन और रसद।
त्रिपाठी, डॉ. शाश्वती	पीएच.डी. (गणित), नेट अर्हता प्राप्त सीएसआईआर फेलो प्रमाणित एससीओआर–पी प्रोफेशनल एपीआईसीएस, यूएसए द्वारा प्रदत्त (आपूर्ति श्रृंखला पेशेवरों के लिए एपीआईसीएस से अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन) एम.फिल. (ऐप. गणित) एमएससी (ऐप. गणित)	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, संचालन प्रबंधन, संचालन अनुसंधान, व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान विधियां (बीआरएम), ग्राफ सिद्धांत, संख्यात्मक विधियां रैखिक और गैर–रेखीय विभेदक समीकरण।
वेंकटेशन, डॉ. एम.	पीएच.डी. (सामाजिक मनोविज्ञान), एम.फिल. (सामाजिक मनोविज्ञान), एम.ए. (मनोविज्ञान)	संगठनात्मक व्यवहार, व्यवहार विज्ञान, साइकोमेट्रिक परीक्षण, मानव संसाधन प्रबंधन, योग्यता मानचित्रण, मात्रात्मक अनुसंधान विधियां, परिवर्तन प्रबंधन, वैश्विक नेतृत्व, उद्यमिता, कर्मचारी परामर्श, कर्मचारी काम पर लगाना।
वली, डॉ. ओ.पी.	पीएच.डी. (जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय), ग्रामीण प्रबंधन में मास्टर (आईआरएमए), चीनी भाषा में प्रमाणित सॉफ्टवेयर गुणवत्ता पेशेवर प्रमाणपत्र कार्यक्रम, सीएसईबी (यूके), आईटीआईएल से फाउंडेशन में प्रमाणित, एमजीजी (जर्मनी)	विपणन, सूचना प्रणाली और परियोजना प्रबंधन, अनुसंधान के तरीके और निर्णय मॉडलिंग।

एसोसिएट प्रोफेसर		
भट्टाचार्जी, डॉ. कौशिक	बी.एससी., मास्टर ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पीएच.डी	वित्तीय मॉडलिंग–वित्तीय विश्लेषण
घोष, डॉ. तृप्तेन्दु प्रकाश	पीएच.डी., एम.फिल., एम.ए. (अर्थशास्त्र)	वित्तीय प्रबंधन, इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग, वित्त में एक्सेल स्प्रेडशीट मॉडलिंग, पारिवारिक फर्मों, वित्तीय बाजारों और संस्थानों का प्रदर्शन और कॉर्पोरेट प्रशासन, निश्चित आय प्रतिभूतियां, सुरक्षा विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन।
गुप्ता, डॉ. हिमानी	पीएच.डी. (आईआईटी रूड़की), एम.फिल. (सांख्यिकी), एमएससी (सांख्यिकी), एफडीपी (आईआईएम–ए)	सांख्यिकी, अनुमान सिद्धांत, संचालन अनुसंधान, व्यवसाय अनुसंधान विधियां, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण स्थिरता मुद्दे।
सिम्स, डॉ. जैकलीन	पीएच.डी., एम.कॉम., यूजीसी–जेआरएफ	वित्तीय और प्रबंधकीय लेखांकन, निवेश बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं का प्रबंधन।
सहायक प्रोफेसर		
अहमद, डॉ. तनवीर	पीएच.डी., बी.ई., एम.टेक	संचालन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधनय मात्रात्मक तकनीक।
एजाज, डॉ. तौफीक	पीएच.डी. नेट (यूजीसी), एम. फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए. (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
अरोड़ा, डॉ. आंचल	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) नेट (यूजीसी), एम. फिल (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए. (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
बिस्वास, डॉ. अनिर्बान	पीएच.डी. नेट (यूजीसी), एम.फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए. (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
चंद, डॉ. आर्य के. सृष्टिधर	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), बीएससी (भौतिक)	आर्थिक सिद्धांत, वित्तीय अर्थशास्त्र औद्योगिक संगठन, अर्थमिति और समष्टि अर्थशास्त्र।
चावला, डॉ. गिन्नी	पीएच.डी., एम.बी.ए. (मानव संसाधन प्रबंधन), यूजीसी–नेट और जेआरएफ	मानव संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन।

दाश, डॉ. सौरव	पीएच.डी., एम.टेक, एमसीए, बीएससी (ऑनर्स) सांख्यिकी, यूजीसी नेट–प्रबंधन	प्रबंधकों के लिए डेटा विश्लेषण, एप्लाइड ऑपरेशन रिसर्च, बिजनेस एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस, सांख्यिकीय अनुप्रयोग, और प्रबंधकों के लिए ऑपरेशंस एनालिटिक्स बुनियादी अर्थमितीय सांख्यिकी, बिजनेस एनालिटिक्स और ऑपरेशंस रिसर्च।
डे, डॉ. ओइंड्रिला	पीएच.डी., एम.ए. (अर्थशास्त्र), बीएससी (अर्थशास्त्र), नेट (यूजीसी)	एप्लाइड माइक्रोइकोनॉमिक थ्योरी, गेम थ्योरी, औद्योगिक संगठन, श्रम अर्थशास्त्र, प्रायोगिक अर्थशास्त्र, परिवहन अर्थशास्त्र।
घोष, डॉ. पापिया	पीएच.डी., नेट एम.ए. (अर्थशास्त्र)	नेटवर्क का अर्थशास्त्र, कानून और अर्थशास्त्र, सामाजिक विकल्प सिद्धांत, अनुप्रयुक्त सूक्ष्मअर्थशास्त्र।
गोस्वामी, डॉ. अंजू	पीएच.डी. (वित्त अर्थशास्त्र), यूजीसी नेट (प्रबंधन) एम.बी.ए. (वित्त) बीबीए	बुनियादी और उन्नत अर्थमिति, अनुसंधान पद्धति, दक्षता उत्पादकता विश्लेषण।
ग्रोवर, डॉ. चारु	पीएच.डी., नेट (यूजीसी), एम.फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए.. (अर्थशास्त्र)	पर्यावरण अर्थशास्त्र, व्यापार, अर्थमिति, सूक्ष्म अर्थशास्त्र।
गुप्ता, डॉ. आशीष	पीएच.डी., एम.बी.ए. (मार्केटिंग), यूजीसी नेट	विपणन प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार, विज्ञापन और ब्रांड प्रबंधन, डिजिटल और सोशल मीडिया मार्केटिंग।
हुरिया, सुश्री सुगंधा (अनुबंध पर)	एम.फिल (अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र) बी.ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र	अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश।
जैन, सुश्री नेहा (अनुबंध पर)	पीएच.डी. एम.फिल. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (अर्थशास्त्र)	अर्थमिति, विकास अध्ययन।
जयसवाल, डॉ. प्रियंका	पीएच.डी., एमबीए (मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार), बी.एससी.	मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार।
कनुप्रिया, डा. (अनुबंध पर)	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए. (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
माहेश्वरी, डॉ. प्रतीक	पीएच.डी., एम.बी.ए. (मार्केटिंग) यूजीसी नेट मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक फैकल्टी डेवलपमेंट में सर्टिफिकेट प्रोग्राम (सीपीएफडी), एस्टन यूनिवर्सिटी बर्मिंघम, यूके	अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, विज्ञापन और प्रचार प्रबंधन, ग्रामीण विपणन, प्रबंधन के मूल सिद्धांत।

मिश्रा, डॉ. ओली	पीएच.डी., यूजीसी नेट (प्रबंधन), एम.बी.ए. (आईबी), बीबीए	विपणन प्रबंधन के क्षेत्र में शोधकर्ता और शिक्षाविद, अनुसंधान रुचि के क्षेत्रों में शामिल हैं– डिजिटल मार्केटिंग, सामाजिक उद्यमिता, मितव्ययी नवाचार, उपभोक्ता व्यवहार शिक्षण रुचि के क्षेत्रः उपभोक्ता व्यवहार, विपणन प्रबंधन, उद्यमिता।
मुखर्जी, डॉ. तुहीना	पीएच.डी., नेट (यूजीसी), मनोविज्ञान, एम.ए. (मनोविज्ञान)	संगठनात्मक व्यवहार/मानव संसाधन प्रबंधन।
नेगी, डॉ. रघुवीर (अनुबंध पर)	पीएच.डी. (अंतरराष्ट्रीय व्यापार), एम.कॉम (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार), बीबीए (प्रबंधन), निर्यात प्रबंधन में डिप्लोमा	व्यापार और रसद।
रफी ओपीसी, डॉ. मुहम्मद	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), एम.फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. एप्लाइड इकोनॉमिक्स, बी.ए. (अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
राय, डॉ. सिद्धार्थ शंकर	बीबीए, एम.बी.ए., पीएच.डी	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रसद और वितरण प्रबंधन, संचालन प्रबंधन, स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला जवाबदेही, मानवीय रसद।
राणा, डॉ अरुणिमा	पीएच.डी. (बिट्स पिलानी), एम.बी.ए. (मार्केटिंग), यूजीसी नेट	विपणन प्रबंधन, ब्रांड प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार मॉडलिंग, डिजिटल मार्केटिंग।
रस्तोगी, डा.रश्मि	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), व्यवसाय अर्थशास्त्र,में एम. फिल, व्यवसाय अर्थशास्त्र, में मास्टर्स, बी.कॉम. (ऑनर्स)	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, पर्यावरण, सार्वजनिक वित्त।
शर्मा, डॉ. नमन	पीएच.डी. (प्रबंध), एम.बी.ए., यूजीसी नेट	सामान्य प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार मानव संसाधन प्रबंधन।
सिद्दीकी, डॉ. अरीज आफताब (ग्रहणाधिकार पर)	पीएच.डी., एमआईबी, रणनीतिक सोर्सिंग में नेटध्जेआरएफ से यूजीसी–नेट प्रमाणपत्र	व्यापार संचालन और वैश्विक सोर्सिंग।
सिंह, डॉ. अनुराग बहादुर	बी.कॉम., एम.कॉम., डी.फिल.	लेखांकन एवं वित्त।
सिंह, डॉ. पारुल	पीएच.डी., एम.बी.ए. (एचआर, मार्केटिंग), नेट और जेआरएफ (यूजीसी), बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान)	सूचना प्रौद्योगिकी और विपणन।
टाक, डॉ. प्रीति	पीएच.डी., एम.बी.ए. (मार्केटिंग) यूजीसी नेट	विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, बिक्री और वितरण प्रबंधन।

टुटेजा, डॉ. दिव्या	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र), यूजीसी नेट एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी.ए. (एच) अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र, वित्तीय बाजार, मौद्रिक सिद्धांत, अर्थमिति और पूर्वानुमान, विकास अर्थशास्त्र।
वर्मा, डॉ. जे.के.	पीएच.डी., एम. टेक., बी.टेक.	अनुसंधान रुचियां: क्लाउड कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन, संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कौशल सेटरू हडूप, आर, पायथन, एडवांस एक्सेल, एसक्यूएल, ईआरपी सिस्टम।
वर्मा, डॉ. सोनू	पीएच.डी., एम.बी.ए. (मार्केटिंग, गोल्ड मेडलिस्ट), प्रबंधन में नेट (यूजीसी), बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स)	व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान विधियां, विपणन अनुसंधान, संचालन प्रबंधन, अनुसंधान पद्धति, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन।
वाधवा, डॉ. कविता	पीएच.डी. (वित्त), पीएच.डी. (लेखा), विजिटिंग स्कॉलर प्रोग्राम (वीएसपी), व्हिटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, सिरैक्यूज यूनिवर्सिटी, एनवाई एम.फिल. (वित्त और अकाउंटिंग), एम.कॉम. (वित्त और अकाउंटिंग)	वित्तीय लेखांकन, प्रबंधन लेखांकन, वित्तीय विवरण विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन, पोर्टफोलियो प्रबंधन और म्यूचुअल फंड, एमएस–एक्सेल का उपयोग करके वित्तीय मॉडलिंग।
यादव, डॉ. मिकलेश प्रसाद	पीएच.डी. (वित्त), यूजीसीनेट (प्रबंधन), एम.बी.ए. (वित्त)	अनुसंधान रुचिः अस्थिरता की भविष्यवाणी, स्पिलओवर अस्थिरता, कॉर्पोरेट वित्त, कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी शिक्षण रुचिः कॉर्पोरेट वित्त, सुरक्षा विश्लेषण और मूल्यांकन, पोर्टफोलियो प्रबंधन, वित्तीय व्युत्पन्न, वित्तीय अर्थमिति।

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र

प्रोफेसर एवं प्रमुख		
बनर्जी, डॉ. प्रीतम	पीएच.डी. (सार्वजनिक नीति) एम.ए. (अर्थशास्त्र)	विश्व अर्थव्यवस्था, रसद क्षेत्र।
प्रोफेसर		
कल्लूम्मल, डॉ. मुरली	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र) एम.ए. (औद्योगिक पारिस्थितिकी), एम.फिल. (इंडस्ट्रियल इको),	व्यापार और पर्यावरण, निवेश और व्यापार, गैर–कृषि बाजार पहुंच (एनएएमए) मुद्दों पर डब्ल्यूटीओ वार्ता, एसपीएस और टीबीटी उपाय (गैर–टैरिफ उपाय), अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में मानकों की भूमिका, एसपीएस और टीबीटी पर वेब पोर्टल, मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए)।
शर्मा, डॉ. सचिन कुमार	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)	व्यापार और विकास, कृषि और विश्व व्यापार संगठन।

एसोसिएट प्रोफेसर		
गुप्ता, डॉ. प्रलोक	पीएच.डी., एम.बी.ई., यूजीसी नेट	सेवा व्यापार का अर्थशास्त्र, डब्ल्यूटीओ और संबंधित मुद्दे, अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन, व्यापार और निवेश संबंध, ई–कॉमर्स।
सहायक प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर स्तर पर सलाहकार		
कुमार, डॉ अनिमेष	पीएच.डी., एमएससी	अर्थशास्त्र।
व्यापार एवं निवेश कानून केंद्र		
प्रोफेसर एवं प्रमुख		
नेदुमपारा, डॉ. जेम्स जे.	पीएच.डी. (एनएलएस, बी.लोर), एलएलएम (कैम्ब्रिज), एलएलएम (एनवाईयू), एलएलएम (एनयूएस), एलएलबी (एमजीयू)	सार्वजनिक अंतर्राष्ट्रीय कानून, निवेश कानून, व्यापार उपचार, एसपीएस/टीबीटी, डब्ल्यूटीओ विवाद।
एसोसिएट प्रोफेसर		
सिंह, सुश्री शैलजा	एलएलएम, एल.एल.बी. (ऑनर्स), बी.ए.	डब्ल्यूटीओ विवाद, डब्ल्यूटीओ, निवेश और ई–कॉमर्स से संबंधित अन्य कानूनी पहलू। सहायक प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर स्तर पर सलाहकार
सहायक प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर स्तर पर सलाहकार		
भट्टाचार्य, सुश्री अपर्णा	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय से बी.ए. एलएलबी (ऑनर्स), ओ.पी. जिंदल ग्लोबल विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून में एलएलएम	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून।
प्रदीप, सुश्री शाइनी	एलएलएम, बी.ए.एल.एल.बी (ऑनर्स)	अंतर्राष्ट्रीय कानून और पर्यावरण कानून एवं व्यापार का इंटरफेस।
शेखर, श्री सात्विक	एल.एल.एम. एल.एल.बी.	डब्ल्यूटीओ कानून, व्यापार विनियमन और अंतर्राष्ट्रीय निवेश कानून।
तिवारी, सुश्री सुनंदा	एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश से बी.ए. एलएलबी (ऑनर्स)। एलएलएम–एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम	अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून।

आईआईएफटी प्रशासन

(प्रकाशन की तिथि के अनुसार)

पदनाम	नाम	फोन नंबर
कुलसचिव	गौरव गुलाटी (अतिरिक्त चार्ज)	011–39147210 (एक्सटें 208/210) 011–39147211
उप कुलसचिव (परियोजनाएं, पुस्तकालय, हिंदी प्रभाग और संपदा एवं रखरखाव)	गौरव गुलाटी	011–39147306 (एक्सटें 515)
उप वित्त अधिकारी	पीताम्बर बेहरा	011– 39147317 (एक्सटें 511)
उप कुलसचिव (शिक्षाविद, सामान्य प्रशासन, स्थापना, आरटीआई और कानूनी सेल और समन्वय सेल)	अमित कुमार चनपुरिया	011–39147200 (एक्सटें 508)
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	पी. शक्तिवेल (अनुबंध पर)	011– 39147318 (एक्सटें 514)
संस्थान इंजीनियर	राकेश कुमार गुप्ता (अनुबंध पर)	011–39147200 (एक्सटें 504)
सहायक वित्त अधिकारी	पी.जी. दीपा	011– 39147247 (एक्सटें 513)
सहायक कुलसचिव	भुवन चंद्र (प्रतिनियुक्ति पर)	–
	मीनाक्षी सक्सैना	011–39147200 (एक्सटें 506)
	नलिनी मेश्राम	011–39147249 (एक्सटें 505)
	पार्थ शाह	–
	विनय गोयल	–
अनुभाग अधिकारी	अनिल कुमार मीना	011–39147213 (एक्सटें 621)
	द्वैपायन ऐश	033–24195700
	गौरव गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर)	–
	होइजाहत बैते	011–39147322 (एक्सटें 124)
	जया फुलवानी	–
	जीतेन्द्र सक्सैना	011–39144221 (एक्सटें 523)
	करुण दुग्गल	011–39147319 (एक्सटें 806)
	कविता शर्मा	011– 39147321 (एक्सटें 421)
	ललिता गुप्ता	011–39147200 (एक्सटें 132)
	मोहिनी मदान	011– 39147323 (एक्सटें 523)
	राहुल कपूर	011– 39147315 (एक्सटें 408)
	राकेश कुमार ओझा	011–39147226 (एक्सटें 426)
	सुमिता मारवा	011– 39147223 (एक्सटें 623)
लेखा अधिकारी	बिशन पाल (अनुबंध पर)	011–39147225 (एक्सटें 525)
	एम. वडिवेलु (प्रतिनियुक्ति पर)	–
	शाहिद अनवर	033–24195700 (एक्सटें)
हिंदी अधिकारी	कविता शर्मा (अतिरिक्त चार्ज)	011– 39147321 (एक्सटें 421)

आईआईएफटी सहायता सेवाएं

कार्य	नाम	फोन नंबर
प्रमुख कॉर्पोरेट संबंध और प्लेसमेंट	डॉ. पूजा लखनपाल	011–39147305 (एक्सटें 817)
प्रणाली प्रबंधक	विमल कुमार पांडा	011–39147222 (एक्सटें 101)
सहायक प्रणाली प्रबंधक	एस. बालासुब्रमण्यम	011–39147200 (एक्सटें 102)
कंप्यूटर प्रोग्रामर	–	
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	प्रणित लांडगे	011– 39147383 (एक्सटें 834)
	वैदेगी धामोधरण	

अतिथि संकाय

नाम	पदनाम	संगठन
डॉ. अभिषेक रॉय	ई–गवर्नेंस प्रमुख	पश्चिम बंगाल सरकार
डॉ. अभिषेक मित्तल	निदेशक एम एंड ए	मार्सक सिंगापुर प्रा. लिमिटेड
डॉ. अभिषेक. एस. रवि	पार्ट्नर सी.ए. फर्म	रवि रंजन एंड कंपनी
डॉ. अमरनाथ मित्रा	संकाय	फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
डॉ. कुमार सिंह	प्रोफेसर – रणनीति	फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
डॉ. आशीष कुमार गुप्ता	संकाय	ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
डॉ. आसिफ जमीर	संकाय	फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
डॉ. सी.वी. रामानन	विजिटिंग फैकल्टी एवं प्रशिक्षक	
डॉ. धीरज कुमार	सहायक प्रोफेसर (संविदात्मक)	यीशु और मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
डॉ. ध्रुव बजाज	सह संस्थापक	टैसेट्स (फिनटेक)
डॉ. गौरव नागपाल	संकाय	बिट्स पिलानी
डॉ. गौतम दास		
डॉ. हर्ष वर्धन	अतिथि संकाय	
डॉ. जितेन्द्र कुमार		सीएफए अल्टाक्योर एआई
डॉ. कार्तिकेय मल्होत्रा	वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक	सैमसंग आर एंड डी इंस्टीट्यूट इंडिया
डॉ कौस्तोव चक्रवर्ती	संकाय	आईएमटी गाजियाबाद
डॉ. मन्नु चौधरी	प्रबंध निदेशक	मासूम समूह
डॉ. मोहन कृष्णन	सलाहकार	एमएल इन्फोमैप लिमिटेड
डॉ. मुनेंद्र पाल सिंह	निदेशक	एसएमआई, दुबई
डॉ. एन. जेना	प्रोफेसर और निदेशक	डीएसईयू, नई दिल्ली
डॉ. नलिन जैन	प्रोफेसर	आईएमआई, दिल्ली
डॉ. नवीन कुमार	अतिथि संकाय	नवीन और नवीन,संस्थापक और प्रबंध भागीदार
डॉ. नीता त्रिपाठी	–	अतिथि संकाय
डॉ. निर्मलया बंदोपाध्याय	प्रोफेसर	फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
डॉ. आर. श्रीनिवासन	अतिथि संकाय	
डॉ. आर. श्रीनिवासन	निदेशक और प्रोफेसर	सॉइल
डॉ. राहुल प्रताप सिंह कौरव	संकाय	फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
डॉ. रमेश बहल	प्रोफेसर और निर्देशक	आईएमआई, नई दिल्ली
डॉ. रिक पॉल	संकाय	बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय
डॉ. ऋषि मेहरा	शेयर मार्केट कोच	शेयर गुरुकुल
डॉ. रुचिता चक्रवर्ती	सहेयक प्रोफेसर	कानून संकाय
डॉ. सलोनी सिन्हा	संकाय	बिमटेक

डॉ. सरबजीत बुटालिया	प्रशिक्षण सलाहकार	बीएसएचआईपीएस (यूके)
डॉ. शशांक शेखर	सीईओ और संस्थापक	ब्रेनपैन डिजिटल प्रा. लिमिटेड
डॉ. शिखर रंजन	निदेशक	एशियाई अफ्रीकी कानूनी सलाहकार संगठन नई दिल्ली
डॉ. शीलादित्य दासगुप्ता	कॉर्पोरेट प्रशिक्षक एवं अतिथि संकाय	एनटीपीसी–पीएमआई, एनपीसी, मल्टी–सॉफ्ट कार्पोरेशन – नोएडा और प्रिंसटन अकादमी मुंबई
डॉ. सुमित पाहवा	हैड– ब्रैंड	टाटा टेली बिजनेस सर्विसेज
डॉ. सुमेर सिंह	सह – प्रोफेसर	आईआईटी दिल्ली
डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	अतिथि संकाय	विजिटिंग फैकल्टी
डॉ. विजय बंसल	निरीक्षक (सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद एवं सेवा कर)	कस्टम विभाग
डॉ. विवेक रस्तोगी	सीटीओ	फैब इंडिया
डॉ. वाई.के. वर्मा.	सीईओ	प्रबंधन परफेक्ट स्क्वायर

स्थायी सदस्य

(31.3.2024 तक)

क्र. सं.	कंपनी का नाम
1.	ए. सरकार एंड कंपनी (ज्वैलर्स) प्रा. लिमिटेड, कोलकाता
2.	कृषि. एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात, विकास प्राधिकरण नई दिल्ली
3.	अखिल भारतीय हस्तशिल्प बोर्ड, नई दिल्ली
4.	इलाहबाद बैंक, कोलकाता
5.	अल्लाना कोल्ड स्टोरेज प्रा. लिमिटेड मुंबई
6.	अमरावती कपड़ा करूर
7.	अमृतांजन लिमिटेड चेन्नई
8.	एंग्लो–फ्रेंच ड्रग कंपनी (ईस्टर्न) लिमिटेड बेंगलुरु
9.	अरविंद डिस्टिलरी एंड केमिकल्स लिमिटेड, चेन्नई
10.	आंध्रा बैंक हैदराबाद
11.	एआईएमआईएल लिमिटेड, नई दिल्ली
12.	एलेप्पी कंपनी लिमिटेड, अल्लेप्पी
13.	प्रबंधन अध्ययन अकादमी देहरादून
14.	अमीरा फूड्स (आई) लिमिटेड नई दिल्ली
15.	एवीआईएस इंटरनेशनल लिमिटेड नई दिल्ली
16.	अलंकार ग्लोबल प्रा. लिमिटेड नई दिल्ली
17.	परिधान निर्यात संवर्धन परिषद, नई दिल्ली
18.	अदानी एक्सपोर्ट्स लिमिटेड अहमदाबाद
19.	अशोक लीलैंड लिमिटेड चेन्नई
20.	बी.टी.एक्स. केमिकल्स (पी) लिमिटेड मुंबई
21.	बैंक ऑफ इंडिया मुंबई
22.	बैंक ऑफ मदुरा लिमिटेड, चेन्नई
23.	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु
24.	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड नई दिल्ली
25.	भारत हेवी प्लेट एंड वेसल्स लिमिटेड, विशाखापत्तनम
26.	भारत मोटर्स चेन्नई
27.	ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बेंगलुरु
28.	ब्रुक बॉन्ड इंडिया लिमिटेड, बेंगलुरु
29.	बालाजी डिस्टिलरीज लिमिटेड चेन्नई
30.	बर्ड एंड कंपनी प्रा. लिमिटेड, कोलकाता
31.	बैंक ऑफ बड़ौदा, नई दिल्ली
32.	बॉम्बे डाइंग एंड मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, मुंबई
33.	भारत एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली
34.	सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद, मुंबई
35.	भारतीय काजू निर्यात संवर्धन परिषद, कोचीन
36.	सिएट टायर्स ऑफ इंडिया लिमिटेड मुंबई
37.	चेज ब्राइट स्टील कंपनी लिमिटेड मुंबई

38.	भारत में चार्टर्ड परिवहन संस्थान नई दिल्ली
39.	चिलीज एक्सपोर्ट हाउस लिमिटेड विरुधुनगर
40.	सिम्को इंटरनेशनल नई दिल्ली
41.	सीएमसी लिमिटेड, नई दिल्ली
42.	सीएमएस इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, हैदराबाद
43.	कैपेक्सिल कोलकाता
44.	कॉफी बोर्ड, बेंगलुरु
45.	कॉयर बोर्ड, कोच्चि
46.	वाणिज्य एवं निर्यात संवर्धन विंग, आंध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद
47.	चमड़ा निर्यात परिषद, चेन्नई
48.	कैम्फर एंड अलाइड प्रोडक्ट्स लिमिटेड, नई दिल्ली
49.	कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, नई दिल्ली
50.	क्रिसेंट इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नई
51.	उद्योग निदेशालय हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला
52.	उद्योग निदेशालय मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल
53.	उद्योग निदेशालय महाराष्ट्र सरकार, मुंबई
54.	डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड, हैदराबाद
55.	निर्यात संवर्धन एवं विपणन निदेशालय, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर
56.	उद्योग और वाणिज्य निदेशालय कर्नाटक सरकार बेंगलुरु
57.	धनलक्ष्मी वीविंग वर्क्स, कन्नानोर (केरल)
58.	डी.सी.एम. लिमिटेड, नई दिल्ली
59.	डन एंड ब्रैडस्ट्रीट इंफॉर्मेशन सर्विसेज इंडिया लिमिटेड मुंबई
60.	ईस्टर्न सिल्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड कोलकाता
61.	ईसीजीसी ऑफ इंडिया लिमिटेड मुंबई
62.	इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड हैदराबाद
63.	इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार एवं प्रौद्योगिकी विकास निगम लिमिटेड, नई दिल्ली
64.	इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली
65.	एक्सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुंबई
66.	भारतीय निर्यात–आयात बैंक, नई दिल्ली
67.	इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद, नई दिल्ली
68.	ईएस जी इंटरनेशनल, नई दिल्ली
69.	ईगल फ्लास्क इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड मुंबई
70.	एस्कॉर्ट्स लिमिटेड, फरीदाबाद
71.	फेडरल बैंक लिमिटेड, अलवाए
72.	फर्न्स एक्सपोर्ट्स मुंबई
73.	भारतीय खाद्य निगम, नई दिल्ली
74.	फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, नई दिल्ली
75.	फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स (त्रावणकोर) लिमिटेड, कोचीन
76.	फिकॉम ऑर्गेनिक्स लिमिटेड, मुंबई
77.	फोम मैटिंग्स (इंडिया) लिमिटेड, अल्लेप्पी

78.	जी.एस.टी. निगम, नई दिल्ली
79.	जीप इंडस्ट्रियल सिंडिकेट लिमिटेड नई दिल्ली
80.	ग्रीव्स कॉटन एंड कंपनी लिमिटेड मुंबई
81.	ग्रिंडवेल नॉर्टन लिमिटेड, मुंबई
82.	मूंगफली निष्कर्षण निर्यात विकास संघ मुंबई
83.	गुजरात अल्कलीज एंड केमिकल्स लिमिटेड, बड़ौदा
84.	गुरु नानक मर्केंटाइल कंपनी, जालंधर
85.	गुजरात अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संवर्धन परिषद, गांधीनगर
86.	जीके एक्जिम (आई) लिमिटेड, मुंबई
87.	गांधी प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (जीआईटीएएम) विशाखापत्तनम
88.	जी. प्रेमजी लिमिटेड, बैंकाक
89.	गीतांजलि एक्सपोर्ट्स कार्पोरेशन लिमिटेड मुंबई
90.	जेम एंड ज्वैलरी ईपीसी मुंबई
91.	गीतांजलि जेम्स लिमिटेड मुंबई
92.	हरियाणा राज्य लघु उद्योग एवं निर्यात निगम लिमिटेड चंडीगढ़
93.	एच.एम.टी. (इंटरनेशनल) लिमिटेड बैंगलोर
94.	हीरो साइकिल प्रा. लिमिटेड लुधियाना
95.	एच.पी. राज्य लघु उद्योग एवं निर्यात निगम लिमिटेड शिमला
96.	हिल टिलर एंड कंपनी बेंगलुरु
97.	हेवी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लिमिटेड रांची
98.	हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड, मुंबई
99.	हिंदुस्तान लीवर लिमिटेड मुंबई
100.	हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड उदयपुर
101.	हैदराबाद लैम्प्स लिमिटेड सिकंदराबाद
102.	इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड नई दिल्ली
103.	भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड, नई दिल्ली
104.	आई.टी.सी. लिमिटेड कोलकाता
105.	भारत व्यापार संवर्धन संगठन, नई दिल्ली
106.	भारत–सीआईएस चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री नई दिल्ली
107.	भारतीय निर्यात एवं आयात प्रबंधन संस्थान मुंबई
108.	इंडियन बैंक चेन्नई
109.	इंडियन कॉटन मिल्स फेडरेशन, नई दिल्ली
110.	इंडियन ओवरसीज बैंक चेन्नई
111.	इंडियन रेलवे कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली
112.	इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड मुंबई
113.	भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, मुंबई
114.	इंडिया शुगर एंड जनरल इंडस्ट्री एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली
115.	भारतीय निर्यात प्रबंधन संस्थान, बेंगलुरु
116.	इम्केमेक्स इंडिया लिमिटेड, मुंबई
117.	जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड नई दिल्ली
118.	जम्मू एवं कश्मीर बैंक लिमिटेड, श्रीनगर

119.	भारतीय जूट निगम लिमिटेड, कोलकाता
120.	किर्लोस्कर ऑयल इंजन लिमिटेड पुणे
121.	केरल राज्य निर्यात व्यापार विकास परिषद त्रिवेन्द्रम
122.	किसान उत्पाद लिमिटेड बेंगलुरु
123.	किर्लोस्कर न्यूमेटिक कंपनी लिमिटेड पुणे
124.	केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम त्रिवेन्द्रम
125.	केरल राज्य नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड, कोच्चि
126.	कर्नाटक राज्य औद्योगिक निवेश एवं विकास निगम लिमिटेड बेंगलुरु
127.	खुशीराम बिहारी लाल लिमिटेड दिल्ली
128.	कुद्रेमुख लौह अयस्क कंपनी लिमिटेड बेंगलुरु
129.	लक्ष्मी मशीन वर्क्स लिमिटेड कोयंबटूर
130.	लोटस इंटरनेशनल मुंबई
131.	एल.जी. बालाकृष्णन एंड ब्रदर्स लिमिटेड कोयंबटूर
132.	लिबर्टी फुटवियर कंपनी करनाल
133.	मारुति उद्योग लिमिटेड नई दिल्ली
134.	महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड मुंबई
135.	मझगांव डॉक लिमिटेड मुंबई
136.	मैग्नम इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड नई दिल्ली
137.	मैसूर कॉफी क्योरिंग वर्क्स लिमिटेड चिकमंगलूर
138.	समुद्री उत्पाद निर्यात देव. अधिकार कोच्चि
139.	एमएसटीसी लिमिटेड कोलकाता

140.	मेटल बॉक्स कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड चेन्नई
141.	महाराष्ट्र राज्य कपड़ा निगम लिमिटेड मुंबई
142.	मेकॉन लिमिटेड नई दिल्ली
143.	मीका मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्रा. लिमिटेड कोलकाता
144.	एमएमटीसी लिमिटेड नई दिल्ली
145.	एमएसएसआईडीसी लिमिटेड मुंबई
146.	मोहन एक्सपोर्ट्स (इंडिया) लिमिटेड नई दिल्ली
147.	महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड पुणे
148.	मैक्सवेल एक्जिम लिमिटेड पांडिचेरी
149.	एमवीआर इंडस्ट्रीज लिमिटेड पांडिचेरी
150.	मेट्रोकेम इंडस्ट्रीज लिमिटेड अहमदाबाद
151.	राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
152.	नागार्जुन साइनॉड्स लिमिटेड, हैदराबाद
153.	नरूला उद्योग (आई) प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली
154.	राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान, हैदराबाद
155.	राष्ट्रीय खनिज विकास निगम. लिमिटेड, हैदराबाद
156.	राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम लिमिटेड नई दिल्ली
157.	राष्ट्रीय कपड़ा निगम लिमिटेड, मुंबई
158.	राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड, नई दिल्ली
159.	भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड नई दिल्ली

160.	न्यू सेंट्रल जूट मिल्स कंपनी लिमिटेड कोलकाता
161.	नव भारत कॉर्पोरेशन मुंबई
162.	राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक मुंबई
163.	आयुध निर्माणी बोर्ड कोलकाता
164.	ओवरसीज कंस्ट्रक्शन काउंसिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली
165.	पैन फूड्स लिमिटेड पानीपत
166.	पावरलूम विकास एवं ईपीसी मुंबई
167.	पाम फार्मास्यूटिकल्स (दिल्ली) लिमिटेड दिल्ली
168.	पीएसजी प्रबंधन संस्थान कोयंबटूर
169.	पीसीआई लिमिटेड नई दिल्ली
170.	पॉलीओलेफिन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुंबई
171.	पारेख ब्रदर्स मुंबई
172.	पंजाब एंड सिंध बैंक नई दिल्ली
173.	प्रोजेक्ट्स एंड इक्विपमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली
174.	पंजाब नेशनल बैंक नई दिल्ली
175.	रानी एजेंसी सेलम
176.	रबर बोर्ड कोट्टायम
177.	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड विशाखापत्तनम
178.	रेकिट एंड कोलमैन ऑफ इंडिया लिमिटेड कोलकाता
179.	राजस्थान लघु उद्योग निगम लिमिटेड जयपुर
180.	सु–राज डायमंड्स (आई) लिमिटेड मुंबई
181.	सतनाम ओवरसीज लिमिटेड नई दिल्ली
182.	शाह न्यूमेटिक्स मुंबई
183.	सांगली बैंक लिमिटेड सांगली
184.	श्रीजी केमिकल्स अहमदाबाद
185.	शापूरजी पालोनजी एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड मुंबई
186.	एसटीसी ऑफ इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली
187.	श्रीराम जूट मिल्स लिमिटेड, कोलकाता
188.	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड कोलकाता
189.	सेल इंटरनेशनल लिमिटेड नई दिल्ली
190.	सांघवी एक्सपोर्ट्स मुंबई
191.	सिंथेटिक एवं रेयॉन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल मुंबई
192.	मसाला बोर्ड कोचीन
193.	खेल सामग्री निर्यात संवर्धन परिषद नई दिल्ली
194.	सेठ घासीराम गोपीकिशन बद्रुका एजुकेशनल सोसायटी (पंजीकृत), हैदराबाद
195.	टी. अब्दुल वाहिद एंड कंपनी चेन्नई
196.	टाटा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड मुंबई
197.	टाटा इंडस्ट्रीज प्रा. लिमिटेड मुंबई
198.	टेक्नोफैब इंजीनियरिंग लिमिटेड नई दिल्ली
199.	टेक्समैको लिमिटेड कोलकाता
200.	चाय बोर्ड कोलकाता
201.	थर्मैक्स लिमिटेड पुणे
202.	त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लिमिटेड, इलाहाबाद

203.	टीएनटी इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली
204.	यू.बी. निर्यात बेंगलुरु
205.	उत्तर प्रदेश सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ
206.	उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लिमिटेड नई दिल्ली
207.	उषा इंटरकांटिनेंटल (भारत) नई दिल्ली
208.	वी.डी. स्वामी एंड कंपनी लिमिटेड चेन्नई

209.	वी.एस. डेम्पो एंड कंपनी लिमिटेड, पणजी
210.	वर्धमान स्पिनिंग एंड जनरल मिल्स लिमिटेड लुधियाना
211.	वासु अगरबत्तीज मैसूर
212.	विक्टर टूल्स प्रा. लिमिटेड जालंधर
213.	वीबीसी एजुकेशनल सोसायटी विशाखापत्तनम
214.	वोल्टास लिमिटेड हैदराबाद यूनिट हैदराबाद

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)

दिल्ली कैम्पस
बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110016
फोनः 011–39147200 – 205 (पीबीएक्स)

कोलकाता कैम्पस
1583, मदुरदाहा, चौबाघा रोड, वार्ड नंबर 108, बोरो XII,
कोलकाता–700107
फोनः 033–35014500, 033–35014600 (पीबीएक्स)

काकीनाड़ा कैम्पस
आईआईएफटी बिल्डिंग, जेएनटीयूके कैंपस
काकीनाड़ा–533003

www.iift.ac.in

Artistic view of IIFT new campus, Maidan Garhi, New Delhi